# LOK SABHA DEBATES

(Fourth Session)



(Vol. IX contains Nos. 1—10)

LOK SABHA SECRETARIAT NEW DELHI

Price: Rs. 4.00

Acc. No. 2 (6) 3 Date 23 2.61.

#### CONTENTS

[Seventh Series, Volume IX, 4th Session, 1980/1902/(Saka)]

| No.1, Monday, November 17, 1                              | 980/  | Kart  | ika : | <b>26</b> , 19 | 02 (  | Saka) |        |       |                      |
|---|-------|-------|-------|----------------|-------|-------|--------|-------|----------------------|
|   |       |       |       |                |       |       |        | C     | OLUMNS               |
| Dituary References  | •     | •     |       | •              | •     | •     | •      | •     | 1—4                  |
| Introduction of New Ministers.                            | •     | •     |       | •              | •     | •     | •      | •     | 4-5                  |
| Oral Answers to Questions:                                |       |       |       |                |       |       |        |       |                      |
| *Starred Questions Nos.                                   | 1, 2  | 3     | and   | 12             |       | •     | •      | •     | 6-35                 |
| Written Answers to Questions:                             |       |       |       |                |       |       |        |       |                      |
| Starred Questions Nos.                                    | 4 t   | 011   | and   | 14 to          | 20    |       |        | •     | 35-62                |
| Unstarred Questions Nos.                                  |       |       | ı to  | 200            |       |       | •      |       | 62-313               |
| Re. Motions for Adjournment                               |       |       | •     | •              | •     |       | •      | •     | 313-29               |
| Papers Laid on the Table .                                |       |       | •     |                |       |       | •      | ٠     |                      |
| Arrest of Member .  |       |       | •     |                |       |       |        |       | 342                  |
| (Shri George Fernandes)                                   |       |       |       |                |       |       |        |       |                      |
| Release of Member .                                       |       |       |       | •              |       |       |        |       | 343                  |
| (Shri A.K. Roy)   |       |       |       |                |       |       |        |       |                      |
| Calling Attention to Matter of Continued Stalemate in Ass |       |       |       |                |       |       |        |       | 343-401              |
|   |       |       |       |                |       | O     |        |       |                      |
| Shri Dhanik Lal Mandal                                    | •     |       | •     | •              | •     | •     | •      | •     | 343,<br>348-56       |
| Shri Zail Singh .   | ٠     |       | •     | ٠              |       |       | 56-64  | 277   | 345-47,<br>2, 389-95 |
| Shri B. V. Desai .  |       |       | •     | •              |       |       | 30-04  |       | 261 6-               |
|   |       |       |       |                |       |       |        |       | J 1 7                |
| Shri Satish Agarwal                                       | •     |       | •     | •              | •     | •     | •      | •     | 367-71               |
| A Shri Inderjit Gupta .                                   |       |       | •     |                |       |       |        |       | 380-89               |
| Shri Harikesh Bahadur.                                    | •     |       | •     | •              |       | •     |        |       | 396-401              |
| toria Memorial (Amendment                                 | nt) I | 3ill— | –Intr | oducea         | !     |       |        |       | 401-402              |
| " cters Under Rule 377:-                                  |       |       |       |                |       |       |        |       |                      |
| (i) Need for investigati                                  |       |       |       | ath f          | or C. | TO.   | telegr | aphis | ,t                   |
| leading to strike by<br>Shri R.L. Bhatia                  | •     | •     |       |                |       |       |        |       | 402                  |
|   |       |       |       |                |       |       |        |       |                      |

<sup>\*</sup>The Sign+marked above the name of a Member indicates that the question was actually asked on the floor of the House by that Member 2287 LS—1.

| •      | ••                                  |                  |               |        |        |         |          |         | C     | OLUMNS          |
|--------|-------------------------------------|------------------|---------------|--------|--------|---------|----------|---------|-------|-----------------|
| (ii)   | Inadequate of                       | f take of        | paddy         | at su  | pport  | prices  | s.       | •       |       | 403             |
|        | Shri P. Rajago                      | pal Naid         | u.            | •      | •      | •       | •        | •       | •     | 403             |
| (iii)  | Steps to provid                     | de electri       | city to       | the fa | armer  | s in U  | ttar I   | Prades  | h.    |                 |
|        | Shri Zainul Ba                      | sher.            | ٠             | •      |        | •       | •        | •       |       | 403-04          |
| (iv)   | Need to allot ra<br>Bihar from Por  |                  | agons i       | nmed   | iately | to car  | ry fer   | tiliser | s to  |                 |
|        | Shri Ramavtai                       | r Shastri        | •             |        |        |         |          | . •     | ٠.    | 404             |
| (v)    | Measures to co                      |                  |               |        |        | hallit  | is' in o | certai  | n tov | wns             |
|        | Shri Rajnath S                      | onkar Sl         | nastri        |        |        |         | •        | •       |       | 405-06          |
| (vi)   | Need for setti<br>Pilibhit district | ng up of of U.P. | fa pa         | per n  | nanufa | acturii | ng fac   | ctory   | in    |                 |
|        | Shri Harish Kı                      | umar Ga          | ngwa <b>r</b> | •      | •      | •       | •        | •       | •     | 406             |
|        | a Tirunal Insti                     |                  |               | al Sc  | iences | and     | Tech     | nolog   | y,    | 6               |
|        | andrum, Bill—<br>tion to consider   |                  | ι.            | •      | •      | •       | •        | •       | •     | 406             |
| 14104  | ion to consider                     | •                | •             | •      | •      | •       | •        | •       | •     | 407,<br>439-441 |
| . Shri | i Shivraj V. Pa                     | itil .           |               |        |        |         |          |         |       | 408             |
| • Shri | M.M. Lawrer                         | ice .            | •             | •      | •      |         | •        | ٠       |       | 408-11          |
| Shr    | i Xavier Araka                      | 1 .              | •             |        | •      | •       | ٠        | •       |       | 408-12          |
| Shr    | i Ravindra Var                      | rma .            | •             | •      | •      |         |          |         | ,     | 412-15          |
| Shri   | Mool Chand I                        | Daga.            |               | •      |        |         | •        |         | •     | 415-22          |
| Shri   | R.L.P. Verma                        |                  |               | •      |        |         |          | •       | •     | 422-24          |
| Prof   | P.J. Kurien.                        | •                |               | •      |        | •       |          |         |       | 424-27          |
| Shri   | K.A. Rajan .                        |                  | •             | •      | •      |         |          |         | •     | 427-30          |
| Shri   | A. Neelalohith                      | adasan           | •             |        | •      | •       |          | •       |       | 430-34          |
| Shri   | Bapusaheb Pa                        | rulekar          | •             |        |        |         | •        | 1       |       | 434             |
| Cla    | uses 2 to 33 and                    | lı.              | •             | •      | •      | •       | •        | •       |       | 445             |
| Mot    | ion to Pass .                       |                  | •             | •      | •      | •       | •        | •       |       | 445             |
|        | Shivraj V. Pat<br>dvisory Commi     |                  | •             | •      | •      | •       | •        | •       | q     |                 |
| Eigl   | nth Report .                        | •                | •             | •      | •      | •       | •        | •       | •     | 446             |

#### ALPHABETICAL LIST OF MEMBERS

## SEVENTH LOK SABHA

A

Abbasi, Shri Kazi Jalil (Domariaganj)
Abdul Samad, Shri (Vellore)
Abdullah, Dr. Farooq (Srinagar)
Acharia, Shri Basudeb (Bankura)
Agarwal, Shri Satish (Jaipur)
Ahmad, Shri Mohammad Asrar (Budaun)

Ahmed, Shri Kamaluddin (Warangal) Ajit Pratap Singh, Shri (Pratapgarh) Alluri, Shri Subhash Chandra Bose (Narasapur)

Amarinder Singh, Shri (Patiala)
Anand Singh, Shri (Gonda)
Ankineedu, Shri M. (Machilipatnam)
Ankineedu Prasada Rao, Shri P.
(Bapatla)

Ansari, Shri Z. R. (Unnao)

Anthony, Shri Frank (Nominated—Anglo-Indians)

Anuragi, Shri Godil Prasad (Bilaspur)

Anwar Ahmad, Shri (Hapur)

Annalanaidu, Shri SRAS (Anaka-

Appalanaidu, Shri S.R.A.S. (Anakapalli) Arakal, Shri Xavier (Ernakulam)

Arjunan, Shri K. (Dharmapuri)
Arunachalam, Shri M. (Tenkasi)
Arya, Shri Kumbha Ram (Sikar)
Ashfaq Hussain, Shri (Maharajganj)
Azad, Shri Bhagwat Jha (Bhagalpur)
zad, Shri Ghulam Nabi (Washim)
Azmi, Dr. A. U. (Jaunpur)

B

Bagri, Shri Mani Ram (Hissar) Bagun Sumbrui, Shri (Singbhum) Bairwa, Shri Banwari Lal (Tonk) Baitha, Shri D. L. (Araria) Bajpai, Dr. Rajendra Kumari (Sita pur)

Balan, Shri A. K. (Ottapalam) Balanandan, Shri E. (Mukundapuram

Baleshwar Ram, Shri (Rosera)

Banatwalla, Shri G. M. (Ponani)

Bansi Lal, Shri (Bhiwani)

Barman, Shri Palas (Balurghat)

Barot, Shri Maganbhai (Ahmedabad)

Barrow, Shri A. E. T. (Nominated-Anglo-Indians)

Barway, Shri J. C. (Ramtek)

Basu, Shri Chitta (Barasat)

Behera, Shri Rasabehari (Kalahandi)

Bhagat, Shri B. R. (Sitamarhi)

Bhagat, Shri H. K. L. (East Delhi)

Bhagwan Dev, Acharya (Ajmer)

Bhakta, Shri Manoranjan (Andama and Nicobar Islands)

Bhardwaj, Shri Parasram (Sarangarh Bhatia, Shri R. L. (Amritsar)

Bhatia, Shri R. L. (Amritsar)

Bhattacharyya, Shri Sushil (Burdwan

Bheekhabhai, Shri (Banswara)

Bhim Singh, Shri (Jhunjhunu)

Bhoi, Dr. Krupasindhu (Sambalpur)

Bhole, Shri R. R. (Bombay South Certral)

Bhoye, Shri Reshma Motiram (Dhule Bhuria, Shri Dileep Singh (Jhabua)

Birbal, Shri (Ganganagar)

Birender Singh Rao, Shri (Mahendra garh)

Biswas, Shri Ajoy (Tripura West)

Boddepalli, Shri Rajagopala Rao (Srikakulam)

Bosu, Shri Jyotirmoy (Diamond Harbour)

( iv )

Brar, Shrimati Gurbinder Kaur (Farid-Kot)

Brijendra Pal Singh, Shri (Sambhal) Buta Singh, Shri (Ropar)

C

Chakraborty, Shri Satyasadhan (Cal-Cutta South)

Chakradhari Singh, Shri (Surguja)

Chandra Pal Singh, Shri (Amroha)

Chandra Shekhar, Shri (Ballia)

Chandra Shekhar Singh, Shri (Banka)

Chandrakar, Shri Chandu Lal (Durg)

Chandrashekharappa, Shri T. V. (Davangere)

(Davangere)

Charan Singh, Shri (Baghpat)

Charanjit Singh, Shri (South Delhi)

Chatterjee, Shri Somnath (Jadavpur)

Chaturbhuj, Shri (Jhalawar)

Chaturvedi, Shrimati Vidyawati (Kha-Juraho)

Chaudhary, Shri Manphool Singh (Bikaner)

Chaudhuri, Shri Motibhai R. (Mehsana)

Chaudhuri, Shri Tridib (Berhampore)

Chavan, Shri S. B. (Nanded)

Chavan, Shri Yeshwantrao (Satara)

Chavda, Shri Ishwarbhai Khodabhai

(Anand)

Chennupati, Shrimati Vidya (Vijaya-wada)

Chhangur Ram, Shri (Laganj)

Chingwang Konyak, Shri (Nagaland)

Chinnaswamy, Shri C. (Gobichettipalayam)

Choubey, Shri Narayan (Midnapore)

Choudary, Shri Chitturi Subba Rao (Eluru)

Choudhari, Shri K. B. (Bijapur)

Choudhari, Shrimati Usha Prakash (Amravati)

Choudhury, Shri A. B. A. Ghani Khah (Malda)

Choudhury, Shri Saifuddin (Katwa) Chouhan, Shri Fatehbhan Singh (Dhar)

D

Dabhi, Shri Ajitsinh (Kaira)

Daga, Shri Mool Chand (Pali)

Dalbir Singh, Shri (Shahdol)

Dalbir Singh, Shri (Sirsa)

Bamor, Shri Somjibhai (Dohad)

Dandavate, Prof. Madhu (Rajapur)

Dandavate, Shrimati Pramila (Bombay North Central)

Das, Shri A. C. (Jajpur)

Das, Shri R. P. (Krishnagar)

Dennis, Shri N. (Nagercoil)

Deo, Shri V. Kishore Chandra S. (Par vatipuram)

Desai, Shri B. V. (Raichur)

Dev, Shri Sontosh Mohan (Silchar

Devarajan, Shri B. (Rasipuram)

Devi Lal, Shri (Sonepat)

Dhandapani, Shri C. T. (Pollachi)

Dhote, Shri Jambuwant (Nagpur)

Digamber Singh, Shri (Mathura)

Digvijay Sinh, Shri (Surendranaga),

Dogra, Shri G. L. (Jammu)

Doongar Singh, Shri (Hamirpur)

Dubey, Shri Bindeshwari (Giridih)

Dubey, Shri Ramnath (Banda)

E

Ekka, Shri Christopher (Sundargarh)

Era Anbarasu, Shri (Chengalpattu)

Era Mohan, Shri (Coimbatore)

F

Faleiro, Shri Eduardo (Mormugao)

Fernandes, Shri George (Muzaffarpur)

Fernandes, Shri Oscar (Udipi)

G

Gadgil, Shri V. N. (Pune)

Gadhavi, Shri Bheravadan K. (Banas kantha)

Gaikwad, Shri R. P. (Baroda)

Gaikwad, Shri Udaysingrao (Kolhapur)

Gamit, Shri Chhitubhai (Mandvi)

Gandhi, Shrimati Indira (Medak)

Gangwar, Shri Harish Kumar (Pilibhit)

Garcha, Shri Devinder Singh (Ludhiana) Gavatri Devi Shrimati (Kairana) Gehlot. Shri Ashok (Jodhpur) Ghorpade, Shri R. Y. (Bellary) Ghosh, Shri Niren (Dum Dum) Ghosh Goswami, Shrimati Bibha (Nabadwip) Ghufran Azam, Shri (Betul) Ghulam Mohammad Khan, Shri (Moradabad) Gireraj Singh, Shri (Sultanpur) Giri, Shri Sudhir (Contai) Gohil, Shri G. B. (Bhavanagar) Gomango, Shri Giridhar (Koraput) Gopalan, Shrimati Suseela (Alleppey) Gounder, Shri A. Senapathi (Palani)

lur)
Gowda, Shri H. N. Nanje (Hassan)
Goyal, Shri Krishna Kumar (Kota)
Gulsher Ahmed, Shri (Satna)
Gupta, Shri Indrajit (Basirhat)

Gouzagin, Shri N. (Outer Manipur)

Gowda, Shri D. M. Putte (Chikmaga-

### H

Hakam Singh, Shri (Bhatinda)

Halder, Shri Krishna Chandra (Durgapur)

Hannan Mollah, Shri (Uluberia)

Harikesh Bahadur, Shri (Gorakhpur)

Hasda, Shri Matilal (Jhargram)

Hembrom, Shri Seth (Rajmahal)

Horo, Shri N. E. (Khunti)

#### I

Imbichibava, Shri E. K. (Calicut) Indervesh, Swami (Rohtak) Indra Kumari, Shrimati (Aligarh)

## J Jadeja, Shri Daulatsinhji (Jamnagar)

Jaffer Sharief, Shri C. K. (Bangalore North) Jagjivan Ram, Shri (Sasaram)

Jagpal, Shri (Hardwar)

Jai Narain Roat, Shri (Salumber)

Jaideep Singh, Shri (Godhra) Jain. Shri Bhiku Ram (Chandni Chowk) Jain, Shri Nihal Singh (Agra) Jain. Shri Virdhi Chander (Barmer) Jakhar, Shri Bal Ram (Ferozepur) Jamilur Rahaman, Shri (Kishangani) Jatiya, Shri Satyanarayan (Ujjain) Jena, Shri Chintamani (Balasore) Jethmalani, Shri Ram (Bombay North West) Jha, Shri Bhogendra (Madhubani) Jha, Shri Kamal Nath (Saharsa) Jharkhande Rai, Shri (Ghosi) Jitendra Prasad, Shri (Shahjahanpur)

K Kahandole, Shri Z. M. (Malegaon) Kailash Pati, Shrimati (Mohanlalganj) Kalanidhi, Dr. A. (Madras Central) Kamakshaiah, Shri D. (Nellore) Kamal Nath, Shri (Chhindwara) Kamla Kumari, Kumari (Palamau) Kandaswamy, Shri M. (Tiruchengode) Karan Singh, Dr. (Udhampur) Karma, Shri Laxman (Baster) Karunanithi, Shri Thazhai M. (Nagapattinam) Kashyap, Shri Jai Pal Singh (Aonla) Kaul, Shrimati Sheila (Lucknow) Kaushal, Shri Jagan Nath (Chandi garh)

Keyur Bhusan, Shri (Raipur) Khan, Shri Arif Mohammad (Kanpur) Khan, Shri Ghayoor Ali (Muzaffar nagar) Khan, Shri Mahmood Hasan (Buland-

shahr)
Khan, Shri Malik M. M. A. (Etah)
Khan, Shri Zulfiquar Ali (Rampur)
Kidwai, Shrimati Mohsina (Meerut)
Kochak, Shri Ghulam Rasool (Anantnag)
Kodiyan, Shri P. K. (Adoor)
Kosaliam, Shri K. T. (Tiruchendur)

( vi )

Krishna Dutt. Shri (Simla) Mane, Shri R. S. (Ichalkaranji) Mani, Shri K. B. S. (Perambalur) Krishna, Shri S. M. (Mandya) Krishna Pratap Singh, Shri (Maharaj-Manni Lal, Shri (Hardoi) ganj) Martand Singh, Shri (Rewa) Krishnan, Shri G. Y. (Kolar) Masudal Hossain, Shri Syed (Murshi-Kshirsagar, Shrimati Kesharbai (Bhir) dabad) Kuchan, Shri Gangadhar S. (Solapur) Mavani, Shri Ramjibhai (Rajkot) Kulandaivelu, Dr. V. (Chidambaram) Mayathevar, Shri K. (Dindigul) Kunhambu, Shri K. (Cannanore) Shri Meena. Ram Kumar (Sawai Madhopur) Kunwar Ram, Shri (Nawada) Mehta, Prof. Ajit Kumar (Samastipur) Kurien, Prof. P. J. (Mavelikara) Mehta, Dr. Mahipatray M. (Kutch) Kusuma Krishna Murthy, Shri (Amalapuram) Mhalgi, Shri R. K. (Thane) Mirdha, Shri Nathu Ram (Nagaur) Mishra, Shri Gargi Shankar (Seoni) L Mishra, Shri Ram Nagina (Salempur) Lakkappa, Shri K. (Tumkur) Misra. Shri Harinatha (Darbhanga) Lakshmanan, Shri G. (Madras North) Misra, Shri Nityananda (Bolangir) Laskar, Shri Nihar Ranjan (Karima-Misra, Shri Satyagopal (Tamluk) ganj) Modak Shri Bijoy (Arambagh) Lawrence, Shri M. M. (Idukki) Mohammed Ismail. Shri pore) M Mohanty, Shri Brajamohan (Puri) Mohite, Shri Yashawantrao (Karad) Madhukar, Shri Kamla Mishra (Motihari) Mohsin, Shri F. H. (Dharwad South) Madhuri Singh, Shrimati (Purnea) More, Shri Ramkrishna (Khed) Mahabir Prasad, Shri (Bansgaon) Motilal Singh Shri (Sidhi) Mahajan, Shri Vikram (Kangra) Mubarak Shah, Shri Khawaja (Baramulla) Mahajan, Shri Y. S. (Jalgaon) Mukherjee, Shrimati Geeta Mahala, Shri R. P. (Dadra & Nagar kura) Haveli) Mukherjee, Shri Samar (Howrah) Mahata, Shri Chitta (Purulia) Mukhopadhyay, Shri Ananda Mahendra Prasad, Shri (Jahanabad) (Asansol) Maitra, Shri Sunil (Calcutta North Multan Singh, Chaughary (Jaleser) East) Mundackal Shri George Makwana, Shri Narsinh (Dhandhuka) (Muvattupuzha) Mallanna, Shri K. (Chitradurga) Murthy, Shri M. Rajashekhar Mallick, Shri Lakshman (Jagatisingh-(Mysore) pur) Murthy, Shri M. V. Chandrashekhar, Mallikarjun, Shri (Mahbubanagar) (Kanakapura) Mallu, Shri Anantha Ramulu (Nagar-Murugian, Shri S. (Tiruppattur) kurnool) Muthu Kumaran, Shri R. (Cudda 186-Mandal, Shri Dhanik Lal (Jhanjhar-Muttemwar Shri Vilas (Chimur) pur) Mandal, Shri Mukunda (Mathurapur) Muzaffar Husain, Shri Sved (Bah)-Mandal, Shri Sanat Kumar (Joynagar) raich)

(Barrack-

(Pans-

Gopal

Joseph

1115

Perhasis N

Nagaratnam, Shri T. (Sriperumbudur) Nagina Rai, Shri (Gopalganj)

Nahata, Shri B. R. (Mandsaur)

Naidu, Shri P. Rajagopal (Chittoor)

Naik, Shri G. Devaraya (Kanara)

Naik, Shri Surup Singh Hirya (Nandurbar)

Naikar, Shri D. K. (Dharwad North)

Nair, Shri B. K. (Quilon)

Namgyal, Shri P. (Ladakh)

Nandi Yellajah, Shri (Siddipet)

Narayana Shri K. S. (Hyderabad)

Natarajan, Shri Cumbum N. (Periyakulam)

Nayak, Shri Mrutyunjaya (Phulbani) Neelalohithadasan, Shri A. (Trivandrum)

Negi, Shri T. S. (Tehri Garhwal)

Nehru, Shri Arun Kumar (Rae Bareli)

Netam, Shri Arvind (Kanker)

Ngangom Mohendra, Shri (Inner Manipur)

Nihal Singh, Shri (Chandauli)

Nihalsinghwala, Shri G. S. (Sangrur)

Nikhra, Shri Rameshwar (Hoshangabad)

#### 0

Odedra, Shri Maldevji M. (Porbandar) Oraon<sub>,</sub> Shri Kartik (Lohardaga)

#### P

Padayachi, Shri S. S. Ramaswamy (Tindivanam)

Pahadia, Shri Jagannath (Bayana)

Pal, Prof. Rup Chand (Hooghly)

Palaniappan, Shri C. (Salem)

Panday, Shri Kedar (Bettiah)

Pandey, Shri Krishna Chandra (Khalilabad)

Pandit, Dr. Vasant Kumar (Rajgarh)
Panigrahi, Shri Chintamani (Bhuban-eswar)

Panka, Shri Ram Pyare (Robertsganj)

Parashar, Prof. Narain Chand (Hamir-pur)

Pardhi, Shri Keshaorao (Bhandara)

Parmar, Shri Hiralal R: (Patan)

Parthasarathy, Shri P. (Rajampet)

Parulekar, Shri Bapusaheb (Ratnagiri)

Paswan, Shri Ram Vilas (Hajipur)

Patel, Shri Ahmed Mohammed (Broach)

Patel, Shri Amrit (Gandhinagar)

Patel, Shri C. D. (Surat)

Patel, Shri Mohanbhai (Junagadh)

Patel, Shri Shantubhai (Sabarkantha)

Patel, Shri Uttambhai H. (Bulsar)

Pathak, Shri Ananda (Darjeeling)

Patil, Shri A. T. (Kolaba)

Patil, Shri Balasaheb Vikhe (Kopar-gaon)

Patil, Shri Chandrabhan Athare (Ahmednagar)

Patil, Shri Shankarrao (Baramati)

Patil, Shri Shivraj V. (Latur)

Patil, Shri Uttamrao (Yavatmal)

Patil Shri Vasantrao (Sangli)

Patil, Shri Veerendra (Bagalkot)

Patil, Shri Vijay N. (Erandol)

Patnaik, Shri Biju (Kendrapara)

Patnaik, Shri Janki Ballev (Cuttack)

Pattabhai Rama Rao, Shri S. B. P. (Rajahmundry)

Pattuswamy, Shri D. (Vandavasi)

Pawar, Shri Balasaheb (Jalna)

Penchalaiah, Shri Pasala (Tirupathi)

Phulwariya, Shri Virda Ram (Jalore)

Pilot, Shri Rajesh (Bharatpur)

Poojary, Shri Janardhana (Mangalore)

Potdukhe, Shri Shantaram (Chandrapur)

Prabhu, Shri R. (Nilgiris)

Pradhani, Shri K. (Nowrangpur)

Prasan Kumar, Shri S. N. (Chikballapur)

Premi, Shri Mangal Ram (Bijnor)

Pullaiah, Shri Darur (Anantapur)

Pushpa Devi Singh, Kumari (Raigarh)

#### Q

Qazi Saleem, Shri (Aurangabad) Quadri, Shri S. T. (Shimoga)

#### R

Rahi, Shri Ram Lal (Misrikh)
Rahim, Shri A. A. (Chirayinkil)
Rai, Shri M. Ramanna (Kasaragod)

Rai, Shri Ramayan (Deoria)

Rai, Shrimati Sahodrabai (Sagar)

Rajamallu, Shri K. (Peddapalli)

Rajan, Shri K. A. (Trichur)

Rajda, Shri Ratansinh (Bombay South)

Rajesh Kumar Singh, Shri (Firozabad)

Raju, Shri P. V. G. (Bobbili)

Rakesh, Shri R. N. (Chail)

Ram, Shri Ramswaroop (Gaya) Ram Awadh, Shri (Akbarpur)

Rom Kinker Chri (Rara Ranki)

Ram Kinkar, Shri (Bara Banki)

Ramalingam, Shri N. Kudanthai (Mayuram)

Ramamurthy, Shri K. (Krishnagiri)

Ramulu, Shri H. G. (Koppal)

Rana Vir Singh, Shri (Kaiserganj)

Rane, Shrimati Sanyogita (Panaji)

Ranga, Prof. N. G. (Guntur)

Ranjit Singh, Shri (Chatra)

Rao, Shrimati B. Radhabai Ananda (Bhadrachalam)

Rao, Shri Jagannath (Berhampur)

Rao, Shri Jalagam Kondala (Kham-mam)

Rao, Shri M. Nageswara (Tenali)

Rao, Shri M. S. Sanjeevi (Kakinada)

Rao, Shri M. Satyanarayan (Karim-nagar)

Rao, Shri P. V. Narasimha (Hanam-konda)

Rasheed Masood, Shri (Saharanpur)

Rath, Shri Rama Chandra (Aska)

Rathawa, Shri Amarsinh (Chhota Udaipur)

Rathod, Shri Uttam (Hingoli)

Raut, Shri Bhola (Bagaha)

Ravani, Shri Navin (Amreli)

Rawat, Shri Harish Chandra Singh (Almora)

Reddi, Shri G. S. (Miryalguda)

Reddy, Shri G. Narsimha (Adilabad)

Reddy, Shri K. Brahmananda (Narasaraopet)

Reddy, Shri K. Obul (Cuddapah)

Reddy, Shri K. Vijaya Bhaskara (Kurnool)

Reddy, Shri M Ram Gopal (Nizamabad)

Reddy, Shri P. Bayapa (Hindupur)

Reddy, Shri P. Venkata (Ongole)

Reddy, Shri T. Damodar (Nalgonda)

Riyan, Shri Baju Ban (Tripura East)

Rothuama, Dr. R. (Mizoram)

Roy, Shri A. K. (Dhanbad)

Roy, Dr. Saradish (Bolpur) Roy Pradhan, Shri Amar

(Cooch Behar)

S

Saha, Shri Ajit Kumar (Vishnupur)

Saha, Shri Gadadhar (Birbhum)

Sahi, Shrimati Krishna (Bengusarai)

Sahu, Shri Narayan (Deogarh)
Sahu, Shri Shiv Prasad (Ranchi)

Saini, Shri Manohar Lal

(Kurukshetra)
Sait, Shri Ebrahim Sulaiman

(Manjeri)

Sajjan Kumar, Shri (Outer

Delhi)

Saminuddin, Shri (Godda) Sangma, Shri P. A. (Tura)

Sankhawar, Shri Ashkaran

(Ghatampur)
Saran, Shri Daulat Ram (Churu)

Sarangi, Shri R. P. (Jamshedpur)

Sathe, Shri Vasant (Wardha)

Sathiyendran, Shri M. S. K.

(Ramanathapuram)

Satish Prasad Singh, Shri (Khagaria)

Satya Deo Singh, Prof. (Chapra) Sawant, Shri T. M. (Osmanabad)

Seyeed, Shri P. M. (Lakshadweep)

Scindia, Shri Madhavrao (Guna)

Sebastian, Shri S. A. Dorai (Karur) Selvaraju, Shri N. (Tiruchirapalli) Sen. Shri A. K. (Calcutta North West) Sen. Shri Subodh (Jalpaiguri) Sethi, Shri Arjun (Bhadrak) Sethi, Shri P. C. (Indore) Shailani Shri Chandra Pal (Hathras) Shaktawat, Prof. Nirmala Kumari (Chittorgarh) Shakya, Shri Daya Ram (Farrukhabad) Shakya, Shri Ram Singh (Etawah) Shakyawar, Shri Nathuram (Jalaun) Shamanna, Shri T. R. (Bangalore South) Shankaranand, Shri B. (Chikkodi) Shanmugam, Shri P. (Pondicherry) Sharma, Shri Chiranji Lal (Karnal) Sharma, Shri Kali Charan (Bhind) Sharma, Shri Mundar (Jabalpur) Sharma, Shri Nand Kishore (Balaghat) Sharma, Shri Nawal Kishore (Dausa) Sharma, Shri Pratap Bhanu (Vidisha) Sharma, Dr. Shanker Dayal (Bhopal) Sharma, Shri Vishwa Nath (Jhansi) Shastri, Shri Dharam Dass (Karol Bagh) Shastri, Shri Hari Krishna (Fatehpur) Shastri Shri Rajnath Sonkar (Saidpur) Shastri, Shri Ramavatar (Patna) Shejwalkar, Shri N. K. (Gwalior) Shingda, Shri D. B. (Dahanu)

Shiy Shanker, Shri P. (Secunderabad) Shivendra Bahadur Singh, Rajnandgaon Shukla, Shri Vidya Charan (Mahasamund)

Sidnal, Shri S. B. (Belgaum) Singaravadivel, Shri S. (Thanjavur) Singh, Shri B. D. (Phulpur) Singh, Dr. B. N. (Hazaribagh) Singh, Shri C. P. N. (Padrauna) Singh, Shri D. G. (Shahabad) Singh Deo, Shri K. P. (Dhenkanal)

Sinha, Shri Dharam Bir (Barh) Sinha, Shrimati Kishori (Vaishali) Sinha, Shrimati Ramdulari (Sheohar) Sinha, Shri Satyendra Narayan (Aurangabad) Sivaprakasam, Shri D. S. A. (Tirunelveli) Solanki, Shri Babu Lal (Morena) Solanki Shri Natavarsinh (Kapadvanj) Sonkar, Shri Kalapnath (Basti) Soren, Shri Harihar (Keonjhar) Soren, Shri Shibu (Dumka) Soundararajan, Shri N. (Sivakasi) Sparrow, Shri R. S. (Jullundur) Sreenivasa Prasad, Shri V. (Chamarajanagar) Stephen, Shri C. M. (Gulbarga) Subba, Shri P. M. (Sikkim) Subburaman, Shri A. G. (Madurai) Sukhadia Shri Mohan Lal (Udajpur) Sukhbuns Kaur, Shrimati (Gurdaspur) Sunder Singh, Shri (Phillaur) Suraj Bhan, Shri (Ambala) Surya Narayan Singh, Shri (Balia) Suryawanshi, Shri Narsing (Bidar) Swami, Shri K. A. (Visakhapatnam) Swaminathan, Shri R. V. (Sivaganga) Swaminathan, Shri V. N. (Pudukkottai) Swamy, Dr. Subramaniam (Bombay North East)

#### T

Tandon, Shri Prabhunarayan (Damoh) Tapeshwar Singh, (Bikram-Shri ganj) Tariq Anwar, Shri (Katihar) Tayeng, Shri Sobeng (Arunachal East) Tayyab Hussain, Shri (Faridabad) Tewary, Prof. K. K. (Buxar) Thakur. Shivkumar Shri Singh (Khandwa)

Thomas, Shri Skariah (Kottayam)
Thorat, Shri Bhausaheb (Pandharpur)

Thungon, Shri P. K. (Arunachal West)

Tirkey, Shri Pius (Alipurduar)

Tiwari, Shri Chandra Bhal Mani (Balrampur)

Tiwari, Shri Narayan Datt (Naini Tal)

Tiwari, Shri R. G. (Janjgir)

Trilok Chandra, Shri (Khurja)

Tripathi, Shri Kamalapati (Varanasi)

Tripathi, Shri R. N. (Bilhaur)

Tudu, Shri Manmohan (Mayurbhanj)

Tur, Shri L. S. (Tarn Taran)

Tytler, Shri Jagdish (Delhi Sadar)

#### U

Uike, Shri Chhote Lal (Mandla) Unnikrishnan, Shri K. P. (Badagara)

#### V

Vairale, Shri Madhusudan (Akola)
Vajpayee, Shri Atal Bihari (New Delhi)

Varma, Shri Jai Ram (Faizabad)

Varma, Shri Ravindra (Bombay North)

Velu, Shri A. M. (Arakkonam)

Venkataraman, Shri R. (Madras South)

Venkatasubbaiah, Shri P. (Nandyal) Verma, Shri Chandradeo Prasad (Arrah) Verma, Shri Pfiool Chand (Shajapur)
Verma, Shri R. L. P. (Kodarma)
Verma, Shri Raghunath Singh (Mainpuri)
Verma, Shri Shiv Sharan (Machhlishahr)
Verma, Shrimati Usha (Kheri)
Vijayaraghavan, Shri V. S. (Palghat)
Virbhadhra Singh, Shri (Mandi)

#### W

Vyas, Shri Girdhari Lal (Bhilwara)

Wagh, Dr. Pratap (Nasik)
Wasnik, Shri Balkrishna Ramchandra (Buldhana)

#### Y

Yadav, Shri Chandrajit (Azamgarh)

Yadav, Shri Chhotey Singh (Kannauj)
Yadav, Shri D. P. (Monghyr)
Yadav, Shri R. N. (Parbhani)
Yadav, Shri R. P. (Madhepura)
Yadav, Shri Ram Singh (Alwar)
Yadav, Shri Subhash Chandra (Khargone)

Yadav, Shri Vijay Kumar (Nalanda) Yazdani, Dr. Golam (Raiganj) Yusuf, Shri Mohmed (Siwan)

#### $\mathbf{z}$

Zail Singh, Shri (Hoshiarpur)
Zainal Abedin, Shri (Jangipur)
Zainul Basher, Shri (Ghazipur)

## LOK SABHA

The Speaker

Shri Bal Ram Jakhar

The Deputy-Speaker

Shri G. Lakshmanan

Panel of Chairmen

Shri Gulsher Ahmed

Shri Somnath Chatterjee

Shri Harinatha Misra

Shri K. Rajamallu

Shri Chandrajit Yadav

Secretary

Shri Avtar Singh Rikhy

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### MEMBERS OF THE CABINET

Prime Minister (All Ministries/ Departments not specified below). Smt. Indira Gandhi.

Minister of Commerce and Steel and Mines.

Shri Pranab Kumar Mukherjee.

Minister of External Affairs.

Shri P. V. Narasimha Rao.

Minister of Home Affairs.

Giani Zail Singh.

Minister of Communications.

Shri C. M. Stephen.

Minister of Finance.

Shri R. Venkataraman.

Minister of Energy.

Shri A. B. A. Ghani Khan Chaudhuri.

Minister of Education and Social Welfare.

Shri S. B. Chavan.

Minister of Railways.

Shri Kedar Pande.

Minister of Shipping and Transport.

Shri Veerendra Patil.

Minister of Information and Broadcasting.

Shri Vasant Sathe.

Minister of Petroleum, Chemicals and Fertilisers.

Shri P. C. Sethi

Minister of Law, Justice and Company Affairs.

Shri P. Shiv Shankar.

Minister of Health and Family Welfare. Shri B. Shankaranand.

Minister of Tourism and Civil Aviation.

Shri A. P. Sharma,

Minister of Civil Supplies.

Shri Vidya Charan Shukla.

Minister of Parliamentary Affairs and Works and Housing.

Shri Bhishma Narain Singh,

Minister of Agriculture and Rural Reconstruction and Irrigation

Rao Birendra Singh.

Minister of Planning and Labour.

Shri Narayan Datt Tiwari.

#### MINISTERS OF STATE

Shri Z. R. Ansari. Minister of State in the Ministry of Irrigation. Shri Bhagwet Jha Azad. State (Independent Minister of charge) of the Ministry of Supply and Rehabilitation Shri Charanjit Chanana. Minister of State in the Ministry of Industry. Shri Chandulal Chandrakar. Minister of State in the Ministry of Tourism and Civil Aviation. Minister of State in the Ministry of Smt. Sheila Kaul Education. Minister of State in the Department Shri Sita Ram Kesri. of Parliamentary Affairs. Minister of State in the Ministry of Shri Khursheed Alam Khan. Commerce. Minister of State in the Ministry of Shri Nihar Ranjan Laskar. Health and Family Welfare. Minister of State in the Ministry of Shri Vikram Mahajan. Energy. Minister of State in the Ministry of Shri Yogendra Makwana. Home Affairs. Minister of State in the Ministry of Shri Kartik Oraon. Communications. Minister of State in the Ministry of Shri Shivraj V Patil. Defence. Minister of State in the Ministry of Shri Baleshwar Ram. Agriculture. Minister of State in the Ministry of Shri C. K. Jaffar Sharief. Railways. Minister of State in the Ministry of Shri Buta Singh. Shipping and Transport Minister of State in the Departments Shr<sub>1</sub> C. P. N. Singh. and Technology Ωf Science and Electronics. Minister of State in the Ministry of Shri Dalbir Singh. Petroleum, Chemicals and Fertilizers. Minister of State in the Ministry of Smt. Ram Dulari Sınha. Labour. Minister of State in the Ministry of Shri Sawai Singh Sisodia. Finance. Minister of State in the Ministry of Shri R. V. Swaminathan. Agriculture.

Shri P Venkatasubbaiah.

Minister of State in the Ministry of

Department of

Affairs and

Parliamentary Affairs.

#### DEPUTY MINISTERS

Shri Mohammed Usman Arif. Deputy Minister in the Ministry of Works and Housing. Deputy Minister in the Ministry of Shri Maganbhai Barot. Finance. Miss Kumudben M. Joshi. Deputy Minister in the Ministry of Information and Broadcasting. Miss Kamla Kumari. Deputy Minister in the Ministry of Agriculture. Deputy Minister in the Ministry of Shri Mallikarjun. Railways. Deputy Minister in the Ministry of Shri Brajmohan Mohanty. Civil Supplies.

Deputy Minister in the Ministry of Shri Vijay N. Patil. Communications.

Deputy Minister in the Ministry of Shri P. Venkata Reddy. Labour.

Deputy Minister in the Ministry of Shri P. A. Sangma. Industry.

Deputy Minister in the Ministry of Shri P. K. Thungon. Supply and Rehabilitation.

Vol. IX, First day of the Fourth Lok Sabha Session of Seventh

No. 2

1

## LOK SABHA

Monday, November 17, 1980/Kartika 26, 1902 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the clock

[MR. SPEAKER in the Chair].

#### **OBITUARY REFERENCES**

MR. SPEAKER: Hon'ble Members, we are meeting after an interval of about three months. In the brief period one of our sitting Members, Shri Misryar Khan and eight former Members, namely, Sarvashri A. K. M. Ishaque, Madho Ram Sharma, Girija Nandan Singh, T. Sanganna, Banamali Patmaik, Nanubhai N. Patel, K. R. Sambandam and N. Dandekar left for their heavenly abode.

Shri Misryar Khan was representing Bareilly constituency in Uttar Pradesh. Earlier, he was a Member of Uttar Pradesh Legislative Assembly during 1974—77. He had also been a member of erstwhile Rampur State Council and Assembly. A veteran freedom fighter, he participated in freedom movement and was jailed in 1923, 1926 and 1938. He passed away at New Delhi on 12 September, 1980 at the age of 84.

Shri A. K. M. Ishaque was a Member of the Fifth Lok Sabha from Basirhat constituency of West Bengal during 1971—77. He served as Deputy Minister of Health and Family Planning at the Centre from October, 1974

to March, 1977. Earlier, Shri Ishaque was a Member of West Bengal Legislativ Assembly during the years 1961-62 and 1969. A social worker, he founded two schools and worked for establishment of a hospital. An active parliamentarian, he took keep interest in parliamentary activities. He passed away at Calcutta on 15 August, 1980 at the age of 52

Madho Ram Sharma was a member of the Fourth and Fifth Lok Sabha during 1967—1977 representing constituency of Haryana Before coming to Lok Sabha Shri Sharma had served as a member of Punjab Legislative Council 1952-54. He was a Member of Rajya Sabha during 1958-64. He took kees interest in parliamentary proceedings. A freedom fighter, Shri Sharma perticipated in Independence movement and courted imprisonment during 1941-42. As a social worker, he worked for the uplift of Harijans and the backward classes in Karnal District. He passed away at Karnal on 15 August, 1980 at the age of 67.

Thakur Girija Nandan Singh was a Member of Sixth Lok Sabha during 1977-79 representing Sheohar constituency of Bihar. Earlier, he was a member of Bihar Legislative Assembly during 1947—62 and 1967—72. He also served as a Cabinet Minister in Bihar in 1971-72. He participated in the non-cooperation movement in 1942. An agriculturist, he was keenly interested in social reforms and educational institutions. He passed away at Patna on 28 August, 1960 at the age of 67.

**3**\_

Shri T. Sanganna Was a Member of the First and Second Lok Sabha during 1951-61. He was elected a Mem\_ ber of Orissa Legislative Assembly in 1961 and also served as Minister in Government of Orissa during 1962-67. A social worker, he launched a campaign for the uplift of the hill tribes of Koraput District and social uplift of Adivasis and other backward classes. He passed away at Cuttack on 8 September, 1980, at the age of 62.

Shri Banamalı Patnaik was a Member of the Fifth Lok Sabha during 1971-77 representing Puri constituency of Orissa. Earlier, he was a Member of State Legislature of Orissa during 1946—52, 1961—67 and 1967—71. **He** also served as Minister of Education in the Government of Orissa during 1967—70. A veteran freedom fighter, he participated in freedom movement and suffered imprisonment 1940 and 1942—45. An agriculturist and social worker, he worked for various educational institutions and trustee of several institutions. passed away at Bhubaneshwar on 8 October, 1980 at the age of 58.

Shri Nanubhai N. Patel was a Member successively of the Second, Third, Fourth, Fifth and Sixth Lok Sabha during 1957—79, representing Bulsar constituency of Gujarat. An active parliamentarian, he took keen interest in the proceedings of the House and served on a number of Parliamentary Committees including the Public Accounts Committee and the Estimates Committee. An agriculturist and social worker he deeply interested in the uplift of Adivasis, Harijans and down-trodden people. He also worked for development of small scale industries rural areas. He passed away at Surat on 17th October, 1980 at the age of 75.

Shir K. R. Sambandam was Member of the Second Lok Sabha **curi**ng 1957—62 representing Nagapattiriam constituency of Tamil Nadu. He was also a Member of the Madras Legislative Assembly during 1952-57 and 1962-67. An agriculturist and social worker, he was keenly interested in uplift of the backward community and Harijans. He also participated in the 1942 movement. He passed away in Poonthazhai Village, Mayuram Taluk, on 22nd October, 1980, at the age of 61.

Shri N. Dandekar was a member of the Third and Fourth Lok Sabha during 1964-66 and 1967-70. A member of the Indian Civil Service, he held several high offices with distinction during 1931-53. An eminent economist, he was keenly interested in planning, finance and economic growth and development of technical education and management movement. He passed away at Bombay on 4th November, 1980 at the age of

I am sure the House will join me in mourning the sad demise of these friends an conveying our condolences to the bereaved families

The House may stand in silence for a short while as a mark of respect to the memory of the deceased.

The members then stood in silence for a short while.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: On a point of order, Sir...

MR. SPEAKER: I have not allowed you. Nothing should go on record without my permission. (Interruptions).\* I have already informed you about the position. After question hour.

Hon. Prime Minister (Interruptions) \*

## INTRODUCTION OF NEW MINISTERS

THE PRIME MINISTER (SHRI-MATI INDIRA GANDHI): Sir, I have pleasure in introducing to you 5

and through you to the House my colleagues:

Shri S. B. Chavan, The Minister of Education and Social Welfare.

Shri Bhagwat Jha Azad, the Minister of State in the Ministry of Supply and Rehabilitation.

Shri Khursheed Alam Khan, The Minister of State in the Ministry of Commerce.

Shrimati Sheila Kaul, The Minister of State in the Ministry of Education.

Shri Sawai Singh Sisodia, The Minister of State in the Ministry of Finance.

Shri Shivraj V. Patil, The Minister of State in the Ministry of Defence.

Shri Baleshwar Ram, The Minister of State in the Ministry of Agriculture.

Shri Brajamohan Mohanty, The Deputy Minister in the Ministry of Civil Supplies.

Kumari Kumudben M. Joshi, The Deputy Minister in the Ministry of Information and Broadcasting.

Shri P. A. Sangma, The Deputy Minister in the Ministry of Industry.

Kumari Kamla Kumari, The Deputy Minister in the Ministry of Agriculture.

MR. SPEAKER: Now, questions.

SHRI BAPUSAHEB PARULEKAR
(Ratnagiri): On a point of order.

MR. SPEAKER: No point of order during Question Hour. I am going according to what the book says.

(Interruptions)

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): You read Direction 2...

MR. SPEAKER: I have read it.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: You are misleading the House.

MR. SPEAKER: I do not think so. This might be your presumption. Nothing will go on record.

(Interruptions) \*

MR. SPEAKER: I have gone through all the precedents, the traditions and the conventions of the House and I have done it accordingly.

(Interruptions)

SHRI BAPUSAHEB PARULEKAR: It is with reference to the traditions and conventions to which you have made a reference. Now the hon. Prime Minister introduced new Ministers. I would like to know the reasons as to why the hon. Minister, Shri Tripathi, has resigned. There is a precedent to that effect. This question was raised by Shri Stephen when Shri Charan Singh resigned.

MR. SPEAKER: I am going to allow everything to be discussed but not like this

(Interruptions)

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

## Lay Out Plans of the Trans Yamuna Colonies, Delhi

\*1 SHRI NGANGOM MOHENDRA: Will the minister of WORKS AND HOUSING be pleased to lay a statement showing:

(a) whether objections/suggestions to the draft lay-out plans of the unauthorised colonies i.e. Laxmi Nagar, Shakarpur, Pandav Nagar etc. submitted by the Residents and Welfare Associations have not been examined so far;

- (b) if so, the reasons therefor:
- (c) whether the people concerned will be asked to appear in person when examination is undertaken;
- (d) whether any time limit is fixed for this and also for preparing and finalising the layout plan;
- (e) whether on account of delay in preparing the final plans of these colonies, conditions are deteriorating creating slum conditions etc;

- (f) whether Government are aware that open areas large unbuilt greas are being sold and houses are coming
- (g) if so, whether D. D. A. has any agency to check such construction work?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-TARY AFFAIRS AND WORKS AND **BHISHMA** HOUSING (SHRI NARAIN SINGH): (a) to (g). statement is laid on the Table of the Sabha.

#### STATEMENT

- (a) whether objections/suggestions to the draft (a) and (b). These are under examination. lay-out plans of the unauthorised colonies i.e. Laxmi Nagar, Shakarpur, Pandav Nagar etc. submitted by the Residents and Welfare Associations have not been examined so far;

- (b) if so, the reasons therefore;
- (c) whether the people concerned will be asked to appear in person when examination is undertaken;
- (d) whether any time limit is fixed for this and also for preparing and finalising the lay-out
- (e) whether on account of delay in preparing the final plans of these colonies, conditions are deteriorating creating slum conditions etc.;
- (f) whether Government are aware that open areas/large unbuilt areas are being sold and houses are coming up; and
- (g) if so, whether D.D.A. has any agency to check such construction work?

- A reasonable opportunity for hearing would be given, if necessary.
- (d) The Govt. is keen to avoid any delay.
- (e) No, Sir, however the services in unauthorised colonies are sub-standard as these are unplanned.
- (f) The Delhi Development Authority has intimated that some illegal sale and unauthorised constructions have taken place.
- They are taking necessary steps in regard to the same.

SHRI NGANGOM MOHENDRA: Regarding the answer to part (a) of the question, will the hon. Minister please apprise us of the tentative date of completion of the examination?

SHRI BHISHMA NARAIN SINGH: I cannot give a tentative date. It is a complicated question. We are trying to expedite it. While we will try our best, I cannot give a specific date just now. This is a matter coming under DDA. We are trying to solve it.

SHRI NGANGOM MOHENDRA: In part (d) of the answer, it is stated that Government is keen to avoid any delay. Since the Minister is unable to give even a tentative date. how can we take that there will not be any delay?

SHRI BHISHMA NARAIN SINGH: We are trying our best to avoid any delay.

SHRI H. K. L. BHAGAT: Is it not a fact that in February 1977 the Congress Government took a decision, a comprehensive and concrete decision, on human considerations to regularise and develop some hundreds of colonies, in which lakes of poor people are living? But this decision remains unimplemented so far. Since the Minister is sympathetic to the poor people, what does he propose to do to help these poor people by regularising and approving these colonies? This must be done quickly and without any delay.

SHRI BHISHMA NARAIN SINGH: The Congress Government took a decision in the matter and laid down certain procedures. The Government is trying to solve this problem according to those procedures. While trying to help the poor people living in those colonies, Government has also to see that Delhi is developed in a planned manner. So, we have to keep these things in view, while solving this problem.

श्री ग्रटल बिहारी बाजपेगी: ग्रद्यक्ष महोदय, सरकार हर एक को मकान देने की स्थित में नहीं हैं। लोग ग्रपने प्रयत्नों से जो मकान बना रहे हैं, उन्हें बैध करने के बजाय ऐसी बस्तियों को नियमित करने की बुजाय, सरकार उन्हें गिराने का इरादा रखती है। मैं जानना चाहता हूं कि कितनी कोलीनीज इस समय सरकार के पास नियमित होने के लिए पड़ी हुई हैं? जो कोलोनीज पहले दिल्ली कार्पी-रेशन ग्रीर दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन से किलयर कर दी गई भी सरकार उन के बारे में कोई फैसला नहीं कर रही है। क्या यह फैसला चुनाब के समय किया जाएगा?

**श्री भीष्म नारायण सिंह**ः मैं माननीय सदस्य श्री **ग्र**टल बिहारी बाजपेबी का बड़ा श्रादर करता हूं। मैं उन को बताना चाहता हूं कि यह सरकार सिर्फ चुनाव की दृष्टि से काम नहीं करती बहु सरकार इस बात के लिए कमिटेड है कि ज्यादा से ज्यादा गरीब लोगों के लिये श्रावास का प्रबन्ध किया जाए लेकिन सरकार कोई भी काम श्रनियमित रूप से नहीं करना चाहती।

जहां तक दिल्ली में ऐसी कोलोंनीज का सबाल है, जो ग्रभी तक एप्रव नहीं हुई हैं, यह एक बड़ा सवाल है ग्रीर सरकार को जो सूचना मिली हैं, उस के ग्रनुसार जो ग्रांकड़े उपलब्ध हैं उन के मुताबिक 611 लगभग ऐसी कोलोनीज हैं, जो ग्रनएप्र्वड हैं। उन को एप्रव करने के लिए ग्रभी जैसा कि मैंने उत्तर में बताया है, सरकार सचेष्ट है। जो प्रोसीजर हमने ले डाऊन किया है, ऐसी हम कोशिश कर रहे हैं कि उस के ग्रनुसार हम उन को एप्रव करें।

SHRI JAGDISH TYTLER: My question pertains to the unauthorised colonies in Delhi. There are colonies which are on the green belt and there are certain colonies which have a population of about 50,000 people. What do the Government propose to do about them?

SHRI BHISHMA NARAIN SINGH: As I have already said, Government will keep the entire thing in view and then decide on the merits of the case.

श्री अनंदास शास्त्री: मैं मंत्री महोदय
से पूछना चाहता हूं कि सन् 1977 में
जब जनता सरकार ची तो उस समय
कितने लोगों के मकान गिराये गये?
इन ो कोई श्राल्टरनेटिव जगह नहीं
दी गई श्रौर किस तरह से उनको उस
समय सड़क पर फैंक दिया गया? सब

कांग्रेस सरकार ने उनको बसाया है भ्रौर जगह दी है, लेकिन उस समय जो लोग तबाह किये गये, उसकी स्थिति मंत्री महोदय हमको बतायें। (ब्बवधान) श्रध्यक्ष महोदय, उन्होंने उन लोगों के मकान गिराये , उनको कोई जगह नहीं दी गई श्रौर उनको गिरफ्तार कर के जेलों में भर दिया गया। (ध्यक्षधान) 1977 में जनता सरकार ने किन किन लोगों को मारा धौर उनको कौन- कौन सी जगह दी, यह सब मैं जानना चाह्ता हूं।

श्री धर्मदास शास्त्री : सवाल मेरा साफ है कि क्या मंत्री महोदय बताने का कष्ट करेंगे कि 1977 में उस समय की सरकार ने कितनी कालोनियां गिरायी

श्रीर उन लोगों को कहां-कहां एक्मोडेशन

श्रध्यक्ष महोदय : ग्राप सवाल करें।

दी गई?

श्री भीरम नग्यायण सिंह : ग्रगर माननीय सदस्य मुझे इसकी ग्रलग मे सूचना दें, तो मैं उनको म्रांकडे उपलब्ध करा दगां ।

श्री हरीश कुमार गंगवार : ग्रध्यक्ष महोदय, मैं ग्रापके द्वारा मंत्री महोदय ने जानना चा⊲्ता हं कि ग्रन–ग्रथराइज्ड कालोनीज के बारे में स्थानीय निकायों ने कब-कब संस्तुति वी कि उन का रैगुलाराइज कर दिया जाये ? क्या वह डेट्स मंत्री महोदय बतार्येंगे कि कब-कब उनको लिखा 🕖 इनको रैगुलाराइज कर दिया जाये ग्रौर सरकार ने उस पर क्या कार्य वाही की ?

श्री भीष्म नारायण सिंह: 16-2-77 को सरकार ने ब्रादेश दिया ब्रीर उसके बाद उसमें दो किस्म की कैटगरीज बनाई गई । एक कमशियल परपज के लिये भ्रौर दूसरी रेजीडैंशल परपज के लिये। जो रेजीडैनणल परपज के लिये था, उनको 30 जून 1977 का समय

रखा गया भ्रौर उसी भाधार पर डी॰ डी० ए० ने इस पर भावस्यक कार्यवाही की।

श्री भीक् राम जैन: मंत्री महोदय ने इस सवाल के जवाब में कहा था कि जो ग्रीन बैल्ट में मकान बनाये गये हैं, उनकी व्यवस्था भ्रभी विचाराधीन है । मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हं कि जो डिमोलीशन एक्शन ग्रभी लिया जा रहा है, क्या उसको स्थगित कर दिया जायेगा जब तक इस पर विचार नहीं किया जाता ?

श्री भीष्म नारायण सिंह : ग्रभी इसको स्थगित करने का सवाल कहां है ?

धाध्यक्ष महोदय : क्या डिमोलीशन स्थगित कर दिया जायेगा ?

श्री भीव्य नारायण सिंह : स्थगित कैसे करेंगे ? कार्यवाही चल रही है, उसे बीच में हम स्थागत कैसे करेंगे?

## Payment of arrears to Sugarcane Growers in U.P. and Bihar

- \*2. SHRI BHOGENDRA JHA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 410 on the 7th July, 1980 regarding payment of arrears to sugarcane growers in U.P. and Bihar and state:
- (a) Whether total clearance of the arrears of the sugarcane price has since been made by the sugar mills;
- (b) If not, the lilst of the defaulting and action proposed to be undertaken to a ensure full clearance;
- (c) What is the ratio and amount of arrears held by the mills in the public sector to that in the private sector?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION AND IRRIGATION (SHRI BIRNDRA

(a) The comparative position of the cane price arrears of factories in U.P. and Bihar as indicated in reply to the Starred Question No. 410 referred to and now are below:

Oral Answers

(Figures in rupees lakhs)

|                   |   | As on 31-5-80 | As on 30-9-80    |
|-------------------|---|---------------|------------------|
| Factories in U.P. | • |               | 650·55<br>269·05 |

It could be seen that arrears have come down since then.

(b) A statement showing the factory-wise position of cane price rears in the case of U.P. and Bihar is laid on the Table of the Sabha.

Oral Answers

Notices have been issued under the provisions of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 in the case of 10 factories in U.P. and 3, factories in Bihar whose arrears are more than 10 per cent the amount payable for purchase sugarcane during the previous season. In the case of factories which below this minimum prescribed under the Act, the State Governments have been asked to take effective action.

(c) The sector-wise information regarding the ratio and amount arrears is given below:-

13.55

|       |                |   |   |   |      | Public                   | Sector                            | Private                  | Sector                            |
|-------|----------------|---|---|---|------|--------------------------|-----------------------------------|--------------------------|-----------------------------------|
|       | Min dia dia di |   | - |   | <br> | Amount<br>in lakh<br>Rs. | Percentage<br>to total<br>arrears | Amount<br>in lakh<br>Rs. | Percentage<br>to total<br>arrears |
|       |                |   |   |   |      |                          | 4                                 |                          |                                   |
| U.P.  |                |   | • |   |      | 158.54                   | 21 4                              | .192 01                  | 75 · <b>6</b>                     |
| Bihar |                | • |   | • |      | 127.09                   | 47:2                              | 141 96                   | 5 <b>2·&amp;</b>                  |

#### Statement

Factory-Wise position of arrears of cane prices as on 30-9-80 based on information furnished by sugar factories

| *********** | •                                | *************************************** | <br>- |   | <br> | ····    |                        | (Lakh  | Rs.)    |
|-------------|----------------------------------|---|-------|---|------|---------|------------------------|--------|---------|
|             | Name of fac                      | tories                                  |       |   |      | 1979-80 | 1978-79<br>& carlier   | Total  | Remarks |
|             |                                  | 1                                       |       |   |      | 2       | 3                      | 4      | 5       |
| (A) U       | TTAR PRAL                        | ESH                                     |       | _ |      |         |                        |        |         |
|             | Lahak <b>s</b> ar .<br>Ajudhia . | •                                       | •     |   | •    | 36.94   | <br>13 <sup>.</sup> 55 | 36· 34 |         |

| •           | Iral Answers  |   |   | N     | OVE | MBER | 17, | 1980   | Ore          | il Answers |
|-------------|---------------|---|---|-------|-----|------|-----|--------|--------------|------------|
|             | 2             |   |   | • • • |     |      |     | 3      | 4            | 5          |
| 3.          | Bhabhanan     | • | • | •     |     | •    | •   |        | 51.98        | 51.98      |
| 4.          | Mohiuddinpur  |   | • | •     |     | •    |     | 0.62   | 6·05         | 6.67       |
| 5.          | Sakhautitanda |   |   | •     |     | •    |     | ••     | 32.03        | 32.03      |
| 6.          | Biji or .     |   |   | •     |     | •    | •   | • •    | 8. 58        | 8. 58      |
| 7-          | Amroha        | • | • | •     | •   | •    | •   | ••     | 24 .86       | 24.86      |
| 8.          | Razabuland    | • | • | •     | •   | •    |     | ••     | 66 -91       | 66 ·91     |
| 9.          | Jaiwa' Road   |   |   |       |     |      |     | 0.04   | 13 -50       | 13-64      |
| 34          | Diamoi d      |   | • |       |     |      | •   | • •    | 2.10         | 3 - 10     |
| BR.         | Khadda        |   |   | •     |     |      | •   |        | G ·29        | o ·29      |
| œ.          | Ramkola (MK   | ) | • | •     | •   |      |     | • •    | 2 · 1 1      | 2 · 1 1    |
| 113.        | Nandganj.     |   |   |       |     | •    |     | o ·28  | 0.02         | 0.30       |
| <b>14</b> . | Dariyapur     |   |   |       |     | •    |     | 80 ∙ 0 | 0.07         | 0 · 15     |
| ₹.          | Anoopsalar    |   |   |       |     |      |     | o · 06 | 0 -25        | 0.31       |
| á.          | Harduaganj    |   |   |       |     | •    |     | 1 -24  | ı -87        | 3.11       |
| AĮ.         | Ramiala .     |   |   | •     |     | •    |     | 0.57   | • •          | o ·57      |
| B.          | Nanauta.      |   |   |       |     | •    |     | 0 05   | • •          | 0.05       |
| 19.         | . Bisalpur    | • |   |       |     |      |     | 80·0   | • •          | o ⋅•8      |
| <b>ድ</b> (ኤ | Karimganj     |   |   | •     |     |      |     | o · 77 | 9 35         | 10.12      |
| 21.         | Nadehi        | • |   |       |     |      |     | 0.47   | 0 · 45       | 0 62       |
| 22.         |               | • |   |       |     |      |     |        | <b>3</b> ⋅60 | 3 60       |
| 23.         | Kashi .       | • |   |       |     |      |     | 4.63   | 6 55         | 11.18      |
| 24.         | Rasra .       |   |   |       |     | •    |     | 0 04   |              | (-(4)      |
| 25          |               |   |   |       |     |      |     | o ·23  | 4 ·80        | 5 03       |
| 26          | . Meerut .    |   |   |       |     |      | •   | 17 -20 | 17·92        | 35 · 12    |
| 27          | . Khatauli .  |   | • |       | •   | •    |     | o ·68  | 0.01         | 0.69       |
| 28.         | . Mansurpur   |   |   |       |     | •    |     | 14 78  | • •          | 14 · 78    |
| 29          | . Rohanakalan |   |   | •     |     |      |     | 10.00  | • •          | 10,00      |
| 30          | . Bulandsahar |   |   |       |     |      |     | 21.56  | 8 · 79       | 30.35      |
| 31          | . Saharanpur  |   |   |       |     |      |     |        | 0.54         | 0 · 54     |
| _           | . Iqbalpur .  |   |   |       | •   | •    |     | 6.75   | • 54         | 6 · 75     |

| 7           | Oral Amswer  | B     | 1 | KARTIF | KA 26, | 1902 | (SAKA)  | O <sub>1</sub> | rel Answ         | ers I                                   |
|-------------|--------------|-------|---|--------|--------|------|---------|----------------|------------------|---|
| 1           | 2            |       |   |        |        |      | 3       | 4              | 5                |   |
| 33 ·        | Dhampur      | •     | • |        | •      | •    | • •     | 1 .93          | 1 -93            | *************************************** |
| 31.         | Barcilly .   | •     | • |        | •      | •    | • •     | 14 · 18        | 14.18            | ø                                       |
| 35.         | Pilibhit .   |       | • |        |        | •    |         | 5.51           | 5.51             |   |
| <b>36</b> . | Nooli .      |       |   | , ,    | •      |      | 3 ·04   | 0 .82          | 3 · <b>8</b> 6   |   |
| 37.         | Maholi .     |       |   |        |        | •    | • •     | <b>9</b> 6 ⋅30 | <b>9</b> 6 ⋅30   |   |
| 38.         | Hardoi .     | •     | • |        |        | •    | 0 · 12  | 99 · 76*       | 99 · <b>88 *</b> | Reported<br>be sub-<br>Judice           |
| 39.         | Ratra .      | •     |   |        |        |      | 0.20    | ••             | 0 · 20           |   |
| <b>4</b> 0. | Balrampur    |       | • |        |        | •    | 0.01    | 0.05           | 0 ⋅06            |   |
| 41.         | Nawahganj    |       | • |        |        | •    |         | 22 .03         | 22 .03           |   |
| 42.         | Ghughli      | •     | ٠ |        | •      |      | 2 · 60  | 2·43           | 5.03             |   |
| 43.         | Chhitauni    |       | • |        |        | •    | 5.26    | 2 · 38         | 7 · 64           |   |
| 44.         | Kathkuiyan   | •     |   |        |        | •    | • •     | 0.10           | 0 · 10           |   |
| 45.         | Scorahi .    | •     | • |        | •      | •    | 0 · 14  | 0.04           | 0 · 18           |   |
|             | Total        | • • • |   |        |        | •    | 91.50   | 559 · 5        | 650·55           |   |
| (B) F       | BIHAR        |       |   |        |        |      |         |                |                  |   |
| 1.          | Metipur .    |       | • |        | •      | •    | 12 - 21 | 60 -42         | 72 ·63           | <b>as o</b> n<br>15–9–8                 |
| 2.          | Sitalpur .   | •     | • | •      |        | •    | 0 · 1 1 | 14 .00         | 14 · 11          |   |
| 3.          | Ryam .       | •     | • | • ,    | •      | •    | 5.00    | 0 · 22         | 5 · 22           |   |
| 4.          | Lohat .      | •     | • | . ,    | ٠      | •    | 4 · 99  | 47 · 24        | 52 -23           |   |
| • 5.        | Sakri .      |       | • |        | •      | •    | 0.01    | 19.76          | 19.77            |   |
| 6.          | Samastipur   | •     |   | • ,    | •      | •    | 0.15    | 0 -47          | 0 .62            |   |
| 7.          | New Savan    | •     | • | •      | •      | •    | 4 · 95  | 8 · 37         | 13.33            |   |
| 8.          | Banmankhi    | •     |   |        | •      | •    | 5 · 34  | o ·73          | 6·07             |   |
| 9.          | Bihta .      | •     |   | •      |        | •    | 0 · 02  | 28 ·44         | 28 · 46          |   |
| 1●.         | Warisaliganj | •     |   | •      |        | •    | 0.08    | o · 33         | 0 -41            |   |
| 11.         | Guraru .     |       | • | •      |        |      | • •     | 0 ·20          | 0.20             |   |
| 12.         | Bagaha ,     | •     |   | •      |        | •    | 0 · 17  | 0.01           | o · 18           |   |
|             |              |       |   |        |        |      |         |                |                  |   |

|          | 2                  |   |      |   |   |   |   | 3        | 4      | 5            |
|----------|--------------------|---|------|---|---|---|---|----------|--------|--------------|
|          | Narka tiaganj      | • |      | • | • | • | • | 0 ·27    | • •    | 0 ·27        |
| <b>.</b> | Bara-hakia         | • |      | • | • | • | • | C ·54    | 0 · 72 | 1.46         |
|          | Lauriya .          |   | •    | • | • | • | • | 1.52     | •      | 1 -52        |
| •        | Majh <b>a</b> ulia | • | •    | • |   | • | • | o · 34   | • •    | o · 34       |
| •        | Saugauli .         | • | •    | • | • | • | • | 5 ·87    | 0.01   | 5·8 <b>8</b> |
| •        | Matihari .         | • | •    | • | • | • |   | 0.51     | • •    | 0.51         |
| •        | Chanptlia          | • | •    |   | • |   |   | 0.40     | e·(4   | 0 44         |
|          | Righa .            |   |      |   | • |   | • | 0 · 74   | c · 74 | 1 -48        |
|          | Hamanpur           |   | •    | • | • | • | • | • 62     | • •    | 0.62         |
|          | Sasa Musa          | • | •    |   | • | • |   | o ·87    |        | o ·87        |
| •        | Gopal Ganj         |   |      |   |   |   |   | 6 · 14   | 0 · 04 | 6 · 18       |
| •        | Hathua             |   |      |   |   |   |   | 4 58     |        | 4 58         |
| •        | Sidhawalia         |   |      |   |   |   |   | 36· I    | • •    | 1 68         |
|          | Marhowrah          |   |      |   |   |   |   | 0 1      | 0.02   | o 33         |
| ,        | Pachrukhi          |   |      |   |   |   |   |          | 11.83  | п 85         |
| •        | SKG Siwan          |   |      |   |   |   |   | 6.42     | 10 93  | 17 º5        |
|          |                    | T | OTAL |   |   |   |   | 6.4 · 53 | 201 52 | 269 05       |

SHRI BHOGENDRA JHA: Sir, his reply referred to by the Minister in the last Session, he had stated that in U.P. the sugar arrears 1978-79 were Rs. 5,84,26,000 and this time the latest arrear figure as on 1st 30th September was October or Rs. 5,59,05,000. So, in the year 1979-80 in U.P. the matter stands where it The same is the case regard to Bihar. In Bihar we had a figure at that time and it was Rs. 2,11,10,000 being the arrears for the year 1978-79, and this time, up to 30th September 1980, the arrear figure was Rs. 2,04,52,000. I want know whether the overall payment for the year 1979-80 has been comparatively better particularly with regard to public sector, for the rears with regard to 1978-79 remain almost the same. So, what about these arrears? In view of the inflationary trend in our economy precipated by the Government's policy itself the sugarcane growers are soing to lose heavily in respect of 1978-79 arrears. How are they going to be compensated?

SHRI BIRENDRA SINGH RAO: Efforts have been made to reduce the amount of arrears. As I have already stated, the arrears as on 31-5-1980 in Bihar were Rs. 346.46 lakhs. I have given you the total, and then something has been added for the last year 1978-79.

That is why the figures do not show that there has been a great re-

duction. But if you take the overall figure in case of Bihar, from Rs. 346.46 lakhs it has come down to Rs. 269.05 lakhs only. Rs. 64 lakhs is for the last year 1979-80. That has been included. There has been a substantial reduction in the amount of arrears in case of almost all sugar factories.

SHRI BHOGENDRA JHA: For 1979-80 there is some improvement. But in regard to 1978-79 the arrears remain where they were. How are the peasants going to be compensated for the fall in the purchasing power of the rupee itself?

SHRI BIRENDRA SINGH RAO: Sugar factories have not paid any arrears. There is also provision for giving interest to the sugar cane growers. If they do not get it in time, they will be compensated.

SHRI BHOGENDRA JHA: In his reply last time the Minister had stated that there was an assurance from the State Governments that the arrears in respect of Raiyam, Samastipur and Hasanpur which were affected will be cleared during the monsoon season. The Monsoon has passed and the arrears for Raiyam for 1978-79 remain where they were—i.e. over Rs. 5 lakhs. In regard to Lohat and Sakari too even for 1978-79 the arrears remain where they were. This seems to be a breach of the assurance.

SHRIP BIRENDRA SINGH RAO: I have flaid full statement in respect of all the factories on the Table of the House. If the hon. Member wants to have any further information, I will supply that to the hon. Member in detail.

SHRI RATANSINH RAJDA: I would like to know from the hon. Minister is it a fact that a total amount of more than Rs.. 20 crores is payable by the sugar barons to the cane producers. Now the hon. Minister has stated that the State

Governments are taking steps against them. Actual fact is that the State Governments have stopped purchasing. I will like to know why the Central Government is hesitating to launch prosecution? Has the Central Government launched prosecution of sugar barons who are having an upper hand. More than Rs. 20 crores are due and are payable as amount plus interest.

SHRI BIRENDRA SINGH RAO: I have already stated that notices have already been served on 13 factories for non-payment of arrears.

SHRI AJOY BISWAS: Have you prosecuted them?

SHRI BIRENDRA SINGH RAO: The question of prosecution will arise later on. They have to reply to the show cause notice. Action will be taken afterwards in the light of their explanation.

SHRI RATANSINH RAJDA: Has any prosecution been launched so far as Rs. 20 crores are due?

MR .SPEAKER: He has already replied. He has issued notices.

SHRI RATANSINH RAJDA: When were the notices given? My information is that the Central Government has not launched any prosecution.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I did not know Rao Sahib could be a criminal lawyer. I do not say he is a lawyer for the criminals. How nicely he has taken us for a ride; You kindly go through the charge.

MR. SPEAKER: Don't you enjoy the ride?

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I will take him for a ride. Rao Sahib will explain the credit that he has claimed. In Uttar Pradesh at Lhaksar earlier it was Rs. 36.34 lakhs and now it is Rs. 36.34 lakhs. At Bhabhnan it was Rs. 51.98 lakhs and now it is Rs. 51.98 lakhs. Rezabul and—

earlier 66.91; now 66.91. You come to Meerut-here, he requires a feather en his cap; he does not have a cap today-earlier 17.92; now 35.12; I give him another fearther-Bulandshaher; earlier 8.79; now 30.35. I have got a whole list here. The hon. Minister is deliberately misleading the May I know, is it or is it not a fact that in U.P. Raj Bhavani before the last elections, through the Excise Commissioner's force on the tycoons. an amount of Rs. 80 crores was collected from the tycoons for conducting elections. It was done through the Excise Commissioner who was a Commissioner who had done nasbandi in Muzaffarnagar.

## (Interruptions)

SPEAKER: He cannot level MR. any allegation.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I asked, is it or is it not a fact?

MR. SPEAKER: No please.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: These people have not been touched because they have given money.

SHRI BIRENDRA SINGH RAO: I would gladly supply information if my hon. friend, Mr. Jyotirmoy Bosu is genuinely interested in getting information. But he is levelling allegations. I do not think I should take any notice of the insinuation as you, Sir, have yourself very kindly marked. Therefore he should content with whatever information has already been given by me.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I have given specific figure in regard to arrears, earlier and today, and there is a big difference. They could escape the law because they have contributed to their coffers.

SHRI BIRENDRA SINGH RAO: I supposed to reply to his speech. It is not a question.

MR. SPEAKER: He has cited that, you can examples; to some reply

SHRI BIRENDRA SINGH RAO: All that information is already tabled; it is contained in the statement laid on the Table of the House. The position is as I have already stated.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Me claims that the situation has improved considerably. I have pointed out that he has misled the House deliberately.

SHRI BIRENDRA SINGH RAO: I have given figures to show that it has improved.

MR. SPEAKER: Mr. Bosu, take out certain points and he takes out other points. You take out single instances and he takes the whole picture into account.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I deduce it is because they got Rs. 80 erores.

श्री मुल चन्द डागा : ग्रध्यक्ष जी, मैं ग्राप के माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानवा बाहता हूं कि शुगरकेन कन्ट्रोल (ग्रमेन्डमेन्ट) म्रार्डर, 1978 के मन्तर्गत 1978 के बाद कितने केन-ग्रोवर्स को 15 परसेन्ट ब्याज के हिसाब से रकम दिलबाई गई है श्रोर रकम न देने पर यप्पी श्रीर बिहार में कितने चालान म्राज तक किए गए हैं ? इस भ्रार्डर का पालन हो रहा है या नहीं यह मैं जानना चाहता हूं।

श्री बीरेन्द्र सिंह राव : स्पीकर साहब जहां ग्रार्डर का पालन नहीं होता है वहां ऐक्शन लिया जाता है । इसी-जहा नाटस ।दए हैं भ्रीर शुगर एरियस को कम नहीं करती है या कोई दूसरी एरेग्युलैटीरिज करती हैं तो **्रिंडनको टेक-भ्रोवर किया** जाता है। इसीलिए हमने पहले कई मिलें ली हैं भीर स्टेट गवर्नर्मेंन्टस ने भी ली हैं। सेकिन नि॰ बतु का जो इल्जाम है कि 80 करोड़ रुपया बसूल कर लिया गया है, वह बिसकुल गलत, मिस लीडिंग और वाहिवात है। मैं उम्मीद करता हूं भ्राप इस तरह की बातों की हजाजत नहीं देंगे। (अवस्थान)

भी रशीब मस्बः यह तो हम मानकर चलते हैं कि इस गवर्नमेंट से किसानों को कोई फायदा होने वाला नहीं है। मेरे सवाल के दो भाग हैं: (ग्र) 6 करोड़ रु० तो यू०पी० के किसानों का खास तौर पर रह रहा है ग्रीर बाकी जगहों का भी है, तो क्या सरकार उनको इन्टरेस्ट देगी भौर (ख) जो शासन का हमारे उपर कर्ज होता है, उसके बदले में तो हमारे बैल कुड़क करा लिए जाते हैं, लेकिन जो हमारा बकाया होता है, उसकी पर्ची लिए हम फिरते रहते हैं श्रीर पैसा नहीं मिलता है। उसके लिए क्या श्राप कुछ तय करेगे, कोई प्रोवीजन लायेंगे हाउस में?

[شری رشید مسعود : یه تو هم مان کر چلتے معین که اس گورنمات سے کسانوں کو کوئی فائدہ ہونے والا نہیں ہے - میرے سوال کے دو بھاگ هیں : (۱) ۲ کروز ررپیا تو یو - پی کے کسانوں کا خاص طور پر وہ رہا ہے۔ ارر باقی جگہل کا بھی ھے - تو کھا سرکار ان کو انیزست دیگی اور (ب) جو شاسن کا ممارے اوپر قرهی هوتا ھے اس کے بدلے میں تو ھ،ررے بہل كوك كرا لئے جانے هيں ليكن جوهمارا بقایا هوتاهه اس کی پرچی لئے هم پهرتے رهتے هوں ۽ اور پيسه نهون ملتا ھے - اسکے لئے کہا آپ کچه طے کریں گے - کو ی پررویزی انہیں گے هاؤس مهن -] 🕠 🖟 ्त्री वीर न्य सिंह राज: अध्यक्ष महोदय, जो जीज प्रश्न से संबंधित नहीं है, उसके लिए एशोरेंस मांग रहे हैं (उपवधान) कानून और कायदे बने हुए हैं। मैं बहस नहीं करना जाहता हं....

इश्च्यक्ष महे बय : ग्राप तो एशोरेंस मांग रहे हैं।

श्री र**शं द मसूद**ः हमारे जानवर तक कुड़क करा लिए जाते हैं हैं... (क्य**दधा**न)

[ رشهد سسموہ : همارے جانور تک کوک کرا لئے جاتے ہیں ، (انقرویشن) ]

SHRI CHANDRAJIT YADAV: Sir, what  $i_S$  his reply?

MR. SPEAKER: He says it is a suggestion, not a question.

SHRI CHANDRAJIT YADAV: It is not a suggestion. How can he say that? That right is not with the Minister. Once you have asked him to reply, he may say 'yes' or 'no'.

MR. SPEAKER: He has already said it: he says it is a suggestion.

SHRI CHANDRAJIT YADAV: You can say that, not the Minister. How can the Minister say that it is not a question? It is not a suggestion. Will you please ask the Member to put his question again?

SHRI BIRENDRA SINGH RAO: The hon. Member gave certain suggestions...

SHRI CHANDRAJIT YADAV: It is not a suggestion...(Interruptions).

MR. SPEAKER: Please let him speak; no prompting is needed.

SHRI BIRENDRA SINGH RAO: The hon. Member specifically asked me whether the Government would bring in some legislation to look into various things which the Hon. Member mentioned, to set off the farmers' cost of carrying sugarcane, and other things. I am not in a position to give

replies to such suggestions immediately, but I can assure the House, through you, that the Government is fully conscious of the needs of the farmers and the need for providing incentives farmers, especially sugarcane growers, and we have done whatever we could and, certainly, much more than what the provious Government had done. (Interruptions).

ंश्रो रामावतार भास्त्रो: ग्रध्यक्ष जी, बिहार की 29 मिलों पर बकाया का ब्योरा मंत्री महोदय जी ने दिया है, जिसमें मोतीप 72 लाख 63 हजार, लोहट 52 लाख 23 हजार, बिहटा 28 लाख 46 हजार श्रीर एस०कें ० जी ० सिवान 17 लाख 35 हजार है। यह रुपया सबसे ज्यादा इन कारखानों पर किसानों का बकाया है। इसमें मोतीपुर को श्रभी हाल में सरकार ने अपने कब्जे में लिया हैं ग्रौर बिहटा कई सालों से सरकार के कब्जे में है । इसके बावजूद भी सरकार ने बकाया ग्रदा नहीं किया, जो कि ग्रापका कारखाना है। मैं जानना चाहता हूं कि इन चारों मिलों पर जो राशि बकाया है, इसको दिलाने के लिए प्रापने कौन सी कार्यवाही की है ?

श्री बीरेन्द्र सिंह राव: कौन कौन सी मिलें हैं, कितना-कितना पैसा हमने दिया है, उसका ब्यौरा मेरेपास इस वक्त नही है, यदि सदस्य चाहेंगे तो मैं तफसील में बता दगा। जो मिलें सरकार ने ले ली हैं, उन सब को काफी कर्जा सरकार ने दिया है। जो स्टेट ने स्ती हैं उन की कीग्रापंरेटिव के श्रूया . . .

भी राम।वतार शास्त्री: सवाल कुछ दूसरा पूछा था, जबाब कुछ दे रहे हैं।

श्री बीरेंन्द्र सिंह राव : ब्राप का जैसा सवाज है, वैसा ही जवत्व मिलेगा।

भी रामाकतार शास्त्री : मैंने पूछा था किंडन क्यों को कब दिलवायेंचे या कब तक

दिलवाना चौहते हैं संब से ज्यादा बकाबों वाली मिलें यहीं हैं, जी भाप के कब्जे में हैं. . .

श्री हीरेन्द्र सिंह राव : बकाया देने की सरकार की पालिसी है। इसी हे िये मिलें टेक-म्रोवर की जाती हैं.

श्री रामावतार शास्त्री: कव तक दिया जायेगा ।

श्री बोरेन्द्र सिंड राव : जितनी जल्दौ हो सकेगा, उतनी जल्दी बकाया दिलवायेंगे । हमें सरकार के रिसोर्सेंज को भी देखना पड़ता है। ऐसा न हो कि कहा सभी मिलें, सिक हो जांए, लोग करोडों रुपया बकाया छोड़ कर चने जाये भौर कर्जा हम देते रहें।

श्री रामावतार शास्त्री: यह कर्जा नहीं है, यह उन की गाढ़ी कमाई का पैसा है।

MR. SPEAKER: Mr. Somnath Chatterjee.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE: Question number 3.

SHRI CHITTA BASU: Question No. 12 may also be taken up with this...

SHRI NIREN GHOSH: Questions Nos. 3 and 12 are of a similar nature: they can be taken up together

MR. SPEAKER: Should we take up Questions Nos. 3 and 12 together? Are you agreeable?

SHRI BIRENDRA SINGH Yes, Sir.

Unutilised Stock of Foodgrains Under Food for Work Programme

- \*3. SHRI SOMNATH CHATTER\_ JEE: Will the Minister of RURAL RECONSTRUCTION be pleased to state:
- (a) whether out of 17 lakh tonnes allocated for Food for Werk Programme, the State Governments till the end of September, 1980 hild utilised 11 takh tonnes, thus leaving an

untititized balance stock of 6 lakh tonities;

- (b) if so, the names of State Governments which have not utilised the allotted quota;
- (c) the names of State Governments who demanded more quota for the States; and
- (d) the names of States which demanded supply of their quota in time?

MINISTER OF THE STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI BALESHWAR RAM): (a) to (d). On 1st April 1980, the unutilised balance of foodgrains with the States/ Union Territories from the earlier year was about 7 lakh tonnes. lakh tonnes of foodgrains were allocated to the States/Union Territories under the Food for Work Programme in April, 1980. Out of the total available quantity of 17 lakh tonnes till end of September, 1980, the utilisation reported so far from different States/ Union Territories is 9.56 lakh tonnes. No State except Maharashtra has reported utilisation of the entire available quantity of foodgrains under the programme.

All State Governments/Union Territories except Manipur, Meghalaya, Nagaland, Sikkim, Arunachal Pradesh, Mizoram and chandigarh have demanded more foodgrains than allocated to them.

## Revision in Allocation of Foodgrains under Food for Work Programme

## \*12. SHRI CHITTA BASU: SHRI NIREN GHOSH:

Will the Minister of RURAL RE-CONSTRUCTION be pleased to State:

- (a) Whether Government have recently revised the foodgrain allocations to the States for the Food for Work Programme;
- (b) if so, the full facts in regard to attentions State-wise; and
  - (c) the reasons for such revisions?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (Simi BALESHWAR RAM): (a) to (c). No revision has been made but in the last month an additional allocation of 4 lakh tonnes has been made among the different States and the Union Territories. A statement showing this allocation is laid on the Table of the House.

## Statement

Quantities of Foodgrains of 4 lakh metric tonnes allocated to States/ Unions

## Territories

| Sl. State/UT                         | Quantity of food-<br>grains |
|--------------------------------------|-----------------------------|
| No.                                  | (Metric tonnes)             |
| 1. Andhra Prad                       | esh 42,000                  |
| 2. Assam                             | 8,000                       |
| 3. Bihar                             | 54,000                      |
| 4. Gujarat                           | 12,500                      |
| 5. Haryana                           | 3,500                       |
| 6. Himachal Pra                      | desh 2,500                  |
| 7. Jammu and                         | Kashmir 3,500               |
| 8. Karnataka                         | 18,500                      |
| 9. Kerala                            | 18,000                      |
| 10. Madhya Prade                     | esh 29,500                  |
| 11. Maharashtra                      | 32,500                      |
| 12. Manipur                          | 500                         |
| 13. Meghalaya                        | 500                         |
| 14. Nagaland                         | 400                         |
| 15 Orissa                            | 18,500                      |
| 16. Punjab                           | 5,500                       |
| 17. Rajasthan                        | 10,400                      |
| 18. Sikkim                           | 250                         |
| 19. Tamil Nadu                       | 33,000                      |
| 20. Tripura                          | 1,250                       |
| 21. Uttar Pradesh<br>22. West Bengal | 74,500<br>30,000            |
| _                                    |                             |
| UNION TERRITO                        |                             |
| 23. Andaman an                       | d Nicobar 300               |
| Island<br>24. Arunachal Pr           | adesh 300                   |
| 25. Mizoram                          | 300                         |
| 26. Pondicherry                      | 300                         |
|                                      | 2.2                         |

4,00,000

Total

31

SHRI SOMNATH CHATTERJEE: Mr. Speaker, Sir, in the last Economic Survey—for the year 1979-80—it has been stated:

"Within a short period, the Food for Work Programme has developed into an effective instrument of employment generation and rural development. The Programme is expected to be strengthened and expanded on a big scale as it has the potential to become a focal programme for generation of rural employment in the coming years."

This is the commitment of this Government as they say in their last Economic Survey. The Hon. Minister says that there has been no demand from the States for extra allocation. But, would he kindly tell us whether the Central Government has supplied the State Governments foodgrains upto the allotted quantity? I would like to give some figures of allotment between March and May of this year.

| U.P.      | 2.45 | lakhs | tonnes. |
|-----------|------|-------|---------|
| M.P.      | 2.24 | lakhs | tonnes. |
| Bihar     | 3.15 | lakhs | tonnes. |
| Rajasthan | 1.30 | lakhs | tonnes. |

West Bengal has been given only 20,000 tonnes in May. Since then not a single grain of food has been allotted for this programme. (Interruptions). Therefore, I would like to know from the hon. Minister whether there has been a fair deal in the matter. They say that this food for work protramme will be expanded on a big scale because of the great potential for rural development and generation of rural employment. I want to know whether Government would keep its commitments to the State Governments, particularly, to the Government of West Bengal and see that the foodgrains are made available unless the objective is to scuttle it and put the people of West Bengal into difficulties. May I know from the hon. Minister as to what is the Government going to do?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND RURAL RECONSTRUC-TION AND IRRIGATION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): refute the statement made by my hon. friend when he is trying to say that there has been some discrimination against West Bengal Government exercised by the Central Government. This is absolutely baseless. If at all, the Government ruptions) has been trying to show favour to West Bengal on the contrary. (Interruptions) West Bengal Government was allocated 2.44 lakhs tonnes of foodgrains in the year 1979-30. Out of that there was a carry over of 95,000 tonnes as on 1st April this year. That was out of the allocation made during previous year. After that, we released 20,000 tonnes more and then again 30,000 tonnes recently after the Chief Minister of West Bengal saw me and the Central Government was assured that its guidelines would be implemented and accepted. The West Bengal Government has been showing figures different from what the Central Government has in matter of utilisation of foodgrains The West Bengal Chief Minister was requested to send his officers to Delhi to remove the discrepancies if any. Those figures were synchronised and the matter was settled. After that the West Bengai Government assured us that as in every other State in India, the District Magistrate/Collector would be the Convener of this Steering Committee at the district level. That was one point which they had not been accepting as our Guidelines. After that, we immediately released 30,000 tonnes to West Bengal. Now, West Bengal Government has a carryover of 95,000 tonnes of foodgrains. 50,000 tonnes more have been released during this year. So, they have now a total of 1.45 lakhs tonnes. Out of that, so far, we have received the utilisation certificates in respect of a quantly of only 45,188 tonnes. (Interruptions) Our rules provide that further releases would be made only after the utilisation certificate upto the extent of 50 per cent of the quantity released has been received. The utilisation certificates received showed much less than 50 per cent of the foodgrains as having been utilised. That is, out of 1.44 lakes tonnes of foodgrains released only 45,000 and odd tonnes more have, so far, been certified by the West Bengal Government as having been utilised. Now, this is, a concession we have made in case of West Bengal. Without receiving utilisation certificates of at least 50 per cent of the foodgrains, we have released to them 30,000 tonnes. What more do you want from us?

So far as the allegation of discrimination is concerned I would like to assure the House that the Minister or for that matter anybody here at the Centre cannot make any difference in allocations according to the formulae that has been framed in consultation with the Planning Commission and the Finance Ministry Seventy-five per cent of the allocation should go on the basis of marginal farmers and andless families in the State twenty-five per cent is for the families below the poverty line in a State. Now everything is worked on that formulae. We cannot make any difference in case State It is only when a Government does not accept our guidelines or does not furnish the utilisation certificates in time that sometimes foodgrains cannot be released but all that allocation is kept in reserve for the State and it cannot be allocated to anybody else even if

SHRI SOMNATH CHATTERJEE: Mr. Speaker, it is a matter of great importance. I feel that the House should know that the figures given by the hon'ble Minister are all wrong and he knows that these are all wrong. I charge the Minister of misleading the House.

it is not given to that State for some

time. 📌 🔹

Sir, the impression he was given to the House is that the hon'ble Chief Minister of West Bengal came and with folded hands asked for mercy from him and he has been kind enough to 2287 LS-45 show mercy. The Chief Minister had written to the hon'ble Minister. Shri Rao Birendra Singh on 31st October, 1980 in which he has referred to the fact that the Secretary of his Ministry vide his letter dated 3rd June, 1980 has admitted that upto 64 per cent utilisation has been given to the Central Government. Sixty-four per cent utilisation has been admitted by his own Secretary in the letter dated and June, 1980. And on the figures supplied upto August, 1980 the amount comes to 80 per cent of the total quantity given. I would like to know from the hon'ble Minister what percentage of utilisation certificates have been given by other States before the quantities that have been mentioned, have been released to them. Secondly, what are the steering committees which have been formed in those States and the composition of those steering committees? Sir, if he thinks that he can subrugate West Bengal by denying them foodgrains then he is living in a fools' paradise. (Interruptions) Whether he will stop playing politics with food, I would like to

SHRI BIRENDRA SINGH RAO: Sir, I am very much pained at what Shri Somnath Chatterjee has said.

know?

First of all, he has tried to put words into my mouth which I never said. I never said that the West Bengal Chief Minister came with folded hands. I have all the respects for the West Bengal Chief Minister, as much as for any other Chief Minister, in any State of the country. It was his right. He came and saw me and he

put a demand. And it was his right to ask for foodgrains which were his share for the State. And we went in certain matters. Mr. Somnath Chatterjee, to my mind, is not doing any thing to improve relations between Central Government and West Bengal. It is very unfortunate, Sir. We, on our part, are very keen that every State should be satisfied and must feel being properly looked after by the Central Government without any discrimination, least of all, in the matter of foodgrains. The figure that I gave was urto the end of August, 45,000. That figure was upto the end of August, as I said. I still accept the challenge of Mr. Somnath Chatterjee.

## WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

## Chief Ministers' Conference

\*4. SHRI VIJAY KUMAR YADAV: SHRI K. M. MADHUKAR:

Will the Minister of AGRICUL-TURE be pleased to lay a statement showing:

- (a) whether the Chief Ministers' was Conference convened by the Union Agriculture Minister at New Delhi recently; and
- (b) if so, the gist of the discussions held and decisions taken therein?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND RURAL RECONSTRUC. TION AND IRRIGATION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): and (b). A conference of the Chief

Ministers of important wheat producing and wheat consuming States was convened on 24th October, 1980 discuss the recommendations of the Agricultural Prices Commission the price policy for wheat and barley for the 1980-81 crop season. While inviting the participating Chief Ministers and Ministers to give their views procurement/support prices on the for wheat and barley recommended by the A.P.C., the Union Minister of Agriculture and Rural Reconstruction stressed the need for building up a strong bufferstock of at least 20 million tonnes of foodgrains aiming at procurement of about 9 million tonnes of wheat and taking an overall balanced view with due regard the interests of the producers and the consumers. Views of the participants were also sought in regard to issue prices of wheat. The Minister added that the recommendations the A.P.C., the views expressed at the conference and the views Planning Commission and other concerned Ministries would all be placed before the Cabinet for taking a final decision in regard to fixation of procurement support prices of wheat and barley. The Chief Ministers Ministers of the participating States mostly suggested the fixation of procurement price of wheat in the range of Rs. 127 and Rs. 150 per quintal and the minimum support price of barley in the range of Rs. 95 and Rs. 140 per quintal. Briefly, the views State Governments on procurement support prices of wheat and berley and issue orice of wheat are as der:

38

Procurement and issue prices of wheat and support prices of barley suggested during the Conference.

|             |             |   |    |             |   | W                    | neat  | Rs. per<br>quintal<br>Barley |
|-------------|-------------|---|----|-------------|---|----------------------|---|------------------------------|
|             |             |   |    |             |   | Procurement<br>Price | Issue<br>Price  |                              |
| (1)         | <del></del> |   |    | <del></del> |   | (2)                  | (3)   | (4)                          |
| Haryana     | •           | • | •  | •           | • | 150                  | May be increased  | 140                          |
| Punjab .    | •           | • | •  | •           | • | 142                  | Raised reasonably but no increase for weaker sections             | ••                           |
| Karnataka   |             |   |    |             |   | 142                  | Proportionate increase  |                              |
| U.P         |             |   | •  | •           | • | 140                  | 150 155   | 110                          |
| M.P         |             | • |    | •           |   | 140                  | ••  | 95                           |
| Bibar .     |             |   |    |             |   | 133                  | Some increase   |                              |
| J&K .       | •           | • | •  | •           | • |                      | to Govt. of India's decision.<br>lid not put any extra burden on  |                              |
| West Bengal |             | • | •  |             |   | some increase        | No merease  |                              |
| Rajasthan   |             |   |    |             |   | 127                  | 141   | 110                          |
| Assam .     |             |   |    | •           | • | 127 I                | Proportionate increase  |                              |
| Maharashtra |             | • | •• |             | • |                      | orices should be different for<br>tes keeping in view the cost of |                              |
| Tamil Nadu  |             |   |    |             | • | D d not attend       | l   |                              |

No Government decision reparding the procurement price of wheat and support price of barley have been taken so far. These are likely to be taken during this month.

## Incentives to new Sugar Units

\*5. SHRI SHIV KUMAR SINGH THAKUR: SHRI B. V. DESAI:

Will the Minister of AGRICUL-TURE be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that Government have decided to offer incentives to new sugar units in the country as reported in the Indian Express of 18th October, 1980;
- (b) if so, the details of the incentives proposed to be offered to sugar units and the period thereof; and

(c) the extent to which such centives will be helpful in production of sugar in the country and to meet

domestic requirements? THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND RURAL RECONSTRUC-TION AND **IRRIGATION** (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) and (b). The Government of India have announced a revised scheme for granting incentives to new sugar factorries on 4-10-1980. A note highlighting the salient features of the vised incentive scheme, as approved by the Government, is laid on Table of the House.

(c) The substantial incentives will facilitate the setting up of new wishle

sugar mills and expansion of the existing mills, wherever necessary and this would help in increasing production of sugar in the country for meeting the domestic requirement of sugar.

#### REVISED INCENTIVE SCHEME FOR NEW FACTORIES AND FOR EX-PANSION OF EXISTING FACTO-RIES

The Government of India had been considering the matter of giving relief to newly licensed sugar factories and expansion projects in the context of the increased investment cost in plant and machinery to make them economically viable. The Inter-ministerial Group, appointed under the Chairmanship of Shri C. N. Raghavan, Joint Secretary (Sugar) in the Ministry of Agriculture to revise an eartier scheme in operation from 1975, had submitted a report to the Government. After a detailed and careful consideration of the report, the Government have now decided provide incentives to new sugar factories and expansion projects consisting partly of higher levy free sugar quotas and partly of excise duty concessions. The principal features of the revised scheme of incentives are mentioned below --

- Scheme would be effective from the sugar year 1980-81 and apply to the following categories of sugar factories in case of new units:
  - (a) all units covered by the previous incentive scheme viz., commencing production during the period between November 1, 1975 and October 31, 1980. New units which commenced production after October 1, 1973 and before November 1, 1975 are also eligible to get the benefits of the scheme but in such cases, the concession would apply for the balanced period from the date of commissioning.
  - (b) New sugar factories already licensed which commence production within a maximum period of 39

months from 1-10-1980 would also be eligible to the benefits of the scheme.

- (c) New sugar factories to be licensed in the Sixth Plan starting production within a period of 39 months from the date of their licence or letter of intent, whichever is earlier, will also be entitled to grant of incentives.
- (d) In case of expansion projects, the following categories will be covered:
  - (i) All units covered by the previous incentive scheme i.e. commencing production during the period between November 1, 1975 and October 31, 1980.
  - (ii) Expansion projects already licensed which commence production within a maximum period of 39 months from 1-10-1980 would also be eligible to the benefits of the scheme.
  - (iii) Licensed expansion projects to be licensed in the Sixth Plan starting production within a period of 39 months from the date of their licence or letter of intent, whichever is earlier, will also be entitled to grant of incentives.
  - (iv) Incentives to expansion projects costing Rs. 1 crore and above may be granted subject to approval of the expansion by the Committee to be set up in the Department of Food and obtaining by the sugar factory concerned of prior approval of the Directorate of Sugar to the items of plant and machinery to be installed for the purpose of expansion.

Since expansion projects involve installation of machinery to serve the joint needs of replacement modernisation and also expansion, the expansion projects would include modernisation and replacement, but incentives would be applicable to "Additional Production" which is attributable to expansion only.

## 2 Higher Lévy Free Quotas:

### (A) New Units:

Higher percentage of levy free sugar quota linked to a total f.o.r. cost of plant and machinery of Rs. 400 lakhs and above will be allowed as followes:

|         |      | -          |      |
|---------|------|------------|------|
| Y ear   | HR.A | MRA        | LRA  |
| First   | qu   | 100        | 100  |
| Second  | 80   | 100        | 100  |
| Third   | 70   | 100        | 100  |
| Fourth  | 60   | 100        | 100  |
| Firth   | 55   | <b>b</b> 5 | 100  |
| Sixth   | 35   | <b>3</b> 5 | 100  |
| Seventh | 35   | 35         | 1 00 |
| Eighth  | 35   | 35         | 75   |
|         |      |            |      |

The incentives are proposed for a period of five years in case of high and medium recovery areas and eight years in case of low recovery areas. These levy free quotas will be calculated suitably in case of new units whose cost of plant and machinery is between Rs. 200 lakhs and Rs. 400 lakhs. This concession will not be admissible if the cost of plant and machinery is below Rs. 200

## (B) Expansion Projects:

lakhs

The higher percentage of levy free sugar quota admissible to expansion projects will be as follows:

| Year   | HRA | MRA        | LRA |
|--------|-----|------------|-----|
| First  | 40  | <b>6</b> 0 | 90  |
| Second | 40  | <b>6</b> 0 | 90  |
| l hird | 40  | 50         | 75  |
| Fourth | 40  | 50         | 70  |
| Fifth  | 46  | 50         | 60  |
|        |     |            |     |

The ingentives are proposed to be given over a period of five years. The higher free sale quota indicated above would apply only to that much Production" in suof "Additional gar season, which is either (i) excess of production over the average of the last three years the year of completion of expansion, or (11) the excess of actual production (such actual production being limited to the norms of post expansion capacity) over the norms of pre-expansion capacity, whichever is lower. This will apply from the date of inception of the scheme.

## 3 Applicability of scheme to the factories who have already availed of some incentives

Factories which are eligible for incentives under the original scheme but had not availed or the incentives benefits or have partly availed of them would be fitted in the new scheme. Suitable compensation for shortfall in the quantum of incentives already availed would also be given

## 4. Excise duty relief:

In spite of higher free sale quotas allowed, the new sugar factories, as well as the expanded units will be required to pay excise duty at levy sugar rates on the extra free sale quota of sugar.

5. Further details of scheme will be communicated to the industry and the State Governments shortly. It is keeped that entrepreneurs having licences for establishing new units or for expansion of their existing units would now be able to obtain requisite financial assistance from financial institutions and implement their licences without under delay.

#### Malpo Flahing Harbour

- \*6. SHRI S. B. SIDNAL: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether it is proposed to develop the Malpe fishing harbour with aid from the United Nations Development Programme: and
- (b) if so, the broad features thereof and when the work is expected to be over?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) The fishing harbour at Malpe is already under construction. No aid from the United Nations Development Programme is envisaged.

(b) The main features of the harbour are—construction of a wharf 295 meters, jetty 160 meters, training wall 2000 meters, dredging, slipway and other shore facilities. The harbour is designed for accommodating 200 fishing vessels of sizes varying between 19 to 28 meters.

The harbour is expected to be ready in March, 1981.

#### Loss due to Floods in States

# •7. SHRI JAGPAL SINGH: SHRI ARJUN SETHI:

Will the Minister of AGRICUL-TURE be pleased to lay a statement showing:

- (a) the extent of loss of life, crop and property, State-wise, caused by the recent floods in various parts of the country:
- (b) the States which have been most affected by the floods; and
- (c) the Central assistance given to the State Governments to tide over the situation?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION AND IRRIGATION (SHRIBIRENDRA SINGH RAO): (a) A statement is laid on the Table of the House.

(b) and (c). Ten of the States, viz Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Gujarat, Haryana, Karnataka, Kerala, Orissa, Uttar Pradesh and West Bengal, worst affected by recent floods have asked for Central assistance.

Rs. 148.65 crores have so far been sanctioned as ceiling of expenditure to the Governments of Assam, Gujarat, Haryana, Kerala, West Bengal and Uttar Pradesh. Further proposals for a ceiling of expenditure to the extent of around Rs. 50.85 crores are under consideration to Andhra Pradesh and Orissa. Assistance to Bihar and Karnataka will be considered after the report of the Central Team is considered by the High Level Committee.

Statement Extent of loss of life, crop and property, State-wise caused by the recent Floods

|                              |    |     |    |   | Cropped                                | No. of                           | Dea                         | ths                        | Loss to<br>Public                                     |
|------------------------------|----|-----|----|---|--|----------------------------------|-----------------------------|----------------------------|---|
| Name of the State            | ,  |     |    |   | area<br>affected<br>(in lakh<br>hect.) | Houses/<br>Huts etc.<br>affected | Human<br>lives              | Cattle<br>Heads            | properties<br>estimated<br>Value<br>(Rs. in<br>lakhs) |
| (1)                          |    |     |    | - | (2)                                    | (3)                              | (4)                         | (5)                        | (6)   |
| 1. Andhra Prades             | b. | •   | •  |   | 0.24                                   | 33811                            | 88                          | 26069                      | 518.36  |
| 2. Assert                    | •  | •   | •  | • | 2.88                                   | <b>3~4</b> 57                    | 57                          | 9154                       | 2538.00   |
| 3. Bihar ,                   | •  | •   | •  |   | 9 <b>.9</b> 6                          | 81015                            | 67                          | 42                         | 5401.00   |
| 4. Gujarat                   |    |     | •  |   | 2.74                                   | 24282                            | 42                          | 8744                       | 3521.00   |
| 5. Haryana .                 |    |     |    |   | o 86                                   | 2230                             | 7                           | 5                          | 1373.26   |
| 6. Karnataka                 |    | ٠   |    |   | o 28                                   | 7563                             | 11                          | 359                        | 403.58  |
| 7 Kerala .                   | •  |     | •  |   | o 61                                   | 36811                            | 42                          | 56                         | 1862-20   |
| 8. Orissa .                  |    |     |    |   | 3 55                                   | 90000                            | 73                          | 8280                       | 6032.90   |
| 9 Uttar Pradesh              |    |     |    |   | 30 94                                  | 1923134                          | 1309                        | 5 <b>244</b>               | 7595.00   |
| 10. West Bengal              |    |     |    |   | 1 41                                   | 267822                           | 47                          | 104                        | 1632-36   |
| ii Himachal Prade            | sh |     |    |   | Negl,                                  | 331                              | 46                          | 63                         | <b>3.01</b>   |
| 12. Maharasht <del>r</del> a |    | •   |    |   | 0.03                                   | 3576                             | 29                          | 202                        | 0.46  |
| 13 Punjab .                  |    | •   | •  |   | 0 45                                   | 19244                            | 47                          | 113                        | 201.00  |
| 4 Rajasthan .                |    |     |    |   | Negl.                                  | 78                               | 16                          | • •                        | • •   |
| 5 Manipur .                  | •  | •   | •  |   | State Govt<br>lakhs has<br>the dam     | been affect                      | that a tota<br>ed and the S | l populatio<br>State Govt, | n of 3.00<br>is assessing                             |
|                              |    | Тот | AL |   | 53 89                                  | 2527354                          | 1881                        | 58435                      | 31088-13  |

# Shortage and High Prices of Sugar

\*8. SHRI N. E. HORO: SHRI CHITTA MAHATA:

Will the Minister of AGRICUL-TURE be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the rise in the price of sugar which has been as high as Rs. 25/- per Kg. in black market;

- (b) if so, whether Government consider that the non-availability of sugar in the open market and abnormal rise in its price is due to lacuna in the sugar policy;
- (c) whether Government propose to revise the sugar policy with a view to bring down the price and to make
- it available in the open market at resconable rate: and
- (d) if so, the steps taken by Goverament in this direction?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND RURAL RECONSTRUC-**Tion** and irrigation (Shri BIRENDRA SINGH RAO): and" (b). Arrangements were made by Government for distribution free sale sugar to all categories consumers during festival months of September and October, 1980 through State Government agencies at prices around Rs. 6 per kg. under the Scheme of Voluntary offer made by the factories to deliver sugar at a fixed ex-factory price of Rs. 450 per quintal excluding excise duty. By and sugar was made available under this scheme at a reasonable price. - However, there were some press reports about charging of higher prices for sugar by traders at some places about which Government has no direct information.

(c) and (d). The special arrange... ments anade for distribution of freesale sugar at fixed prices under the voluntary offer of the industry come to ancend on 18th November. 1980 and sugar is available in the open market through normal trade chaminels, as in the plast, under the existing policy of dual price control on sugar under which 35 per cent of the total production is being released for Tree sale in the open market. The price of sugar depends on the total availability, which is dependent on production.

कृषि उत्पाद के सिसे कम समर्थन मह्य

\* 9. भी दौलत राम सारंण: ं श्री 'निस्पानन्य निश्च': "

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

...(क) व्हेंगान खरीक और भागामी रबि फसल के दौरान किन-किन कृषि-उत्पादों का समर्थन मूल्य घोषित करने का सरकार का विचार है भीर इसका ब्राह्मार क्या है

- (ख) क्या ग्रव तक घोषित खरीफ फसलों का समर्थन मूल्य किसान संगठनों तथा भ्रन्य संस्थाभ्रों द्वारा बहुत कम बताया जा रहा है ग्रौर यदि हां. तो क्या किमान संगठनों तथा भ्रन्य संस्थाभ्रों के मुझावों को ध्यान में रखते हुए इनके समर्थन मूल्यों मे वृद्धि की जायेगी ,
- (ग) क्या किसान तथा उनके संगठन प्रपनी ब्वाई मे पूर्व ग्रपने उत्पाद के समयन मृत्य की घोषणा की मांग कर रहे हैं और इस बारे में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही करने का विचार है ; भ्रौर
- (घ) क्या सरकार का विचार कृषि वस्तुओ तथा भौद्योगिक (गैर-कृषि) वस्तुओ के मृत्यों के बीच समानता का ग्राधार ग्रपनाने का है 🤼

इवि तथा प्रामीण पुननिर्माण भीर सिचाई मंत्री (श्री बोरेन्द्र सिंह राव): (क) सरकार मे धान, ज्वार, बाजरा. मक्का ग्रीर रागी तथा दलहन (तुर भूम तथा उड़द) व कपाम, कच्ची पटसम. साबूत म्यफली, सोयाकीन ग्रीर मुरजमृखी के बीजो तथा गन्ने की वर्तमान खरीफ फसलों के लिए खरीद/न्युनतम समर्थन मूल्यों की घोषणा कर दी है । गेंहूं. जी तथा सरसो की ग्रागामी रबी फसलो के लिए खरीद/समर्थन मृत्यो की घोषणा श्रभी की जानी है। ये मूल्य कृषि मूल्य म्रायोग की सिफारिशो तथा, राज्य सर-कारो के परामर्ण से निर्धारित किये जाते है, जो मन्य बातों के साम-साम उत्पादन लागत के उपलब्ध आंक्रकों, प्रतियोगी फसलों के झाकलित मूल्यों, झादान मूल्यों, उत्पादन एवं ,सुल्य ,प्रवृत्ति, स्थापार की शतौँ ब्रादि में हुए परिवर्तनों को भी घ्यान में 'रखती है । <sup>कि गर</sup> है । खेट

(ख) कृषि उत्पादों के खरीद/ समर्थन मूल्यों की घोषणा करने से पहले सरकार ने किसान संगठनों, राज्य सरकारों

तथा ग्रन्थ मंबंध रखने वालो के विचारो पर पूरी तरह से विचार किया है। पहले से ही घोषित खरीद/समर्थन मृल्यो मे कोई परिवर्तन करने का विचार नही **录** 1

- (ग) किसान तथा किसान संगठन ब्वाई से पूर्व भ्रपने उत्पाद के समर्थन मत्यो की घोषणा कराने की माग कर रहे हैं। इस वर्ष ऐसा करना संभव नही हो सका है क्योंकि जुन के महीने मे उर्वरक तथा डीजल की कीमतो में भारी वद्धि के कारण कृषि मृत्य भायोग को पुरक रिपोर्ट प्रस्तृत करने के लिए कहा गया था । भविष्य मे सरकार यथा मभव भी घ ही खरीद/समर्थन मृल्यो की घाषणा करना चाहती है।
- ('घ) कृषि मृल्य ध्रायोग को खरीद/ समर्थन मृत्यों के उचित प्रनर की सिफा-रिम करते समय कृषि एव गैर-कृष्टि वस्तुम्रो के बीच व्यापार की शर्तों में हए परिवर्तनों को प्र्यान में रखने के लिए कहा गया है।

## Radical Changes in Education

- SHRI KRISHNA PRATAP SINGH: Will the Minister of EDUCA-TION AND SOCIAL, WELFARE be pleased, to state,
- (a) whether Government are thinking of making radical changes in the education system;
- (b) whether it is a fact that the present education system of  $10 \pm 2 \pm 3$ has not brought the desired results; and
- (c) what are the details of the proposals in this regard?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) and (b). No, Sir.

(c) Does not arise.

## Houses for the Scheduled Castes and Backward Classes in Delhi

\*11. SHRI HIRALAL R PARMAR: SHRI RAM LAL RAHI:

Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state.

- (a) whether Government have any scheme to provide housing facility to homeless persons belonging to Scheduled Castes, economically backward class and labourers living in Delhi Territory for a long time; and
  - (b) if so, the outlines thereof?

THE MINISTER OF PARLIAMENT-ARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH) (a) and (b). Delhi Administration has reported that although no separate scheme as mich for providing housing facilities to the homeless persons belonging to Sheduled Castes, economically backward , class, and labourers living in Deits territory for a long time is in operation, there are the following schemes running-

(1) Integrated Subsidised Housing Scheme for Industrial Workers

This Scheme is applicable to certain "employees within the meaning of The Indian Pactories Act. 1948.

(2) House-sites-cum-Hut Construction Scheme for Landless Workers in Rural Areas.

This scheme relates to provision of house-sites for landless agricultural labourers, workers and artisan liv-The ceiling for ing in rural areas.

development of house-sites is Rs. 300 in the plains and Rs. 500 in hilly areas. 100 per cent grant is provided for development of house-sites. Assistance for construction of dwelling units is at Rs. 500 for those who have already been given house-sites and Rs. 750 for those to whom house-sites are also to be provided. All labour inputs have to be provided by the beneficiaries. The scheme is included in the revised Minimum Needs Programme.

(3) Subsidy for construction of houses to Scheduled Caste persons in rural areas.

Harijan Welfare Board, Delhi, gives an assistance of Rs. 1500 as subsidy to those Scheduled Caste persons in rural areas who have not got a pucca house in their own name or in the name of their dependents, but possess a plot of land measuring at least 60 sq. yds. in their own name.

(4) Provision of residential plots under Jhuggi-Jhonpri, Removal Scheme.

Persons removed from jhuggijhonpris are given plots of 25 sq. yds. each in Resettlement Colonies scattered all over Delhi.

## Estimated Cost of Infrastructure for Asian Games 1982

#### \*14. SHRI S. M KRISHNA: SHRI P. K. KODIYAN:

Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:

- (a) the estimated cost of the infrastructure being built for Asian Games, 1982:
- (b) the venue of the games and the stadia being constructed for the purpose;
- (e) the broad details of the steps taken forwards this aspect so far; and

(d) whether Government have any second thinking on the advisability of holding ASIAD in India, if so, what?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) Rs. 36.83 crores (excluding the expenditure to be borne by DDA and NDMC) as per details given in the statement placed on the Table of the Sabha.

- (b) Except for Yachting, which will be held in Borabay, all the sports for Asian Games, 1982 will be held in Delhi in the existing stadia/halls or in the new sports facilities to be constructed. The stadia to be constructed are:—
- (1) Main Outdoor Stadium of 75,000 capacity in Lodi Road Complex:
- (2) Indoor Stadium of 25,000 seating capacity in the Rajghat Sports Complex;
- (3) Indoor Swimming Pool of International standards at Talkatora Gerden; and
- (4) A new Cycle Velodrome and Shooting Range may have to be constructed.
- (c) Designs and financial estimates of the stadia to be constructed have been approved and sanctioned. The construction works have started. PERT Charts have been prepared for each construction work laying down target dates for the completion of various stages of the construction works are expected to be completed by end of June, 1962. So far the progress of construction work which is reviewed every fortnight by the Steering Committee is satisfactory.
  - (d) No, gir.

#### Statement

| SI.<br>No. | Discipline         |   | Venue  | Estimated Cost   |
|------------|--------------------|---|--|--|
|            |                    |   |  | (Rs. in crores)  |
| 1          | Athletics          | • | New Stadiu m at Lodi i Road Comp-  | 15.12  |
|            |                    |   | lex.<br>Electric Sub-Station.  | 1.09   |
| 2          | Badminton          | • | Pragati Maidan   | 1.25   |
| 3          | Table Tennis       |   |  |  |
| 4          | Cycling            | • | New Cylce Velodrome to be constructed in Delhi.  | 1.00   |
| 5          | Gymnastics         | • | Indoor Stadium to be constructed by DDA Hall of Nations or some other Indoor Hall as may be decided by the steering Committee.                         | Included under Sl. No. 11 below or Sl. Nos. 2 and 3 above. 8               |
| 6          | Weight-Lifting .   | • | Community Hall in the Sports Village to be constructed by DDA.   |  |
| 7          | (a) Hockey (Men).  | • | National Stadium, New Delhi to be re-  | 2.47   |
|            | (b) Hockey (Women) | • | Shivaji Stadium, New Delhi to be renovated.  | Expenditure to be borne by N.D.M.C.  |
| 8.         | Shooting           | ٠ | New Shooting Range to be Constructed<br>at Rajghat Sports Complex or Nicho-<br>lson Range or some other place as<br>the Steering Committee may decide. | 0.40   |
| 9          | Swimming           |   | New Sawimming Pool to be constructed by N.D.M.C. at Talkatora Garden.  | g·25 (Rs. 2·75 to be<br>met by NDMC and<br>the rest by Govt.<br>of India). |
| 10         | Lawn Tennis .      | • | Delhi Lawn Tennis Stadium, Hauz<br>Khas, New Delhi.  | 0.30   |
| 11         | Volleyball         |   | (a) Indoor Stadium be to constructed by DDA at Rajghat Sports Complex.   | 6.00 (The remaining expenditure of Rs. 9.35 crores to be met by DDA)       |
|            | •                  |   | (b) In the Hall to be constructed by Trade Fair Authority of India in Pragati Maidan to be used as praactice ground or as stand by arrangment.         | o·50   |
| 12         | Wrestling          |   | Ambedkar Stadium, Delhi Gate,<br>Model Town stadium or some other<br>suitable place in Delhi to be<br>decided by the steering Committee.               |  |
| 13         | Archery            | • | Ground of Modern School or Pragati<br>Maidan or some other suitable place<br>to be decided by the Steering<br>Committee.                               | 2.90   |
| 14.        | Basketba II        | • | Indoor Stadium of N.D.M.C. at Tal-<br>katora Gardan,   | }  |

| Sl.  | Discipline  |   |   |   | Venue   | Estimated cost  |
|------|-------------|---|---|---|---|-----------------|
| 210. |             |   |   |   |   | (Rs. In Grores) |
| 15   | Boxing .    | • | , |   | Indoor Stadium of DDA or some other suitable venue as may be decided by the steering Committee. |                 |
| 16   | Equestrian, |   | , | • | Harbaksh Stadium and Nicholsom   Range Delhi Cantt.   |                 |
| 17   | Football .  | • | • |   | D.D.C.A. Crick et Ground up to semu finals and Lodhi Road Stadium for semu-finals and finals.   |                 |
| 18   | Galf .      |   |   |   | Delhi Golf Club   |                 |
| 19   | Yachting    |   |   |   | Bombav  |                 |
|      |             |   |   |   |   | Rs. 39.58       |

# Storage capacity of Warehouses

- \*15. SHRI E. BALAMANDAN: WILL
  the Minister of AGRICULTURE be
  pleased to lay a statement showings
- (a) the total storage capacity of Warehouses in the country; and
- (b) the steps Government propose to take to enhance their capacity for speeding up distribution of foodgrains, fertilizers and essential commodities?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION AND IRRIGATION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) The total owned storage capacity available with Food Corporation of India, Central Warehousing Corporation and State Warehousing Corporations is to extent of 123.95 lakh tonnes. Besides. the capacity hired by these agencies is to the extent of 101.85 lakh tonnes. In regard to the capacity with private

sector, no reliable information is available.

MC.

(Rs. 36.85 to be borne by Government of India and Rs. 2.75 by N.D.

(b) An additional capacity of 66.84 lakh tonnes is proposed to be added by Food Corporation of India, Central Warehousing Corporation and State Warehousing Corporations during the Sixth Plan period (1980—85). Besides, a capacity of 20 lakh tonnes has also been approved in principle for construction by Food Corporation of India

# बिहार के गिरिडिह जिले में टेलीफोन एक्सचेंज की मांग

- . \*16. श्री रीत लाल प्रसाद वर्मा: क्या संवार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :
- (क) क्या यह सच है कि बिहार के गिरिविह जिले में राजधनवार "टेक्लिफोस एक्सचेंज" के टेलीफोन प्रयोक्ताओं ने निर्धारित फार्म में टेलीफोन डिवीजन, धनजाद को आवेदन किया है और 20 से 25 व्यक्तियों ने प्रतिभृति जमा कर दी है;

- (ख) क्या युद्द भी सच है कि धनबाद भीर जंमुग्रा महत्वपूर्ण स्थान होने के साथ ही टेलीफोन एक्सचेंज नगाने के लिए उपयुक्त स्थान हैं जहां से उस क्षेत्र के लोगो को टेलीफोन मुविधाएं प्रदान की जा सकती हैं , ग्रौर
- (य) यदि हा. तो सरकार का विचार उपर्युक्त स्थानो पर कब टेलीफोन एक्सचेंज खोलने का है ?

संचार मंत्री (श्री सी० एम० न्दीफन) : (क). (ख) श्रीर (ग) : बिहार के गिरिडिह जिले के राजधनवार नामक स्थान पर 12 भावेदको के नाम टेलीफोन कनेक्शन हेत् दर्ज किए गए हैं। अम्ब्रा मे 8 भावी उपभोक्ताबो न निर्धारित ग्रावेदन फामें खरीद रखे है परन्तु अभी तक कोई आवेदन फार्म दबं नही कराया गया है ।

ये दोनो स्थान फिलहाल टेलीफोन एक्सचेंजो को खोलने की शर्ते पूरी नही करते ।

इन भर्तों का उल्लेख करने वाली एक विवरणी सदन के सभा पटल पर रखी जाती है।

## विवरणी

डाक तार विभाग के सामान्य नियमो के मन्तर्यंत नए टेनीफोन एक्सचेंज खोलने भ्रथवा उनका विन्तार करने की मंजूरी तभी दी जाती है जब कि विसीय म्ल्याकन से यह पता चलता है कि वार्षिक ग्रावर्ती व्यय, जिसमे पूजी पर ञ्याज तथा मूल्यह्नास भी शामिल हैं, प्रत्याणित वार्षिक राजस्य से ग्रधिक नहीं होगा ।

ं <sup>''</sup>2ें तैयांपि' ग्रामींण<sup>ः</sup>क्षेत्रों 'में टेलीफोन एक्सचेंज सुविधाधो का विस्तार करने के लिए विभाग में उन शर्तों को निम्न अनुसार उदार बना दिया है जिनके अन्तर्गत एक्सचेंज खोले जा सकते हैं :----

- (i) एकं माम स्थवा केन्द्रीय ग्राम की 5 किलोमीटर सरीय दूरी के प्रन्तर्गत पाने वाले ग्राम समृद्ध में 25 लाइनों का एक एक्सचेंज खोला जा सकता है। यां 10 कनेक्शनों के लिए मांग हो । साय ही नर्त यह भी है कि प्रत्याणित राजस्व प्रत्याणित वार्षिक ग्रावर्ती व्यय का कम से कम 40 प्रतिशत होना चाहिए ।
- (ii) 25 लाइनी वाले एक्सचेंज को 50 लाइचों वाले एक्सचेंज में बदला जा सका है जबकि माग 23 तक पृष्टुंच जाए ग्रीर 50 लाइनों वाले एक्सचैंज को 100 लाइनो वाला एक्सर्चेज तब बनाया जा सकेगा जबकि माग 46 तक पहुंच जाए। साथ ही शर्त यह भी है कि प्रत्याणित राजस्व प्रत्याणित वाषिक भाषती व्यय का क्रमशः 50 प्रतिशत भौर 70 प्रतिशत होना चाहिए ।
- 3 जबकि राज्धनवार मे टेलीफौन कनेक्शनो के लिए तीन धायेदन पत्र दर्ज हुए हैं वहां पर एक्सचैंज खोलने के लिए योजना के वित्तिय मूल्यांकन से यह पता चलता है कि इन 12 टेलीफोन कनेक्शनों जो प्रत्याशित राजस्व गाएगा वह वार्षिक ग्रावर्ती व्यम की 40 प्रितिशैत नहीं हो सकेगा । इसलिए इस योजना की मंजूरी देना संभव नहीं हो सका है। यह अनुमान लगाया भया है कि टेलीफोन एक्सचेंज खोलने के लिए भ्रपेक्षित मती को पूरा करने हितु कम से कमें 718 कनेक्शनों की जरुरत है।

- 4. श्रगर राजधनवार में 6 श्रावेदन श्रीर दर्ज हो जाते हैं तो एक्सचेंज खोलने के लिए मंजूरी दी जा सकेंगी । योजना के मंजूर हो जाने के बाद एक्सचेंज खुलने में श्रामतौर पर 18 से 24 महीने लग जाते हैं।
- 5. जहां तक जमुझा का संबंध है, भिनी तक कोई भावेदन दर्ज नहीं हुआ है। योजना की मंजूरी के लिए मूल्यांकन नाब किया जा सकता है भगर कम से कम 10 भावेदन दर्ज हुए हों।

#### Kharif Crop for 1980-81

\*17. DR. SUBRAMANIAM SWAMY: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) the likely level of Kharif crop and the estimate of total foodgrains production for the year 1980-81; and
- (b) whether it is a fact that the Ministry has scaled down the earlier target?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION AND IRRIGATION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) Firm estimates of area and production of kharif crops for the year 1980-81 are expected to be received from the States from the middle of December onwards. However, according to tentative estimates, the production of kharif foodgrains in 1980-81 might be about 80 million tonnes.

(b) No Sir, there is no change in the annual target of 135 million tonnes of foodgrains production which includes kharif and Rabi crops.

#### Increase in Prices of Pulses

- \*18. SHRI PIUS TIRKEY: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether Government are aware that the prices of all kinds of pulses is on an increase in the country; and

(b) if so, the steps taken by Government so far to stop this price increase?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION AND IRRIGATION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) and (b). The Government is aware of increase in the prices of pulses. This is substantially a reflection of the fact that while the demand for pulses has been growing, the supply has tended to stagnate or decline. With the growth in irrigation, pulse crops generally have not been able to compete for acreage with more high-yielding and remunerative cereal crops. To arrest these trends, Government has taken up an intensive programme for development of pulses in 56 districts. Cultivation of summer moong after the harvest of wheat is also being popularised by organising special campaigns in northern States. In the eastern and southern States, cultivation of Rabi moong in rice fallows is being encouraged. Research efforts are also being intensified in relation to pulse crops.

## Panel on Working of I.C.A.R.

\*19. SHRI JANARDHANA POOJARY:

# SHRI M. RAM GOPAL REDDY:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether Government have been urged to appoint a high power panel to probe into the working of the I.C.A.R.; and
- (b) if so, the reaction of Government thereon?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION AND IRRIGATION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) Government's attention has been drawn to a press report in which a member of the I.C.A.R. Governing Body has urged that a high

power panel should be appointed to probe into the working of the I.C.A.R.

(b) It is not proposed to appoint any panel in this regard as the working of the I.C.A.R. has already been reviewed by the Gajendragadkar Committee in 1972 and more recently by the Estimates Committee of the Lok Sabha in their 35th Report (Sixth Lok Sabha, 1978-79).

### Foodgrains lying in F.C.I. Godowns, Moga Division

- \*20. SHRI SAMAR MUKHERJEE: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether Government are aware that the stocks of foodgrains worth crores of rupees are still lying in FC.I. godowns in Moga Division for the last several years and these stocks have not been cleared and are rotting;
- (b) the reasons why the F.C.I. had failed to despatch those stocks in time to the needy States; and
- (c) the steps taken by Government against the FCI officials who are responsible for that?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION AND IRRIGATION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) There is a stock of about 2.71 lakh tonnes of foodgrains with the Food Corporation of India in Moga Sub-Division of Faridkot District. Of this about 6,000 tonnes relate to the year 1977-78, about 69,000 tonnes to 1978-79 and the balance to 1979-80 and 1980-81. It is not correct to state that the stocks are not being cleared and are rotting.

(b) The Food Corporation are procuring fresh stocks of foodgrains under the price support scheme and against levy, every year. Movement from out of the procured stock and inflow of fresh stocks on fresh procurement take place every year. Movement programmes are drawn up every month for despatch of stocks from FCI godowns to other States with due regard to the requirements of those States. Proper care is taken to preserve the stocks remaining in storage in good condition.

(c) Does not arise.

#### Agency to look after the common portions of the allottees of Group Housing Societies

- 1. SHRI RAM VILAS PASWAN: Will the Mimster of WORKS AND HOUSING be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that under the DDA's allotment of group housing Rules, the allottees of DDA's flat in Delhi are required to form an Agency to look after the common portions;
- (b) the monthly and other contribution each allottee is required to make to the Agency thus formed and what is the legal sanction for it;
- (c) whether his Ministry has received reports from Agencies about non-payment of its dues by the allottees;
- (d) if so, whether any proposal has been considered by his Ministry to cancel the allotment of those allottees who have not paid the Agencies dues;
- (e) whether any allotment has been cancelled on this account or cancelation of allotment is under consideration; and
- (f) what other steps are proposed to be taken for the realisation of Agency's dues from the allottees?

THE MINISTER OF PARLIAMENT-ARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) Under Clause 12 of the Model Constitution appended to the DDA (Management & Disposal of Housing Estate) Regulations 1968, every member has to pay, as a deposit, a sum not less than the aggregate amount of one month's charges, as determined by the Authority representing maintenance charges of the common portions & common services. In addition, he has to pay the said aggregate amount every month in advance and such other

charges as may be decided. These are prescribed under the said Regulations. if any member fails to make payment demanded by the Agency, the amount is liable to be recovered as arrears of land revenue.

- (c) The DDA has reported that reports about non-payment of dues by the allottees have been received from Agencies. Action has been taken for the recovery of dues by issuing letters to the defaulters inviting their attention to the various provisions in the said Regulations.
- . (d) and (e). No. Sir. There is no such proposal.
- (f) The position is as stated in reply to parts (b) and (c) above.

#### Belongings of Velu Thempi Dalays

- 2 SHRI A. NEELALOHITHA-DASAN: Will the Minister of EDU-CATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:
- (a) whether Government of Kerala has requested Government of India for protection of the House, weapons and belonging of the Velu Thempi Dalava the Martyr in the first freedom struggle against the Butish in the former Travancore State as national monument: and
- (b) if so, what action has been taken by the Government of India in this respect?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) No, Sir. The Archaeological Survey of India has not received any such request from the Government of Kerala.

(b) D(es not arise.

#### Housing Funds for Lakshadweep

- 3. SHRI P. M. SAYEED: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that Government have not so far provided sufficient funds to the Lakshadweep administration for setting up houses for the weaker sections there;
  - (b) if so, the main reasons for the same;
  - (c) how much funds have been allotted for the purpose during the current year; and
  - (d) what are the schemes being prepared by the Central Government in this regard for the weaker sections of the Lakshadweep?

THE MINISTER OF PARLIAMENT-ARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH); (a) No. Sir.

- (b) Does not arise.
- (c) Funds provided for 1980-81 to implement two housing schemes are Rs. 3,50,000.
- (d) In Lakshadweep two schemes are in operation for setting up houses for weaker sections of people. The first scheme is Village Housing Project (Loan) scheme under which Rs. 50,000 have been provided during 1980-81. The second scheme is Welfare of Backward Classes Housing (Subsidy). Under this scheme Rs. 3.00:000 have been provided during the current year.

#### Amendment of Port Blair Municipal Board Regulations

- 4. SHRI MANORANJAN BHAKTA: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:
- (a) whether the Government India have received any proposal to amend the Port Blair Municipal Board Regulation to create a provision for election of non-official Chairman for the Port Blair Municipal Board;

(b) if so, when and what action has been taken and the details thereof?

THE MINISTER OF PARLIAMENT-ARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) The proposal is under consideration.

#### Sugar

- 5. SHRIMATI PRAMILA DANDA-VATE: Will the Minister of AGRI-CULTURE be pleased to state:
- (a) the quantity of sugar in the country on 1st September, 1980;
- (b) the details of the release of sugar in the free market and through the Fair Price Shops during this period;
- (c) the estimated production of sugar during the ensuing season;
- (d) the cost of production of sugar with break up; and
- (e) the profit made by magnates and whole-salers by selling sugar at Rs 8/50 to Rs. 16/- per Kg during this period?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) The quantity of sugar with the sugar factories in the country as on 1st September, 1980 was about 3.1 lakh tonnes.

- (b) the quantity of free sale sugar released under the voluntary price regulation scheme for 2½ months period from 1st September to 15th November, 1980 was about 3.90 lakh tonnes. As regards levy sugar, it has been released for distribution through fair price shops at 2.71 lakh tonnes per month from September to November 1980 in parity with the quantity released in earlier months.
- (c) According to the present estimates the sugar production in 1980-81 season is expected to be around 52-54 lakh tonnes.

- (d) As the investigation into the working of the sugar industry as also the cost of production of sugar had been entrusted to a High Level-Committee headed by the Chairman, Bureau of Industrial Costs and Prices. no detailed calculations of cost of production were made on the basis final working results of 1979-80.
- (e) Under the voluntary price regulation scheme operative 1st September to 15th November 1980, free sale sugar was sold by the factories at an agreed price of Rs. 450 per quintal exclusive of excise duty and it was distributed by the State Governments at fixed retail prices which generally ranged from Rs. 5.50 to Rs. 6.50 per kg. There might have been some cases of malpractices involving sale at higher prices but these were dealt with by the State Governments under the existing statutory provisions.

## Branch Post Offices and PCOs in 24-Pargana Districts, West Bengal

- 6. SHRI MUKUNDA MANDAL: Will the Minister of COMMUNICA-TIONS be pleased to state:
- (a) the number of Branch Post Offices and PCOs opened in the 24-Parganas District of West Bengal during the current year; and
  - (b) the target for the year 1980?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON): (a) The number of Branch Post Offices opened in 24 Parganas District during financial year 1980-81 is 4. One P.C.O. has been opened so far since 1-4-1980.

(b) Target for the financial year 1980-81 is 22 Branch Post Offices and P.C.Os. However, opening P.C.Os. is subject to availability of Stores.

#### Reanch Post Offices and PCOs in Midnapore

- 7. SHRI MOTILAL HASDA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:
- (a) the number of Branch Post Offices and PCOs opened in the Midnapore District of West Bengal during the current year; and
  - (b) the target for the year 1980?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON): (a) The number of Branch Post Offices and P.C.Os. opened in Midnapore District during the financial year 1980-81 is one each.

(b) Target for the financial year 1980-81 is 8 Branch Post Offices and 7 P.C.Os. Establishment of P.C.Os. is subject to availability of stores.

# Branch Post Offices and PCOs in Darjeeling

- 8. SHRI ANANDA PATHAK: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:
- (a) the number of Branch Post Offices and PCOs opened in the Darjeeling district of West Bengal during the current year; and
  - (b) the target for the year 1980?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON): (a) No Branch Post Offices or P.C.O. has been opened in Darjeeling District during the current year.

(b) Targot for the financial year 1980-81 is 3 Branch Post Offices and 3 P.C.O.s. Establishment of P.C.Os; is subject to availability of stores.

#### Drought affected States

- 9. SHRI AMARSINH RATHAWA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether Government are aware that certain parts in the country are facing drought at present;

- (b) if so, the names of States which are suffering from drought;
- (c) whether any Central Team has studied the drought condition in those States; and
- (d) if so, the assistance given by the Centre to those States?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) to (d). The Governments of Rajasthan Karnataka, Andhra Pradesh and Haryana have reported about drought comilitions. The Governments of Andhra Pradesh, Haryana and Karnataka have submitted the detailed Memoranda, while the Government of Rajasthan is yet to send the same. Government of India would consider deputing Central Teams shortly for an on the spot assessment of the drought situation in the States and for assessing the requirements of funds for meeting the situation.

## Central Housing Funds to States

- 10. SHRI SUSHIL BHATTA-CHARYA: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:
- (a) the amount which Government have sanctioned for rural housing, State-wise; and
- (b) how many rural houses were built in the last year and how many are to be built this year, State-wise?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) 'Housing' is a State subject Central financial assistance is given to the States for the State-sector programmes, including 'Housing', in the form of 'block loans' and 'block grants' without being tied to any particular scheme or head of development. As the State Governments are free to determine their priorities, it is not possible for the Central Government to give State-wise sanction of funds for rural housing.

(b) Details of rural houses constructed during 1979-80 and proposed to be constructed during 1980-81, as

per information received from State Governments, are given below:—

|            | State         |   |   |   |   |   |   |   |   | Rural-Houses<br>constructed<br>1979-80 | Rural Houses<br>proposed to<br>be construc-<br>ted<br>1980-\$1 |
|------------|---------------|---|---|---|---|---|---|---|---|--|--|
| 1.         | Gujarat .     | • | • | • | • | • | • | • |   | 1828                                   | 10666  |
| ŀ.         | Haryana .     | • | • |   | • | • | • |   | • | •                                      | 2000   |
| <b>j</b> • | Punjab .      | • |   | • | • | • | • | • | • | -                                      | 222  |
| ŧ,         | Tamil Nadu    | • | • | • |   | , | • | • | • | 2 <b>9</b> 04 1                        | 40000  |
| 5.         | Uttar Pradesh | • | • | • | • | • | • | • | , | 1793                                   | 37822  |
| 5.         | West Bengal   | • | • | • | • | • | • | • | • | 21700                                  | 21700  |

Information in respect of other States is being collected and will be laid on the Table of the Sabha shortly.

#### Extension of Communication and Postal Services in Tribal areas of Orissa

11. SHRI LAKSHMAN MALLICK: Will the Minister of COMMUNICA-TIONS be pleased to state what are the details of the tribal areas in Orissa selected for the extension of communications and postal services during 1980-81?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON): Detailed of tribal areas in Orissa selected for the extension of communication facilities during 1980-81 are given in the Statement enclosed.

Information regarding Postal services is being collected and will be laid on the table of the House.

#### Statement

List of Tribal of areas of Orissa Selected for extension of Telecommunicatons facilities during 1980-81

| Name of District |   | Name of place                 |
|------------------|---|-------------------------------|
| 1. Balasore .    | • | 1. Berhampur.<br>2. Mitrapur. |
|                  |   |                               |

| Name of Distri | ct | Name of place   |
|----------------|----|---|
| 2. Ganjam .    | •  | 1. Naugoda.<br>2. Ramgiri.<br>3. Molana.  |
| 3. Kalahandi   | •  | <ol> <li>Biswanathpur.</li> <li>Thuamal Rampur</li> <li>Kolampur.</li> <li>Lanjigarh.</li> <li>Charbahal.</li> <li>Ladugaon</li> </ol>          |
| 4. Keonjhar    |    | Janghira.   |
| 5. Koraput     | ٠  | 1. Kalyansinghpur, 2. Podia. 3. Kalimela. 4. Motu. 5. Chandrapur. 6. Kango. 7. Hatiheda. 8. Naukata. 9. Atigaon. 10. Baligaon. 11. B. Singhpur. |
| 6. Mayurbhanj  | •  | 12. Kujendri. 1. Nalagaja. 2. Kuamara. 3. Jugpura. 4. Khichini  |
| 7. Phulbani    | •  | 1. Lii epada.   |
| 8. Sundergarh  |    | 2. Ghakapada.<br>1. Jalda.<br>2. Raidoga.<br>3. Tensa.  |

Note.—Public Telephones Co. has already been opened at Nuagoda of Ganjam district and Linepada of Phulbani district. 25 Lines Small Automatic Exchange already opened at Boipariguda in Koraput district.

## Suicide by Student of L.I.T., Kanpur

- 12. SHRI NARAYAN CHOUBEY: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that on 30th September, 1980 one student studying in Indian Institute of Technology, Kanpur committed suicide;
  - (b) if so, the details thereof;
- (c) whether any enquiry has been made in the matter;
  - (d) if so, the details thereof;
- (e) whether it is a fact that earlier nine students belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes were expelled;
- (f) if so, whether Prime Minister had intervened at that stage and the students were asked to be taken back; and
  - (g) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) and (b). Shri K. K. Chaudhary, an ex-student of I.I.T., Kanpur, was found hanging from the ceiling fan by a rope on the evening of 30th September, 1980, in his room. The police declared it a case of suicide.

- (c) and (d). The question of ordering an enquiry is engaging the attention of the Chairman, Board of Governors.
- (e) Yes, Sir. Ten students including nine belonging to SC/ST were asked to leave the Academic Programme due to their poor academic performance.
  - (f) No, Sir.
  - (g) Does not arise.

# Studentships/Fellowship to Engineers pursuing Research

13. SHRI N. SELVARAJU: Will the Minister of EDUCATION AND SO-CIAL WELFARE be pleased to state

whether Government propose to enhance the apprentice amount paid to the apprentice Graduates Engineers and Diploma Holders in Engineering from Rs. 250|- Rs. 150|- to Rs. 500|- Rs.300|—consequent up on the decision of the University Grants Commission to enhance the studentship/fellowship to the Engineers pursuing research programmes in the recognised institutions?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S.B. CHAVAN): The question of enhancement of stipend amount paid to the apprentice Graduate Engineers and Diploma Holders in Engineering is under consideration of the Government.

दिल्ली के स्कूलों में श्रध्यापकों की अवर्यात संख्या

4. अर् छेत् भाई गासित : क्या शिक्षा ग्रौर समाज कत्याण मंत्री यह वताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 24 सितम्बर, 1980 के "हिन्दुस्तान" में प्रकाशित इस सजाचार की ग्रोर दिलाया गया है कि दिल्ली के विभिन्न स्कूलों में ग्रध्यापकों की पर्याप्त संख्या न होने तथा शिक्षा निदेशालय के ग्रव्यवहार्य ग्रादेशों के कारण सैंकड़ों छात्रों का विभिन्न विषयों की पढ़ाई का नुकसान हो रहा है; ग्रौर
- (ख) क्या यह भी सच है कि विषय चयन करने की सुविधा भी दोषपूर्ण है, जो छात्रों के ग्रागे ग्रध्ययन करने के मार्ग में कठिनाई उत्पन्न करती है ?

शिक्षा भ्रौर समाज कल्याण मंत्री (श्री एस० बी० चव्हाण): (क) जी हां, तथापि, इस वक्तव्य में कोई सच्चाई नहीं है कि श्रध्यापकों की पर्याप्त संख्या के ग्रभाव में सैकड़ों छात पढ़ाई से वंचित हो रहे हैं। स्कुलों की म्रावश्यकर्तां मों को पूरा करने के लिए सटाफ संबंधी वर्तमान मानदण्ड पर्याप्त हैं।

(ख) जी, नहीं।

### Boundary Wall on Baba Kharag Singh Marg, New Delhi

15. SHRI BHEEKHABHAI: Will the Minister of WORKS AND HOUS-ING be pleased to state:

- (a) whether Government propose to raise the boundary wall outside the newly constructed quarters (896-1090) on Baba Kharag Singh Marg with a view to contain the traffic noise and for security purpose; and
- (b) if so, the reasons for the delay and the time by which it is likely to be completed?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-TARY AFFAIRS AND WORKS AND **BHISHMA** HOUSING (SHRI NARAIN SINGH): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

# काम काजी महिलाग्रों के लिए होस्टल

- 16. श्री निहास सिंह : क्या शिक्षा श्रीर समाज कल्याण मंत्री यह बताने की क्रपाकरेंगे कि:
- (क) उन के मन्नालय वर्ष 1980-81 में काम-काजी महिलाग्रों के लिये 'कितने होस्टलों को मंजूरी दी गई श्रीर प्रत्येक राज्य में उन की संख्या कितनी है; ग्रौर
- (ख) काम-काजी महिलाश्रों को श्रावास प्रदान करने के लिये भिन्न-भिन्न स्थानों पर भ्रब तक कितने होस्टल बनाये गये है श्रीर कहां कहां पर बनाये गये हैं तथा उन में से प्रत्येक मे कितने-कितने कमरे हैं भीर उन की दरें क्या क्या हैं तथा काम-काजी महिलाश्रों को ये कमरे

किन परिस्थितियों में म्राबंटित किये जाते हैं?

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्री (श्री एस०बी० चव्हाण) (क) दो होस्टलों-केरल भ्रौर हरियाण। में एक-एक-के निर्माण के लिए ग्रनदान मंजर किए गए ।

(ख) एक विवरण, जिस में प्रत्येक स्थान पर उन होस्टलों की संख्या दी गई है जिन के निर्माण के लिए ग्रनुदान मंजुर किए गए हैं तथा उन की क्षमता दर्शाई गई है, संलग्न है। स्थान में सिन्गल कमरे, डबल कमरे तथा शयनागार शामिल हैं। ग्रनुदान की शतँये हैं कि सभी वर्गों की श्रमजीवी महिलाग्रों को, जिनकी मासिक श्राय 1,000 हपए से श्रधिक नहीं है धर्म, जाति, मत, जन्म स्थान, <del>प्रथवा भाषा के ग्राधार पर</del> बिना किसी भेदभाव के स्थान दिया जाएगा। भ्रनुसूचित जातियों भ्रौर भ्रनुसूचित जन जातियों की महिलाग्रों के लिए विशेष व्यवस्था है। इन होस्टलों को मुनाफा न कमाने के म्राधार पर चलाया तथा केवल उचित किराया ही लिया सिन्गल कमरे के जाएगा जो मामले में श्रमजीवी महिला की कूल श्राय के 10 प्रतिशत डबल कमरे के मामले में 7 प्रतिशत तथा शयनागार स्थान के मामले में 5 प्रतिशत से श्रधिक नहीं होगा ।

| 75 Written Answ              | ets .                    | NOABWIR    | <b>ER</b> 17, 1960 Writ  | ten Answer | <b>18</b> 7 |
|------------------------------|--------------------------|------------|--------------------------|------------|-------------|
| विवर                         | 4                        |            | 1                        | 2          | 3           |
| नगर/उपनगर कानाम              | धनुदान                   | क्षमता     | करनाल                    | 1          | <br>43      |
|                              | स्वीकृत                  |            | करनाल<br>पानीपत          | 1          | 43          |
|                              | किये गये                 |            | सोनीपत<br>सोनीपत         | 1          | 43          |
|                              | श्रमजीबी                 |            | फरीदाबाद<br>फरीदाबाद     | 1          | 43          |
|                              | महिलाम्रों               | ė.         | जमुनानगर<br>जमुनानगर     | 1          | 50          |
|                              | के होस्टलों<br>की संख्या | ſ          | मंडी डाबवाली             | 1          | 50          |
| 1                            | 2                        | 3          | हिमाचल प्रदेश            |            |             |
|                              |                          |            | धर्मशाला                 | 1          | 35          |
| म्रान्ध्र प्रदेश             |                          |            | कुल्लू                   | 1          | 35          |
|                              | •                        | 20         | मंड <u>ी</u>             | 1          | 35          |
| गन्दूर                       | 1                        | 20         | शिमला                    | 1          | 40          |
| हानमकोंडा (वारंगल)           | 1                        | 50<br>175  | सोलन                     | 1          | 35          |
| <b>हैदराबा</b> द<br>काकीनाडा | 4                        | 175        |                          |            |             |
|                              | 1                        | 56<br>30   | जम्मू तथा कश्मीर         |            |             |
| विजयवाडा                     | 1                        | 30         | ू<br>श्रीन <b>ग</b> र    | 1          | 50          |
| <b>ग्र</b> सम                |                          |            | कर्नाटक                  |            |             |
| डिब <b>रू</b> गढ़            | 1                        | 50         | बंगलौर                   | 7          | 670         |
| गोहाटी                       | 3                        | 282        | बेलगाम<br>-              | 1          | 30          |
| •                            |                          |            | हुबली–धश्वार             | 1          | 100         |
| बिहार                        |                          |            | हुपसा—प्रस्पार<br>माडिया | 1          | 42          |
| जमशीदपुर                     | 1                        | 50         | मंगलोर<br>मंगलोर         | 3          | 115         |
| पटना                         | 1                        | <b>2</b> 1 | मैसूर                    | 1          | 50          |
| रांची                        | 1                        | <b>7</b> 6 | 14.                      | -          |             |
|                              |                          |            | करल                      |            |             |
| गुजरात                       |                          |            | एलेप्पी                  | • 1        | 140         |
| ग्रहमदाबाद                   | 3                        | 186        | एल <b>बेई</b>            | 1          | 116         |
| भावनगर                       | 1                        | 25         | चंगानाचेरी               | 1          | 78          |
| जामनगर                       | 1                        | 25         | चलका कुड्डी              | 1          | 9 5         |
| राजकोट                       | 2                        | 100        | कोचीन (ग्ररनाकुलम)       | 6          | 100         |
| सूरत                         | 1                        | 25         | इरिनजालककुडा             | 1          | 9(          |
| वदोदरा                       | 1                        | 20         | कोटायाम                  | 3          | 495         |
| वाघवनसिटी                    | 1                        | 38         | कसरगोडे                  | 1          | 64          |
| हरियाणा                      |                          |            | कोजीकोड (कालीकट)         | 5          | 36          |
| <b>ग्रम्बा</b> ला            | 1                        | 50         | पलाई                     | 1          | 5 (         |
| गुडगांव                      | 1                        | 43         | पालघाट सिटी              | 1          | 9           |

| 1                 | 2   | 3   | 1                    | 2 | 3   |
|-------------------|-----|-----|----------------------|---|-----|
|                   |     |     |                      | • |     |
| रे <b>रम्बर</b> ् | 2   | 78  | मेघालय               |   |     |
| <b>मरतलई</b>      | 1   | 32  | शिलांग               | 1 | 5   |
| तेलीचेरी<br>•     | 2   | 236 | उड़ीसा               |   |     |
| <b>बेरू</b> वेला  | 1   | 20  | भुवनेश्वर            | 1 | 10  |
| तिवैन्द्रं म<br>- | 8   | 715 | कटक                  | 2 | 15  |
| न्नेचूर           | 2   | 95  | रूरकेला              | 1 | 5   |
| रध्य प्रदेश       |     |     | पंजा <b>ब</b>        |   |     |
|                   |     |     | ग्रबोहर              | 1 | 4   |
| भोपाल             | 6   | 299 | <b>ग्रमृतस</b> र     | 1 | 1 5 |
| छिन्दवाड <u>ा</u> | 1   | 30  | भटिंडा               | 1 | 7   |
| ग्बालियर          | 3   | 124 | जालन्धर              | 2 | 24  |
| <b>इन्हो</b> र    | 1   | 48  | लुधियाना             | 1 | 15  |
| <b>जब</b> संपुर   | 3   | 180 | पटियाला ]            | 1 | 15  |
| <b>ग</b> न्सूर    | 1   | 30  |                      |   |     |
| नौमध              | 1   | 30  | राजस्थान             |   |     |
| रायपुर            | 1   | 20  | ग्रजमेर              | 1 | 2   |
| <b>ভৰ্জী</b> ন    | 2   | 125 | जयपुर                | 1 | 5   |
| विदीशा            | 1   | 32  | -                    |   |     |
| दुर्ग-भिलाई       | 1   | 20  | सिकिकम               |   |     |
|                   |     |     | गंगटोक ्रे           | 1 | 9   |
| महाराष्ट्र        |     |     | तमिलनाडू             |   |     |
|                   |     |     | कोइम्बटूर            | 2 | 12  |
| बम्बई             | 6   | 662 | कांचीपुर <b>म</b>    | 1 | 2   |
| भ्रमरावती         | 2 ] | 50  | मद्रास               | 7 | 26  |
| कोल्हापुर         | 1   | 24  | मदुराई               | 3 | 10  |
| नागपुर            | 4   | 220 | सेलम                 | 3 | 7   |
| नासिक             | 1   | 26  | तिरूचिरापल्ली        | 1 | 3   |
| पूना              | 5   | 255 | ति <b>रूने</b> लवेली | 1 | 5   |
| सांगली शोलापुर    | 1   | 24  | ब्रिपुरा             |   |     |
| याना              | 1   | 40  | <b>ग्र</b> गरतला     | 1 | 2   |
| तापोबन            | 1   | 45  |                      |   |     |
| वर्षा 👭           | 1   | 40  | उत्तर प्रदेश         |   |     |
|                   |     |     | इलाहाबाद             | 1 | 4   |
| मनोपुर            |     |     | देहरादून 🛔           | 1 | ç   |
| इम्फाल            | 2   | 90  | गोरखपुर              | 1 | 5   |

Names of exhanges and P.C.Os. working in Barmer and Jaisalmer districts and Shergarh Pehsil in Rajasthan.

| District |   |   |   |   |   |   |   | Exchange  | P.C.O. •                      |
|----------|---|---|---|---|---|---|---|---|-------------------------------|
| Barmer   | • | • | • | • | • | • | • | 1. Asoda.<br>2. Barmer.                           | 1. Asotra.<br>2. Bishala.     |
|          |   |   |   |   |   |   |   | 3. Balotra.<br>4. Bayatoo.                        | 3. Gadra Road.<br>4. Gagriya, |
|          |   |   |   |   |   |   |   | <ol> <li>Chol tan.</li> <li>Dhorimana.</li> </ol> | 5. Harsani.<br>6. Kanara.     |
|          |   |   |   |   |   |   |   | 7. Pachpadra.                                     | 7. Kawas.                     |
|          |   |   |   |   |   |   |   | 2. Samdari.                                       | 8. Koti a                     |
|          |   |   |   |   |   |   |   | g. Siwana.  | 9. Maliabar.                  |

# Societies running unaided Educational Schools

- 18. SHRI AJIT PRATAP SINGH: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:
- (a) the names of the registered education societies running unaided

educational schools in Delhi (South Zone) till date together with the names of the trustee members of these societies:

4. Sai.

r. Sekhala.

6. Shergarh.

7. Tena.

(b) what are the financial years of audition declared by these unaided schools and the period upto which their accounts have been audited by Government; and

(c) what checks Government exercise on these unaided schools against misuse of school funds by trustee members?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) The requisite details are given in the statement laid on the Table of the House. [Placed in Library See No. LT—1319 80].

- (b) Under Delhi School Education Rules, 1973, the unaided schools are required to submit returns by 31st July which contain the audited accounts also normally pertaining to the previous financial year (1st April to 31st March).
- (c) Under the provisions of Delhi School Education Rules, 1973, the accounts and records of an unaided private school are subject to examination by the auditors and inspecting officers, authorised by the Director of Education and also by the Comptroller and Auditor General of India

## Allotment of Flat by D.D.A.

- 19. SHRI K. PRADHANI: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 6622 on the 4th August, 1980 regarding allotment of DDA flats and state:
- (a) whether no flats of any type have been offered for allotment by

the Delhi Development Authority to the registered persons so far;

- (b) if so, reasons therefor; and
- (c) the number of flats of various categories with their locations etc. which are now complete and ready for allotment to the registered persons and the exact dates/time by which they will be offered to the eligible persons for allotment?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) and (b). The DDA has reported that 10,000 flats under MIG, LIG, Janta, Self Financing Scheme and New Pattern Scheme of 1979 were announced for release to public in the first week of November, 1980.

(c) A list giving the No. of flats of various categories with their locations is enclosed. The brochure will be available from 1st December, 1980 in respect of Schemes, other than new Pattern Scheme of 1979. The date of issue of brochure for the new pattern Scheme will be announced shortly.

#### Statement

| Name of the Scho | eme |   |   | MIG | LIG | Janata | Total |             |    |      |
|------------------|-----|---|---|-----|-----|--------|-------|-------------|----|------|
| Shalimar Bagh .  | •   | • | • | •   | •   | •      | 900   | 524         |    | 1424 |
| Dilshad Garden   |     | • | • | •   | •   | •      | 231   | 193         | 48 | 472  |
| Rajouri Gerden   | •   | • | • | •   | •   | •      | 256   | <b>36</b> 0 | -  | 616  |
| Trilokpuri       | •   | • | • | •   | •   |        | 1105  | 558         | _  | 1663 |
| Sheikh Sarai .   | •   |   |   | •   | •   | •      | -     | 264         | 88 | 352  |

| 5 Written           | Aris | twers |   | KAR | TIKA   | 26,    | 1902    | (SAKA)     | Writte      | en Answers | 86         |
|---------------------|------|-------|---|-----|--------|--------|---------|------------|-------------|------------|------------|
| I                   |      |       |   |     |        | -      |         | 2          | 3           | 4          | 5          |
| <b>Pas</b> chimpuri | ,    | •     | • | •   | •      | •      | •       | _          | -           | 1312       | 1312       |
| Pitampura           |      | •     | • | •   | •      |        | •       | ***        |             | 402        | 402        |
| Avantika            | •    | •     | • |     |        |        | •       |            | -           | <b>6</b> o | <b>60</b>  |
| Kalkaji             | •    | •     | • | •   | •      | •      | •       | -          | ****        | 554        | 554        |
| Total               |      | •     |   | •   | •      | . —    | •       | 2492       | 1899        | 2464       | 6855       |
|                     |      |       |   |     | Self F | inancı | ing Sch | eme— 1979  |             |            |            |
| Name of the S       |      |       |   |     |        |        |         | Category C | Paterrom: ( | Category   | <br>l'ota! |

| Name of the Sch  | eme  |        |      |   |   |   | Category<br>I                           | Category<br>II | Category<br>III | Total |
|------------------|------|--------|------|---|---|---|---|----------------|-----------------|-------|
| Rajouri Garden   | •    | •      | •    | • | • | • | 50                                      | 408            | _               | 458   |
| Kalkaji          | •    | •      | •    | • | • | • | 62                                      | 274            | 132             | 468   |
| Sheikh Sarai .   |      | •      | •    |   | • |   | <b>4</b> 8                              |                |                 | 48    |
| Masjid Moth      | •    | •      | •    |   | • | • | -                                       | 12             | 24              | 36    |
| Vasant Vihar .   | •    | •      | •    |   | • | • |   | 10             | 20              | 30    |
| Saket (Malviya N | agar | Extens | ion) | • | • |   |   | 271            | 127             | 398   |
| East of Kailash  | •    | •      | •    | • | • | • | *************************************** | 68             | 136             | 204   |
| •                |      |        |      |   |   |   | 160                                     | 1043           | 439             | 1642  |

# New Pattern Scheme- 1979

| Name of the Scheme |   |   |   |   |  |   |   | MIG | LIG | Janata  | Total |        |
|--------------------|---|---|---|---|--|---|---|-----|-----|---------|-------|--------|
| Bodella            | • | • | • | • |  | • | • | •   | 141 |         | 1362  | 1503   |
|                    |   |   |   |   |  |   |   |     |     | GRAND T | OTAL  | 10,000 |
| -                  |   |   |   |   |  |   |   |     |     | ·       |       |        |

#### Grants to Institutions in Samastipur and Etawah by Department of Social Welfare

Written Answers

20. SHRI RAM SINGH SHAKYA: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state the name of the institutions in Samastipur District in Bihar and District in U.P. to whom Etawah grants were given by the Ministry of Social Welfare during 1978-79 and 1979-80 together with the amount of grant in each case?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): No grant was sanctioned to any institution in Samastipur District during 1978-79.

The Akhil Musahar Seva Mandal, Rajendra Ashram, Rosra, P.O. District Samastipur, Bihar was given maintenance grant of Rs. 48,375 during 1979-80.

No grant was sanctioned to institution in Etawah District of U.P. during 1978-79 and 1979-80.

#### Interview of Scientists of Animal Husbandry, Dairying and Veterinary faculty of I.C.A.R.

- 21. SHRI F. H. MQHSIN: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether the Scientists of Animal Husbandry, Dairying and Veterinary faculty of the ICAR Institutions were interviewed for assessment ending December, 1977 in January, 1980;
- (b) whether except in the case of one Scientist working in the Krishi Bhavan from the same group of scientists interviewed in January, 1980, the results have not been declared:
- (c) if so, the reasons for not announcing the results of the remaining Scientists in this group;
- (d) whether in the case of Agricultural Scientists who were assessed in

December, 1977 and interviewed in October, 1979 their results were announced in January, 1980;

- (e) whether despite repeated reminders and telegrams the results have not been announced; and
- (f) whether these results will announced before these scientists are asked to appear again if they are not successful for promotion?

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) The scientists belonging to disciplines in Animal Sciences of the Agricultural Research Service were called for personal discussion by the ASRB in January, 1980 in connection with their five-yearly assessment for the period ending December 31, 1977.

- (b) It is true that barring one scientist of the ICAR Headquarters, results of the scientists referred to in (a) above have not been declared so far.
- (c) The results of the remaining scientists referred to in (a) above could not be declared as an ambiguity in the service rules of the Agricultural Research Service came to notice after the recommendations of the ASRB in respect of the scientists in question were received.
- (d) The results of the scientists belonging to the disciplines in Agricultural Sciences were by and large declared in January, 1980 with the approval of the competent authority. This was done before the ambiguity in the Agricultural Research Service Rules came to notice.
- (e) The results of the scientists referred to in (a) above could ed in (c) above.
- (f) The scientists who are not found fit for grant of merit promotion on the basis of the assessment for the period 31st December, 1977 will be eligible for being considered

for assessment every year until they are found suitable for merit promotion. Enough time will be given to them for submitting supplementary information for the purpose.

Written Answers

# डी० डी० ए० में प्रतिनियुक्ति पर द्याये व्यक्ति

- 22. श्रीमती विद्यावती चतुर्वेदी: क्या निर्माण ग्रौर ग्रावास मंत्री यह बताने की क्रपा करेंगे कि :
- (क) दिल्ली विकास प्राधिकरण मे प्रतिनियुक्ति पर कितने व्यक्ति कार्य कर रहे है स्रोर उनके ग्रेडों स्रौर पदनानों का पूरा ब्यौरा क्या है,
- (ख) क्या यह सच है कि बहुत मे कर्मचारी दिल्ली विकास प्राधिकरण मे प्रतिनिय्क्ति की ग्रवधि समाप्त हो जाने के बाद ग्रभी भी कार्य कर रहे है जबकि नियम। के अनसार उन्हें मल कार्यालयों मे वापस भेजा ज ना चाहिये ;
- (ग) क्या यह सच है कि कर्मचारियो नो <mark>प्रतिनियुक्ति पर लेने के परिणामस्व</mark>रूप

विभाग की कुशलता बढ़ने के बजाय घट गई है ग्रौर भ्रष्टाचार के बारे में बहुत सी शिकायतें भी आई है; स्रीर

(घ) क्या सरकार का विचार इस बारे में वर्तमान नीति वदलने का है ?

संसदीय कार्य तथा निर्माण ग्रौर ग्रावास मन्त्री (श्री भीष्म नारायण सिंह): (क) एक विवरण सभा पटल पर रखा है ।

(ख) जी, हां । दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सूचित किया है कि ये कर्मचारी लोक हित में रोके गये हैं।

# (ग) जी, नही।

(घ) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सूचित किया हे कि निनियुक्ति पर ऋधि-कारियों की नियुक्ति के मामले में यह केन्द्रीय सरकार की नीति का ग्रनुसरण करता है। दिल्ली विकास प्राधिकरण का इस नीति मे फिलहाल किसी प्रकार का परिवर्तन करने का विचार नहीं है।

## विवरण

दिल्ली विकास प्राधिकरण मे प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहें व्यक्तियों के ब्यौरे :---

| कम्<br>सख्या | पदनाम             | वेतनमान  | व्यक्तियों की<br>संख्या |
|--------------|-------------------|--|-------------------------|
| 1.           | उपाध्यक्ष         | 2500-2700 रुपये                                | 1                       |
| <b>2</b> . : | वित्त सदस्य       | 2250-2500 रुपये                                | 1                       |
| 3.           | इंजीनियी सदस्य    | वही  | 1                       |
| 4.           | म्रापुक्त (योजना) | 20002250 रुपये                                 | 1                       |
| 5.           | ग्रायक्त (भूमि)   | 1500—2000 <del> </del> विशेष वेतन<br>300 रुपये | 1                       |
| 6.           | मुख्य इंजीनियर    | 1800-2000 रुपये (पी० ग्रार०)                   | 1                       |

| ऋम<br>संख्या | पदनाम   | वेतनमा <b>न</b>                          | व्यक्तियों क<br>संख्या |
|--------------|---|--|------------------------|
| 7.           | ग्रपर मुख्य इंजीनियर                          | 15002000 + विशेष वेतन<br>150 रुपये       | 1                      |
| 8.           | मुख्य परियोजना इंजीनियर                       | वही                                      | 1                      |
| 9.           | मधीक्षक इंजीनियर                              | 15002000 रुपये                           | 7                      |
| 10.          | मुख्य लेखाधिकारी                              | 1500-2000 रुपये                          | 1                      |
| 11.          | वित्त सलाहकार आवास                            | 1200-2000 रुपये ]                        | 1                      |
| 12.          | निदेशक (जे० जे०)                              | 12002000रुपये - -विशेष वेतन<br>200 रुपये | 1                      |
| 13.          | मुख्य विधि सलाहकार                            | 15001800 + विशेष वेतन]<br>200 रुपये      | 1                      |
| 14.          | मुख्य सतर्कता <b>ग्रधिकारी</b>                | 15001800 रुपये                           | 1                      |
| 15.          | निदेशक  | 1300 1700 रुपये                          | 3                      |
| 16.          | ग्रध्यक्ष के सचिव                             | 1300 1700 रुपये                          | 1                      |
| 17.          | श्रपर सचिव                                    | 12001600 रुपये                           | 1                      |
| 18.          | उप निदेशक                                     | 11001600 रुपये                           | 14                     |
| 19.          | एल० ए० ग्रो० ग्रौर उप निदेशक                  | 1100-1600 रुपये                          | 1                      |
| 20.          | कार्यपालक इंजीनियर                            | 11001600 रुपये                           | 7                      |
| 21.          | म्रथं <b>णास्त्री</b>                         | 1 1 0 0 — 1 6 0 0 रुपये                  | 1                      |
| 22.          | उपसचिव  | 11001600 रुपये !                         | 1                      |
| 23.          | महायक इंजीनियर                                | 650-1200 रुपये                           | 1 4                    |
| 24.          | नेखाधिकारी 🕌                                  | 8401200 रुपये                            | 19                     |
| 25.          | म्रधीक्षक विधि                                | 550 900 रुपये                            | 1                      |
| 26.          | एस० ए० एस० लेखाकार                            | 500 900 रुपये                            | 46                     |
| 27.          | कनिष्ठ इंजीनियर                               | 425 700 रुपये                            | 17                     |
| 28.          | ड्राफ्टसमैन ग्रेड- $\mathrm{I}$ (सी $\circ$ ) | वही                                      | 13                     |
| 29.          | नायब तहसीलदार                                 | वही                                      | 4                      |
| 30.          | प्रवर ग्रेड ग्राडिटर                          | वही                                      | 72                     |
| 31.          | ड़ाफ्टसमैन ग्रेड-II (मी०)                     | 330 560 रुपये                            | 5                      |
| 32.          | <b>ग्रा</b> शुलिपिक                           | 330 700 रुपये                            | 1                      |
| 33.          | उच्च श्रेणी लिपिक                             | 330 560 रुपये                            | 74                     |

# राजस्थान के सज़ज़ेर किले में पासी की पूर्ति के लिए विश्व बैंक दूरी ऋण

- 23. ग्राचार्य भगवान देव: क्या नि णि ग्रीर ग्रावास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
- (क) क्या विश्व बैंक अजमेर जिले के 130 गांवों में पीने के पानी की पूर्ति के लिए 4 के कोड़ इपसे की परियोजना के ऋक स्वीकृत करने को सहमत हो गया है;
- (ख) यदि हां, तो परियोखना का ब्यौराक्या है; ग्रौर
- (ग) इस परियोजना पर कार्य के कब प्रारम्भ होने की संभावना है ग्रीर यह कब तक पूरी हो जाएगी?

संसदीय कार्य तथा निर्माण ग्रौर ग्रावास मंत्री (श्री भी ध्मा नारायण सिंह):
(क) राजस्थान जलपूर्ति तथा मन निकास परियोजना के लिये 800 लाख डालर के बराबर के ऋण के लिये भारत सरकार श्रौर विकास एसोसिएशन (विश्व बैंक) के बीच एक करारनामे पर हस्ताक्षर हो गये हैं जिसमें ग्रन्य बातों के साथ साथ ग्रजमेर के 10 जिलों के लगभग 2000 गांवों मे शुद्ध पेय जल की व्यवस्था करना भी शामिल है।

- (ख) इस परियोजना मे बताई गई योजनाएं ब्रासान होगी जिसमें शोधन मयन्त्रो या नलकूपो में पानी पम्प द्वारा स्टोरेज टैंक में ले जाना और मीमित संख्या में वितरण की मुख्य नालियां; कुछ हैण्ड पम्प योजनाएं भी शामिल की जाएंगी।
- (ग) इस परियोजना पर प्रारम्भिक कार्य पहले ही मारम्भ हो चुका है। परियोजना के 31 मार्च, 1985 तक पूर्ण हो जाने की संभावना है।

## Custody of Claims and Compensation Record of Deptt, of Rehabilitation

24. SHRI DHARAMDAS SHASTRI: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state whether National Archives of India have decided to take over current claims and compensation record of Department of Rehabilitation when the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 is still in force?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): No, Sir.

#### Amendment to Rent Control Act

25. SHRI R. K. MHALGI: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

- (a) whether Government have received a Memorandum from the editor of "Jagrut Bhadekari Patrika" and the Organiser of Tenants Association, Pune (Maharashtra) regarding the proposed amendments in the Rent Control Act;
- (b) if so, what are the demands; and
- (c) the action Government have taken or propose to take in this regard?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-TARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) Yes Sin

(b) and (c) Since the "Rent Control" is a State subject, the memorandum dated 22-10-1980 received from the Editor, Jagrut Bhadekari Patrika and the Organiser of Tenants Association Pune (Maharashtra) has been forwarded in original to the State Government of Maharashtra for taking necessary action.

# Posts of Assistant Engineers and Junior Engineers vacant in F.C.I.

# 26. PROF. AJIT KUMAR MEHTA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that a good number of vacancies of Assistant Engineers (Civil and Electrical) and Junior Engineers (Civil and Electrical) are lying vacant in various regions of the Food Corporation of India;
- (b) if so, the details thereof, category-wise and region-wise;
- (c) how many of them are lying vacant for less than six months and how many exist for more than six months and how many are newly created;
- (d) the reasons why these vacancies have not been filled up in time; and
- (e) the action contemplated in the matter?

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN); (a) and (b). The Head Office of the FCI issued instructions in March, that all posts which remained unfilled for more than six months should be treated as cancelled. In view of these instructions there were hardly any vacancies of Assistant Engineer (Civil and Electrical) and Junior Engineer (Civil and Electrical) Corporation. However, after a review of the position taking into account construction/maintenance programme of godowns the following new posts have been sanctioned by Head Office of the Corporation on 12th November, 1980:

|                 | Posts |
|-----------------|-------|
| Asstt. Engineer |       |
| (Civil & Elec.) | 9     |
| Jr. Engineer    |       |
| (Civil & Elec.) | 103   |

(c) to (e). The required information is being collected by the FCI from their Zonal|Regional offices and will be placed on the Table of the Sabha on receipt.

# Availability of Sugar

- 27. SHRI M. V. CHANDRASHELKARA MURTHY: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether the Fair Price Shops did not have sufficient sugar to provide to the ration card holders during the festival days in September and October, 1980;
- (b) whether the blackmarketeers and sugar magnates were much benefited due to this panic and due to the sugar crisis; and
- (c) whether Government have conducted any enquiry about this sugar crisis and who were the people responsible?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) According to the reports received from State Governments, by and large regular supplies of levy sugar from fair price shops to the ration card holders were maintained during the festival months of September and October, 1980

(b) and (c). Since levy sugar is distributed by the State Governments through fair price shops ration shops under the Public Distribution System and the private trade is not in any way connected with the distribution arrangements, the question of any undue benefit being derived by the black-marketeers and magnates should not arise. However, on account of tight availability position of sugar this year as a result of substantial decline in production, there may have been stray cases of blackmarketing and other anti-social activities like hoarding of stocks etc. Directions were issued to the State Governments for strict enforcement of various control measures, carrying out of intensified dehoarding operations and conducting of frequent raids to check the activities of antisocial elements indulging in blackmarketing etc., if necessary, by taking recourse to the Preventive Detention Act. Many of the State Governments are reported to have taken adequate steps in this direction.

# Changes in set up of Agricultural Prices Commission

- 28. SHRI D. P. JADEJA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether Government are considering to bring certain changes in the present set up of the Agricultural Prices Commission; and
  - (b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) and (b). At present there is no proposal under the consideration of the Government to change the existing set up of the Agricultural Prices Commission.

# Fault in working of Telephones has Jammu Tawi

29. SHRI G. L. DOGRA:

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

- (a) the steps Government propose to take to remove the perennial faults in the working of telephones in Jammu Tawai with special reference to Gandhinagai area; and
- (b) how much time it will take to bring the working of telephones to normal standard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON):
(a) Following steps are being taken to improve the working of telephones in Jammu Telephone System:

(i) In Gandhi Nagar area over head lines are being replaced by 2087 LS—5. underground cables at power crossings

- (ii) Drop wires are being used to give new connections.
- (b) Rehabilitation work of the out\_door plant is expected to be completed during this year. This and other measures being taken will lead to improvement in the working of Telephones in this area.

# Opening of Central Schools in Rural and Semi-urban Areas

- 30. SHRI CHANDRA PAL SHALLANI: Will the Minister of EDU-CATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:
- (a) whether Government are aware that there is dearth of Central Schools in country-side in all parts of the country;
- (b) if so, the places under consideration for opening such schools with the name of the State; and
- (c) if not, whether Government will consider to open such schools on priority basis in rural or semi-urban sector?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) There is a steady demand for opening more Central Schools.

- (b) Locations for Kendriya Vidyalayas (Central Schools) to be opened during an year are decided every year before the commencement of the academic session.
- (c) Kendriya Vidyalayas are opened at those places where there is a sizeable concentration of Central Government employees, including Defence and para-military personnel, or on the campuses of public sector undertakings institutions of higher learning, irrespective of whether such concentration of Central Govern-

ment employees or location of public sector undertakings institutions of higher learning is in a rural or urban area.

# Crushing by Khandsari Units after **December**

- 31. SHRI G. M. BANATWALLA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether the Central Government have instructed the State Governments that no *Khandsari* unit be allowed to commence crushing before December end;
  - (b) if so, the reasons therefor;
- (c) whether Government are aware that the aforesaid decisions would most adversely affect the units in Maharashtra as the crushing season in Maharashtra starts in November, unlike U.P. where it starts in December;
- (d) whether Government are aware that it would be unfair to discourage *khandsari* units to favour large sector; and
- (e) whether Government propose to have a new policy in this respect and if so, what are the main features of the policy?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) and (b). To ensure a balanced availability of sugarcane to the producers of sweetening agents and to check likely diversion of sugarcane from sugar factories with a view to maximising sugar production, the State Governments have been requested not to permit the working of khand-

(c) to (e). The Government of Maharashtra has however requested that out of the khandsari units in the State some of them by the very nature of their geographical position would not be effecting the supply of sugarcane to sugar factories and

sari units before 31st December, 1980.

hence, their cases should be considered separately. The details in this regard have been obtained from the State Government and are under examination.

# Work in I.C.A.R. Laboratories not related to I.C.A.R.

- 32. SHRI RASHEED MASOOD: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether there are any projects on which some of the ICAR Laboratories are working but which are not related to their work:
- (b) if so, the names of such projects on which the I.C.A.R. Laboratories are working;
- (c) the expenditure incurred on the working of these projects; and
- (d) the reasons for taking up the projects by the I.C.A.R. Laboratories which are not related to its objectives?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) No, Sir.

(b) to (d). Does not arise.

#### Alleged Corruption Charges against Co-ordinator of Nehru Yuvak Kendra

- 33. SHRI BASUDEB ACHARYA: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:
- (a) whether the Central Government have received any charges of corruption against co-ordinator of Nehru Yuvak Kendra in District of Purulia, West Bengal; and
- (b) if so, what steps have been taken in this regard?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. |CHAVAN): (a) and (b). Two

vestigation.

to state:

far?

B. CHAVAN):

earmarked

AGRICUL-

(SHRI

(a)

complaints received against the Youth Coordinator of Nehru Yuvak Kendra, Purulia, (West Bengal) are under in-

lopment Scheme in States

Beggars

35. SHRI P. NAMGYAL: Will the Minister of RURAL RECONSTRUCTION be pleased to state:

Amount Earmarked for Desert Deve-

Written Answers

34. SHRI HANNAN MOLLAH: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased (a) the names of States and the total amount earmarked for each State under the Desert Development Schemes with special reference to Jammu and Kashmir;

(a) what is the estimated number of beggars in our country;

(b) whether there is any rehabili-

and Kargil district of Jammu and Kashmir State separately since the inception of the schemes year-wise; and

(b) the total amount

and expenditure incurred for

tation programme of the Government of India fer those people; and

(c) if so, what is the progress so

(c) the achievement made so far?

TURE AND RURAL RECONSTRUC-

IRRIGATION

SINGH):

THE MINISTER OF

BIRENDRA

AND

TION

RAO

THE MINISTER OF EDUCATION
AND SOCIAL WELFARE (SHRI S.

The Desert Development Programme is being implemented in the States of Gujarat, Haryana, Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir and Rajasthan. The amount of Central assistance indicated to the concerned

States and the amount actually releas-

the 1971Census, the number of beggars including vagrants etc. was estimated to the 10.11 lakhs.

(b) and (c). Implementation

Anti-beggary enactments is

(a) According

ed are shown in Statement I—

(b) The total amount earmarked (viz., the size of the approved programme for each year) and the total expenditure under the Programme are given in Statement II.

done by State Governments. At present, 15 States and 2 Union Territories have enacted Anti-beggary Legislations; 102 Institutions for beggars, with a capacity of 16350, are being run in the country by the various States Union Territory Administrations.

(c) A statement is laid on the Table of the Sabha (Statement III).

Statement I

|          | Gentral Assis | tance II | ndicati | ed to t | he Sta | (Rs. in lakhs |   |                    |                     |                    |            |
|----------|---------------|----------|---------|---------|--------|---------------|---|--------------------|---------------------|--------------------|------------|
| s        | tate          |          |         |         |        |               |   | 1977-78            | 1978-79             | 1979-80**          | 1980-81 ** |
| <u> </u> | Himachal Pra  | ıdesh    | •       | •       | •      | •             | • | 43·50<br>(43·50)   | 75·00<br>(461·8)    | 25·00<br>(23·65)   | 25.00      |
| 2.       | Gujarat .     | •        |         | •       | •      | •             | • | 45·00<br>(45·00)   | 285·00<br>(43·32)   | 82·50<br>(82·50)   | 65·08      |
| 3∙       | Haryana .     | •        | •       | •       | •      |               | • | 140·70<br>(140·70) | 382·00)             | 195·00<br>(48·75)  | 153.81     |
| 4.       | Rajasthan     | •        | •       | •       | •      | •             | • | 429·00<br>(324·18) | (650·00)            | 630·00<br>(554·00) | 496.95     |
| 5.       | Jammu & Ka    | shmir    | •       | •       | •      | •             | • | 56·62<br>(56·62)   | 150·00<br>(nil)     | 45·00<br>(22·50)   | 59·16      |
|          |               |          |         |         |        |               |   | 714·82<br>(610·00) | 1992·00<br>(907·50) | 977·50<br>(731·40) | 800.00     |

<sup>\*</sup>Figures in brackets in licate the amount actually released.

Statement II

Size of the Approved Programme and yearwise expenditure under the Ladakh Desert Development Programme.

| Year     | Size of the app |    | Expendi | Total |   |   |       |        |          |
|----------|-----------------|----|---------|-------|---|---|-------|--------|----------|
|          | Programm        | .e |         |       |   |   | Leh   | Kargil | •        |
|          |                 |    |         |       | - |   |       |        | <b>u</b> |
| 1977-78  | 56.62           | •  |         |       | • | • | Nil   | Nil    | Ni       |
| 1978-79  | 104.01          | •  |         | •     |   |   | 1.01  | 1.01   | 2.02     |
| 1979-80  | 83.19           |    |         | •     | • |   | 18.90 | 22.55  | 41.45    |
| 1980-81* | 170.00          |    | •       | •     | • | • | N.A.  | N.A.   | . •      |
|          |                 |    |         |       |   | - | 19.91 | 23.56  | 43 · 47  |

<sup>\*</sup>Equally divided between Leh and Kargil districts. Since Ladakh was divided into two districts late in 1979-80, the programme approved prior to 1980-81 relates to undivided Ladakh.

<sup>\*\*</sup>From 1979-30 Diwards, Gentral assistance is limited to 50% of the cost of the programme Tae balance is contributed by the State Government.

#### Statement III

List of major activities in Ladakh
DDP

Though the Desert Development Programme was launched in 1977-78, it began to be implemented in Ladakh towards the end of 1978-79 with the appointment of Project staff. Some of the major items of work taken up under the Project are given below:—

- 1. Supply of improved seeds and potato seeds in Leh.
- 2. Work started on the seed multiplication farm at Khurbathang (Kargil district)
- 3. Work started on the cattle farm and Alpine Goat farmat Khurbathang (Kargil).
- 4. Work started on establishment of a goat farm at Stakna (Leh).
- 5. 43 Lamb sheds constructed in Leh.
- 6. 4 tanks, 7 khuls head works of two projects and 2 protection bunds constructed in Leh.
- 7. Scheme of diversion of snow water at Changla completed (Leh)
- 8. Work started on the Tirth Irrigation Scheme (Leh).
- 9. Work started on the Haftal Project (Kargil).
- 10. Work started on construction of head reach of Bearas Khul (Kargil).
- 11. Assistance provided for construction of cooperative godowns in both the districts.
- 12. Cross-breeding work taken up.
- 13. Horticulture development work started in both the districts.
- 14. Soil conservation work in forest area (60 acres in Leh).
- 15. Work started on the Cold Arid Fodder Farm at Nidder (Leh).

#### गेहं का समर्थन मुल्य

36. श्री चन्द्रदेव प्रसाद वर्मी : श्री नित्यानन्द मिश्र :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार का विचार श्राने वाले वर्ष के लिए गेहूं का समर्थन मूल्य 150 रु० प्रति क्विंटल नियत करने का है;
- (ख) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; ग्रौर
  - (ग) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री वी० स्वामीनाथन) : सर-ने 1981-82 के मौसम के लिए गेहूं के समर्थन मृल्य के बारे में स्रभी कोई निर्णय नहीं किया है। कृषि मृत्य म्रायोग ने गेहूं की मूल्य नीति संबंधी म्रपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है ग्रौर 24 ग्रक्तूबर, 1980 को हुये मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन में गेहूं का उत्पादन/खपत करने वाले प्रमुख राज्यों की राय ली गई थी। कृषि मृल्य स्रायोग की सिफारिशों, मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन में व्यक्त किये गये विचारों, श्रौर योजना श्रायोग तथा संबंधित मंत्रालयों के सुझावों के स्राधार पर मंत्रिमंडल द्वारा स्रंतिम निर्णय लिया जाएगा।

#### Improvement of Katras in Delhl

- 37. SHRI BHIKU RAM JAIN: Will the Minister of WORKS AND HOUS-ING be pleased to state:
- (a) the specific schemes formulated by Government for the improvement of the Katras in the walled city of Delhi;
- (b) whether Government are aware that the walled city is stinking even today;

- (c) the amount earmarked for the development of Shahjehanabad (Delhi); and
- (d) when the work on the improvement project is likely to commence?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) During the current financial year a budget allocation of Rs. 1 crore has been made for Environmental Improvement of Slum Areas which include katras and another allocation of Rs. 15 lakhs for the structural improvement the katras owned by the Slum Depart\_ ment of the Delhi Development Authority.

- (b) No, Sir.
- (c) and (d). Most of Shahjehana-bad is within the notified slum areas and the annual allocation is spent for improvement of slum areas in the walled city, Sadar Paharganj Zone and Sabzi Mandi, etc. Although no specific budget allocation has been made exclusively for the development of Shahjehanabad, the amount allocated is being spent on improvement of the slum areas which include most of the walled city areas.

# Semi-starvation level prevailing among the Poors

38. SHRI K. P. SINGH DEO: Will the Minister of RURAL RECONSTRUCTION be pleased to state:

- (a) whether Government's attention has been drawn to a study made by the Jawaharlal Nehru University, Delhi (Economic Times Dated 19th August, 1980) which says that although the production of foodgrains was raised from 50 million tonnes in 1950 to 123 million tonnes in 1977 and with a buffer stock of 20 million tonnes, 2 out of 5 Indians still go without
- (b) whether it is also a fact that while spectacular success has been

enough cereals and pulses;

achieved in raising food production in the country, much remains to be done to enhance the demand for foodgrains and reduce the semi-starvation level prevailing among the poorest in the villages:

- (c) if so, whether Government propose to formulate any scheme to attack and liquidate the semi-starvation in a phased manner; and
  - (d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF AGRICULATURE AND RURAL RECONSTRUCTION AND IRRIGATION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) Yes, Sir.

(b) to (d). A substantial proportion of India's population is living below the "poverty line" and the levels of consumption of food materials and other items of these families require considerable improvement. This can be achieved only by providing rural poor opportunities for employ-ment and additional purchasing power. While investment activities undertaken by the Central and Governments in various sectors generally enhance opportunities of employment in the economy, the Ministry of Rural Reconstruction is implementing the following poverty amelioration programmes which are exclusively aimed at the rural poor:-

# (1) The Integrated Rural Development Programme:

Started in 1978-79 in 2,300 development blocks in the country, this programme has been extended to all the development blocks in India from Gandhi Jayanti day this year. This programme is meant for the exclusive benefit of the poorest among the poor in the rural sector consisting of agricultural labourer, rural artisans and craftsmen, marginal farmers, small farmers and members of the scheduled castes and scheduled tribes. Under this programme, assistance is provided to families of this "target group" for acquiring assets and starting enterprises of their own

for increasing their incomes. The objective is to enable identified families of this group to earn substantial incremental incomes to enable them to cross the poverty line once and for all.

In the selection of families under this programme, care is taken to ensure that the poorest among the poor receive assistance in the first place. During the 6th Plan period, it is expected to provide assistance under this programme to 15 million families. On an average, at least 3,000 families would be directly assisted under this programme in each block.

This programme is financed by combination of subsidies provided by the Government and loans advanced by cooperative and commercial banks An outlay of Rs. 5 lakhs per block is provided for this programme in the current year. In 1981-82, the outlay is likely to be stepped up to Rs. 6 lakhs per block and in the remaining three years of the 6th Plan, the likely outlay would be Rs. 8 lakhs The outlays are shared on a 50:50 basis by the Central and the State Governments. In Union Territories, the entire outlay on the proggramme is borned by the Central Government.

families of the target Selected group are entitled to subsidies at the rate of 33-1|3 per cent of the of the scheme when the beneficiary is an agricultural labourer or marginal farmer. Small farmers are entitled to subsidy at the rate of 25% of the cost of the scheme. Scheduled tribe families are entitled subsidy of 50 per cent of the cost of the scheme. An individual family may receive upto Rs. 3,000 by way of sub-However, tribal beneficiaries are entitled to subsidy upto Rs. 5,000 per family.

2. Food for Work Programme: In order to provide employment to the unemployed and to create durable community assets in the rural areas

by utilising foodgrains a Food for Work Programme was started in 1977. Under this programme, the Central Government has been providing foodgrains to states and union territories for undertaking a variety of schemes in the rural areas. Wages have been paid in terms of foodgrains under this programme.

The Food for Work Programme has been reviewed and it has been restructed into a "National Rural Employment Programme" (NREP) which would form part of the Sixth Five Year Plan. Under the revised scheme, it is proposed to generate employment to at least 1000 poor persons in each block every year. Allocations of foodgrains to the states would be made 75 per cent on the basis of the number of agricultural labourers and marginal farmers and 25 per cent on the basis of incidence of poverty in the states. Payment of wages foodgrains has been fixed at 3 kgs. per day per head.

## Fall in Offtake of Fertiliser

- 39. PROF. MADHU DANDAVATE: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether fertiliser offtake has slowed down after the price hike in June, 1980;
- (b) if so, what is the extent of slowing down; and
- (c) whether this will affect the efforts to reach the foodgrains target of 135 million tonnes for the year 1980-81?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) It is too early to gauge the impact of rise in fertiliser prices on fertiliser consumption. It is expected that the overall fertiliser demand during the year would not be adversely affected as the Government has decided to fully compensate the farmer through

suitable increase in support/procurement prices of crops.

- (b) Question does not arise.
- (c) There are no indications that fertiliser offtake i<sub>s</sub> likely to have an adverse impact on the target of foodgrains production of 135 million tonnes. The preliminary estimates indicate the likely production of 80 million tonnes for kharif programme; the balance of 55 million tonnes is the target for Rabi foodgrains crop. This target i<sub>s</sub> achieveable in case there are normal weather conditions.

#### Allotment of Flats by D.D.A.

40. SHRI JITENDRA PRASAD: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state by what time the DDA would be able to allot flats under the registration scheme of new pattern 1979 to all categories of registered persons?

THE MINISTER OF PARLIAMEN.
TARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): The DDA has reported that, subject to availability of funds and building materials, it may be possible to provide houses to persons registered under the new Registration Scheme of 1979 in 5 to 7 years time.

#### Sugar

- 41. SHRI R. Y. GHORPADE: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that States failed to make proper arrangements to take delivery of available sugar and distribute them properly;
- (b) if so, quantities physically made available and shortfall in States lifting and distributing them;
- (c) whether it is also a fact that in the face of country wide sugar scarcity the industry and trade were in collusion with each other in pushing up prices, especially in the last few months of 1979-80 season and the in-

dustry is estimated to have earned a profit (net) of Rs. 1,000 million; and

(d) if so, the reasons why the farmers were denied remunerative prices for sugarcane and the consumers exploited?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) No, Sir. By and large, adequate arrangements were reported to be made by the State Governments for taking delivery of free sale sugar and its proper distribution.

- (b) A statement showing the quantities of free-sale sugar allocated the State Governments for the months of September and October and first fortnight of November, 1980 is attached. It was the responsibility of the State Governments to lift the allotted quantities from the factories and arrange for distribution thereof. The exact position regarding actual lifting and shortfall if any is not known. However wherever the State Govts. have indicated difficulty in getting sugar from particular factories, alternate arrangements been made.
- (c) Under the voluntary price regulation scheme operative from 1st September to 15th November, 1980, free sale sugar was sold by the factories at an agreed price of Rs. 450 per quintal exclusive of excise duty and it was distributed by the State Governments at retail prices fixed around Rs. 6 per Kg. There might have been some cases of malpractices involving sale of sugar at higher prices but these were dealt with by the State Governments under the existing statutory provisions.
- (d) Remunerative prices are being ensured to the sugarcane growers by fixing the statutory minimum prices payable to them by the sugar factories after taking the cost of cultivation and other relevant factors into consideration. The interests of the consumers are also fully taken care of

#### Statement

Quotas of Free sale Sugar (indigenous and imported sugar) for September, October and 1st Fortnight of November, 1980)

(tonnes)

|            |                 |         |      |  |   |   |   |                   |                 | (103)                              | nnes)        |
|------------|-----------------|---------|------|--|---|---|---|-------------------|-----------------|------------------------------------|--------------|
| Si.<br>No. | States/Union Te | erritor | ies  |  |   |   |   | September<br>1980 | October<br>1980 | 1st fort-<br>night of<br>Nov. 1980 | Total        |
| 1          | Andhra Pradesh  | 1       | •    |  |   |   |   | 3736              | 4564            | 2000                               | 10300        |
| 2          | Assam .         | •       |      | •  | • | • |   | 2881              | 3519            | 1600                               | 8000         |
| 3          | Arunachal Prad  | lesh    | •    |  |   | • |   | 90                | 110             | 50                                 | 250          |
| 4          | Mizoram .       |         |      |  |   |   |   | <b>9</b> 0        | 110             | 50                                 | 250          |
| 5          | Bihar .         |         |      |  | • | ٠ | • | 2745              | 3354            | 1500                               | <b>76</b> 00 |
| 6          | Gujarat .       |         |      |  | • | • | • | 1350              | 16495           | 7500                               | 37500        |
| 7          | Maharashtra     |         |      |  |   |   |   | 3016              | <b>36</b> 839   | 16700                              | 83700        |
| 8          | Kerala .        |         |      |  |   |   |   | <b>625</b> 8      | 7642            | 3400                               | 17300        |
| 9          | Lakshdweep      |         |      | •  | • | • | • |                   | 30              | 20                                 | 50           |
| 10         | Madhya Prades   | h       | •    |  |   | • | • | 6292              | 7808            | 3500                               | 17700        |
| 11         | Tamil Nadu      |         | •    | •  | • |   |   | 9589              | 11711           | 5300                               | 26600        |
| 12         | Kainataka       |         |      |  | • | • | • | 6528              | 7972            | 3600                               | 18100        |
| 13         | Orissa .        |         |      |  |   |   |   | 1080              | 1320            | 600                                | 3000         |
| 14         | Punjab .        | •       | •    |  | • |   |   | 13505             | 16495           | 7500                               | 37500        |
| 15         | Haryana .       |         |      |  |   |   |   | 4872              | 5938            | 2700                               | 13500        |
| 16         | Chardigath      | •       | •    | •  | • | • |   | 315               | 385             | ·                                  | 870          |
| 10         | Ü               | •       | •    | •  | • | • | • |                   |                 | 170                                | •            |
| 17         | Rajasthan       | •       | •    | •  | • | • | • | 5987              | 7313            | 330 <b>0</b>                       | 16600        |
| 18         | Uttar Pradesh   |         | •    | •  | • | • | • | 12830             | 15670           | 7000                               | 35500        |
| 19         | West Bengal     | •       | •    | •  | • | • | • | 10219             | 12481           | <b>56</b> 00                       | 28300        |
| 20         | Jammu & Kasl    | mir     | •    |  |   | • |   | 675               | 825             | <b>35</b> 0                        | 1850         |
| *21        | Delhi .         |         | •    |  |   | • | • | 1396              | 1704            | 2500                               | 5600         |
| 22         | Himachal Prad   | esh     | •    |  | • |   | • | 1350              | 1600            | 600                                | 3550         |
| 23         | Manipur         |         | •    | •  | • | • | • | 45                | 55              | 30                                 | 136          |
| 24         | Tripura .       |         |      |  | • | • | • | 90                | 110             | 50                                 | 250          |
| 25         | Pondicherry     |         |      |  |   | • |   | 165               | 195             | 8o                                 | 440          |
| 26         | Sikkim .        |         | •    |  |   |   | • | 45                | 55              | 30                                 | 130          |
| 27         | Goa .           |         |      |  | • |   |   | 490               | 590             | 250                                | 1330         |
| 28         | Dadra & Naga    | r Hav   | ⁄eli |  | • |   | • | 45                | 55              | 30                                 | 130          |
| 29         | Nagaland.       |         | •    |  |   |   |   | 135               | 165             | 8o                                 | 380          |
| 30         | Andamans        |         | •    |  | • |   |   |                   | 30              | 20                                 | 50           |
| _          |                 | •       | -    |  | - | _ |   |                   | _               |                                    |              |
| 31         | Maghalaya       | •       | •    | •  | • | • | • | 45                | 55              | 30                                 | 130          |
|            | TOTAL .         | •       | •    | <u>.                                    </u> | • |   | • | 135255            | 165195          | <b>76</b> 140                      | 376560       |

<sup>\*3500</sup> tonnes of additional free sale sugar allotted to Delhi Administration for each of the month of September & October 80 and 1000 tonnes for 1st fortnight of November, 1980.

#### Absorption of NDS Instructors

- 42. SHRI JAMBUWANT DHOTE: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that a decision was taken on 11th May, 1972 in the office of the Chief Secretary, Delhi Administration for the absorption of NDS Instructors against regular vacancies as crop up in due course;
- (b) whether it is also a fact that the Executive Council also took the decision that until NDS 327 Instructors got absorbed, no new hand would be appointed in the rank of P.E.T./P.T.I.; and
- (c) whether these decisions have been implemented and if not the reasons thereof?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) Yes Sir. Delhi Administration had decided that the staff taken over by them would be gradually absorbed against regular vacancies of junior physical Education Teachers and the additional posts created to facilitate the absorption of NFC staff would be adjusted against the regular vacancies as may crop up in future.

(b) and (c). The Executive Council in its meeting held on 23-8-78 recommended 50 per cent absorption/adjustment of NDS/NFC Instructors and the remaining 50 per cent vacancies to be filled by direct recruitment.

The NDS Instructors are being absorbed by Delhi Administration against vacancies of Junior Physical Education Teachers accordingly.

### Re-organizationing Tiger Project

- 43. DR. VASANT KUMAR PANDIT: Will the Minister of AGRI-CULTURE be pleased to state:
- (a) whether Government have decided to re-organize completely the 'Tiger Project';
- (b) the allocation of funds made for this project each year since 1973;
- (c) whether the World Wildlife Fund or any other International Institution has contributed financially to this project, if so, how much during the last five years, year-wise;
- (d) whether serious complaints have been received that these funds have been mismanaged and wrongly used if so, whether Government have made any inquiry; and
- (e) if so, the result thereof and the action proposed to be taken in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) No Sir.

- (b) Since the initiation of the Project in 1973, a total amount of about Rs. 545.28 lakh has been provided upto the current financial year. Yearwise position is given in the statement.
- (c) No financial assistance has been received in cash so far from any international institution or organisation. However, the World Wildlife Fund has provided equipments worth about US \$ 519,469 for the Project

upto 31-12-1978. Year-wise break-up is as follows:—

### World Wildlife Fund aid upto 31.12.1978 (ip US \$)

| 1975    | 1976    | 1977   | 1978   | Total   |
|---------|---------|--------|--------|---------|
| 232,314 | 129,362 | 77,108 | 80,685 | 519,469 |

(d) and (e). Since no assistance tion of mismanagement of funds does

has been received in cash, the quesnot arise.

#### Statement

Yearwise allocation of funds for Tiger Project.

| -       |         |                      |         |         | _~      |         | (Rs.                   | in Lakhs) |
|---------|---------|----------------------|---------|---------|---------|---------|------------------------|-----------|
| 1973-74 | 1974-75 | 1975-76              | 1976-77 | 1977-78 | 1978-79 | 1979-80 | 1980-81<br>(tentative) | Total     |
| 3.319   | 37.997  | 58·69 <sub>,</sub> 8 | 89.65   | 96.67   | 123.57  | 66 48   | 69.00                  | 545 · 284 |

#### Fixation of Procurement Price of **Foodgrains**

- 44. SWAMI INDERVESH: Will the AGRICULTURE Minister of pleased to state:
- (a) whether Government have recently fixed procurement price foodgrains:
- (b) if so, the extent to which rise in the input cost, fertilizers and diesel and the growing cost in the movement of foodgrains has been taken into consideration; and
- (c) the reaction of the farmers with regard thereto?

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) Yes, Sir, Government have recently announced procurement prices kharif cereals and minimum support prices for tur, urad and moong.

(b) While recommending procurement/support prices, the Agricultural Prices Commission takes into account the full extent of the rise in the input costs. The rise in the cost of movement of foodgrains has also been duly taken into consideration by the Gov-

ernment at the time of taking decisions on the level of support prices.

(c) By and large, the reaction of the farmers has been favourable.

#### Utilisation Report on Food for Work **Programme**

45 SHRI V KISHORE CHANDRA S DEO Will the Minister of RU-RAL RECONSTRUCTION be pleased to state.

- (a) whether Government have received utilisation reports for the assistance given to various States under the Food for Work Programme;
  - (b) if so, the details thereof; and
- (c) the list of defaulter States, if any, with the details of assistance given to them?

AGRICUL-THE MINISTER OF TURE AND RURAL RECONSTRUC-TION AND IRRIGATION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) and (b). A statement indicating the quantities reported to be utilised by different States Union Territories during the current year is enclosed.

(c) The information regarding the defaulting States Union Territories, which have not reported any utilisation is also contained in the statement enclosed.

# Statement

| Si.<br>No                                       | State/ | Uts. |    |   |   |   |        |     | Quantity of food-<br>grains reported<br>utilised. | - Period to which<br>it relates           |
|---|--------|------|----|---|---|---|--------|-----|---|---|
| 1   | 2      |      |    |   |   |   |        |     | 3   | 4   |
| 1. Andhra Prade                                 | sh .   | •    | •  |   |   | • | •      | •   | 72,568.07   | August, 80                                |
| 2. Assam  |        | •    | •  |   | • | • |        |     | • •   | • •                                       |
| Bihar   |        |      | •  | • | • | • | •      | •   | 81,986-17   | June, 1980                                |
| 4. Gujarat                                      |        |      |    |   |   | • | •      |     | 15,613.00   | August, 1980                              |
| 5. Haryana                                      | •      |      | •  |   |   | • |        |     | 19,635.82   | August, 1980                              |
| 6. Himachal Pra<br>7. J & K                     | desh   |      |    |   |   |   |        |     | 10,471 · 78<br>NR                                 | July, 1980.                               |
| 8. Karnataka 4<br>9. Kerala<br>10. Madhya Prade | sh     |      | •  | • |   | • | ·<br>· | .*, | 1, <b>296</b> ·94<br>13,575·78<br>1,47,087·00     | May, 1980.<br>Sept., 1980<br>August, 1980 |
| 11. Maharashtra                                 |        |      | •  |   |   |   | •      |     | 56,079· 00  | July, 1980                                |
| 12. Manipur                                     |        | •    | •  |   |   |   |        |     |   |   |
| 13. Maghalaya                                   | •      | •    |    | • | • | • | •      | •   |   |   |
| 14. Nagaland                                    |        |      |    |   |   | • |        |     | 127.85  | May, 1980.                                |
| 5. Orissa                                       |        |      |    |   |   | • | •      |     | 1,01,607.87                                       | Sept., 1980.                              |
| 6. Punjab                                       |        |      | •  |   |   |   | •      |     | 2,600 · 35  | August, 1980                              |
| 7. Rajasthan                                    |        |      |    |   | , | • | •      |     | 1,81,600.00                                       | July, 1980.                               |
| 8. Sikkim                                       | •      |      |    |   |   |   | •      |     | 42.48   | August, 1980                              |
| 19. Tamil Nadu                                  |        | •    |    |   |   |   |        |     | 14,305 · 59                                       | August, 1980                              |
| o. Tripura                                      |        |      |    | • |   | • |        |     | 6,619.00  | July, 1980                                |
| I. Uttar Pradesh                                |        |      | •  | • | • | • |        |     | 1,85,387.98                                       | August, 1980                              |
| 22. West Bengal                                 |        |      |    |   | • |   |        |     | 45,188·00   | August, 1980                              |
| 3. A & N Island                                 |        |      |    |   |   |   |        |     | ••  |   |
| 4. Arunachal Prac                               | desh   |      | •  |   |   | • | •      |     |   |   |
| 5. Chandigarh                                   | •      |      |    |   |   | • |        |     | ••  |   |
| 6. Mizoram                                      |        | •    |    | • |   |   | •      | •   | • •   |   |
| 7. Pondicherry                                  | •      |      |    |   |   | • |        |     | 579 · 27  | August, 1980                              |
| -   | ALL    | IND  | IA |   |   |   |        | _   | 9,56,343,   | 05  |

- 46. SHRI TRIDIB CHAUDHURI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether Government have received the Report on sugar prices from Committee appointed for the purpose headed by the Chairman of the Bureau of Industrial Costs and Prices:
- (b) what are the major recommendations of the Committee; and
- (c) whether Government taken any decision on the prices of levy sugar on the basis of the recommendations of the said Committee and the prices finally fixed?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) Yes, Sir.

- (b) the major recommendations made by the Committee are indicated below:
- (i) For purposes of cost ascertainment, the country is divided into 16 geographical zones as is the position at present;
- (ii) The cost of production zonewise based on a minimum statutory cane price is recommended to be notified as levy price.
- (iii) A conversion cost schedule on the same lines as in Tariff Commission Report (1973) for the norms of recovery and duration representing the last five years' average has been furnished for use for the period 1980 -83. This schedule should be justed to estimated actual recovery and duration for each price fixation.
- (iv) Interest and Return: is provided on the basis of 12 cent post-tax on equity with interest provision on loan at the current average rate. Working capital is provided at 4-1|2 months' cost of production.
- (v) There should be a two-tier levy prices in each zone i.e. one for

the efficient (average and above average) and the other for less efficient units. The two criteria for determining the less efficient units are capacity being less than 1250 tonnes of cane crush per day and (b) of the plant over 25 years. This is intended to benefit the weaker units to withstand the competition from efficient units and to improve their management and operational efficienсy.

- (vi) A development cess of Rs. 5 per quintal may be levied on the production for the creation of a Development Fund. The funds are to be utilised for the rehabilitation of sick units.
- (c) In accordance with the recommendations of the High Level Committee, the Central Government have notified the prices of levy sugar payable to the sugar factories their production of 1980-81 season. The zone-wise prices fixed are indicated in the Statement attached.

#### **Statement**

Zone-wise ex-factory prices of levy sugar fixed for 1980-81 season for D-29 grade of sugar (excluding excise dutu

(In Rs./qtl.)

| Zone                  | Ex | Ex-factory<br>price |         |  |
|-----------------------|----|---------------------|---------|--|
| 1 2                   |    |                     | 3       |  |
| 1. Punjab             |    | •                   | 317.67  |  |
| 2. Haryana            | •  | •                   | 308.75  |  |
| 3. Rajasthan          | ٠  |                     | 311.97  |  |
| 4. West Uttar Pradesh |    |                     | 18, 182 |  |
| 5. Central U.P        | •  |                     | 294.35  |  |
| 6. East U.P.          |    | •                   | 316.26  |  |
| 7. North Bihar .      |    | •                   | 322.82  |  |
| 8. South Bihar .      |    |                     | 344.90  |  |
| 9. Gujarat            |    | •                   | 270.81  |  |
| 10. Madhya Pradesh    |    |                     | 244.12  |  |

| I 2                                       | 3      |
|---|--------|
| 11. Maharashtra                           | 270.18 |
| 12. Karnataka                             | 279.17 |
| 13. Andhra Pradesh                        | 287.27 |
| 14. Tamil Nadu & Pondicherry              | 297.14 |
| 15. Assam, Orissa, W. Bengal and Nagaland | 320.42 |
| €6. Kerala & Goa                          | 273.82 |
|   |        |

Note: In respect of weaker units having canecrushing capacity below 1250 tonnes per day and which are over 25 years of age, the prices fixed are higher by Rs. 26 per quintal in each Zone than the prices indicated above.

#### Amount for Education in Sixth Plan

- 47. SHRI AMAR ROYPRADHAN: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that State Governments have approved the earmarked amount for education in the Sixth Plan;
- (b) if so, the State-wise break-up; and
  - (c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) to (c). The Sixth Plan proposals of State Governments for Education are being discussed by the Planning Commission with the States.

#### दिल्ली, कलकत्ता ग्रौर पटना के बीच दोषयुक्त टेलीफोन प्रणाली

- 48. श्री रामावतार शास्त्री : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :
  - (क) क्या यह सच है कि दिल्ली, कलकत्ता भ्रौर पटना के बीच टेलीफोन प्रणाली

में व्यवधान पैदा हो गया है और इससे टेलीफोन प्रयोगकर्ताओं की कटिनाइयां बढ़ गई हैं;

- (ख) क्या यह सच है कि ऐसी ही शिकायतें प्राय: समाचार पत्नों में छपती रहती हैं;
- (ग) यदि हां, तो इस कुप्रबन्ध के क्या कारण हैं ; ग्रौर
- (घ) टेलीफोन प्रणाली के दोधों को दूर करने के लिये सरकार ने क्या उपाय किये हैं ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कार्तिक उरांव : (क) जी नहीं।

- (ख) जी नहीं।
- (ग) प्रश्न ही नहीं उठता।
- (घ) प्रक्त ही नहीं उठता । फिर भी इस प्रणाली और जाल-कार्य को अच्छी चालू हालत में रखने के लिए उपस्करों के लिए निर्धारित मानीटरिंग एवं स्तरीय अनुरक्षण नित्यचर्चाओं को अपनाया जा रहा है।

#### Nari Niketan, Delhi

- 49. SHRIMATI GEETA MUKHER-JEE: Will the Minister of EDUCA-TION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:
- (a) whether Government's attention has been drawn to the report appearing in "Indian Express" New Delhi edition dated 14th October, 1980 regarding the activities of Nari Niketan, De'hi; and
- (b) if so, the details thereof and what action has been taken, if any, to improve the situation?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) Yes, Sir.

(b) Nari Niketan is an Institution for the care and protection of res-

cued, deserted and destitute women; it is run by Delhi Administration. the facts of the case, which is subject matter of the press report, as given to the Ministry by Delhi Administration are as follows:

One Smt. Savita Wagle, aged 34 years, was admitted along with her 5 month's old daughter in the Nari Niketan on 11 August 1979 as a voluntary case sponsored by the Nari Raksha Samiti. At the time of admission, she had stated that had been deserted by her husband. On enquiry, the address given by her was found to be incorrect. She discharged from the Institution her own request on 10 October, 1980. The allegations made by her enquired into by Delhi Administration, but found not correct.

The Government is also making further enquiries from Nari Raksha Samiti.

#### Automatic Telephone Exchange at Gobichettipalayam in Tamil Nadu

- 50. SHRI C. CHINNASWAMY: Will the Minister of COMMUNICA-TIONS be pleased to state:
- (a) whether steps will be taken to instal automatic telephone exchange at Gobichettipalayam in Tamil Nadu:
  - (b) if so, the details thereof;
- (c) the steps taken by Government to provide immediate telephone connections in Tamil Nadu; and
- (d) whether there is any proposal to publish telephone Directories annually?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICA-TIONS (SHRI KARTIK ORAON): (a) and (b). Gobichettipalayam is at present served by a 480 lines manual exchange. Due to the limited availability of automatic exchange equipment, it has not been feasible to plan an automatic exchange for this place yet.

(c) With the present limitation of resources, it is not possible to plan for provision of telephone connections immediately on demand in the foreseable near future. It is, however, the effort to limit the waiting periods in smaller towns and rural areas to about 2 years.

Written Answers

(d) Yes, Sir.

#### Root-wilt Disease of Coconut

- 51. SHRI V. S. VIJAYA RAGHA-Will the Minister of AGRI-CULTURE be pleased to state:
- (a) whether the Government Kerala has requested the Centre to declare the root-wilt disease of the coconut trees as a disease of national importance;
- (b) if so, the decision taken by the Centre thereon; and
- (c) the details of the assistance, if any given to the State by the Centre to fight this disease?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) Yes, Sir.

- (b) The main purpose of declaring a disease as of national importance is to make the treatment (cost of chemicals and application expenses) eligible for financial subsidy by the Central The Technical Com-Government. mittee set up for the purpose in its meeting held on 3rd November, 1980, did not recommend the inclusion of this in the list of diseases of national importance on the ground neither the cause nor the control measure of the disease is conclusively established.
- (c) There is a Centrally Sponsored Scheme under which Central assistance is made available for the supply of hybrid seedlings and fertilizers to the extent of Rs. 6.34 lakhs as Government of India's share during The Government has also mounted intensive research efforts to

find out the remedy for this diseasecomplex through the Indian Council of Agricultural Research.

# Installation of Auto-Exchange Facilities in U.P. Districts Headquarters

- 52. SHRI ZAINUL BASHER: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:
- (a) which are the district headquarters of Uttar Pradesh where the Auto Exchange facility has not been installed;
- (b) whether there is any scheme to instal auto-exchange facilities in these districts in near future; and
- (c) if so, what are the details of the scheme and up to which time work is expected to be completed?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON):
(a) Out of 56 district headquarters

Part I

in U.P., 17 district headquarters have not got Auto Exchange Facility and are at present served by manual telephone exchanges.

- (b) It is proposed to instal automatic exchanges in all these in a phased manner.
- (c) Plans have been drawn up to provide automatic exchanges in 7 by 1983-84 in the first phase. The automatization in the rest will be taken up in next phase.

Following is a list of 17 district headquarters stations where manual exchanges are working, in two parts (one of 7 for which automatic exchanges have been planned and the 2nd of 10 where exchanges are planned in second phase).

Part

10. Sultanpur.

H

|  | <br>1411   |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|
| Norman and Assessment | effectiveness and the second s |  |  |  |  |
| 1. Almora  | 1. Banda.  |  |  |  |  |
| 2. Bijnore   | 2. Fatchgarh (Farrulliabit).   |  |  |  |  |
| 3. Chamo'i   | 3. Fatehpur.   |  |  |  |  |
| 4. Mathura   | 4. Ghazipui.   |  |  |  |  |
| 5. Nainita'  | 5. Jhansi.   |  |  |  |  |
| 6. Uttarkashi  | 6. Lalitpur.   |  |  |  |  |
| 7. Pratapgarh  | 7. Orai (Jalaun).  |  |  |  |  |
|  | 8. Pauri (Garhwal).  |  |  |  |  |
|  | 9. Pithoragarh.  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |

#### Fair Price for Sugarcane

### 53. SHRI MADHAVRAO SCINDIA: SHRI DAYA RAM SHAKYA:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether Government have looked into the reports that enormous standing sugarcane crops had been destroyed by hurning or otherwise last year when sugar prices had crashed and the farmer could not get reasonable price for sugarcane;
- (b) if so, how much of standing sugarcane crops had been burnt or destroyed; and
- (c) what steps have been taken this year to ensure fair return for their crops of sugarcane to encourage and boost up production of sugarcane and sugar, to avert such critical condition and scarcity of sugar next year?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) and (b). There were no reports of destroying of cane crop by burning or otherwise during 1979-80. However, some reports during 1977-78 season about leftover cane had been seen in Press, but in the absence of any official report the quantum cannot be estimated. To ensure crushing of left over cane, the factories had been given incentives for prolonging crushing operations during 1977-78.

(c) The Government have fixed a higher statutory minimum cane price 13.00 per quintal linked Rs. cent recovery with to 8.5 per full proportionate premium for recoveries above that level, as compared to Rs. 12.50 per quintal fixed last year. Considering the capacity of factories to pay higher prices, the Prime Minister has also advised that actual minimum cane price of Rs. 16.00 per quintal may be paid by the factories in all the States.

# Benefit to Farmers under S.F.D.A. and I.R.D. Scheme

the Minister of RURAL RECONSTRUCTION be pleased to state the number of Small and Marginal Farmers who have been benefited under the Small Farmers Development Agency and the Integrated Rural Development Scheme?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND RURAL RECONSTRUC TION AND IRRIGATION BIRENDRA SINGH RAO): tance is provided under the Small Farmers' Development Programme and the Integrated Rural Development Programme to small farmers. marginal farmers, agricultural labourers, rural artisans and others below the "poverty line". Under the Small Farmers' Development Agency Programme, 80,33,802 families were provided benefits since the inception of the programme in 1970-71 till June Under the Integrated Rural Development Programme 22.26.886 families were provided assistance since the inception of the programme in 1978-79 till June, 1980.

# Open Market Price of Sugar in Delhi

55. SHRI ATAL BIHARI VAJ-PAYEE: Will the Minister of AGRI-CULTURE be pleased to state:

- (a) the monthly prices of sugar in open market and Super Bazars in Delhi during the last three months; and
- (b) the reasons of price variation, steps taken and the results in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) The wholesale and retail prices of free-sale sugar in Delhi during the last three months are indicated below:

(Rs. per Kg.)

| Manch            |        |       |   |   |   |   |   |   |   |   | Who'esale<br>Price | Super<br>Bazar<br>Price | Open<br>market<br>Price<br>(Retail) |
|------------------|--------|-------|---|---|---|---|---|---|---|---|--------------------|-------------------------|-------------------------------------|
| August           | •      |       | • | • | • | • | • | • | • | • | 7.70               | 7·8o                    | 7.97                                |
| September        | (from  | 3/9)  | • | • | • | • | • | • | • | • | 6.00               | 6.10                    | • •                                 |
| October          | •      | •     |   | • | • | • |   | • | • | • | 6.00               | 6.10                    | • •                                 |
| <b>Seme</b> mber | (up to | 15th, |   | • | • | • | • | • | • | • | 6.00               | 6.10                    |                                     |

(b) Prior to 3rd September there was no voluntary price regulation on sugar. The fluctuations, variations in prices of freesale sugar were partly due to short supplies and to some extent on account of tendencies of hoarding and profiteering on the part of traders. With the commencement of the voluntary price regulation scheme, which became operative in Delhi from 3rd September, 1980, the wholesale price was fixed by the Delhi Administration at Rs. 600 per quintal and retail price at Rs 6.10 per The distribution of free-sale kg regulated through sugar was approved wholesale sugar licensees, super bazar and its branches, Delhi Consumer<sub>s</sub> Cooperative Wholesale Store, Primary Cooperative Stores, Central Government Employees Consumer Cooperative Society mobile vans organised by the Delhi Cooperative Wholesale Consumer Store.

### राज्यों में चीनी की दर

877 50 कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

- (क) विभिन्न राज्यों में उपभोक्तान्त्रों को चीनी किस दर पर उपलब्ध कराई जा रही है; ग्रौर
- (ख) सरकार द्वारा निर्धारित मृल्य दर **पर चीनी** को बिक्री सुनिश्चित करने के लिये बरकार द्वारा क्या कदग उठाये गये है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री श्रार० बी० स्वामीनाथन) : जहां तक लेवी चीनी का संबंध है, इसे देश भर मे 2.85 इपये प्रति किलो के समान मृल्य पर उपभोक्ताम्रों को उपलब्ध किया जा रहा है। 1-9-80 से 15-11-80 तक लागू उद्योग की स्वैच्छिक पेशकश के धन्तर्गत उपभोक्ताश्रो को 450 स्पये प्रति क्विंटल के निकासी मल्य, जिसमें उत्पादन शुल्क शामिल नही था, के माधार पर मुक्त बिकी की चीनी उपलब्ध की गई थी। राज्य सरकारों द्वारा सितम्बर ग्रौर ग्रक्तूबर 1980 के त्यौहारों के महीनों के दौरान मुक्त बिक्री की चीनी के वितरण हेतु निर्धारित किए गए खुदरा मूल्यो का ब्यौरा सलग्न विवरण मे दिया गया है।

(ख) राज्य सर गरे लंबी चीनी दा वितरण सार्वजिन स्वित ण प्रणाली के अधीन उचित दर की दुकानो/राशन की दुकानो के श्रपने जाल के माध्यम से करती है। सितम्बर श्रीर अक्तूबर, 1980 के दौरान मुक्त विश्री ती चीनी का वितरण करने हेतु किए गए विशेष प्रबंधों के ग्राधीन राज्य सरकारों ने वितरण सबधी कार्य बा तो ग्रपने राज्य नागरिक पति निगमो को ग्रथवा राज्य सहकारी एजेन्सियो को सौपा था भ्रौर कुछेक राज्ये। मे यह कार्य सामान्य व्यापार प्रणालियो को सोपा गवा था । रा य सरकारों ने सूचित किया है कि उन्होंने उपभोक्ताम्रो को उनके द्वारा निर्धारित किए गए मूल्यो पर चीनी की पूर्ति करने की दशा में भ्रावश्यक गग उठावें है।

#### Statement

Retail prices of sugar fixed by the State Governments for distribution of imported/free sale sugar during September-October, 1980

| State                                 | Retail<br>Price<br>(Rs. per<br>K.g)           |
|---------------------------------------|---|
| 1. Andhra Pradesh<br>2. Assam         | 6.00<br>6.50                                  |
| 3. Bihar                              | 5.75 Indigenou                                |
|                                       | 6.27 Imported_                                |
| 4 Gujarat .                           | 5.50 Dom. consumers                           |
|                                       | 7.50 Bulk<br>consumers                        |
| 5. Haryana 6. Himachal Pradesh        | 5·95<br>5·85                                  |
| 7. Jammu & Kashmir                    | Not intimated                                 |
| 8. Karnataka .                        | 6.10 Enhanced to 6.40                         |
| 9 Kerala .                            | ' .25   |
| 10. Madhya Pradesh<br>11. Maharashtra | 6.50<br>5.00                                  |
| 12. Maniput                           | 6.30  |
| 13. Meghalaya                         | 1.55 Imported                                 |
| •                                     | 5.90 I die -<br>n u                           |
| 14. Nagaland                          | ot intimated                                  |
| 15. Orissa                            | As fixed by Gollect-<br>ters                  |
| 16 Punjat, .                          | 5.95 Dom.  conumers  6.10 Bulk  6.15 Consumer |

|                                  | Retail Price<br>(Rs. per Kg.)              |     |  |  |  |
|----------------------------------|--|-----|--|--|--|
| 17, Rajasthan .                  | 6.00 Dom.<br>consus<br>5.97 Bulk o<br>sume | on- |  |  |  |
| 18. Si <b>kki</b> m .            | 6.15                                       |     |  |  |  |
| 19. Tamil Nadu                   | . 6.00                                     |     |  |  |  |
| 20. Tripura .                    | . Not intimated                            | l   |  |  |  |
| 21. Uttar Pradesh                | . 6.22 to 6.                               | 30  |  |  |  |
| 22. West Bengal                  | . 5.97                                     |     |  |  |  |
| Union Territories                |  |     |  |  |  |
| 23. Andaman &<br>Nicobar .       | . Not intimated                            |     |  |  |  |
| 24. Arunachal Prae               | desh Do.                                   |     |  |  |  |
| 5. Chandigarh                    | . 6.00                                     |     |  |  |  |
| 6. Dadra & Nagar<br>Haveli .     | . 5.60 Indg                                |     |  |  |  |
|                                  | 6.10 Imp                                   |     |  |  |  |
| 27. Goa Daman d<br>Diu <b>x</b>  | &<br>. 5.60 (Do                            | m,) |  |  |  |
| 28. Lakshadweep                  | . 6.70                                     | •   |  |  |  |
|                                  |  |     |  |  |  |
| •                                | 7.10                                       |     |  |  |  |
| 29. Mizoram .<br>30. Pendicherry | . 7.10<br>. 5.83 to 5.                     | 85  |  |  |  |

- 57. SHRI CHRISTOPHER EKKA: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:
- (a) whether Government are aware that certain allottees of Type-III Government Quarters in C Block of Sarojini Nagar, New Delhi, have made additions of a pucca room in the backside of their quarter during the last two months;
- (b) if so, whether Government have given them permission to make such construction and if so, whether Gov-

ernment would accord such permission to other allottees of Government Quarters in the said colony; and

(c) if not, the action proposed to be taken by Government against such allottees who have violated the rules concerning Government quarters and whether enquiries would be made as to how scarce material like cement found its way into the hands of such allottees?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) Yes. Sir.

- (b) No, Sir.
- (c) The allottees of 7 quarters in C Block of Sarojini Nagar have been served with notice to remove the unauthorised constructions failing which their allotments are liable to be cancelled.

#### Fixation of Sugarcane Price

- 58. SHRI JHARKHANDE RAI: will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether cane prices for the coming crushing season has been fixed by the Union Government;
- (b) if so, the price fixed and on what basis it was calculated;
- (c) whether some of the State Governments have fixed a higher price than fixed by the Union Government; and
  - (d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) and (b). The minimum price for sugarcane is fixed taking into account the cost of production, the return to the grower from alternative crops, availability of sugar to the consumer at a fair price, the recovery of sugar from sugarcane etc. Considering the rise in the cost of production of sugarcane, the statutory minimum cane

price has been fixed at Rs. 13.00 per quintal linked to 8.5 per cent recovery with full proportionate premium for recoveries above that level as against Rs. 12.50 per quintal fixed last year.

(c) and (d). According to news-paper reports some of the State Governments are reported to have announced higher prices for sugarcane than the statutory minimum fixed by the Central Government. This has been done in response to Prime Minister's advice that minimum cane price of R<sub>S</sub>. 16.00 per quintal should be paid by factories in all the States.

#### Recommendation for Setting up Research-cum-Advisory Cell of National Sugar Institute at Hyderabad

- 59. SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether the study team which went into the production cost of Khandsari sugar in different States recommended that a research-cumadvisory cell of the National Sugar Institute should be established at Hyderabad for the benefit of Khandsari Industry; and
- (b) if so, the action taken by the Government thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) Yes, Sir.

(b) No decision to establish such a cell at Hyderabad has been taken by the Government.

#### Demand of wheat for National Rural Employment Programme

- 60 SHRI SUBHASH CHANDRA BOSE ALLURI: Will the Minister of RURAL RECONSTRUCTION be pleased to state:
- (a) whether Government have received demands for supply of adequate quantum of wheat for the National

Rural Employment Programme from different States:

- (b) the names of the States which have made this request; and
- (c) the reasons for such request and steps being taken to improve the situation?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND RURAL RECONSTRUC-TION AND **IRRIGATION** (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) Yes, Sir.

- (b) All the States except Manipur, Meghalaya, Nagaland and Sikkim.
- (c) More quantities of foodgrains have been asked for taking up larger number of works under the gramme. Additional allocations of 4 lakh tonnes have been made only recently.

### "कारेश्टस कार प्लन्डर" शीर्षक से प्रकाशित समाचार

- 61. श्री मुलबंद डामा : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि
- (क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 18 भ्रगस्त, 1980 के इंडियन एक्सप्रेस मे ''फारेस्ट्स फार प्लडंर'' शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाणित सम्पादकीय लेख की श्रोर दिलाया गया है;
- (ख) यदि हां, तो उस पर सरकार की प्रतिकिया क्या है:
- (ग) क्या वैज्ञानिक दृष्टि से 35 प्रतिशत क्षेत्र में वन होने चाहिये श्रीर यदि हां, तो देश का कितने प्रतिशत क्षेत्र वनों के ग्रन्तर्गत शामिल है : ग्रीर
- (घ) पारिस्थितिक संतुलन को बनाये रखने के लिये सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है भीर इसे किस प्रकार कार्यान्वित क्या जा रहा है ?

कृषि मेंश्रांलय में राज्य (भी भ्रार० बी० स्वामीनाथन) : (क) जी हो ।

- (खं) वन विकास निगम, मध्य प्रदेश, जो विश्व बैंक से सहायता प्रात बस्तर परि-योजना को क्रियान्वित कर रही है, मध्य प्रदेश वन विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में है। "फारेस्ट्म फार प्लडंर" शीर्षक के ब्रन्तर्गत प्रकाशित संपादकीय लेख के संबंध में मध्य प्रदेश सरकार से टिप्पणी मांगी गयी है।
- (ग) राष्ट्रीय वन नीति-1952 के भ्रनुसार देश की कुल भूमि का एक तिहाई भाग वनों के ग्रन्तर्गत होना चाहिए। 1977-78 के दौरान वन के अन्तर्गत कुल क्षेत्र देश के भौगोलिक क्षेत्र का 22.7 प्रतिशत था।
- (घ) पारिस्थितिकीय संतुलन को बनाये रखने के लिए केन्द्रीय प्रायोजित. केन्द्र एवं राज्य क्षेत्रों के स्रधीन बन रोपण की ग्रनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। श्रमुरक्षित हिमालय क्षेत्र में वन तथा मुदा कटाव को रोकने के लिए हिमालय क्षेत्र (भ्रापरेश्वन सायल वाच) में मुदा, जल तथा वृक्ष संरक्षण स्कीम आरम्भ की गयी है।

25-10-1980 को जारी किये गये वन (संरक्षण) ग्रध्यादेण, 1980 के ग्रन्सार कोई भी राज्य सरकार या कोई ग्रन्य प्राधि-कारी केन्द्र सरकार की ग्रनुमति के बिना निर्म्नालखित बातो से संबंधित कोई म्रादेश नही देगा:--

- 1. कि कोई ग्रारक्षित वन या उसका कोई हिस्सा ग्रारक्षित नहीं रहेगा।
- 2. कि किसी वन भूमि या उसका कोई हिस्सा, गैर-वन कार्यों के लिए प्रयोग में लाया जा सकता है।

यह भ्रध्यादेश देश में वनों को काटने की गति को रोकेगा ग्रौर पारिस्थितिकीय संतुलन को बनाये रखने में सहायक होगा।

#### Food Production during Sixth Plan

- 62 SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) the target of foodgrains production in the Sixth Plan; and
- (b) the details of the programme chalked out in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE SWAMINATHAN): R. V. The Sixth Five Year (a) and (b). Plan (1980-85) is currently under formulation. The Steering Group, set up by the Planning Commission to formulate the Sixth Five Year Plan relating to Agriculture and Sectors, has proposed a target of 153.6 million tonnes of foodgrains in the terminal year 1984-85 over the base production (trend estimate) 1979-80. This implies during annual compound growth rate of about 4 per cent.

2. The strategy envisaged for achieving the above mentioned target

- of foodgrains production will consist of the following main elements:
  - (i) Increased use of fertilisers, both organic and inorganic;
  - (ii) Expansion of area under assured irrigation and full utilisation of available irrigation potential;
  - (iii) Increase in gross cropped area, mainly through multiple cropping;
  - (iv) Expension of area under the high yielding varieties programme;
  - (v) Adequate plant protection measures to reduce crop losses due to pest and disease attacks;
  - (vi) Greater emphasis on soil and water conservation measures and improved dryland farming practices;
  - (vii) Promotion of research and its application on a wider scale;
  - (viii) Farmers' training and education in improved technology through reorganised and strengthened extension network; and
  - (ix) Development of infrastructure of credit, marketing, distribution system for supply of inputs and services.

3. The targets proposed for some of the major inputs arc as follows:

|  | 1979-80<br>(Basc<br>Level) | 1984-85<br>(Target) |
|--|----------------------------|---------------------|
| 1. Fertilizer Consumption (N+P+K) (Lakh Tonnes)                                    | 52.7                       | 96. 5               |
| 2. Pesticides Consumption (Technical Grade Material) (Thousand Tonnes)             | 60·0                       | <b>4</b> 80 ⋅ 0     |
| 3. High Yielding Varieties (Paddy, Wheat, Maize, Jowar and Bajra) (Million Hect.). | 35-2                       | 56· o               |
| 4. Gross Cropped Area (")  | 171.0                      | 181.0               |
| 5. Irrigated Area (through minor, major and medic m works) (")                     | 53.8                       | 67.8                |
| 6. Soil Conservation (")   | 23.4                       | 30.2                |

<sup>4.</sup> The above mentioned figures of targets of foodgrains production as well as of inputs are previsional and subject to provision. These figures will be firmed up after these have been considered by the Planning Commission and the Draft Sixth Five Year Plan (1980-85) has been, approved by the N. D. C.

- (क) क्या पटना विश्वविद्यालय देश के प्राचीनतम विश्वविद्यालयों में से एक है;
- (ध) क्या पटना विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविविद्यालय करने की अनेक बर्धों से मांग की जा रही है; भीर
- (ग) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार इस विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय घोषित करने का है?

शिक्षा ग्रीर समाज कल्याण मंत्री (श्री रस० बी० चहाण): (क) ग्रीर (ख) जी, हा

(ग) जी नही ।

Recommendations of the Working Group on Electronic Switching System Policy

64. SHRIK A. RAJAN: Will the Minister of COMMUNICATIONS pleased to state:.

- (a) the recommendations made by the Inter Departmental Working group in July, 1979 on the Electronic Switching system policy;
- (b) what are the recommendations accepted by the Posts and Telegraphs, Ministry of Communications Department of Electronics; and
- (c) the steps taken being taken to implement the accepted recommendations?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICA-TIONS (SHRI KARTIK ORAON): (a) The main recommendations made by the inter-departmental Working Group in July, 1979 on electronic switching system policy are given below:-

- (1) The Working Group is of the opinion that adequate production capacity should be set up within the country so that import of switching equipment can be avoided at least by the middle of the Seventh Five Year Plan. This would require a further production capacity to be established in the country of the order of 1 million lines per annum. during the decade.
- (2) From technical point of view, electronic switching systems are considerably superior to the electromechanical systems now working in the country as they enhance the performance of the exchanges, the network as a whole and provide many new facilities to the subscribers and are more economical compared to electromechanical exchanges
- (3) It needs to be explicitly stated that import of technology will be necessary for setting up the electronic switching system factory
- (4) The Working Group therefore strongly recommends that the second factory that is proposed to be set up during the current Plan by the Ministry of Communications should be for production of electronic exchange equipment with a capacity of 5 lakh lines per annum.
- (5) The technology package for the manufacture of electronic switching systems is among the most contemporary and sophisticated which necessitates that a suitable management culture for the continued development and evolution of these systems is devised. It was therefore the considered view of the Working Group that the optimum solution would be to set up a totally new and independent corporate entity under the Ministry of Communications at the earliest, on the lines suggested above without tying it up with any existing unit.

- (6) The Working Group therefore recommends that a third new switching factory to produce electronic exchange equipment with a capacity of 5 lakh lines per annum should be set up during the beginning of the Seventh Five Year Plan-factory to start production by 1985-86.
- (7) It is absolutely essential to take up the development of the system SPC-2 to create indigenous R&D capability for catching up with the fast moving electronic system technology which is changing every 3-4 years. An R&D capability which is kept abreast with the latest trends abroad will enable continuous updating of the technology now being imported by local development complemented by selective purchases of new technologies where appropriate.

The Working Group had also given other recommendations spelling out details of methodology based on these main recommendations.

- (b) All the main recommendations have been accepted by Posts and Telegraphs, Ministry of Communications and Department of Electronics.
- (c) The details of methodology for setting up the manufacture of electromic switching equipment country including the specifications for a global tender invitation for collaboration are being finalised

#### Import of Wheat and Sugar for Buffer Stocks

65. SHRI P. J. KURIEN: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether Government are **considering** a proposal to import wheat and sugar in order to build up buffer stocks:
  - (b) if so, the details thereof; and
- (c) the steps taken to meet the present shortage of wheat and sugar in the country?

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) At present there is no proposal under consideration of the Government to import wheat and sugar in order to build up buffer stocks.

(b) Does not arise.

NOVEMBER 17, 1986

(c) In so far as wheat is concerned. the stocks with the public agencies are adequate to meet our requirements. Various steps like excise incentive for early crush, increase in cane prices, control on khandsaris and lifting the ban on licensing of sugar factories have been taken for maximising sugar production

#### 1979-80 के दौरान चीनी का उत्पादन

- 66. श्री इत्यक्षाराय जिल्ला : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :
- (क) देश में 1979-80 के तौरान चीनी मिलों द्वारा कितनी चीनी का उत्पादन किया गया भ्रौर उस पर प्रति टन कितनी उत्पदन लागत माई;
- (ख) 1979-80 के दौरान कूल कितने मुल्य की चीनी का उत्पादन हुआ। श्रौर विक्री के लिए जारी की गई चीनी का कुल मत्य वया था;
- (ग) क्या ीनी मिलों ने चाल वष में उत्पादन म्रारम्भ कर दिया है; म्रौर
- (घ) यदि हां, तो चीनी मिलें राज्यों में किसानों को उनके गन्ने की क्या कीमत देशही है?
- कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ध्रार॰ बी॰ स्वामीनाथन ): 1979-80 के दौरान देश की चीनी मिलों ने 38.59 लाख मीटरी टन चीनी क उत्पादन किया है। दिसम्बर, 1979 किए गए अनुमानित मल्याकन के अनुसा

मौसम के प्रारम्भ में फैक्ट्री के द्वार पर चीनी की उत्पादन लागत 2560 रुपये प्रति मीटरी टन बैठती है।

- (ख) उपर्यक्त उत्पादन लागत के माधार पर 1979-80 के द रान उत्पादित चीनी की कूल लागत लगभग 987.90 करोड रूपये बैठती है। क्योंकि 1979-80 के दोरान उत्पादित सभी चीनी निर्मुक्त कर दी गई है, निर्म़क्त की गई चीनी की लागत भी वही है श्रर्थात 987.90 करोड़ रुपये।
- (ग) जी हा, वर्तमान वर्ष के दौरान 10-11-1980 तक विभिन्न राज्यों में 73 चीनी मिलो ने उत्पादन शुरु कर दिया दिया है।
- (घ) गन्ने के स्रिधिसूचित किए गए न्युनतम मुल्यो के ग्राधार पर, विभिन्न राज्यो मे गन्ने के दिए गए मृत्यों के रेज का ब्योरा सलग्न विवरण (ग्रनुबन्धक) में दिया गया है । यह भी मालूम हुन्ना है कि सत्रधित राज्य सरकारो के परामर्श षर चीनी फैक्ट्रिया ब्रिधिसूचित किए गए न्यनतम मुल्यो से विभिन्न दरो पर ग्रधिक मुल्य दे रही है।

विवरण

| राज्य           | न्यूनतम  | न्यूनतम ग्रधिसूचित |  |  |  |  |  |  |
|-----------------|----------|--------------------|--|--|--|--|--|--|
|                 | मूल      | मूल्य              |  |  |  |  |  |  |
|                 | ( 至0 /   | क्विटल )           |  |  |  |  |  |  |
|                 | 2        |                    |  |  |  |  |  |  |
|                 |          |                    |  |  |  |  |  |  |
| 1. उत्तर प्रदेश | 13 00 से | 17.28              |  |  |  |  |  |  |
| 2 बिहार         | 13.00 से | 16 52              |  |  |  |  |  |  |
| 3. पंजाब        | 14.53 से | 17.28              |  |  |  |  |  |  |
| 4 हरियाणा       | 13.76 से | 14.68              |  |  |  |  |  |  |
| 5 श्रसम         | 13.00 से | 13 15              |  |  |  |  |  |  |
| 6. पश्चिम बंगा  | ल        | 13.00              |  |  |  |  |  |  |
| 7. उडीसा        | 13.00 से | 13.61              |  |  |  |  |  |  |
| 8. मध्य प्रदेश  | 13.00 से | 15.45              |  |  |  |  |  |  |
| 9. राजस्थान     | 13.00 से | 14.84              |  |  |  |  |  |  |
|                 |          |                    |  |  |  |  |  |  |

|          | 2                                |
|----------|----------------------------------|
| से<br>से | 18.35<br>17.59<br>15.60<br>16.06 |
|          | 17.13<br>13.15                   |
|          | 13.00<br>13.76<br>13.00          |
|          | से से से से से                   |

#### Number of Extra-Departmental Employees of P & T

- 67. SHRI SATYAGOPAL MISRA: Will the Minister of COMMUNICA-TIONS be pleased  $t_0$  state:
- (a) what are the numbers and classifications of the Extra-departmental employees of the Post and Telegraph Department;
- (b) what are the payments salaries of the said employees according to their grades and classifications; and
- (c) what are the proposals of the Government of India to improve the remunerations of the said employees?

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF COMMUNICA-TIONS (SHRI KARTIK ORAON): (a) Necessary information has been given in Annexure 'A'.

- (b) The EDAs are only part-time employees and are paid fixed allowances with reference to the postal traffic handled by them and the nours of work they are required to put in. The fixed allowances being paid to different categories of EDAs are mentioned in Annexure 'B'.
- (c) Heretofore the consolidated allowances of EDAs, were revised biennially. It has now been decided to revise their allowances on yearly basis. The yearly revision is to be made from 1-9-1980.

148

#### Statement Annexure 'A.

Extra-Departmental Staff of the Posts and Telegraphs Department as on 31-3-1980

| - 4               |            |   |   |          |
|-------------------|------------|---|---|----------|
| Name of the C     | ategory    |   |   | Number   |
| Sub Postmasters   |            |   | • | 9,960    |
| Branch Postmaster | · 8        | • |   | 1,03,017 |
| Delivery Agents   |            |   | • | 75,537   |
| Mail Carriers .   | •          |   | • | 45,645   |
| Packers           | •          |   | • | 13,957   |
| Messengers .      | •          | • | • | 3,693    |
| Stamp Venders     | •          | • | • | 3,349    |
| Runners           | •          | • | • | 7,122    |
| Porters           | •          |   | • | 8        |
| Sweepers          | •          | • | • | 303      |
| Watermen .        |            | • | • | 58       |
| Chowkidars .      | •          |   | • | 1,278    |
| Mail Peons .      | •          | • | • | 2,136    |
| Letter Box Peons  |            | • | • | 458      |
| M.C/D.A Packer    | <b>s</b> . | • | • | 6,096    |
| Others .          | •          | • | • | 3,434    |
|                   |            |   |   | 2,75,950 |
|                   |            |   |   |          |

#### Annexure "B"

Fixed allowances payable to different categories of EDAs from 1-9-1979

|  | Minimum<br>Rs. | Maximum<br>Rs. |
|--|----------------|----------------|
| EDSPM (Sub Post-<br>musters)   | 155.00         | 192.00         |
| ED Branch Post-<br>masters   | 108.00         | 136.00         |
| ED Stamp Vendors .   | 108.00         | 136.00         |
| ED Mail Carriers/<br>EDDAs/ED Packers<br>ED Messengers/ED<br>Chowkidars etc. | 105.00         | 130 00         |

Work load for less than two hours..... Rs. 93.00 fixed

#### Construction of Indoor Stadium by D.D.A.

68. SHRI SATISH AGARWAL:

ATAL BIHARI VAJ-SHRI PAYEE:

SHRI N. K. SHEJWALKAR: DR VASANT KUMAR PAN-DIT:

Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that an indoor stadium will be built in the

connection Indraprastha Estate in with the Asian games:

- (b) what would be the central assistance for this project and how much funds the D.D.A. will be investing on it;
- (c) whether it is a fact that D.D.A. is being authorised to divert its funds for this project which has been earmarked for the construction of residential quarters by D.D.A.;
- (d) if so, the justification thereof; and
- (e) to what extent the construction activity of the houses by D.D.A. has as a result of such been affected diversion?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-TARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NA-RAIN SINGH): (a) Yes, Sir.

- (b) DDA has reported that the total estimated cost of the Project is Rs. 14.35 ciores. Central assistance is of Rs. 2.5 crores, which may be enhanced, The balance will be invested by the DDA.
  - (c) No, Sir.
  - (d) and (e). Does not arise.

#### Tubewells in the Drought Affected Areas of Orissa

- 69. SHRI CHINTAMANI PANIGRA-HI: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:
- (a) the tubewells for providing safe drinking water to villagers drought affected villages in Orissa were allotted in 1979-80 and 1980-81:
- (b) if so, how many such wells were allotted to Orissa in those two years respectively; and
- (c) the names of villages in Bhubaneswar, Khurda and Nayagarh subdivisions in Puri District which have been provided with tubewells in 1979-80 and 1980-81?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-TARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) and (b). The number of tubewells allotted for providing safe drinking water to villages in the drought affected areas in Orissa during

the years 1979-80 and 1980-81 are as follows:

1979-80

2647

1980-81

1992

(c) A statement is enclosed.

#### Statement

List of villages where subswells have been sunk in Drought affected areas.

#### 1979-80

#### NAYAGARH SUB-DIVISION (CIVIL)

| S.<br>No. | Name of the Block | Name of the G.P.   | Name of the village   | Remarks. |
|-----------|-------------------|--|---|----------|
| 1         | 2                 | 3  | 4   | 5        |
| 1.        | Nuagaon           | Maichheli<br>Malisalu<br>Durdura<br>Kupatpali<br>Korada<br>Jakada<br>Nuagaon   | <ol> <li>Sanapada</li> <li>Malisahi</li> <li>Durdura</li> <li>Kapatpali</li> <li>Korada</li> <li>Jakada</li> <li>Singipur</li> </ol>  |          |
| 2. 1      | Odagaon           | Sunamunhi<br>Saradhapur<br>Kajadiapali<br>Gotisahi   | 8. Sunamunhi<br>9. Madangadia<br>10 Sankunjuri<br>11. Gambharidihi.   |          |
| 3.        | Dasapalia         | Dihagaon Kunjahengarh Pokharigochha Kujamendhi i Chhadeipalli Banigochha Ghogadiapada Khamasahi Tendabadi Golapokhari Madhyakhanda Tumundi Jagadevpurpatna | 12. Jhutamara 13. Harsasinghpur 14. Halishahi 15. Ambabalimba 16. Surkabadi 17. Talabadi 18. Ghogadiapada 19. Kadua 20. Tendabadi 21. Karadapali 22. Madanpur 23. Neliguda 24. Pithakhai.                 |          |
| 4.        | Bhapur            | Kurapara  Baghuapalli Baigania Rakama -do- Padmabati -do- Badasana Golapokhari -do-  Salapada Patharachakada   | 25. Tikarapada 26. Kurabara. 27. Baghuapalli 28. Dhalabandha 29. Rakama 30. Bijipur 31. Chhelia 32. Padmabati 33. Kakadei. 34. Tarabaula 35. Golapokhari 36. Karadapalli 37. Salapada 38. Patharachakada. |          |

K. Prasad

Nuapada

Nuapada

Fetepur

90. Nuapada

91. Fatepur-Pada-Adalbad

92. Arakhakuda

12.

| ı  | 2            | 3                 |              | 4                            | 5 |
|----|--------------|-------------------|--------------|------------------------------|---|
|    |              | Bajrakota         | 93.          | Nuapada-Balaram-             |   |
|    |              | <b>1</b> _        |              | pur                          |   |
|    |              | -do-<br>-do-      | 94 ·<br>95 · | Padasamantrapur<br>Udayagiri |   |
| 2. | K. Prasad    | Bajrakota         | 96,          | Bajrakato                    |   |
|    |              | -do-              |              | Jhadakholi                   |   |
|    |              | •do-              | 98.          | Kundeswar                    |   |
|    |              | -do-              | 99.          | Bramando                     |   |
|    |              | -do-              |              | Kuanarpur                    |   |
|    |              | -do-              |              | Nandala                      |   |
|    |              | -do-<br>Sial      |              | Talatala                     |   |
|    |              | Malud             |              | Nuagaon<br>Fatepur           |   |
|    |              | -do-              | 105.         | Nalakakudi                   |   |
|    |              | -do-              | 106.         | Patharagaria                 |   |
|    |              | -do-              |              | Maludpada                    |   |
|    |              |                   | ·            | Maheswari                    |   |
|    |              | -do-              |              | Budhibar                     |   |
|    |              | -do-              |              | Sahabajpur                   |   |
|    |              | -do-              |              | Malud-Khar                   |   |
|    |              | Satapada          |              | Satapada                     |   |
|    |              | -do-<br>-dc-      |              | Nuagaon<br>Pirijipur         |   |
|    |              | <b>dad</b> ajhara | 113.         | Khit sah                     |   |
|    |              | -do-              | 115.         | Titipa                       |   |
| 3. | Khurda       | Malipur           |              | Tolakei                      |   |
|    |              | -do-              |              | Taraboi                      |   |
|    |              | do-               |              | Malipur                      |   |
|    |              | -do-              |              | Podaput<br>Butani            |   |
|    |              | -do-<br>Haladia   |              | Putani<br>Hatasahi           |   |
|    |              | -do-              |              | Hatasahi                     |   |
|    |              | -do-              | 123.         | Bramhabereni                 |   |
|    |              | -do-              |              | Basanla                      |   |
|    |              | -do-              |              | Halisahi                     |   |
|    |              | -do-              |              | Haladia Baurishal            |   |
|    |              | -do-              |              | Tarukeibalisahi              |   |
|    |              | Keranga           | 128.         | Dibyasinghprasad             |   |
|    |              | -do-<br>-do-      | 129.         | Keranga<br>Kumbhilo          |   |
|    |              | -do-              |              | Godaput                      |   |
|    |              | -do-              | 132.         | Barsahi                      |   |
|    |              | -do-              | 133.         | Thakurpada                   |   |
| 4. | Bolagarh.    | Khajuria          | 134.         | Gopalpur                     |   |
| •  | <del>-</del> | Dalhisahi         | 135.         | Hatasahi                     |   |
|    |              | Palanga           |              | Palangapatna                 |   |
|    |              | Phasioda          |              | Brundapanpur                 |   |

| 14. | Bolagarh. | Khajuria Dalhisahi Palanga Phasioda -dodo- Dabardhua-patna -dodo- | 135.<br>136.<br>137.<br>138.<br>139.<br>140.<br>141. | Gopalpur Hatasahi Palangapatna Brundapanpur Kotapalu Kusapalla Kapasia Dabardhua Chhuda |
|-----|-----------|---|--|---|
|     |           | -do-  |  | Dabardhuapatna  |

| 15. | Chillika | Nimikheta | 144. Ankula    |
|-----|----------|-----------|----------------|
|     |          | Barakula  | 145. Badkula   |
|     |          | -do-      | 146. Patharala |

| 1 2         | 3          | 4                    |    |
|-------------|------------|----------------------|----|
|             | do-        | 147. Totapada        |    |
|             | -do-       | 148. Nuagarh         |    |
|             | -do-       | 149. Barisahi        |    |
|             | -do-       | 150. Aswaripatna     |    |
|             | -do-       | 151. Hatibari        |    |
| Tangi       | Sundarpur  | 152. Nuapada         |    |
|             | ~-do-      | 153. Bhajagarh       |    |
|             | do         | 154. Charigharpatna  |    |
| 6. Bogunia  | Bag'ıamari | 155. Kathakhantia    |    |
|             | -do-       | 156. Baghamari       |    |
|             | -do-       | 157. Atri            |    |
|             | -do-       | 158. Patnibar        |    |
|             | Badaberena | 159. Kantabad        |    |
|             | Durgapur   | 160. Karadagadia     |    |
|             | -do-       | 161. Durgapur        |    |
| K. Prasad   | Sial       | 162. Noliapatna      |    |
|             | -do-       | 163. Siandi          |    |
| Bhubaneswar | Andharpa   | 164. Kujimahal       |    |
| Jatui       | Janla      | 165. Loporoshicolony |    |
| •           | -do-       | 166. Gediapatna      |    |
|             | -do-       | 167. Badaraghunathp  | ur |
|             | Chhanaghar | 168. Kusumati        |    |
|             | -do-       | 169. Gobindapur      |    |
|             | -do-       | 170. Ogharsuan.      |    |

1980-81 Nayagarh Civil Sub-Division

| Sl.<br>No. | , Name of Block | Name of G.P.                             | Name of village where Remarks tube wells have been sunk in drought scheme in 1980-81                                     |
|------------|-----------------|--|--|
| 1.         | Nayagarh        | Sinduria<br>Itamati<br>Badpandasar       | 1. Sinduria (Karansahi) 2. Itmati 3. Badapanduar (neer (P.H.C.) 4. Badapanduasar   |
| 2.         | Gania           | Gania<br>Salapada                        | <ul><li>5. Karadapada</li><li>6. Salapada</li></ul>  |
| 3•         | Odagaon         | Kodanda<br>Od 1gaon<br>Gotipada<br>Kural | <ul> <li>7. Komanda</li> <li>8. Block colony</li> <li>9. Gotipada near M.E.</li> <li>Schol</li> <li>10. Kural</li> </ul> |
| 4.         | Nungaon         | Nuagaon<br>Mahip r<br>Durdura            | 11. Mahitama<br>12. D'wirijha<br>13. Raipur  |

| SI<br>No. | Name of Block | Name of GP.                                | Name of Village where<br>tube wells have been<br>sunk in drought scheme<br>in 1980-81. | Remarks                  |
|-----------|---------------|--|--|--------------------------|
| 1.        | Bhubaneswar   | Patia<br>Chandika<br>Andharua<br>Mendhasal | 1. Patia Routsahi<br>2. Chandaka<br>3. Raghunathapur.<br>4. Chhatabar                  | an death of gamplehamble |

#### Stoppage of Food for Work Programme in States

70. SHRI SURYA NARAIN SINGH: Will the Minister of RURAL RE-CONSTRUCTION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Food for Work Programme has more or less come to a halt in almost all States because of the Food Department's refusal to release wheat for the purpose; and

# (b) if so, the details and Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) No, Sir. On the contrary, a further allocation of 4 lakh tonnes of foodgrains has been made in the last month. The total availability of foodgrains for National Rural Employment Programme during the current year

now stands at 21 lakh tonnes. Compared to wheat larger allocations of rice are being made but the total allocated quantities of foodgrains not being reduced

(b) Question does not arise.

#### Scheme for distribution of sugar during September and October, 1980

- BALASAHEB VIKHE 71. SHRI PATIL: Will the Minister of AGRI-CULTURE be pleased to state:
- (a) the reasons why Government felt the need for a new scheme for internal distribution of sugar during September and October, 1980;
- (b) the broad features of this new scheme:
- (c) how is it that in spite of this scheme, the consumers are still feeling difficulty in obtaining their requirements of non-levy sugar; and
- (d) how the bulk consumers were accommodated in this scheme?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) and (b). The new scheme for distribution of freesale sugar during the months of September and October, 1980 was adopted in view of the high prices in the market at that time and in pursuance of the voluntary offer made by the industry to deliver freesale sugar at a fixed ex-factory price of Rs. 450 per quintal exclusive of excise duty to the nominees of the State Governments for distribution to various categories of consumers at a fixed price during these festival months. Under this scheme, arrangements were made for lifting of freesale quotas for the months of September and October from the factories by the State Government nominees and distribution thereof through fair price shops/Cooperative societies or normal trade channels to various categories of consumers alongwith imported sugar at pooled prices fixed by the State Governments with prior concurrence of the Central Government. The actual distribution arrangements the scales of distribution were however, left to the discretion of the concerned State Governments.

- (c) Reports received from State Governments indicate that, by and large, adequate arrangements made to distribute freesale sugar equitably as possible to various categories of consumers within the overall availability under this special schemes
- (d) All the bulk consumers, excepting certain selected categories of large scale units were covered by the distribution arrangements made by the State Governments and were supplied sugar out of the quotas allocated to Allotments to the exempted categories of consumers were directly by the Central Govt.

#### Purchase of entire arrival of paddy in Punjab

72. SHRI DEVINDER SINGH GAR-CHA: Will the Minister of AGRICUL-TURE be pleased to state:

- (a) whether Government are aware that in Punjab Procurement agencies for Paddy have failed to fulfil their responsibility towards the farmers by not purchasing entire arrival of paddy in the market and by not offering the announced procurement price under one pretext or the other; and
- (b) if so, what immediate steps are being taken to rectify the situa-

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) and (b). No, Sir. Elaborate arrangements for providing effective price support for paddy have been made by the State Government and the Food Corporation of India. In all 566 purchase centres are being operated by Government Agencies. The Govt. of Punjab have reported that the Government agencies have purchased 19.36 lakh tonnes out of 29.58 lakh tonnes of market arrivals which work out to more than 65 per cent of the market arrivals. Farmers are being paid price in accordance with Government policy, subject to specifications prescribed by Government Private trade is also operating in the market. A close watch is being kept on the situation and so far procurement operations are reported to be progressing satisfactorily.

#### Parliamentarians registered with D.D.A.

- 73. SHRI K. RAMAMURTHY: Will the Minister of WORKS AND HOUS-ING be pleased to state:
- (a) the names of ex-MPs, MPs and ex-Metropolitan Council Members who registered with DDA for flats under MIG;
- (b) the names of ex-MPs, MPs and ex-Metropolitan Council Members who have got allotment letters from the DDA, but the possession of flats has not yet been given and the reasons thereof; and
- (c) whether any interest is being given to those who have deposited full cost of the flats but have not yet been given possession of flats by the DDA?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-TARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NA-RAIN SINGH): (a) A statement giving the names of MPs., Ex-N.Ps. and Ex-Metropolitan Council Members whose earnest money is lying in D.D.A. is enclosed.

- (b) The names of the person concerned are as under:-
  - 1. Shri Charan Narzary
  - 2 Shri Mritunjoy Prasad
  - 3. Shri B. Rajagopala Rao
  - 4. Shri Raghavji
  - 5. Shri Vijay Kumar Jain
  - 6. Shri K. Ramamurthy.

The possession of the flats could not be given to the persons at S. No. 1 to 5 as the matter was under consideration of Government. A decision has since been taken and their cases are being finalised. Shri K. Ramamurthy has not paid the amount against the cost of flat demanded by

(c) In cases where full payment has been made but actual possession has

not been given, interest ch.... be paid under the normal rules.

#### Statement

- 1. Mohd. Yunus Saleem
- 2. Shri Pius Tirkey
- 3. Shri P. Kanan
- 4. Shri M. S. Sanjeevi Rao
- 5. Shri Ganga Bhakat Singh
- 6. Shrimati Aziza W/o Shri Raqvi **Imam**
- 7. Shri Anant Ram Jaiswal
- 8. Shri P. Parthasarthy
- 9. Shri Baldev Singh
- 10. Shri Lakhan Singh
- 11. Shri Birender Prasad
- 12. Shri Vijay Kumar Naral Patil
- 13. Smt. Jamuna Devi
- 14. Shri L. L. Kapur
- 15. Shri Maya Prakash Sinha
- 16. Shri B. N. Pande
- 17. Shri Bapu
- 18. Shri M. A. Hannan Alhaj
- 19. Mohd. Shamsul Hasan Khan
- 20. Shri Niranjan Parshad
- 21. Shri Habib Tanwar
- 22. Shri Gargi Shankar Mishra.
- 23. Shri Gulam Mohd. Khan
- 24. Shri Kamlapati Tripathi
- 25. Shri Nathi Singh
- 26. Shri L. G. Havanur
- 27. Shri Ram Kinkar
- 28. Shri Multan Singh Verma
- 29. Shri Anant D. Dave
- 30. Shri Rajeshekhar M. Kober
- 31. Shri Shyam Sunder LaI
- 32. Shri Krishan Lal Sharma
- 33. Shri Saeed Murtaza
- 34. Shri Shyam Sunder Lal Somani
- 35. Shri Tulsi Das Dasappa
- 36. Shri Brij Bhushan Tewari
- 37. Shri S. P. Mandal
- 38. Shri Bashir Ahmed
- 39. Shri P. Chawan
- 40. Shri Sukh Dev Prasad
- 41. Begum Khursid Kidwai
- 42. Mohd. Ismail
- 43. Shri Harcharan Singh.

#### Implementation of Rural Housing **Projects**

- 74. SHRI K. T. KOSALRAM: Will the Minister of WORKS AND HOUS-ING be pleased to state:
- (a) the State-wise break-up of rural housing projects being implemented

or assisted by HUDCO and other housing development agencies like NBCC; and

(b) the amount of investment involved and the number of tenements so far constructed during the past three years, under these schemes?

THE MINISTER OF PARLIAMENT-ARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) and (b). State-wise Projects assisted, investment involved and tenements constructed through financial assistance by Housing and Urban Development Corporation are given in Annexure.

National Buildings Construction Corporation have not implemented or assisted any rural housing project.

# Statement Statement and Year-wise Details on Rural Housing Projects Financed By Hudco

| State               | 1               | 977-78                               |                              | 19                        | 78-79  |                     |                            | 1979-80                              |                             |
|---------------------|-----------------|--------------------------------------|------------------------------|---------------------------|--------|---------------------|----------------------------|--------------------------------------|-----------------------------|
|                     | No. of Projects | Loan<br>amount<br>(Rs. in<br>crores) | Dwelling<br>sanctio-<br>ned; | No.<br>of<br>Pro-<br>ject | amou   | nt ing<br>in sanct- | No.<br>of<br>Pro-<br>jects | Loan<br>amount<br>(Rs. in<br>crores) | Dwelling<br>Sanct-<br>ioned |
| Andhra .<br>Pradesh | I               | 0.03                                 | <b>24</b> 9                  | -                         | -      | • •                 | 7                          | 3 83                                 | 23 <u>5</u> 80              |
| Gujarat .           | 3               | 0.44                                 | 5827                         | 3                         | 1 · 13 | <b>68</b> 00        | 6                          | 1.55                                 | 13790                       |
| Karnataka           | 1               | 5.00                                 | 50000                        |                           |        | • •                 | 4                          | 4.25                                 | 42500                       |
| Kerala .            | 1               | 5.00                                 | 25000                        | 2                         | 3.50   | 20000               | 1                          | 1.00                                 | 5000                        |
| Madhya Pradesh      | , .             |                                      | • • -                        | 2                         | 0.08   | 400                 |                            |                                      |                             |
| Punjab .            | 1               | o· 78                                | 3946                         | • •                       |        |                     | 1                          | 0 93                                 | 4637                        |
| Tamil Nadu          | • •             |                                      |                              |                           |        | • •                 | 10                         | 3 06                                 | 16491                       |
| West Bengal         | • •             | . •                                  | • •                          | ľ                         | 0.04   | 200                 |                            | ••                                   | • •                         |
| -                   | 7               | 11 25                                | 85022                        | 8                         | 4.75   | 27400               | 29                         | 14.62                                | 105998                      |

# समर्थन मूल्य पर धान की वसूली

75. श्री जय राम वर्माः क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि समर्थन मूल्य पर धान की वसूली ग्रभी तक उचित प्रकार से शुरु नहीं की गई है जिसके परिणाम-स्वरुप मंडियों में धान के मूल्य कम हो गये हैं ग्रीर छोटे तथा गरीब किसानों को जिन्हें ग्रपनी ग्रावश्यकतायें

पूरी करने के लिए धान बेचना पड़ता है, हानि हो रही है;

- (ख) यदि हां तो ग्रब तक धान की वसूली के लिये उचित व्यवस्था न करने के क्या कारण हैं ग्रोर इसके लिये व्यवस्था कब की जायेगी ग्रौर प्रत्येक राज्य में इसकी वसूली के लिये लगी हुई एजेन्सियों के नाम क्या है;
- (ग) क्या सरकार को इस बात की भी जानकारी है कि धान के लिये घोषित 105 रुपये प्रति क्विटल के समर्थन मूल्य से किसान संतुष्ट नहीं हैं जिसके परिणाम स्वरुप वे उत्पादन बढ़ाने के लिये निरुत्सा-हित हुए हैं; भ्रीर

(घ) यदि हाँ तो इस मामल में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही करने का विचार है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रार॰ बी॰ स्वामीनायन):(क)ग्रीर (ख). जी नहीं । हालांकि वसूली मौसम के प्रार<sup>म</sup>भ में कुछेक राज्यों में कु<mark>छेक</mark> कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। लेकिन भ्रब उचित प्रबन्ध कर दिये गए हैं। ग्रद्यतन सूचनानुसार वसूली कार्य पूरे वेग से चल रहे हैं। सरकारी एजेन्सियों ने 14-11-1980 तक 25.78 लाख मीटरी टन धान वसूल कर ली हैं जबिक पिछले वर्ष इसी स्रविध के दौरान 14.71 लाख मीटरी टन की बसूली की गई थी ग्रर्थात् वसूली में लगभग 75 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। एक विवरण संलग्न है, जिसमें इस समय धान की वसूली करने में लगी एजेन्सियों का ब्योरा दिया गया है।

(ग) ग्रीर (घ). सरकार ने केवल न्यूनतम समर्थन मूल्य ही निर्धारित किया है ग्रीर किसान ग्रपना उत्पाद बाजार में भ्रत्याधिक उपलब्ध मूल्य पर बेचने में स्वतन्त्र हैं। कृषि मृल्य ग्रायोग की सिफारिशों पर विचार करने के बाद तथा राज्य सरकारों के साथ परामर्श करने के बाद ही समर्थन मूल्य निर्धारित किए गए हैं। कुल मिलाकर सरकार द्वारा निर्धारित किए गए समर्थन मृल्यों के बारे में प्रतिकिया ग्रनुकुल रही है।

#### विवरण

| राज्य | ऐजेन्सी |
|-------|---------|
|       |         |

1. भ्रान्ध्र प्रदेश भारतीय खाद्य निगम, राज्य सिविल सप्लाई कारपोरेशन

| राज्य                          |                  | Ų      | जन्सी            |
|--------------------------------|------------------|--------|------------------|
| 2. हरियाणा                     | भारतीय<br>'हफेड' | खाद्य  | निगम,            |
| 3. हिमाचल प्रदेश               | श भारतीय         | खाद्य  | निगम             |
| 4. जम्मू तथ                    | ा राज्य          | सर     | कार              |
| काश्मीर                        |                  |        |                  |
| <b>5. महाराष्ट्र</b>           | राज्य स          | रकार   |                  |
| 6. पंजाब                       | भारतीय           | खाद्य  | निगम,            |
|                                | राज्य            | सरकार  | र, 'पं0          |
|                                | सप 0',           | 'मार्क | फेड <sup>'</sup> |
| 7. तमिलनाडु                    | भारतीय           | खाद्य  | निगम             |
| -                              | राज्य सि         | विल    | सप्लाई           |
|                                | कारपोरेश         | ान, को | म्राप 0          |
| <ol><li>उत्तर प्रदेश</li></ol> | राज्य र          | परकार, | राज्य            |
|                                | सिविल            | सप्लाई | कार-             |

# समाज कल्याण विभाग के श्रधिकारियों द्वारा की गई विदेशों की यात्रायें

9. दिल्ली

10. पांडिचेरी

पोरेशन, कोग्राप 0

भारतीय खाद्य निगम

भारतीय खाद्य निगम ।

76. श्री दया राम शास्य : नया शिक्षा भ्रौर समाज कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि

(क) समाज कल्याण विभाग के सचिव भ्रीर मधिकारियों ने वर्ष 1978-1979 श्रौर 1980 के दोरान कितनी विदेश की यात्राएं की हैं उन ग्रधिकारियों के नाम क्या हैं प्रत्येक ने कितनी यात्रायें की हैं ग्रौर उन में से प्रत्येक ने राज्यों में विभिन्न केन्द्रों की कितनी यात्राएं की हैं; श्रौंर

(ख) उन की विदेशों की यात्राग्रों पर वर्ष-वार कितना व्यय हुम्रा है ?

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्री (भी एस॰ बी॰ चव्हाण): श्रीर (ख) एक विवरण, जिस में उप सचिव तथा उस से ऊंचे दर्जों के ग्रधिकारियों के सम्बन्ध में जानकारी दी गई है, संलग्न है।

समाज कल्याण विभाग के प्रधिकारियों द्वारा की गई विदेशी यातायें दशनि वाला विवरण

| क्रम संख्या                             | क्रम संख्या अधिकारियों का नाम और विदेशी याताघों की संख्या राज्यों के विभिन्न केन्द्रों | का नाम                           | भ्रौर  | विदेशी | याताः | ों की संख्या | राज्यों म | राज्यों के विभिन्न केन्द्रों<br>को की गई याताओं की सख्या | म केन्द्रों<br>की संख्या | 1                                       | विदेशी<br>खर्च                       | उनकी विदेशी याताओं पर<br>हमा खर्च    | र<br>टियाणी   |
|---|--|----------------------------------|--------|--------|-------|--------------|-----------|--|--------------------------|---|--------------------------------------|--------------------------------------|---|
|   | <u> </u>   |                                  | 19     | 1978 1 | 19 79 | 1980         | 1978      | 19 79  | 1980                     | 1978                                    | 19 79                                | 1980                                 | ł   |
|   | 1  |                                  |        | 2      |       |              |           | 8  | ,                        |   | 4                                    |                                      | 2   |
| → ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ | श्री शरण सिंह, सचिव<br>श्री एस० एम० राजेन्द्र<br>संयुक्त सचिव                          | सिचव<br>राजेन्द्र <sub>न</sub> , |        | - c    | 1 2   | <i>ω</i> 4   | 10        | 41 8<br>8  | 4 4                      | 9 | <b>年。 年。</b> 27152 33532 — (本) 31856 | 。 <b>有。</b><br>52 33532<br>(布) 31856 | *पाता भत्ता भ्रौर दैनिके<br>भत्ते पर हुमा सारा<br>खर्चे विश्व स्वास्थ्य संग-<br>ठन द्वारी उठाया गया।<br>(क) विमान द्वारा याता।<br>के किराये, पाता/दैनिक<br>भत्ते इत्यादि पर खर्चे<br>जापान सरकार द्वारा |
| .s.                                     | श्री भाष्कर घीष, संयुक्त सचिव  | ', संयुक्त र                     | प्तचिव | •      | 81    |              | ı         | 12   | 7 4                      | -                                       | 17516                                | l                                    | ĺ   |

|    |  |                     |                                     |                     | no round (conditions) Ab 1 the Sal   | Answers 170  |
|----|--|---------------------|-------------------------------------|---------------------|--|--|
| S  | (छ) खर्च एशिया ग्रौर<br>वैसिफिक ग्राधिक ग्रौर<br>सामाजिक परिषद | -                   |                                     |                     | (च) (च) खर्च नाणिज्य विभाग<br>द्वारा उठाया गया<br>(ख) खर्च एस० डब्स्यू०<br>डी० सी० ए० पी/संयुक्त<br>राष्ट्र द्वारा उठाया गया।<br>(घ) खर्च ई० एस० सी०<br>ए० थी० (संबुक्त राष्ट्र<br>द्वारा उठाया अग्या। | (ङ) याता भसे/दैनिक भत्त<br>पर सारा खर्च विश्व<br>स्वास्थ्य संगठन द्वारा<br>उठाया मया । |
|    | 1  | 91152               | 11460                               | ł                   | ( <u>d</u>   |  |
| 4  | ł  | 42355 91152         | 1                                   | •                   | (ब)<br>(ङ)   | •  |
|    | ( <u>a</u> )   | 10 13059            | l                                   | 38956               | ( <b>國</b> ) (国)   |  |
|    | t  | 10                  | ł                                   | 1                   | ε 8  |  |
| က  | 1  | 10                  | l                                   | 11                  |  |  |
|    | တ  | ď                   | ļ                                   | 17                  | 4. 9   |  |
|    | ŀ  | 4                   | 2                                   | I                   | -  |  |
| 81 | 1  | 2                   | ł                                   | 1                   | 2  |  |
|    | <b>-</b>   | 2                   | ł                                   | <b>6</b> 1          | 8  |  |
| 1  | पर्द्मा रामचन्द्रन,<br>सर्घिव                                  | श्रीमती निर्मला बुच | श्री के सी० जेटली, संयुक्त<br>गक्ति | कु॰ नजुमदार, निदेशक | डा० ए० बी० बोस, निदेशक<br>अप्राप्त पी० नवानी निदे-   |  |
|    | श्रीमती प<br>संयुक्त   | श्रीमती             | श्री के                             | जि॰ मिल्<br>मिल्    | आ एत ।<br>भी एत  | <u>क</u>   |
|    | 4  | ń                   | တ်                                  | 7.                  | ත්<br>ආ  | į  |

| 3  |                                   |          | (च) खर्च संयुक्त राष्ट्र |                                |                  |      |             | (ज) खर्च यूनिसेफ द्वारा       | , उठाया गया<br>।         | *खर्च इत्टरनेशनल फेंडरेशन,<br>आफ दि ब्लाइन्ड द्वारा<br>उठाया गया ।<br>**खर्च ई० एस० सी० ए०<br>पी० श्रास्ट्रेलिया सर- |
|----|-----------------------------------|----------|--------------------------|--------------------------------|------------------|------|-------------|-------------------------------|--------------------------|--|
|    | 1                                 | l        | ł                        | 1                              | 1                | I    | ŧ           | 1                             | *                        | 4  |
| 4  | 1                                 | 1        | (ৰ)                      | 1                              | 1                | 8760 | 11138       | ল                             | *                        |  |
|    | 1                                 | 3680     | 1                        | 1                              | [                | 1    | J           | l                             | 14608                    |  |
|    | 4                                 | 1        | -                        | i                              | 1                | ო    | 83          | 9                             | -                        |  |
| 8  | 7                                 | 81       | -                        | -                              | ł                | -    | ო           | 9                             | 9                        |  |
|    | 7                                 | S        | 8                        | l                              | 4                | 1    | -           | 1                             | 4                        |  |
| }  |                                   |          |                          |                                |                  |      | _           |                               |                          |  |
|    | 1                                 | 1        | 1                        | ł                              | I                | 1    | 1           | 1                             | 2**                      |  |
| C4 | I                                 | 1        | -                        | I                              | 1                | -    | <del></del> | 1                             | *                        |  |
|    | 1                                 | <b>H</b> | 1                        | I                              | 1                | 1    | ł           | 1                             | ~                        |  |
| 1  | श्री बी० एन० बहादुर, निदे-<br>अक। | w        | 80                       | श्री ए० एम० ऋप, संयुक्त निदेशक | श्री ए० स० कपूर, | ο.   | ~           | साचव<br>श्री एन० एस० खरोला, . | श्रींनात ग्रडवानी, विशेष | कार्य ध्रुप्त (एच०)  |
|    | 10.                               | 11.      | 12.                      | 13.                            | 4.               | 15.  | 16.         | 17.                           | œ<br>œ                   |  |

# Division of sugarcane between various users

### 77. SHRI G. S. REDDI:

# SHRI CHANDRABHAN ATHARE PATIL

Will the Minister of AGRICUL-TURE be pleased to state:

- (a) whether Government have urged the States to pay canegrowers higher than minimum price for sugarcane supplied to the mills;
- (b) if so, whether there is any apprehension of large scale diversion of cane to gur and khandsari units if sufficient price is not paid by mills to canegrowers; and
- (c) whether Government propose to take steps to apportion cane between various users statutorily?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) and (b). Considering the capacity of the factories to pay higher than the minimum price for sugarcane fixed by the Government, the Prime Minister had suggested that the actual minimum cane price payable by the factories in the States should not be less than Rs. 16 per quintal. This could also help to check any likely diversion of sugarcane away from factories for manufacture of gur and khandsari.

(c) There is no proposal under consideration to apportion cane between various users statutorily. However, in certain States like Uttar Pradesh where bonding of cane is done by the State Government, a certain area is designated for supply to each factory.

# Youth under training of Rural Youth for self-employment

- 78. SHRI A. T. PATIL: Will the Minister of RURAL RECONSTRUCTION be pleased to state:
- (a) the number of youths Statewise, who have been trained between 15th August, 1979 and 14th August, 1980 under Training of Rural Youth for Self Employment in the institutional training and through local servicing and industrial units master-craftsmen, artisans and skilled workers; and
- (b) number out of them Statewise, who are employed upto now in Primary, Secondary and Tertiary sectors?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) and (b). Statement giving the available information based on the quarterly progress reports for the TRYSEM programme received from the State Governments is attached. The specific information called for in the parts (a) and (b) of the question is not readily available.

#### Statement

TRYSEM

# FROGRESS OF ACHIEVEMENTS UNDER TRYSEM DURING THE YEAR 1979-80

| ·                    |    |   |   |   |   |   | (POSITIO          | ON AS ON          | SEPTEM                               | BER, 1980   |
|----------------------|----|---|---|---|---|---|-------------------|-------------------|--------------------------------------|---|
| States/UTs           |    |   |   |   | *************************************** |   | Target<br>1979-80 | Number<br>trained | Number<br>under<br>going<br>training | No. of<br>trainees<br>who have<br>set up<br>Units |
| 1                    |    |   |   |   |   |   | 2                 | 3                 | 4                                    | 5.  |
| 1. Andhra Pradesh    | •  | • |   |   |   |   | 6480              | 1003              | 1541                                 | 134   |
| 2. Assam             | •  | • | • |   | •                                       | • | 2680              |                   | 134                                  | NR  |
| 3. Bihar             |    |   | • | • | •                                       | • | 11740             | 323               | 165                                  | 107   |
| 4. Gujarat .         |    |   | • | • | •                                       | • | 4360              | 10636             |                                      | NR  |
| 5. Haryana .         |    | • |   |   |   | • | 1740              | 594               | 191                                  | 232   |
| 6. Himachal Pradesh  | ١. | • |   |   |   | • | 1380              | 8                 | 664                                  | NR  |
| 7. Jammu & Kashmi    | ir |   | • | • | •                                       |   | 1500              | <b>@</b>          |                                      | ••  |
| 8. Karnataka         |    |   |   |   |   | • | 3500              | 1361              | NR                                   | NR  |
| 9. Kerala .          | •  |   | • | • | •                                       |   | 2880              | 100               | 40                                   | NR  |
| 10. Madhya Pradesh   |    | • | • |   | •                                       |   | 9160              | 612               | 724                                  | 33  |
| 11. Maharashtra      |    |   |   |   | •                                       |   | 5920              | 4331              |                                      | 336   |
| 12. Manipur .        |    |   |   | • | •                                       |   | 520               | 30                |                                      |   |
| 13. Meghalaya .      |    |   |   | • | •                                       | • | 480               | @                 |                                      |   |
| 14. Nagaland .       |    |   | • |   |   | • | 420               | 61                |                                      |   |
| 15. Orissa           |    | • | • | • | •                                       | • | 6280              | 202               | 5500                                 | NR  |
| 16. Punjah .         |    |   | • | • | •                                       | • | 2340              | ••                | 144                                  | NR  |
| 17. Rajasthan .      |    | • | • |   |   | • | 4640              | 395 <b>4</b>      | 1498                                 | 476   |
| 8. Sikkim .          |    |   | • |   |   | • | 80                | @                 |                                      | • •   |
| 19. Tamil Nadu       |    | • | • | • | •                                       | • | 7540              | 8164              | NR                                   | 2889  |
| o. Tripura .         |    |   | • |   | •                                       | • | 340               | 530               | NR                                   | NR  |
| 11. Uttar Pradesh    |    | • |   | • | •                                       | • | 17520             | 7909              | 1 7626                               | 5 <b>75</b>                                       |
| 12. West Bengal      |    | • | • | • | •                                       | • | 6700              | @                 | ••                                   | G60   |
| Union Territories    |    |   |   |   |   |   |                   |                   |                                      |   |
| 3. A & N Islands     | •  | • | • | • | •                                       | • | 150               | 15                | 15                                   | NR  |
| 4. Arunachal Pradesh |    | • | • |   | •                                       | • | 960               | @                 | ••                                   | ••  |
| 5. Chandigarh        |    |   |   | • | •                                       | • | 20                | ••                | 30                                   | NR  |

| 1            |        |        |   |   | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |   |   | 2      | 3     | 4     | 5,  |
|--------------|--------|--------|---|---|---------------------------------------|---|---|--------|-------|-------|-----|
| 6. Dadra &   | Nagar  | Haveli | • |   | •                                     | • | • | 20     | @     | • •   | . * |
| 27. Delhi .  | •      | •      | • | • | •                                     | • | • | 100    | €6    | 75    | 5   |
| 8. Goa, Dar  | man &  | Diu    | • | • | •                                     | • | • | 240    | @     | • •   | •   |
| 29, Lakshadv | weep.  | •      | • | • | •                                     | • | • | 100    | @     | • •   |     |
| 30. Mizoram  |        | •      | • | • | ٠                                     | • | • | 400    | @     | • •   |     |
| 31. Pondiche | erry . | •      | • | • | •                                     | • | • | 80     | • •   | 240   | NR  |
| A1 1         | L INDI | A      |   |   |                                       |   | - | 100220 | 39899 | 28527 | 478 |

<sup>\*</sup>Since the Scheme was implemented w. e. f. 15-8-1979, target or the year 1979-80 has been reduced to half.

NR- Not reported.

@Not implemented.

#### Prospects of sugar production

79. SHRI CHANDRABHAN ATHARE PATIL: Will the Minister of AGRI-CULTURE be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that in spite of good sugarcane crop this year as compared to that of the previous year, the prospects of sugar production are not so bright; and
- (b) if so, the reasons for the said imbalance?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) and (b). Having regard to good sugarcane crop this year as compared to that of previous year, the sugar production in 1980-81 season is being estimated at about 52—54 lakh tonnes as against 38.6 lakh tonnes in 1979-80 season.

# उक्कीन झौर झन्य नगरों के बीच-टेलीफोन करने की सुविधा

80. श्री फूल चन्च वर्मा: क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या टेलिफोन विभाग के उज्ज्रीन मंडल के भंतर्गत रतलाम, मन्दसौर, जाबरा तथा नीमच को एक विशेष सेवा व्यवस्था (समक्ष प्रणाली) द्वारा बम्बई, दिल्ली, जयपुर, ग्रहमदाबाद जैसे दूरस्थ नगरों से जोड़ने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ; ग्रीर

(ख) यदि हा, तो सरकार द्वारा इस संबंध में भ्रब तक क्या कार्यवाही की गई है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (भी कार्तिक उरांव): (क) जी हां, नीमच को छोड़ कर।

(ख) रतलाम, जावरा, मन्दसौर, सह-धुरीय केबुल योजना को मंजूर कर दिया गया है श्रौर इसे 1982 में इसकी स्थापना करने की योजना है । सूक्ष्मतरंग प्रणाली पर रतलाम पहले ही राष्ट्रीय दूरसंचार जालकार्य से जुड़ा हुग्ना है ।

#### Damage to crop due to hallstorm in Haryana

- 81. SHRI SURAJ BHAN: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) the loss suffered by the farmers in Haryana District-wise, on

180

account of heavy damage to their crops by hailstorms in October, 1980; and

(b) the financial assistance the Central Government have already given or propose to give to the State aggrieved farmers through Government?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE SWAMINATHAN): (a) (SHRI R. V. According to the report of the Government of Haryana a hailstorm of moderate to severe intensity lashed fairly large areas in the districts of Ambala, Kurukshetra, Karnal and Sonepat on the 8/9th (night) October, 1980. About 275 villages been adversely affected. The final district-wise figures of loss would be available on the receipt of the results of the girdawari which are in progress in these districts.

(b) The Government of Haryana have not sought any Central assistance

#### Distribution of free-sale sugar in States

- 82. SHRI NAVIN RAVANI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) which were the States that could not arrange proper distribution of free-sale sugar from 1st September, 1980:

- (b) what were the quotas distributed to each State by the Centre; and
- (c) what steps were taken to tighten the distribution machinery?

THE MINISTER OF STATE IN THE OF AGRICULTURE MINISTRY (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) According to the information received from State Governments, only a few States namely, Haryana, Maharashtra and Punjab could finalise their arrangements and start distributing sugar under the new scheme evolved for the festival months from 1st September, 1980. However, during the first and second weeks of September, most of the State Governments were suitable distribution able to make arrangements.

- (b) A statement is attached.
- (c) The State Governments were advised to arrange lifting of sugar from factories either through their State Civil Supplies Corporations or cooperative agencies and utilise their net work of fair price shops and ration shops under the public distribution Instructions were also issystem. sued to the State Governments to streamline their distribution arrangements by keeping a watch over the activities of anti\_social elements indulging in black-marketing etc. and also to carry out periodical raids by the inspection staff to eliminate the chances of leakage of sugar in the black-market.

#### Statement

State-wise quota of free sale sugar (indigeneous and insported sugar) for September, October and first fortnight of November, 1980

(tonnes) Sl.No. State/Union Territories September October Ist fort-Total night of 1980 1980 Nov. 1980 2 6 3 4 5 1. Andhra Pradesh 4564 2000 10300 3735 2. Assam 288 I 1600 8000 3519 3. Arunachal Pradesh 90 110 250

| <b>(8</b> ) | Written .    | Answ          | ers   |   | KART | rika | 26, | 1902 | (SAKA) | Writte      | n Answers    | 182               |
|-------------|--------------|---------------|-------|---|------|------|-----|------|--------|-------------|--------------|-------------------|
| 1           | 2            |               |       |   |      |      |     | ***  | 3      | 4           | 5            | 6                 |
| 4.          | Mizoram      | •             | •     |   | •    | •    | •   | •    | 90     | 110         | 50           | 250               |
| 5.          | Bihar .      |               | •     |   | •    |      | •   | •    | 2746   | 3354        | 1500         | <b>7</b> 600      |
| _           | Gujarat      | •             | •     | • | •    | •    | •   | •    | 13505  | 16495       | 7500         | 37500             |
| 7.          | Maharashtra  |               | •     |   | •    | •    | •   | •    | 30161  | 36839       | 16700        | 83700             |
| 8.          | Kerala .     | •             | •     | • | •    | •    | •   | •    | 6258   | 7642        | 3400         | 17300             |
| 9.          | Lakshdwcep   | •             | •     | • | •    | •    | •   | •    | ••     | 30          | 20           | 50                |
| 0.          | Madhya Fra   | d <b>es</b> h | •     | • | •    | •    |     | •    | 6392   | 7808        | 35co         | 17700             |
|             | Tamil Nadu   |               | •     | • | •    | •    | •   | •    | 9589   | 11711       | 5300         | <b>266</b> 00     |
|             | Karnataka    | •             | •     |   | •    | •    | •   |      | 6528   | 7972        | <b>3600</b>  | 18100             |
| 3.          | Orissa .     | •             | •     |   | •    | •    | •   | •    | 1080   | 1320        | <b>6</b> 00  | 3000              |
| 4.          | Punjab       | •             | •     | • | •    | •    | •   | •    | 13505  | 16495       | 7500         | 37500             |
| 5.          | Haryana      |               |       |   | •    | •    |     | •    | 4862   | 5938        | 2700         | 13500             |
| 6.          | Chandigarh   |               | •     | • | •    |      |     | •    | 315    | 385         | 170          | 870               |
| 7.          | Rajasthan    | •             | •     | • | •    | •    | •   | •    | 5987   | 7313        | 3300         | 16600             |
| 8.          | Uttai Prades | h             |       |   | •    |      | •   | •    | 12830  | 15670       | 7000         | 35500             |
| 9.          | West Bengal  |               | •     |   |      |      | •   |      | 10219  | 12481       | <b>56</b> 00 | 28300             |
| œ.          | Jammu & K    | ashmi         | r     |   | •    |      |     | •    | 675    | 825         | 350          | 1850              |
| 21          | . Delhi      | •             | •     | • | •    | •    | •   | •    | 1396   | 1704        | 2500         | 5600              |
| 2.          | Himachal Pr  | adesh         | 1     |   | •    | •    | •   | •    | 1350   | 1600        | 600          | 3550              |
| 3.          | Manipur      | •             | •     | • | •    | •    | •   | •    | 45     | 55          | 30           | 130               |
| 4.          | Tripura      | •             | •     | • | •    | •    | •   | •    | 90     | 110         | 50           | 250               |
| :5.         | Pondicherry  |               |       |   |      | •    |     | •    | 165    | 195         | 80           | 440               |
| 6.          | Sikkim       |               | •     |   |      | •    | •   | •    | 45     | 55          | 30           | 130               |
| 7.          | Goa .        |               | •     | • | •    |      | •   | •    | 490    | <b>59</b> 0 | 250          | 1330              |
| ≀8.         | Dadra & Na   | gai H         | aveli | • | •    | •    | •   | •    | 45     | 55          | 30           | 730               |
|             | Nagaland     |               |       |   | •    | •    | •   | •    | 135    | 165         | 8o           | 380               |
| ю.          | Andamans     |               |       |   |      |      |     | •    | • •    | 30          | 20           | 50                |
| 31.         | Meghalaya    | •             | •     | • | •    | •    | •   | •    | 45     | 55          | 30           | 130               |
|             | Total        |               |       |   |      |      |     |      | 135255 | 165195      | 76140        | <b></b><br>376590 |

<sup>\*3 500</sup> tonnes of additional free sale sugar allotted to Delhi Admiristration for each of the morths of Septen her and Cotcher, 1980 and 1000 terms for first feetings to i Nevember, 1980.

### बबीरपुर क्षेत्र विस्ती में जनता पतेटों का धार्वटम

- 83. श्री नवल किशोर शर्मा: क्या निर्माण और शाकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
- (क) क्या दिल्ली विकास प्राधिकरण ने 500 रुपये से 800 रुपये तक की वार्षिक ग्राय वाले गरीब तथा कमजोर वर्गों के लोगों के लिए वजीरपुर क्षेत्र में जनता फ्लैटों का निर्माण करा लिया है;
- (ख) यदि हां, तो सरकार को इस बात की जानकारी है कि इन फ्लैटों को झब गरीब तथा कमजोर वर्गों के लोगों के बजाये झमीर व्यक्तियों द्वारा ले लिया गया है ; श्रीर
- (ग) यदि हाँ, तो सरकार का इस विषय में क्या कदम उठाने का विचार है ग्रौर यदि नहीं, तो क्या सरकार का इस संबंध में ग्रविलम्ब जांच कराने ग्रार ग्रावश्यक कार्यवाही करने का विचार है?

संसदीय कार्य तथा निर्माण और ग्रावास मंत्री (श्री भीष्म नारायण सिंह ): (क) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सूचित किया है कि उनके द्वारा वजीरपुर क्षेत्र में बनाये गए जनता फ्लैंटों को नीचे दिये गये ग्राय ग्रुप के पंजीकृत व्यक्तियों को ग्राबंटित किया गया था :—

- 1. 1973 तक पंजीकृत 3000 रुपये प्रति वर्ष किये गये व्यक्ति से ग्रधिक नहीं
- 2. 1976 में पंजीकृत 6000 रूपये प्रति वर्ष किए गए व्यक्ति से ग्रंधिक नहीं
- (ख) जी, नहीं । दिल्ली विकास आधिकरण ने सूचित किया है कि उनको

ऐसे अन्तरण का ज्ञान नहीं है। कोई भी आबंटी उनकी लिखित रूप से पूर्व अनुमित के बिना किसी भी पलैट को बेचा/अन्तरण नहीं कर सकता। ऐसी कोई अनुमित नहीं दी गई है। तथापि, आबंटियों द्वारा अपने फ्लेटों को किराये पर देने में प्रतिबंध नहीं है।

(ग) प्रक्त ही नहीं उठता ।

# कम लागत के मकानों के सम्बन्ध में धनुसंधान

- 84. श्री केशव राव पारधी : क्या श्रावास श्रीर निर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :
- (क) क्या राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन ग्रौर केन्द्रीय भवन ग्रनुसधान संस्थान ने कम लागत के मकानों के निर्माण के संबंध में ग्रनुसंधान किया है ; ग्रौर
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्योरा क्या है ?

संसदीय कार्य तथा निर्माण ग्रोर ग्रावास मंत्री (श्री भीष्म नारायण सिह): (क) केन्द्रीय भवन ग्रनुसंधान संस्थान ने कम लागत के मकान बनाने संबंधी ग्रनुसंधान किया है जब कि राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन ऐसे ग्रनुसंधान कार्य के व्यवहार में लाने के लिए प्रोत्सहान देने पर लगा हुन्ना है।

- (ख) केन्द्रीय भवन अनुसंघान संस्थान रूड़की द्वारा किये गए अनुसंघानों में से कुछ निम्नलिखित है :---
- (1) संस्थान ने पूर्वविरचित छत तथा फर्श एककों के बहुत से डिजाइनों को तैयार किया भीर विकसित किया है जो

वागत भीर समय की बचत करते है भीर परम्परागत प्रबलित सीर्घेन्ट स्लेबों की बनिस्वत जिन में लोहा भौर सीमेन्ट कम लगता है।

- (2) इसने कम लागत के मकानों के लिए एक पूर्व विरचित विक पैनल पद्धति का विकास किया है। दीवार पैनल केवल सिरों पर उठाने वाले हकों सहित भ्रप्रवलित है परन्तु छत के पैनलनम मान्न को प्रवलित है।
- (3) मकानों के लिए विकसित की नई पूर्व विरचित की दूसरी पद्वति निर्माण का एक कंकीट फेम तथा कोई स्रायताकार फिलरटाइप एकक है। इस पद्धति में पूर्वनिर्मित घटक केवल पांच प्रकार है है ।
- (4) इसमें 30 सै॰ मी॰ X 20 सै॰ मी॰ X 15 सै । मी । की पूर्वनिर्मित पत्थर के चिनाई ब्लाक बनाने की एक स्कीम विकसित की है जिसमें 12 सैं० मी० ग्राकर तक पत्थर तथा मीमेंन्ट कंकीट का पतला मिलावा प्रयुक्त होता है। इन ब्लाको का एक ⊉रफ पत्थर मानिन्द है ग्रौर इनका बजन लगभग 21 किलोग्राम है।

### स्कुलों में योग प्रशिक्षण

- 85. भी नन्द किशोर शर्मा: क्या शिक्षा **धौर समाज कत्याण मंत्री** यह बताने की कूपा करेंगे कि :
- (क) क्या स्कूल शिक्षा के साथ मनिवार्य रूप से योग प्रशिक्षण सहित शारीरिक प्रशिक्षण देने के प्रश्न पर सरकार विचार करेगी ; श्रीर
- (ख) यदि हां, तो इस बारे में सरकार के विचार क्या हैं ग्रीर इस दिशा में सरकार नब तक कार्यवाही करेगी?

शिक्षा भीर समाज कल्याण मंत्री (श्री शंकरराव अव्हाण):(क) तथा (ख). स्कल शिक्षा की पद्धति के अंतर्गत शारीरिक जिला मनिवार्य विषयों में से एक है। राष्ट्रीय शैक्षिक ग्रनसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद् द्वारा तैयार की गई ''कक्षा I X के लिए शारीरिक शिक्षा की प्रारूप पाठ्यचर्या" में भी योग, जुडो तथा लोक नृत्य ग्रादि जैसे कार्य-कलाप शामिल है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने सभी केन्द्रीय विद्यालयों के प्रयोगात्मक ग्राष्ट्रार पर योग को एक स्वतंत्र विषय के रूप में लागू करने का निर्णय किया है।

#### Holding of Asian Games

86. SHRI CHANDRAJIT YADAV: SHRI DAULAT RAM SARAN:

Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:

- (a) when the Asian Games proposed to be held in India;
- (b) which of the State Governments are making preparations to facilities provide for the Asian Games:
- (c) the nature of the facilities to be provided by the State Governments and the estimated expenditure likely to be incurred thereon;
- (d) whether, in view of the heavy burden on the exchequer in providing facilities for the Asian Games, country's economic tight position and other priorities requiring Government's attention, Government would consider the question of postponing the Asian Games; and
  - (e) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE B. CHAVAN): (a) 31st October, 1982. to 14th November, 1982.

188

- (b) and (c). Government of India and Delhi Administration are making all preparations to provide facilities for the Asian Games. However, whereever necessary, cooperation of State Governments will be sought.
  - (d) No, Sir.
- (e) Government wish to honour the international commitments made by the Indian Olympic Association to host the games in 1982.

#### Shortage of accommodation in Major General/Head Post Offices in Kerala

- 87. SHRI A. A. RAHIM: Will the Minister of COMMUNICATIONS pleased to state:
- (a) whether there are acute accommodation shortage in some major general/Head Post Offices in Kerala;
- (b) how many head Post Offices are still housed in rented buildings in Kerala region; and
- (c) the steps taken to construct spacious and improved buildings for Major Head Post Offices in Kerala?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON): (a) Shortage of accommodation from considerable to moderate extent exist in five Major Head Offices;

- (b) 21 Head Post Offices.
- (c) Departmental buildings for 5 Head Post Offices, at present housed in rented buildings, are under construction. Construction of 3 more departmental buildings for the Head Post Offices housed in rented buildings would be undertaken at the appropriate time when funds for the purpose become available. Action is being taken to acquire land for cons\_ truction of departmental buildings for the remaining 13 Head Post Offices housed in rental buildings. Exten\_ sion to departmental building housing Palghat Head Office is in progress It

is not possible to make extension to the existing General Post Office building at Trivandrum for want of enough land. Action is being taken to procure one acre of land from the State Government for General Post Office Trivandrum.

#### Dispute between D.D.A. and M.C.D. in Ashok Vihar, Delhi

- 88. SHRI RAM VILAS PASWAN: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:
- (a) whether Government are aware of the dispute between D.D.A. and M.C.D. about taking over by M.C.D. of Group Housing Pockets KC/KD and 1A/1B Blocks in Ashok Vihar, Delhi:
- (b) for how long the dispute is going on and when it is likely to be resolved:
- (c) whether it is a fact that because of disputes, M.C.D. has withdrawn safai karamcharis from the above area; and
- (d) if so, what steps have been taken by D.D.A. to mitigate the sufferings of the residents because of withdrawal of safai karamcharis by M.C.D.?

THE MINISTER OF PARLIA-MENTARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) and (b). There is no dispute as such. The proposal of the DDA for handing over services in these pockets in Ashok Vihar is under consideration of the MCD since 1977-78. The MCD have called for certain information and documents from the DDA. The matter will be finalised on receipt of the same.

(c) and (d). The MCD have reported that from Public health point of view and for improving environmental sanitation, sometime tation is carried in group programme. The DDA has reported that arrangements exist for proper scavenging purposes.

#### Sports and game facilities to Educational Institutions

- 89. SHRI A. NEELALOHITHA-DASAN. Will the Minister of EDU-CATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:
- (a) whether Government have any proposal to make necessary changes in the present system of education to provide adequate facilities in the educational institutions to enable students to learn and practice sports and games in their student career; and
- (b) whether it is a fact that in vast majority of educational institutions sports and games suffer from gross neglect?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) and (b). Sports is a State subject. The primary responsibility for development and promo\_ tion of sports therefore rests with State Governments. The Central Government's role is generally confined to providing coordination and consul\_ tancy services to States and to laying guidelines for promotion of sports.

In so far as Kendriya Vidalayas are concerned, games and sports are compulsory for every student.

Under the 10+2 system of education, physical education of which games and sports from a part, is a compulsory subject.

#### Post of Rural Development Officer in Andaman Nicobar Islands

- 90 SHRI MANORANJAN BHA-KTA: Will the Minister of RURAL RECONSTRUCTION be pleased to state:
- (a) whether Union Government have received a proposal for creation of the post of Rural Development Officers for Andaman and Nicobar Islands:
- (b) if so, when the post was created; and
  - (c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND RURAL RECONSTRUC\_ AND IRRIGATION (SHRI TION RAO BIRENDER SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). A decision has been taken to create the post.

#### Drinking Water in Rural India

- PRAMILA DAN-91. SHRIMATI the Minister DAVATE: Will WORKS AND HOUSING be pleased to state:
- (a) the number of villages without potable drinking water facilities;
- (b) the number of villages provided with drinking water facilities Independence till end of 1977;
- (c) the number of villages which have been covered under Rural Water Supply Programme and as a minimum needs programme during 1977 to 1980;
- (d) by which date the country will attain its target of having not a single village without drinking water facilities?

THE MINISTER OF PARLIA-MENTARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) In a survey 1972, 1.55 lakh undertaken during villages were identified as villages based on the following criteria: ---

- (i) Those not having an assured source of drinking water within reasonable distance (1.6 km) or guineaworm infestation.
- (ii) Those which suffer from excess salinity, iron, fluorides other toxic elements hazardous to health.
- (iii) Those where sources of water are liable to the risk of cholera or guineaworm infestation.

However, many State Governments mentioned subsequently that 1972 survey was incomplete and that

for this reason as well as drought conditions subsequently the number of problem villages had increased. State Governments have been requested to furnish information about number of problem villages remaining to be covered as on 1.4.1980. mation is yet to be received from many State Governments. It is, however, estimated that the total number of problem villages yet to be covered as on 1.4.1980 may be about 2 lakhs.

- (b) Out of the problem villages identified during 1972 about 40,000 villages were provided with drinking water facilities till the end of March. 1977.
- (c) The number is 52.377 problem villages out of those identified in 1972.
- (d) The target is to provide drinking water to all the remaining problem villages during the Sixth Plan (1980-85).

#### Excavation in Mithila

- 92. SHRI BHOGENDRA JHA: Will the Minister of EDUCATION SOCIAL WELFARE be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No 6706 on 4th August, 1980 regarding excavation in Mithila and state:
- (a) whether such excavations are proposed to be undertaken at Kalna in Umagaon bloc, Uchchaitha Benipatti bloc of Madhubani District at Ahilyasthan in Jalsy bloc of Darbhanga District and other ancient sites in the Mithila region in order to help reconstruction of history:
- (b) whether the State Government of Bihar is being advised and assisted to undertake excavations; and
  - (c) if not, reasons therefor?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) to (c) There is no proposal at present to undertake excavation at Kalna Uchchaitha, Ahilyasthan and other ancient sites in the Mithila region nor any such proposal has been received from the State Government.

In matters of excavation, the policy, of the Archaeological Survey of India has been to undertake only problem oriented works and in view of the results obtained from the already excavated sites in the region during the last thirty years, the sites indicated in the Question do not seem to offer any archaeological problem for solution.

#### Achievement Audit Committee of Indian Council of Agricultural Research

#### 93. SHRI JANARDHANA P00-JARY:

Will the Minister of AGRICUL-TURE be pleased to state:

- (a) whether the I.C.A.R is supposed to set up Achievement Audit Committees for each research institute under its control to suggest improvement in the working of the institu-
- (b) if so, whether it is also a fact that I.C.A.R. is delaying the setting up of these audit bodies; and
  - (c) if so, the details in this regard?

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF AGRICUL-TURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) Yes Sir.

- (b) It is not a fact that the I.C.A.R. is delaying, and
- (c) the setting up of Audit Bodies for its Research Institutes.

The first achievement audit became due when the Institutes, transferred to I.C.A.R. in 1966 at the time of its re\_organisation, completed five years of their functioning under the I.C.A.R. system. The first roster for the functioning of Achievement Audit Committee was accordingly prepared 1970 and the achievement audit was conducted in respect of 22 Institutes during the period 1971—74, spread over a period of three years.

In the second phase, Achievement Audit Committees for 5 Research Institutes were constituted in 1977. During 1980 another 13 Achievement Audit Committees were constituted guidelines. according to the revised The position of the Achievement Audit Committees in respect of another 7 Research Institutes has been finalised and the consent of the mem\_ bers is being ascertained for issue of orders. Steps are also being constitute Achievement to Audit Committees for the 7 Research Institutes for which the audit would be due only in 1981-82

#### Number of Branch P.O. and P.C.O. opened in the Country, State-wise

#### 94. SHRI SAMAR MUKHERJEE: SHRI BASUDEB ACHARYA:

Will the Minister of COMMUNICA-TIONS be pleased to state:

- (a) the number of Branch Post Offices and PCOs opened in the country. State-wise, during the current year: and
- (b) the target for the year 1980, State-wise?

THE MINISTER OF STATE IN OF THE MINISTRY COMMUNI-(SHRI KARTIK CATIONS ORAON): (a) and (b). Circle-wise targets for the current year 1980-81 and number of post offices opened from 1-4-1980 to 30-9-1980 are indicated an the Annexure. Information regarding the number of P.C.Os. opened during the current year and the target for 1980-81 is being collected and will be laid on the Table of the House

#### Statement

|     |                     |       |      |   |   |   |   |   | Targets fixed for opening of P. Os. during 1980-81. | Branch Offices ope<br>ned from 1-4-80 to<br>30-9-80 |
|-----|---------------------|-------|------|---|---|---|---|---|---|---|
|     |                     | 1     |      | - |   |   |   |   | 2   | 3   |
| ŀ.  | Andhra P            | rades | h    | • | • |   |   |   | 160   | 230   |
| 2.  | Bihar               | •     |      | • | • | • |   | • | 125   | 164   |
| 3.  | Delhi               | •     |      | • |   | • |   |   | 10  | 1   |
| 4.  | Gujarat             | •     |      |   |   |   |   | • | 90  | 77  |
| 5.  | J&K .               |       |      |   | • |   | • |   | 75  | 3   |
| 6.  | Kerala              |       |      | • |   |   |   | • | 75  | 3   |
| 7.  | Karnatak            | а     |      |   | • | • | • |   | 90  | 52  |
| 8.  | Madhya 1            | Prade | sh . |   |   | • |   |   | 115   | 1 99  |
| 9.  | Maharash<br>Goa     | tra   |      | • | • |   |   |   | 115   | 166   |
| 10. | North East          |       |      |   | • | • | • | • | 100   | 24  |
|     | Arunacha<br>Manipur |       | aesh | • | • | • | • | • |   | 4   |
|     | M ghalay<br>Mizoram | a     | •    | • | • | • | • | • |   | 2 }   |
|     | Nagaland<br>Tripura |       |      | • | • | • |   | • |   | <u> </u>  |

|              |                   | I     |      |   |   |   |   | 2               | 3           |
|--------------|-------------------|-------|------|---|---|---|---|-----------------|-------------|
| ; 1.         | North Wester      | n Cir | rcle | 6 | • | • | • | 110             |             |
|              | Punjab .          |       |      |   | • | • | • |                 | 21          |
|              | Haryana .<br>H.P. |       | •    |   | • | • | • |                 | 6 }<br>27 } |
|              | н.Р. ,            | •     | •    | • | • | • | • |                 |             |
| F <b>2</b> . | Orissa .          | •     | •    | • | • | • | • | 125             | 31          |
| <b>13.</b>   | Rajasthan         |       | •    |   | • |   | • | <sup>1</sup> 55 | 133         |
| 14.          | Tamilnadu         |       | •    |   |   | • | • | 90              | 16          |
| 15.          | <b>U</b> .P       | •     |      | • | • |   | • | 100             | 18          |
| <b>*</b>     | West Bengal       |       |      |   | • |   |   | 75              | 3           |
|              |                   |       |      |   |   |   | - |                 |             |
|              |                   |       |      |   |   |   |   | 1600            | 1186        |

#### Promotion Avenues in P. & T.

95. SHRI SUSHIL BHATTACHAR-YA: Will the Minister of COMMUNI-CATIONS be pleased to state:

- (a) what is the fate of 20 per cent premotional scheme in P&T introduced in the year 1974 and whether it is sufficient or department is going to consider more promotional avenues for non-gazetted staff;
- (b) if so, what are those and when will be implemented:
- (c) whether this scheme is being implemented in all cadres of P&T Department all over India;
- (d) if so, what is the position of its implementation, Circle-wise, in postal side;
- (e) whether promotional orders are being issued timely and the number beneficiaries in preceding years with percentage of staff; and
- (f) whether there is provision of confirmation of officials on the post in PLT?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON): (a) to (f). The 20 per cent

promotional scheme was introduced in 1974 to provide better promotional avenues to the staff in P&T Depart-It has been implemented in various cadres of the Department all over the country. Promotional orders are generally issued in time. Confirmation of officials on their posts is made in accordance with the existing rules and orders of the Government. As regards number of beneficiaries with percentage of staff as well as Circlewise (Postal), the information is under collection and will be placed on the Table of the House Recently the staff have represented for at least two promotions in one's official career. It is under active consideration of the Department.

#### Post Offices opened in Burdwan District

96. SHRI SUSHIL BHATTACHAR-YA: Will the Minister of COMMUNI-CATIONS be pleased to state:

- (a) the number of Branch Post Offices and PCOs opened in the Burdwan district of West Bengal during the current year; and
  - (b) the target for the year 1980:

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(SHRI KARTIK ORAON): (a) No Branch Post Office or PCO has been opened in Burdwan District during the financial year 1980-81 so far.

(b) Target for the financial year 1980-81 is 1 Branch Post Office and 7 PCOs. Establishment of P.C.O. is subject to availability of stores.

#### Government Servants Co-operative House Building Society Limited, Vasant Vihar, New Delhi

97. SHRI S. M. KRISHNA: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 21 on the 9th June, 1980 regarding Government Servants Co-operative House Building Society Limited, Vasant Vihar, New Delhi and state:

- (a) whether Government's attention had been drawn by the DDA to the provisions of Clause VIII of the Perpetual Sub-Lease executed by the allottees of Shanti Niketan with the Dolhi Administration according to which any dispute arising in such matters shall be referred to the Lt. Governor for arbitration:
- (b) if so, the reaction of Government thereto:
- (c) if not, whether Government will get the matter re-examined the light of the above provisions and afford necessary relief to the Shanti Niketan allottees instead of leaving it at the mercy of the Registrar, Cooperative Societies, Delhi as 'an intra-Society dispute', and state the outcome thereof: and
  - (d) if not the reasons therefor?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-TARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) No, Sir.

- (b) Does not arise.
- (c) and (d). No, Sir, as the decision of the Delhi Administration that the enhanced compensation is payable by the allottees of the plots in Shanti Ni-

ketan has been upheld by the Delhi High Court.

#### Negotiation for Supply of Cross Bar System from Sweden

### 98. SHRI S. M. KRISHNA: SHRI HARIKESH BAHADUR:

Will the Minister of COMMUNICA-TIONS be pleased to state:

- (a) whether he visited Sweden recently to negotiate for the supply of cross bar system peddled by I. M. Ericsson and if so, the details of the deal proposed to be finalised;
- (b) the reasons for not going in for the Electronics Exchange System product lines in preference to the outmoded and outdated Cross-bar Electro-Mechanical Switching System; and
- (c) the stage at which the proposed expansion of the indigenous Indian Cross-bar Project (ICP) stands?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON): (a) The Minister of Communications recently visited four European countries including Sweden to familiarise himself with the current practices regarding the operations of tele-communication services and the manufacture of telecommunication equipments, at the invitation of the governments of these countries. The visit to Sweden was not intended to negotiate the supply of cross-bar system.

- (b) Electro-Mechanical Crossbar Switching Systems are in extensive use world-wide and cannot as yet be considered as out-moded and outdated Apart from implementing earlier plans for additions to indigenous production capacity for Electro-mechanical switching equipment, steps are also beind taken to set up new factories for Electronic switching systems both for transit and local exchanges to meet the rising public demands.
- (c) The Indian Cross-bar project Group was set up for development of system, design of circuits, manufacture

and installation of equipment for the local and trunk automatic exchanges suitable for working in Indian conditions. The Group has succeeded in installation of a 2,000 line local exchange of I.C.P. design which has been working satisfactorily. A 1,000 line trunk automatic exchange of I.C.P. design has also been commissioned.

# News-item 'Postal Authorities Fooled by Stamp'

- 99. SHRI S. M. KRISHNA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:
- (a) whether Government's attention has been drawn to the news item captioned 'Postal authorities fooled by Stamp' appearing in the Times of India, New Delhi dated the 21st October, 1980;
- (b) if so, the reaction of Government thereto; and
- (c) the steps which Government propose to take to obviate such fraudulent stamps being used and going undetected by the postal staff?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). As per the existing instructions and Rules the articles bearing this type of label should have been treated as 'Bearing Letters' and due postage should have been charged from the addressee because the label was not a postage stamp. In fact, some letters with the labels of this kind were detected and charged as un-paid articles.

Fresh instructions have been issued to the staff to be more careful in handling of mails and detection of such cases.

#### Different Water Rates in Baba Kharag Singh Marg, New Delhi

100. SHRI BHEEKHABHAI: Will the Minister of WORKS AND HOUS-ING be pleased to state:

(a) whether Government are aware that residents of Flat Nos. 896—1090

- at Baba Kharag Singh Marg, New Delhi are being charged Rupees Sixteen per month for water supply;
- (b) whether the residents of other flats in the same colony are being charged rupees nine per month for water supply;
- (c) if so, the reasons for charging different rates:
- (d) the criteria adopted for charging such an exorbitant amount and whether the same criteria is being followed with regard to other colonies; and
  - (e) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) to (e). The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

#### Water Supply in Baba Kharag Singh Marg, New Delhi

- 101. SHRI BHEEKHABHAI: Will the Minister of WORKS AND HOUS-ING be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that there is very scanty water supply in the multi-storeyed quarters on Baba Kharag Singh Marg, New Delhi especially to quarter numbers 896—1090;
- (b) whether it is also a fact that these multi-storeyed quarters have been constructed without first making adequate provision of water supply; and
- (c) the steps Government propose to take for regular supply of water to these quarters?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) No, Sir.

- (b) No, Sir.
- (c) Since the summer season, two tube-wells have been anergised

for augmenting the water supply being received from NDMC. Action has also been taken to provide an underground and an overhead tank to further improve the water supply.

## डाक-वर बचत बैंक खातों के ड्रा के वरिनाम प्रकाशित करना

- 102. भी बिहास सिंह : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :
- (क) क्या यह सच है कि डाक-घर बचत बैक खातों में कम से कम रु० 200 या इससे मधिक की राशि बनाए रखने वाले व्यक्तियों के संबंध में निकाले जाने वाले ड्रा के परिणाम समाचारपत्नों में प्रकाशित नहीं होते है, जिसके परिणाम-स्वरूप जमाकर्ताम्रो को ड्रा के परिणामों की सूचना नहीं मिल पाती;
- (ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार ऐसी व्यवस्था करने का है जिसमे इन ड्रा के परिणाम समाचार पत्नों में प्रकाश्वित हो सके ; श्रीर
- (ग) गत तीन वर्षों, 31 म्रक्तूबर, 1980 तक, के दौरान राज्यवार पूरस्कार पाने बाले जमाकतिस्रों का व्यौरा क्या है?

# संचार मंद्रालय में राज्य मंत्री (भी कार्तिक उरांव) : (क) जी नहीं।

- (ख) प्रश्न ही नही उटता ।
- (ग) 1,00,000 रुपये, 50,000 रुपये, 20,000 रुपये श्रीर 5,000 रुपये के प्रथम चार इनाम जो 31-10 80 को समाप्त होने वाले गत तीन वर्षों के 6 ड्राम्रो के दौरान जीते गए है, उनका राज्यवार विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है। प्रस्थालक में रुक्षर गया । देखिए संस्का Lt 1320/80 500 रुपये के पांचथे

क्यामः कींद 50 करने के कड़े क्यान की बहुंकारी बाह्रों की संख्या के भनुसार दिया, काता हैं । पहला इनाम त्रस्पेक दस हजार कातों के लिए ग्रीर बाद बासा प्रत्येक हजार खाती के लिए दिया जाता है । इसलिए इन पांचों इन्हामों को विभिन्न राज्यों द्वारा प्रत्येक राज्य में प्रह्रंकारी खातों की संख्या प्रमुपात के प्रनुसार जीता जाता है।

#### Conservation and Development of Orchide

- 103. SHRI S. B. SIDNAL: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that orchids in India are in danger due to ruthless collection by exporters and deforestation and felling of trees; and
- (b) the steps taken to conserve and develop the orchids?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) Orchids were exploited in the past for export and some species have been critically endangered.

- (b) The following steps have been taken:--
  - (i) Export of Orchids is strictly regulated under the Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora since 1976 when India became a party to this Convention. Export of endangered species of Orchids of wild origin is now completely banned.
  - (ii) Protection and conservation of forests is being given very high importance and special attention is being given to forest areas having rare or unique natural vegetation. This is likely to improve the status of the Orchids.
  - (iii) The Botanical Survey of India and a few States in the North-East

have initiated action to grow rare species of Orchids for propogation. Three Orchidariums have been set up also by the Botanical Survey of India at Shillong, Ootacamund and Pauri Garhwal. Motion is also being taken to constitute nature reserve and sanctuaries in areas where rare species or Orchids grow naturally.

#### Financial and other Assistance to Mithila University

104. SHRI BHOGENDRA JHA: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 7508 on 11th August, 1980 regarding financial and other assistance to Mithila University and state:

- (a) whether the Government of Bihar has since fulfilled its obligations in regard to the Mithila University;
- (b) if so, the details thereabout, if not, Government reaction thereon;
- (c) whether the U.G.C. has sanctioned entirely or partially the 1e-commendations made for the development of the University; and
- (d) if so, details thereabout and the target date for their completion; if not, further steps being contemplated?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S B. CHAVAN): (a) and (b). According to the information furnished by the University Grants Commission, the Government of Bihar had informed the Commission that the State Government had, till 1979-80, incurred an expenditure of Rs. 1.40 crores on the L.N. Mithila University for buildings, books and journals, post-graduate development, research, students welfare etc, and that they were committed to a further expenditure of Rs. 60.00 lakhs during 1980-81. The Commission had requested the State Government in October, 1980 to send the details of expenditure on post-graduate departments and students welfare alongwith the

number of faculty positions created and filled up in the University. This information has not yet been received.

- (c) No, Sir.
- (d) The question of sanctioning development grants will be considered by the Commission only after all the required information is received from the State Government.

#### Draft Central Sports Legislation

- 105. SHRI A. NEELALOHITHADA-SAN NADAR: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WEL-FARE be pleased to state:
- (a) whether there has been any proposal to prepare a draft Central Sports Legislation; and
- (b) if so, at what stage the proposal is at present?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) and (b). There has been so far no proposal to prepare a draft Central Sports Legislation.

#### Drinking water supplied in Baba Kharag Singh Marg, New Delhi

106. SHRI BHEEKHABHAI: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

- (a) whether the water supplied to the occupants of newly constructed quarters on Bawa Kharag Singh Marg, New Delhi (896 to 1090) is bitter in taste:
- (b) whether it is also a fact that the tube-well water supplied to the residents of these quarters was declared as health-hazard and the health authorities/Delhi Corporation advised the C.P.W.D. to mix half of the Yamuna water with the tube-well water:
- (c) if so, whether the Yamuna water is being mixed with tube-well water before it is supplied; and
- (d) if so, the name of the authority responsible for its regular check?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) No, Sir. However as the water supply is partly through tubewell, the taste differs slightly from river water.

- (b) No. Sir.
- (c) Yamuna water is mixed with tube-well water before supply, because the tube-well has been connected to the sump where water from NDMC is also received.
- (d) Usual checks are exercised by sending the sample occasionally to the laboratory.

# Unauthorised Construction of Shops on Pandit Pant Marg, New Delhi

107. SHRI BHEEKHABHAI: Will the Minister of WORKS AND HOUS-ING be pleased to state:

- (a) whether Government are aware that a large number of unauthorised shops have come up on Pandit Pant Marg (in front of Yoga Ashram), New Delhi; and
- (b) if so, steps being taken or proposed to be taken to remove such unauthorised encroachment and to keep the area neat and clean?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) and (b). Yes, there were some unauthorised shops which have since been removed.

#### Demands of Delhi School Teachers

108. SHRI VIJAY KUMAR YADAV: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:

- (a) whether a delegation on behalf of teachers of Delhi met the Minister on the 24th October, 1980 and made a request to look into their demands expeditiously:
- ' (b) if so, what are their demands;

- (c) whether it is a fact that a committee was appointed in 1979 to look into their demands;
- (d) Whether Government had received the report of the committee and if so, suggestions made therein; and
- (e) when the Government's dedsion is likely to be made in the matter?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) Yes, Sir.

- (b) The demands put up by the Joint Council of Delhi Teachers Organisation are listed in the statement attached.
  - (c) Yes, Sir.
- (d) and (e). Yes, Sir. The matter is still under consideration.

#### Statement

Demands put up by Joint Council of Delhi Teachers Organisation

- 1. Revision of pay scales.
- 2. Grant of Selection Grade on completion of 8 years service.
- 3. Conversion of Rs. 425-640 scale into Rs. 440-750 scale in case of (1) Junior Craft Teachers, (2) Junior Physical Education Teachers, (3) Junior Domestic Science Teachers, (4) Junior Language Teachers, (5) Junior Music Teachers, (6) Junior Dance Teachers and (7) Headmanters, Primary Schools.
- 4. Provision of earned leave for teachers
- 5. Medical allowance for all the teachers in replacement of re-imbursement scheme.
- 6. Provision of Joint Consultative Machinery with statutory powers on the pattern of Central Government employees.
- 7. Free education for teachers' wards upto University level, including professional courses, such as medical, engineering etc.
- 8. Age of retirement to be enhanced to 60 years extendable upto 65

years on the pattern of University teachers.

All the schools in Deiti to be upgraded to 12 years school on 10 phis 2 pattern of education.

#### Cuntraily sponsored Social Welfare Schemes in States

109 SHRI SHIV KUMAR SINGH: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELAFRE be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that Government are considering to 183. 400 crores in the country on centrally sponsored social welfare schemes as reported in the "Indian Express' of 16th October 1980;
- (b) if so, the details of the schemes and plans on which the amount will be spent, State-wise and what will be share of Madhya Pradesh; and
- (c) whether some request have been received from State Governments for increase of the amount; if so, the details thereof particularly about Madhya Pradesh?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRIS.B. CHAVAN): (a), (b) and (c). The Sixth Plan outlay for Social Welfare sector has not been finally decided apon as yet.

#### Tele-communication Facilities to Sri Lanka

110. SHRI SHIV KUMAR SINGH: Will the Minister of COMMUNICA-TIONS be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that Sri Lanka Government have approached the Government of India to route their international telecommunication traffic via the earth stations at Bomhay:
- (b) if so, the action taken by Gov-**Ernment** in this regard;

- (c) whether an agreement reached between the two countries in this regard and if so, the thereof; and
- (d) the extent to which Indian overseas telecommunication traffic will be affected adversely/favourably?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON): (a) Yes, Sir. For a temporary period during which modifications will be carried out on the Sri Lanka earth station.

- (b) Arrangements are being made to route Sri Lanka international telecommunication traffic via the Indian Satellite earth station at Arvi (near Pune) by providing 3 groups of 12 circuits each between Colombo and Bombay. The circuits are being built up partly on the existing UHF network in Sri Lanka, partly on the Indo-Sri Lanka microwave scheme which is now in advanced stage of installation and partly on the Indian P&T terrestrial network of Coaxial/microwave medium upto Bombay.
- (c) Agreement was reached through an exchange of letters between the operative administrations. A formal request was made by the Sri Lanka administration to Indian P&T and OCS for making the above mentioned arrangements. A provisional nental of Rs. 2.03 lakhs per annum with a minimum guarantee period of 3 months was quoted for carrying the traffic on the Indian P&T network. This was accepted by Sri Lanka OTS charges for routing the traffic at Bombay via the Earth station will be accounted for, through the common wealth accounting system.
- (d) Indian overseas telecommunication traffic will not be affected since the Sri Lanka traffic will be provided in the spare capacity available in the Arvi earth station.

### Believe of Sugar for Diwasi Fortulation

# 111. SHRI SHIV KUMAR SINGH: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that Government released 90,000 tonnes of sugar for free sale for the Diwali fortnight:
- (b) if so, the extent to which it will meet the requirements of the consumers keeping in view the September and October release of 75,000 tonnes each; and
- (c) the steps taken or proposed to be taken to bring down the price of sugar in the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) and (b) Under the voluntary price regulation scheme operative from 1st September to 15th November, 1980, 3 lakh tonnes of free sale sugar (indigenous imported) was released for allocation to the State Governments for both the months of September and October 1980—1.35 lakh tonnes for September and 1.65 lakh tonnes for October. On this basis the quantum of release for the first fortnight of November worked 75,000 tonnes but as against this higher quantity of 90,000 tonnes was released for the said 15 days for meeting the increased demand on account of Diwali festival which fell on 7-11-1980.

(c) Sugar industry's voluntary offer for sale of free sale sugar at the agreed price of Rs. 450 per quintal exclusive of excise duty for 2-1|2 months period from 1-9-1980 was accepted by the Government with a view to make available free sale sugar to the consumers during festival season at fixed prices. The scheme has expired on 15-11-1980 and free sale sugar is being sold through normal trade channels as per practice obtaining prior to 1st September 1980. Government would keep a watch on the trend of sugar prices in open market and would take necessary corrective measures if prices tend to increase beyond levels.

### Delay in Relief Operations in Origan

- 112. SHRI N. E. HORO: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether Government have seen press reports that Government machinery had completely failed to take timely rescue and relief operations and there was nobody to help the hungry and homeless even three days after the calamity in the State of Orissa:
- (b) whether the people were not informed and warned of the possibility of the flood<sub>3</sub> which came in the night and they were caught unawares in their beds; and

#### (c) if so, the facts thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) to (c). The inhabitants of the riparian towns and villages on the banks of the river Vansadhara were warned on time through flood messages. Three warnings were given on the 17th at Gunupur and each time people were evacuated to safer places. The last wireless message from Gunupur on 18th September was received from the Circle Inspector of Police at Gunupur at 7.00 A.M. reporting inundation of floog water at Gunupur and disrupting communications from all sides of Gunupur. These warnings also helpvillagers across the border in Andhra Pradesh

In coastal Orissa affected by the river Mahanadi almost hourly warning messages were relayed by All India Radio. The areas likely to be submerged and the weak points in the embankments were identified and duly published so as to caution people likely to be affected to move to safer places well ahead. Round the clock guard of the weak points in the embankments was ensured.

Rescue and relief operations were taken in all flood affected areas on war footing. Rail and road communication having been snapped the State

Revenue Minister accompanied by 'the State Relief Commissioner and the Additional Chief Engineer made an aerial survey of the affected areas by the Vansadhara river on the 18th afternoon by the State plane. The Memorandum submitted by the State Government indicated that relief had been organised during the 18th to 20th September with the rice stock available in Gunupur. Free kitchens were also run by the local voluntary organisations and local Government officers and the Fire Services during 19th and 20th September, Nearly 15 M.T. of food packets, 500 kgs, of medicines, disinfectants, phynele anti-snake vaccine etc. were dropped on the 21st and 22nd September in Gunupur, Gudari and Kashinagar areas. After the road link to Gunupur was restored, truckloads of foodgrains, essential commo\_ dities like tents, bamboo-talai, chuda, salt, gur were rushed. The Chief Minister reached Gunupur on 20th September and went round the flood ravaged town.

As regards the flood affected areas by the Mahanadi, all the available power boats under the State Government relief organisations were pressed into service to reach marooned and flood affected villages within hours of their distress. Air dropping of food was taken up on 22nd September 1980. Over 33 M.T. of food materials have been air dropped.

Thus it will be observed that the relief and rescue operations were undertaken in all affected areas and the entire Government machinery had been geared to provide relief to the affected people without any loss of time.

#### Loss due to Floods in Bihar

113. SHRI N. E. HORO: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the Central Government have collected information regarding the loss of life and property due to floods in the State of Bihar recently;

- (b) whether the Central Government have come forward to assist the State of Bihar in this regard; and
- (c) if so, the details regarding the financial assistance provided by the Central Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN TERMINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) According to the reports of the State Government, the extent of damage on account of recent floods in Bihar is as under:—

- (1) Area affected -19.20 lakh ha.
- (2) Cropped area affected -9.96 ., ,,
- (3) Number of houses/huts affected -81015
- (4) Number of human lives lost. -67
- (5) Number of cattle hear's perished. -42
- (6) Eastimated loss to
  Public properties-Rs. 54 crores
- (b) and (c). On the request of the Government of Bihar, a Central Team visited that State from the 28th—31st October, 1980 for an on the spot assessment of the damage caused by floods in the State and estimation of the requirements of funds by the State Government to meet the situation. The Central Team has recommended a ceiling of expenditure of Rs. 26.47 crores. The proposal is under consideration of Government of India.

# राज्यों में सूखे तथा वर्षा के कारण खरीक कसल को हुई हानि

114. श्री बोलत राम सारणः क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) देश के प्रत्येक राज्य में ऐसा क्षेत्र तथा जनसंख्या क्या है जो हाल ही में सूखे तथा भारी वर्षा के कारण खरीफ फसल के नष्ट होने से प्रभावित हुं हैं;
- (ख) क्या सरकार को पता है कि गत 2-3 वर्षों से राजस्थान में ग्रकाल की गंभीर स्थिति है ग्रीर सूख क कारण 26 जिलों में से 21 जिलों के हजारों गांवों में ग्रकाल के कारण इस वर्ष भी स्थिति गंभीर है;
- (ग) क्या भ्रकाल की गंभीरता के बारे में जानकारी देते हुए राजस्थान ने किसी सहायता की मांग की है भ्रौर भ्रन्य राज्य कौंन-कौन से हैं जिन्होंने भ्रकाल के बारे में जानकारी दी है; भ्रौर
- (घ) देश के स्रकाल से प्रभावित हुए लोगों तथा उनके पशुस्रों की सुरक्षा के लिये केन्द्रीय सरकार द्वारा क्या प्रबन्ध किये गए है स्रथवा करने का विचार है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ग्रार॰ बी॰ स्वामीनाथन): (क) एक विवरण संलग्न है।

(ख) से (घ) . राजस्थान, हरियाणा, कर्नाटक तथा श्रान्ध प्रदेश की सरकारों ने श्रपने राज्यों में सूखे की स्थिति की सूचना दी है श्रौर सूखे की स्थिति का मौके पर जायजा लेने तथा स्थिति से निपटने के लिए वित्तीय जरूरतों का मूल्यांकन करने के लिए केन्द्रीय दलों को दौरे पर भजने का श्रनुरोध किया है । श्रान्ध प्रदेश, हरियाणा तथा कर्नाटक की राज्य सरकारों ने शापन भेजे हैं । राजस्थान

सरकार से मभी ज्ञापन प्राप्त होना है। भारत सर ार सूखे से प्रभावित राज्यों को केन्द्रीय दल भेजने के विषय में विचार करेगी।

#### विवरण

| क्रम<br>संख्या | राज्य | प्रभावित<br>सस्यगत | प्रभावित<br>ग्राबादी |
|----------------|-------|--------------------|----------------------|
|                |       | क्षेत्र            |                      |
|                |       | (लाख               | (लाख में)            |
|                |       | हैक्टेयर           | )                    |

|                     | (लाख<br><b>हैक्टे</b> यर | (लाखा म <i>)</i><br>) |
|---------------------|--------------------------|-----------------------|
| 1 . <b>बाढ़-र्ग</b> | ोड़ित रा <b>ज्</b> य     |                       |
| 1. ग्रान्ध्र द्रदेश | 0.24                     | 1.76                  |
| 2. भ्रसम            | 2.88                     | 33.59                 |
| 3. बिहार            | 9.96                     | 74.45                 |
| 4. गुजरात           | 2.74                     | 27.02                 |
| 5. हरियाणा          | 0.80                     | 2.25                  |
| 6. कर्नाटक          | . 0.28                   | 3.42                  |
| 7. केरल             | . 0.68                   | 36.00                 |
| 8. उत्तर प्रदेश     | 30.94                    | 303.47                |
| 9. उड़ीसा           | . 3.55                   | 26.39                 |
| 10. प० बंगाल        | 1.41                     | 20.00                 |
| 11. हिमाचल प्रदेश   | नगण्य                    | 0.06                  |
| 12. महाराष्ट्र      | 0.03                     | 0.02                  |
| 13. पंजाब ,         | 0.45                     | 0.85                  |
| 14 राजस्थान         | नग∍य—                    | -                     |
| 15. मणिपुर मूल्यांव | न किया जा<br>रहा है ।    | 3.00                  |
|                     | <del></del>              |                       |

योग 53.89 532.28

### 2. सूखे से प्रभावित राज्य

- 1. मान्ध्र प्रदेश 10.42 14.10
- 2. कर्नाटक 49.67 90.00 (बिना बुमाई के 21.11 अंत सहित)

3 राजस्थान

151.27

4. हरियाणा

4.36 12.79

\*राज्य सरकार ने सत्य निरीक्षण रिपोर्टों के ब्राधार पर 26 जिलों में से 25 जिलों के 18,959 गांवों को ग्रभाव-ग्रस्त घोषित कर दिया हैं।

#### Postal Facilities in New D.D.A. Colonies of Delhi

115. SHRI KRISHNA PRATAP SINGH: Will the Minister of COM-MUNICATIONS be pleased to state:

- (a) what are the postal facilities provided by Government in the newly developed colonies of Delhi where the D.D.A. had allotted plots of land under the 20 Point Programme;
- (b) whether it is a fact that in some of these colonies in Delhi, no post office facilities have been provided and even no letter boxes have been put for the benefit of the residents there; and
- (c) when the post office facilities are likely to be provided there and when it is proposed to put letter boxes there?

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF COMMUNICA-KARTIK ORAON): TIONS (SHRI (a) to (c). There are 17 newly developed resettlement colonies in Delhi. 27 Post Offices are already functioning in these colonies in departmental buildings. Colonies with more than one block/phases have been provided with more than one post office. 3 more post offices have been ordered to be opened in these colonies. 61 letter boxes are installed in the resettlement colonies. Further facilities will be provided as the requirement increases.

## संचार मंद्राक्षय में काम कर एहे अनु-सूचित जाति तथा अनुसूचित प्राविमजाति कमेचारियों तहित कर्मचारियों की संख्या

- 116. श्री हीरालाल श्रार० परमार: क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
- (क) उनके मंत्रालय तथा उसके प्रधीनस्थ संगठनों में कार्यरत कर्मचारियों की कुल संख्या कितनी है ग्रौर उमे से प्रत्येक संगठन मे ग्रनुसूचित जाति तथा श्रनुसूचित ग्रादिमजाति कर्मचारियों की संख्या कितनी है तथा इस बारे में पूर्ण क्यांरा क्या है, ग्रौर
- (ख) क्या उनके मंत्रालय तथा उसके श्रधीनस्थ संगठनों में विभिन्न श्रेणियों के कुछ पद खाली पड़े है श्रीर उनमें से कितने पद अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिमजातियों के लिए श्रारक्षित है श्रीर उन पदों को कब तक भरे जाने की संभावना है ?

संचार मंद्रालय में राज्य मंद्री (श्री कार्तिक उरांव ): (क) ग्रौर (ख). जानकारी देश भर में फैली एकको से इकठ्ठी की जा रही है। इसे लोक सभा के पटल पर रख दिया जायेगा।

### हिन्दुस्तान टैलीप्रिन्टर्स लि० में विदेशी सहायता

- 117. भी हीरालाल ग्रार॰ परमार: क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
- (क) हिन्दुस्तान टैली प्रिन्टर्स लि॰ में विदेशी सहायता से विद्युत टंकण मशीनों, इलैक्ट्रानिक्स टैलिप्रिन्टरों ग्रीर कम्प्यूटरों के फालतू पुर्जी का निर्माण करने की संभावनाधों का पता लगाने के लिए यत तीन क्षों के दौरान कोई प्रतिकिधिमंडल बिदेश भेजा गया था; ग्रीर

वर्ष

(बा) यदि हां, तो इस प्रतिनिधि-अंडल ने कौन-कौन से देशों का दौरा किया किया या इस प्रतिनिधि मंडल ने वापसी पर जो प्रतिवेदन प्रस्तुत किए हैं उनका व्योरा क्या है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कार्तिक उरांव ) : (क) जी हां। (ब)

जिन देशों का दौरा

|         | किया उनके नाम                                |
|---------|--|
| 1977-78 | इटली श्रीर पश्चिम जर्मनी।                    |
| 1978-79 | इटली, पश्चिम जर्मनी,<br>ब्रिटेन ग्रीर फांस । |
| 1979-80 | संयुक्त राज्य ग्रमे-<br>रिका कौर इटली ।      |

बापसी पर प्रतिनिधिमंडलें। द्वारा प्रस्तूत रिपोर्टों का पूरा ब्योरा संसम्न विवरण में दिवा गया है।

### विवरण

हिन्दुस्ताल टैलिप्रिन्टर्स लिमिटेड, मद्रास द्वारा पिछले तीन क्यों (1977-78 से 1979-80) के दौरान विदेश भेजे प्रतिनिधिमंडलीं की रिपोर्टी का ब्यौरा। (एक) 1977-78:

हिन्दुस्तान टैलीप्रिटर्स लिमिटेड के अध्यक्ष धौर हिन्दुस्तान टैलीप्रिंटर्स लिमिटेड के उप-प्रबन्धक (इलैक्ट्रोनिक्स) को मिला कर बने एक प्रतिनिधिमंडल ने मैसर्स बालीवटी बाफ इटली बौर मैसर्स सीमेन्स भाफ वैस्ट जर्मनी के प्रतिनिधियों के साथ भारत में इलैक्ट्रोनिक्स टैलीभिटर व बिजली से जलने वाला टाइपराइटर बनाने के प्रस्ताव पर वहां जाकर बात की थी। इनकी दोनों कम्पनियों के प्रबन्धकों के साम प्रतिनिधिमंडल की बातचीत बहुत

उपयोगी रही । इन दोनों कम्पनियों ने भारत में बिजली से चलने वाला टाइप-राइटर बनाने के काम में हिन्दुस्तान टैली-प्रिटर्स लिमिटेंड को तकनीकी जानकारी देने में सहयोग की इच्छा प्रकट की। मैसर्स ब्रालीवटी ने यह भी सुझाव दिया कि हिन्दुस्तान टैलीप्रिटर्स लिमिटेड उनके लाइसेंस के ग्रधीन बिजली से चलने वाले टाइपराइटर बनाने का काम शुरू कर दे। (बी) 1978-79:

हिन्द्स्तान टैलिप्रिटर्स लिमिटेड के भ्रध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, वित्त प्रबन्धक तथा उत्पादन प्रबन्धक को मिला कर बने प्रतिनिधिमंडल में नीचे लिखीं कम्पनियों के कारखानों का दौरा किया:---

- 1. मैसर्स भालीवटी ग्राफ इटली
- मैसर्स भ्रोलिम्पया वर्क्स भ्राफ बैस्ट जर्मनी
- मैसर्स सीमैन्स श्राफ बैस्ट जर्मनी
- 4. मैसर्स कोसोर इलैक्टोनिक्स आफ मु० के०
- मैसर्स भाई० ० टी० कीड श्राफ यु०के०
- 6. मैसर्स टेली आफ यू० के• तथा
- 7. मैसर्स लोगाबक्स आफ फांस।

प्रतिनिधिमंडल ने भारत में बिजली से चलने वाली टाइपराइटर भौर इलैक्ट्रोनिक्स टेलीप्रिटर्स बनाने की संभावनाओं पर इन कम्पनियों के उच्च स्तर के कार्यकारियों के साथ चर्चा की । इन चर्चाग्रों के म्राधार पर कम्पनी ने बिजली से चलने वाले टाइपराइटर बनाने के लिए एक व्यवहार्यता रिपोर्ट सैयार की है । यह व्यवहार्यता रिपोर्ट श्रव भरकार के विचारा-क्षींग है।

### (নীশ) 1৮79-৪0 :

हिन्दुस्तान टैलीप्रिटर्स लिमिटेड भ्रपने उत्पादन में विविधता लाने के उद्देश्य से भारत में कम्प्यूटर पेरिफेरियल्स बनाने के प्रश्न पर विचार कर रहा है । हिन्दु-स्तान टैलीप्रिटर्स लिमिटेड के ग्रध्यक्ष एवं प्रबन्धक निदेशक कम्प्यूटर मैन्टेनेन्स कारपोरेशन के परियोजना प्रबन्धक श्रौर हिन्द्स्तान टैलीप्रिंटस के उप-प्रबन्धक (पेरिफेरियल्स) को मिलाकर बने एक प्रतिनिधिमंडल ने जून 1979 में संयुक्त राज्य श्रमेरिका का दौरा किया तथा वहां **गीचे लिखी कम्पनियों** के प्रतिनिधियों से बातचीत की :---

- 1. मैसर्स कन्ट्रोल डाटा कारपोरेशन संयुक्त राज्य भ्रमेरिका
- 2. मैसर्स डाटा प्रोडक्ट्स, संयुक्त राज्य ग्रमेरिका
- 3. मैसर्स सुगार्ट एसोसिऐट्म, संयुक्त राज्य भ्रमेरिका
- 4. मैसर्स मैमोरेक्स कार्पोरेशन. संयुक्त राज्य ग्रमेरिका
- मैसर्स कालाकाम्प, संयुक्त राज्य ग्रमेरिका, तथा
- 6. मैसर्स डाटा 100 कारपोरेशन. संयुक्त राज्य भ्रमेरिका ।

इन चर्चाग्रों के ग्राधार पर हिन्दुस्तान टैलीप्रिटर्स लिमिटेड, भारत में लाइन प्रिटर्स ग्रौर फ्लोप्पी डिस्क ड्राइब्स जैसे कम्प्यूटर के पेरिफेरियल्स बनाने के कार-खाने स्थापित करने के प्रस्ताव बना रहा है ।

#### Vocational Training for Women in Distress

118. SHRI M. V. CHANDRASHE-KARA MURTHY: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WEL-FARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a scheme to set up vocational training centres with provisions for residence women in distress and their children which was drawn by the Ministry has been introduced;

- (b) if not, what are the reasons for the delay;
- (c) what are its main features;
- (d) when the scheme is likely to be introduced?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) Yes, Sir.

- (b) Does not arise.
- (c) It is a Centally Sponsored Scheme under which assistance is given to recognised voluntary organisations to set up centres for training and rehabilitation of women in need in the age group of 18-50 years, in different vocations—Training course is normally upto six months' duration and each batch consists of 20 to 40 trainees. Assistance includes cost of trainers, raw materials, and stipends for trainees, rent of building. Rehabilitation grant Rs. 500/- per trainee at the end of the course is also given. Ten per cent cost of the training centre is borne by the voluntary organisation and the rest is given as grant by the Central and State Governments equally.
- (d) The scheme is already under implementation since 1977-78.

### टेलीफोन उपकरणों का निर्यात

- 119. थी हीरालाल ग्रार॰परमार: क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :
- (क) जनवरी से भ्रक्टूबर, 1980 की भवित्र के दौरान इंडियन टैलीफोन्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा, देशवार, कितनी माला में भौर कितने मूल्य के टैलीफोन उपकरणों का निर्यात किया गया ; स्रोर
- (ख) गत तीन वर्षों के दौरान किए गए निर्यात की तुलना में यह कितना न्यू-नाधिक है ?

संचार मंद्रालय में राज्य मंत्री (शी कार्तिक उरांव): (क) इंडियन टैलीफोन इण्डस्ट्रीज लिमिटेड ने जनवरी से प्रकटबर, 1980 की भवधि में कुल 109.85 लाख द० की लागत के विभिन्न प्रकार के दूरसंचार उपस्करों का निर्यात किया । इसमें टेलीफोन उपकरण, एक्सचैन्ज उपस्कर, पारेषण उपस्कर, ग्रौर ग्रतिरिक्त पुर्जे शामिल हैं। इस अवधि में िये निर्यात का देशानुसार खुलासा संलग्न विवरण में दिया है।

(ख) पिछले तीन वर्षों में इसी प्रविध में किए निर्यात का कृल मृल्य नीचे दिया है :---

| श्रवधि       | निर्यात का       |
|--------------|------------------|
|              | मूल्य            |
|              | (लाख रुपयों में) |
| w 45 <u></u> |                  |

जनवरी--- मक्टूबर, 1978 165.82 जनवरी--- ग्रक्टूबर, 1979 75.80

निर्यात में ग्राई गिरावट का मुख्य कारण यह है कि सलाहकार सेवाग्रों के निर्यात श्रादेश प्राप्त करने का काम श्रब, संचार मंत्रालय के भ्रधीन, एक भ्रन्य सर-कारी क्षेत्र का नया उपक्रम-टैलिकम्यू-निकेशन्स कन्सलटैन्ट्स (इन्डिया) लिमिटेड कर रहा है।

#### विवर्ग

इंडियन टैलीफोन इण्डस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा जनवरी-प्रक्ट्वर, 1980 के दौरान विभिन्न

| देशों को किए गए निर्यात का खुल | ास |
|--------------------------------|----|
|--------------------------------|----|

| विति का बुलासा     |
|--------------------|
| निर्यात . का मूल्य |
| (रुपयों में)       |
| -                  |
| 1,14,400           |
| 1,000              |
| 9,100              |
| 5,97,300           |
| 18,300             |
| 300                |
| 46,79,300          |
| 7,700              |
| 57,300             |
| 20,99,500          |
| 2,44,800           |
| 24,58,600          |
| 2,30,000           |
| 1,14,500           |
| 13,400             |
|                    |

16 भारत\* विश्व बैंक तथा 3,39,900 पश्चिम जर्मनी में (जमा धन)

कुल मूल्य

राज्य

1,09,85,400

\*इण्डियन टेलीफोन इण्डस्ट्रीज ने विदेशी मुद्रा ग्रर्जित की ।

224

# Plan for Integrated Eural Development

120. SHRI CHITTA BASU: Will the Minister of RURAL RECONSTRUCTION be pleased to state:

- (a) whether Government have since formulated a comprehensive plan of action for the Integrated Rural Development; and
  - (b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF AGRICULTURE RECONSTRUCTION AND RURAL (RAO BIRENDRA SINGH): (a) Yes, Sir. The various on-going programmes Smalı Farmers Development viz. Agency Integrated Rural Development, Special Livestock Production Programme Training of Rural Youth for Self-Employment (TRYSEM) etc. have been amalgamated into a single comprehensive programme of Integrated Rural Development, and the new programme has been extended to all the blocks in the country.

(b) The programme envisages assisttance to about 3,000 families per block during the current plan period for enabling them to raise their incomes above the poverty line. The assistance will be in the form of subsidy @25 per cent to the small farmers and 33 1/3 per cent to marginal farmers 50 per cent to tribals and the balance amount of the cost of investment will be met through institutional finance. The programme will be implemented by District Rural Development Agencies, on the lines of the existing SFDA/DPAP agencies which will be set up in all the districts in the country. An allocation

of Rs. 5 lakes per block is being made in the current year which will be shared by the Centre and the States on a matching basis.

### Allotment of Foodgrains to West Bengal

- 121. SHRI CHITTA BASU: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that allotment of foodgrains for the public distribution system in West Bengal has recently been reduced;
  - (b) if so, the reasons therefor;
- (c) the actual deliveries against the monthly requirements for the State for the last six months; and
- (d) the steps taken to improve the supply position?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) & (b). Allotment of wheat has been rationalized keeping in view the overall stock position with the Government, offtake in the State and the movement constraints. The reduction in the wheat allotment is being compensated by increased allotment of rice to the extent necessary.

- (c) A statement is attached.
- (d) To ensure sufficient supplies the movement of foodgrains to West Bengal has been geared up. As compared to 1979, the average monthly movement of foodgrains during the current year has been higher by about 42 thousand tonnes per month.

Actual deliveries against the monthly requirements for West Bengal for the months of April-November, 1980

(In thousand tonnes)

| Month   |     |   |   |   | Deman | d             | Allotn | ient        | Supplies     |          |  |
|---------|-----|---|---|---|-------|---------------|--------|-------------|--------------|----------|--|
| 1980    |     |   |   |   | Rice  | Wheat PD      | Rice   | Wheat PD    | Rice         | Wheat PD |  |
| Aprıl   | •   | • | • |   | 150 0 | 250 O         | 150 0  | 150 0       | 71 4         | 40 0     |  |
| May     | •   | • | • |   | 150 o | <b>25</b> 0 0 | 150 O  | 150 0       | 63 7         | 42 2     |  |
| June    |     | • |   |   | 156 6 | <b>250</b> 0  | 156 u  | 150 0       | 61.4         | 44 8     |  |
| July    | •   | • | • |   | 150 0 | 250 O         | 150 o  | 150 o       | 99.6         | 67 9     |  |
| August  | •   | • | • |   | 150 0 | 250 o         | 175 0  | 100 0       | <b>7</b> 9 7 | 63 5     |  |
| Septemb | oei |   | • |   | 150 0 | 250·0         | 175 0  | 100 0       | 93 0         | 77.2     |  |
| October | •   |   |   |   | 175 0 | 250 o         | 175 0  | 55 O        | NR           | NR       |  |
| Novemb  | er  |   | • | • | 175 0 | 150.0         | 175 0  | <b>55</b> 0 | NR           | NR       |  |

N.R. - Not reported.

# Stoppage of Food for Work Programme in West Bengal

### 122. SHRI CHITTA BASU: SHRI AMAR ROYPRADHAN:

Will the Minister of RURAL RECON-STRUCTION be pleased to state:

- (a) whether a large number of schemes under the Food for Work Programme in West Bengal have been kept in abeyance for want of foodgrains; and
- (b) if so, what steps Government have so far taken to ensure the steady supply of foodgrains for the continuance of the programme?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) and (b). There is no problem in regard to the allocation of foodgrains for West Bengal. This State had an unutilised balance of 95,000 tonnes of foodgrains on 1-4-80. During 1980-81, the additional quantity allocated so far is 1 lakh tonnes. Thus the total availability of foodgrains during the current

year is 1,95,000 metric tonnes. The quantity actually utilised in the State is very much less than even 50 per cent of the allocated quantity. Hence, the question of non-availability of foodgrains does not arise and there is no reason by a large number of schemes need be kept in abeyance.

# Fixation of Procurement Price of Paddy

- 123. SHRI RAJESH KUMAR SINGH: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether Government have recently fixed the procurement price of paddy;
- (b) if so, the details thereof and the considerations on which the procurement price of paddy has been fixed; and
- (c) the reaction of the farmers with regard thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRIR, V. SWAMINATHAN): (a) Yes, Sir.

- (b) Procurement prices of paddy for 1980-81 marketing season have been fixed at Rs. 105 per quintal for 'Common', Rs. 109 for 'Fine' and Rs. 113 for 'Superfine' varieties. These were fixed, as usual on the basis of the recommendations made by APC and in consultation with the State Governments and the concerned economic Ministries. In making its recommendations, the Commission had taken into account various factors including latest available data on cost of production, changes in input prices, changes in prices of competing crops, terms of trade, etc.
- (c) By and large, the reaction of the farmers has been favourable.

# Allotment of Model Flats and Strips of Garden land by D.D.A.

#### 124. SHRI RAJESH KUMAR SINGH:

PROF. AJIT KUMAR MEHTA: SHRI CHHANGUR RAM: SHRI CHANDRAJIT YADAV:

Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

- (a) the number of model flats and strips of garden land allotted by the D.D.A. in various colonies, giving the names of persons to whom these were allotted; and
- (b) if so, the considerations on which such allotments were made by the D.D.A.?

THE MINISTER OF PARLIAMENT-ARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) The DDA has reported that they do not construct or allot model flats. However, one flat in each scheme/colony is reserved as sample flat which is allotted subsequently. Also, no strip of garden land has been allotted by the DDA in any colony to anyone.

(b) There are no special considerations for the allotment of sample flats.

#### Stock of Wheat and Sugar with F.C.I.

125. SHRI RAJESH KUMAR SINGH: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) what is the total stock of (i) Wheat (ii) Sugar with the Food Corporation of India as on 1st April, 1980 and as on 31st October, 1980;
- (b) what was the prices of both these commodities on the above dates mentioned in part (a) above in the open market; and
- (c) what steps have been taken by Government to bring down the prices of sugar and wheat in the open market?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) The stock position of wheat and sugar with the Food Corporation of India on 1st April and 1st October, 1980 (information as on 31st October, 1980 is not available as yet) is indicated below:—

(In the and tonne)

As on 1-4-1980 As on 1-10-1980
(i) Wheat 3,728.4 3,193.4
(ii) Sugar 108.5 109.9

- (b) A Statement giving the required information is attached.
- (c) In order to bring down the prices of sugar in the open market, Government accepted a voluntary offer of the sugar industry under which the factories agreed to deliver free sale sugar at a fixed price of Rs. 450/- per quintal ex-factory exclusive of excise duty to the nominees of the State Governments for distribution to various categories of consumers. This special arrangement was made to ensure the avail-

(Rs. per quintal)

ability of free sale sugar to the consumers at a reasonable price, during the festival season upto 15th November, 1980.

2. As for wheat, on account of the wide-spread drought which prevailed in various parts of the country during 1979, the prices of foodgrains parti-

Wheat

cularly those of wheat showed an upward trend. To contain the prices at reasonable levels adequate-quantities of foodgrains are being allotted for the public distibution system which has been strengthened by opening more fair price shops.

#### Statement

#### Open Market Prices

| 772200         |                    |                 | (165. pci   | quintar) |
|----------------|--------------------|-----------------|-------------|----------|
| State          | Variety            |                 | A           | s on     |
|                |                    | 1-4-80          | 1-10-80     | 31-10-80 |
| Bihar          | Mexican            | 140—160         | 160-170     | 180→185  |
| Gujarat        | ∫ Mexican          | 145             | 160         | 160      |
|                | <b>Traditional</b> | 149             | 195         | 185      |
| Haryana        | ∫ Mexican          | 12813           | 5 128—135   | 132-137  |
|                | Traditiona l       | 135             | <b>44</b>   | 140      |
| Karnataka      | Traditional        | 225             | 190         | 200      |
| Madhya Pradesh | ( Mexican          | 130-145         | 150-171     | 150-170  |
|                | { Traditional      | 142             | 180         | 175      |
| Maharashtra    | Mexican            | 158 <b></b> 260 | 160170      | 165      |
|                | { Traditional      | 155             | 163—175     | 166—180  |
| Punjab         | Mexican            | 118-130         | 117-132     | 130-137  |
|                | ( Traditional      | 128             | 140         | 142      |
| Rajasthan      | / Mexican          | 120 140         | 126- 142    | 136 143  |
|                | { Traditional      | 146-165         | 155—180     | 165180   |
| Uttar Predesh  | / Mexican          | 120-155         | 131-150     | 135—160  |
|                | Traditional        | 118 150         | 129 168     | 135- 170 |
| West Bengal    | Mexican            | 143             | 1 <b>78</b> | 173      |
|                | { Traditional      | 125             | 180         | 180      |
| Delhi          | / Mexican          | 128             | 140         | 152      |
|                | Traditional        | 127             | 138         | 150      |

| Sugar     |       |     |   |   |   |   |   |   |   |   | 1                   | 2         | 3            |
|-----------|-------|-----|---|---|---|---|---|---|---|---|---------------------|-----------|--------------|
| Andhra F  | rade' | sh  |   |   | • | • |   | • | • | • | 550—565             | 850-890   | 900          |
| Assam     |       |     |   | • |   |   |   | • |   |   | 590                 | 910       | 8 <b>6</b> o |
| Bihar     |       |     |   |   |   |   | • |   |   |   | 540-550             | NA        | NA           |
| Gujarat   |       |     |   |   |   |   | • |   |   |   | 56o <del></del> 58o | NΛ        | NA           |
| Kerala    | •     | •   |   |   |   |   | • | • |   | • | 59o                 | NA        | 1095         |
| Karnatak  | a     |     | • |   | • | • |   |   |   | • | 510-615             | 600-800   | 600-630      |
| Madhya    | Prad  | esh |   |   |   |   |   |   |   |   | 568— 590            | 638— 1000 | 1025         |
| Maharasl  | htra  |     | • |   |   |   |   |   | • |   | 560 <del></del> 584 | NA        | NA           |
| Orissa    |       |     |   |   |   |   | • | • |   | • | 575—590             | NA        | NA           |
| Punjab    |       |     |   |   |   |   |   | • | • |   | 5 <sup>8</sup> 5    | NA        | NA           |
| Rajastha  | n     | ٠.  | • |   |   |   |   |   |   |   | 550-558             | NΛ        | NA           |
| Tamil Na  | ıdu   |     |   | • |   | • |   | • | • |   | 570—58o             | NA        | NA           |
| Uttar Pra | adesh | ı   | • |   | • |   |   |   | • |   | 460-490             | 630—750   | 616 730      |
| West Ben  | gal   |     |   | • |   | • |   | • |   |   | 540-560             | 920       | 585-95       |
| Tripura   | •     |     | • | • |   | • |   |   |   |   | NΛ                  | NA        | NA           |
| Pondiche  | rry   | •   |   | • |   |   |   |   |   |   | 577                 | 775       | 702          |
| Delhi     | •     | •   | • |   | • |   | • | • |   |   | <b>56</b> 0         | 600       | 600          |

#### NA-Not available

#### Rashtriya Sanskrit Sansthan

126. SHRI RAJESH KUMAR SINGH: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:

- (a) whether Government have seen the press reports appearing in the Blitz dated the 18th October, 1980 (Hindi) under the heading "Rashtriya Sanskrit Sansthan, "ew aur Safed Hathi";
- (b) whether Government propose to hold an inquiry into the working of this undertaking; and
  - (c) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) Yes Sir.

(b) and (c). The Rashtriya Sanskrit Sansthan is one of the autonomous organisations working under the suspices of the Ministry of Education and Culture. Allegations against individual officers do not warrant an enquiry into the working of the organisation such. Suitable action, however. invariably taken against the employees of an autonomous organisation, found guilty in accordance with a prescribed procedure. It is, therefore, not considered expedient to conduct an inquiry into the working of the Sansthan.

#### Changes in Sugar and Khandsari Industrial Licensing Policy

127. SHRI S. M. KRISHNA: SHRI CHINTAMANI PANI-GRAHI:

SHRI ARVIND NETAM:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether with a view to discouraging the crushing of scarce sugarcane by Khandsari units and encouraging the setting up of new sugar mills and motivating the existing mills to expand their capacity, Government contemplate some changes in the present sugar and Khandsari industrial licensing policy;
- (b) if so, the broad outlines thereof; and
  - (c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTRY OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) and (b). The following steps have been taken by the Central Government to discourage the crushing of scare sugarcane by khandsari units to ensure adequate supplies of sugarcane sugar factories and encourage the setting up of new sugar mills:

- (i) The State Governments have been advised to ban working Khandsarı units till 31st December, 1980.
- (ii) The excise duty on khandsari has been increased to reduce the gap between the incidence of excise duty on sugar and khandsari.
- (iii) A Press Note has been issued on 4th July 1980 by the Government indicating the guidelines for setting up of new sugar factories during the Sixth Five Year Plan

The Government do not contemplate for the time being any other changes except the above in the present sugar and khandsari industrial licensing poliсy.

#### (c) Does not arise.

#### Price of Levy Sugar

234

128. SHRI PIUS TIRKEY:

SHRI M. RAM GOPAL REDDY:

SHRI K. M. MADHUKAR:

SHRI CHINTAMANI PANI-GRAHI:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether the Central Government propose to revise the price of levy sugar shortly; and
- (b) if so, whether, after flxing the price of levy sugar, it will be available in the market easily?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN):

- (a) Consequent upon increase in the ex-factory prices of levy sugar recently notified for the production of 1980-81 season, it has been decided to increase the consumer price of levy sugar from Rs. 2.85 to Rs. 3.50 per kg. with effect from 1st December, 1980.
- (b) Levy sugar will continue to be distributed through fair price shops/ ration shops under the Public Distribution System in force in each State.

### Diversions of Funds by D.D.A.

129. SHRI PIUS TIRKEY. Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that D.D.A. suspended construction of houses meant for Janata, L.I.G. and M.I.G. etc. and diverted its energy towards construction of Stadia for Asian Games:
- (b) if so, what is the factual position; and
- (c) what action Government propose to take in the matter of early construction and allotment of aforesaid flats?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-TARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) No, Sir.

- (b) Does not arise.
- (c) The DDA has reported that the programme for construction of houses has been stepped up and construction of about 32,000 houses is in progress.

### Procurement of Rice in West Bengal

130. SHRI PIUS TIRKEY: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state the quantity of rice procured by West Bengal State during the last three years:—

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): The following quantities of rice (including paddy in terms of rice) were procured in West Bengal during the last three years:—

| N                      | iai ket | ing se | Quantit<br>procure<br>(In '000 tonne |   |     |
|------------------------|---------|--------|--------------------------------------|---|-----|
| 1977-78                | •       |        |                                      | • | 245 |
| 1978-79                |         | •      | •                                    |   | 149 |
| 1979-80<br>(up to 30-9 | -1 980  |        |                                      | • | 67  |

#### Export of Rice

131. SHRI PIUS TIRKEY: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) how much rice and in what quality has been exported to other countries during the last three years;
- (b) whether the rice exported to other countries is cheaper than that sold in Indian markets; and

(c) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN):
(a) A statement showing export of both Basmati and non-Basmati rice during the years 1977-78, 1978-79 and 1979-80 is attached.

(b) and (c). Apart from the consideration of earning foreign exchange, the main factors determining the price of rice for export are the economic cost of rice and the prevailing prices of rice in international grain markets.

#### Statement

Export of Basmati and other than Basmati rice during the years 1977-78, 1978-79 and 1979-80.

(Quantity in Metric Tons)

|   | Year       |         |      | Basm iti | Other<br>than<br>Basmati |  |
|---|------------|---------|------|----------|--------------------------|--|
| • | 1977-78    | •       | •    | 10,000   | 42,226                   |  |
|   | 1978-79    |         | •    | 67,100   | 42,393                   |  |
|   | 1979-80 (P | rovisio | nal) | 47,480   | 5,22,520                 |  |
|   |            |         |      |          |                          |  |

#### Setting up of Sugar Factory at Bramhavar in Dakshin Kannda

132. SHRI JANARDHANA POO-JARY: Will the Minister of AGRI-CULTURE be pleased to state.

- (a) whether there is any proposal under consideration to set up a sugar factory at Bramhavar in Dakshin Kannda (South Canara); and
  - (b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) and (b). Yes, Sir. A licence was granted on 6th November 1974 to the Dakshin Kannada Sahakara Sakhar Karkhana Ltd., for setting up a sugar factory of 1250 TCD at a suitable site in South Kannada District of Karnataka State. According to the information furnished by the Government of

Karnataka, Rs. 93 lakhs have been provided by the State Government and the Cooperative Society has collected Rs. 27 lakhs from the members towards share capital. The Cooperative Society has submitted an application for term loan of Rs. 418 lakhs to the financial institutions in September, 1980.

# Encouragement for Setting up of New Sugar Mills

- 133. SHRI JANARDHANA POO-JARY: Will the Minister of AGRI-CULTURE be plesed to state:
- (a) whether there is any proposal under consideration to encourage the setting up of new sugar mills and motivate the existing mills to expand their capacity; and
  - (b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN):
(a) and (b). On the 4th October, 1980, Government has announced a revised incentive scheme for new sugar factories and expansion projects established at high capital cost. The details of the scheme are enclosed at Appendix I.

#### APPENDIX I

REVISED INCENTIVE SCHEME FOR NEW FACTORIES AND FOR EX-PANSION OF EXISTING FAC-TORIES

The Government of India had been considering the matter of giving relief of newly licensed sugar factories and expansion projects in the context of the increased investment cost plant and machinery to make economically viable. The Inter-ministerial Group, appointed under Chairmanship of Shri C. N. Raghavan, Joint Secretary (Sugar) in the Ministry of Agriculture to revise earlier scheme operation in from 1975, had submitted a report to the Government after a detailed and careful consideration of the report, the Government have now decided to provide incentives to new sngar factories and expansion projects consisting partly of higher levy free sugar quotas and partly of excise duty concessions. The principal features of the revised scheme of incentives are mentioned below:—

- 1. Scheme would be effective from the sugar year 1980-81 and apply to the following categories of sugar factories in case of new units:
  - (a) all units covered by the previous incentive scheme viz., commencing production during the period between November 1, 1975 and October 31, 1980. New units which commenced production after October 1, 1973 and before November 1, 1975 are also eligible to get the benefits of the scheme but in such cases, the concessions would apply for the balance period from the date of commissioning.
  - (b) New sugar factories already licensed which commence production within a maximum peroiod of 39 months from 1-10-80 would also be eligible to the benefits of the scheme.
  - (c) New sugar factories to be licensed in the Sixth Plan starting production within a period of 39 months from the date of their licence or letter of intent, whichever is earlier, will also be entitled to grant of incentives.
  - (d)  $I_n$  case of expansion projects. the following categories will be covered:
    - (i) All units covered by the previous incentive scheme *i.e.* commencing production during the period between November 1, 1975 and October 31, 1980.
  - (ii) Expansion projects already lincensed which commence production within a maximum period of 39 months from 1-10-80 would also be eligible to the benefits of the scheme.
    - (iii) Licensed expansion projects to be licensed in the Sixth Plan starting production within a period of 39 months from the date of their licence or letter of intent, whichever is earlier will also be entitled to grant of incentives.

(iv) Incentives to expansion projects costing Rs. 1 crore and above may be granted subject to approval of the expansion by the Committee to be set up in the Department of Food and obtaining by the sugar factory concerned of prior approval of the Directorate of Sugar to the items of plant and machinery to be installed for the purpose of expansion.

Since expansion projects involve installation of machinery to serve the joint needs of replacement/modernisation and replacement, but incentives sion projects would include modernisation and replacement, but incentives would be applicable to "Additional Production" which is attributable to expansion only.

#### 2. Higher levy free quotes

#### (A) New Units:

Higher percentage of levy free sugar quota linked to a total f.o.r. cost of plant and machinery of Rs. 400 lakhs and above will be allowed as follows:

| Year    |   |   |   | 1 | HRA | N | IRA          | LRA |
|---------|---|---|---|---|-----|---|--------------|-----|
|         |   | - |   |   |     |   | <del>-</del> |     |
| First   |   |   | • |   | 90  | 1 | 00           | 100 |
| Second  |   |   |   |   | 30  | ì | (()          | 100 |
| Third   |   |   |   |   | 7(1 | ī | O            | 100 |
| Fourth  |   |   |   |   | 60  | ī | 00           | 100 |
| Fifth   |   |   |   |   | 55  |   | 65           | 100 |
| Sixth   |   |   |   |   | 35  |   | 35           | 100 |
| Seventh |   |   |   |   | 35  |   | 35           | 100 |
| Eighth  | • |   | • |   | 35  |   | 35           | 75  |

The incentives are proposed for a period of five years in case of high and medium recovery areas and eight years in case of low recovery areas. These levy free quotas will be calculated suitably in cases of new units whose cost of plant and machinery is between Rs. 200 lakhs and Rs. 400 lakhs. This concession will not be admissible if the cost of plant and machinery is below Rs. 200 lakhs.

#### (B) Expansion Projects:

The higher percentage of levy free sugar quota admissible to expansion projects will be as follows:

| Year   |       | HRA | MRA        | LRA        |
|--------|-------|-----|------------|------------|
| First  | <br>- | 40  | 6o         | 9 0        |
| Second | •     | 40  | <b>6</b> 0 | 90         |
| Third  |       | 40  | 50         | 75         |
| Fourth | •     | 40  | 50         | 70         |
| Fifth  |       | 40  | 50         | <b>6</b> o |

The incentives are proposed to be given over a period of five years. The higher free sale quota indicated above would apply only to that much of "Additional Production" in a season, which is either (i) in excess of production over the average of the last three years before the years of completion of expansion or (ii) the excess of actual production (such actual production being limited to the norms of post expansion capacity) over norms of pre-expansion capacity, whichever is lower. This will apply from the date of inception scheme.

# 3 Applicability of scheme to the factories who have already availed of some incentives

Factories which are eligible for incentives under the original scheme but had not availed of the incentive benefits or have partly availed of them would be fitted in the new scheme. Suitable compensation for shortfall in the quantum of incentives already availed would also be given.

#### 4. Excise duty relief

In spite of higher free sale quotas allowed, the new sugar factories, as well as the expanded units will be required to pay excise duty at levy sugar rates on the extra free sale quota of sugar.

# 5. Further details of scheme will be communicated to the industry and the

State Governments shortly. It is hoped that enterpreneurs having licences for establishing new units or for expansion of their existing units would now be able to obtain requisite financial assistance from financial institutions and implement their licences without undue delay.

#### Compulsory Education

134. SHRI D. P. JADEJA:
SHRI RAM LAL RAHI:
SHRI NAND KISHORE SHARMA:

SHRI KESHORAO PARDHI:

Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:

- (a) whether Compulsory Education Act applies to all the States and Union Permitories;
- (b) if not, the names of the States which have not so far adopted it; and
- (c) the reasons therefor and what steps Government are taking to implement it throughout the country?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S B. CHAVAN): (a), (b) and (c). There is no Central legislation on this subject. Such Acts have been enacted by 19 States/Union Territories The following States/Union Territories have not enacted any such legislation:

Bhar, Manipur, Meghalaya, Nagaland, Sikkim, Tripura, Arunachal Pradesh, Dadra & Nagar Haveli, Goa, Daman & Diu, Mizoram. Lakshadweep and Pondicherry.

The reasons for not legislating on this subject have not been reported by them.

#### Change in Complexion of Food for Work Programme

135. SHRI D. P. JADEJA: SHRI P. K. KODIYAN:

# SHRI SURYA NARAYAN SINGH:

Will the Minister of RURAL RE-CONSTRUCTION be pleased to state:

- (a) whether Government are considering to change the complexion of Fool for Work Programme; and
- (b) if so, the broad outlines of the new scheme?

THE MINISTER OF AGRICULTURE & RURAL RECONSTRUCTION AND IRRIGATION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) The Food for work Programme has already been replaced by National Rural Employment Programme.

(b) A copy of the guidlines giving broad outlines of the scheme is enclosed.

# Guidelines on National Rural Employment Programme—1980-8v

The 'Food for Work' programme was conceived early in January 1971. Its main objectives to utilise available foodgrains for generating employment in rural areas and creating durable community assets in order to strengthen the rural infrastructure for socio-economic development.

2. In the implementation process of the programme during the last 3 years, a number of defects/shortcomings were noticed. It has, therefore, been suitably modified and restructured. The new programme will be known as the National Rural Employment Programme.

### Objectives:

- 3. The programme will have three basic objectives as under:—
  - (i) generation of additional gainful employment for the unemployed and under-employed persons, both men and women, in the rural areas:

- (ii) creation of durable community assets for strengthening the rural infrastructure, which will lead to rapid growth of rural economy and steady rise in the income level of the rural poor;
- (iii) improvement of the nutritional status and the living standards of the rural people

#### Implementing Agencies:

4. The programme will be implemented through the state governments and union territory administrations in accordance with the guidelines of the Central Government.

#### Programme contents:

- 5. All on-going plan and non-plan schemes as well as new items of works. which result in the creation of durable community assets in rural areas, will fall within this programme. The types of works that can be taken up under the programme are indicated in the annexure. The list is, however, illustrative only.
- 6. In the execution of works under the programme, preference will be given to the ecologically and economically backward areas, particularly, the areas predominantly inhabited by the Scheduled Castes/Scheduled Tribes.

Standard and specification<sub>S</sub> of the works:

7. Standards and specifications of the works to be executed under the programme should be the same as already approved by the technical departments like Irrigation, PWD etc. Wherever standards and specifications or any category of works have not been laid down, approval of the technical authorities concerned in this regard will have to be obtained before executing the works.

#### Maintenance of assets:

8. Maintenance of assets under the programme will be the responsibility of the state governments/union territories. Necessary provision for maintenance and continuance of the assets

created under the programme will have to be made in the state plan budgets on year to year basis for the entire plan period.

#### Resources:

9. Under the 'Food for Work' programme only foodgrains were made available to the state governments. The new programme will have a provision of cash component also for purchase of materials to make the assets created durable. The proportion between the value of foodgrains and cash grants to be given to the States/UTs will be roughly in the ratio of 2:1 States may make matching provision in their budgets also to meet any additional requirement of funds for this purpose.

Programme a part of the five Year Plan

10. The national rural employment programme will form part of the sixth five year plan. For the year 1980-81, a budget provision of Rs. 340 crores has been made and the availability of funds for the programme during the remaining years of the plan may be roughly of the same order. The States will be given a clear indication of their respective shares annually, so that work-projects to be taken up under the programme are carefully planned, executed and monitored The size of the programme will, however, be determined on year to year hasis having regard to the buffer position and other relevant factors.

#### Criteria for allocations:

 The population of the marginal farmers and agricultural labouters on the one hand and the incidence of poverty on the other will form the basis for the allocation of resources to the States/Union Territories. weightage on account of population of marginal farmers and agricultural labourers will be 75 per cent, for poverty incidence, it will be 25 per cent. The state governments may make district-wise allocations accordingly. Due regard will, however, be given to the on-going works in determining the allocations get completed without delay or demage.

Shelf of projects:

12. The States will prepare a shelf of projects, as a continuous process, on a sufficiently dispersed scale for each district/block, so that the felt needs of the rural community, particularly, of the economically and socially handicapped get catered to on a planned and priority basis. The overall objective will be the systematic development of the rural infrastructure through proper utilisation of local resources.

For preparation of the shelfs of projects or the master plans for area development for each block/district, the expertise of local technical institutions like I.I.T.s, Agricultural Universities, engineering colleges etc. as well as voluntary organisations could be utilised Block level committee, conelected sisting of representatives, should be intimately associated the identification of works to be included in the shelf. It will be essential to indicate inter se priority these projects. A suitable system for the periodic review of projects included in the shelf as well as of monitoring of the projects undertaken for execution should be evolved.

Organisational arrangements for effective implementation:

13. The States will have to provide adequate technical personnel at the block and the higher levels for effective implementation of the programme. Some of the States do have a rural engineering organisation or at least some technical personnel at the block level. Considering the size of the programme, the available staff strength is not adequate. For ensuring effective technical supervision and regular monitoring of the programme, suitable strengthening of the staff will be necessary at block, district as well as state levels.

#### Priority works:

14. 10 per cent of the resources, made available under the programme, shall be earmarked for works relating to afforestation, social forestry, fodder and fuel plantation etc. Another 10 per cent shall be earmarked for works directly benefitting the Scheduled Castes/Sheduled Tribes like development of house sites group housing, drinking water wells and irrigation wells.

Wages Quantum:

15. The wages will be paid partly in foodgrains and partly in cash. In areas, where wheat is the staple food, the payment of daily wage in kind debitable to the NREP allocation consist of one Kg. of wheat/coarse grains and one Kg. of rice. In the predominantly rice consuming areas, it will be two Kg. of rice. In addition to aforesaid two Kgs. of foodgrains, cash equal to the cost of one Kg. of wheat/ coarse grain will be paid and be debitable to the NREP allocation. The central grant will, therefore comprise of two Kg. of foodgrains and cash one Kg. of foodgrains. Normally all the three Kgs, of foodgrains, to be paid as wages to a workman, would have been provided to the states/union territories, but in view of this year's shortfall in frodgrains procurement by the FCI/State Governments resulting from the 1979 drought, the aforesaid arrangement of providing cash in lieu of one Kg, of foodgrains has been decided upon. Any amount over and above the aforesaid rates will be paid by the states out of their own resources and will not be debitable to NREP allocation of foodgrains and cash.

Involvement of Panchayati Raj Institutions:

aimed at providing employment to the rural poor, raising their economic status, generating community assets and thereby strengthening the rural infrastucture, it is only appropriate that the panchayati raj institutions are actively involved in its implementation. Civen proper technical and administrative support, these institutions have the capability of executing works. fulfiling the needs of the people on a dispersed basis. It would, no doubt, be neces-

sary, to exercise a close and strict supervision and control over the execution of works under the programme so that the scope for malpractices is reduced to the extent possible. It would be desirable, if broad based village panchayat level committees representing various political and other interests are set up for the execution of works.

#### Banning of contractors:

17. Contractors are to be totally excluded from the execution of this programme as well as from the distribution of foodgrains as wages to workers employed on works under this programme.

#### Resources—an additionality:

18. The foodgrains as well as the cash assistance given under the programme is an additional resource made available to state/union territories and above their plan The states non-plan resources. should, therefore, show clearly that expenditure on existing plan and no-plan schemes new items of capital works and the maintenance of public works, as the case may be, has been augmented to the extent of the amount of additional resources made available to them in the shape of foodgrains and cash grants.

# Steering Committee at the State and the District level:

19. There shall be a steering Committee at the State levels headed the Chief Minister or Minister charge, Rural Development and Panchayats. A few members of Parliament not exceeding seven normally, who represent all interests will also be nominated as members of the State level Steering Committee. Secretaries/Heads of the Departments operating the scheme or concerned with any facet of the programme will be represented on the Committee. representative of the Ministry Rural Reconstruction and the senior Regional Manager. FCI will be members of the Steering Committee. The Committee should meet regularly atleast once in three months to make a detailed review of the progress in the implementation of the programme with particular reference to the speed and quality of work, stock position as well as the quality of foodgrains, disbursement of wages to workers, maintenance and scrutiny of muster rolls, measurement books and other work records and progress reports from the field levels. A copy of the proceedings of the meeting is to be regularly forwarded to the Ministry of Rural Reconstruction.

20. Like-wise, at the district level, there shall be a Steering Committee headed by District Magistrate/ Collector. It is to include all the departmental Heads concerned with the works taken up in the district under the programme. Members Legislative Assembly and Members of Legislative Council from the districts should also be the members of the District-level Steering mittee. In addition the members of Parliament not nominated State level Steering Committee shall also be the members of the District Committee. Tne most officer of the FCI in the District, a representative of Zila Parishad or District Panchayat if such an elected body is functioning in the district, the voluntary agencies, if any, participating in the scheme should also be represented on the Committee. The district level Committee should meet once in a month.

The main task of this Committee will be to plan the works to be taken up under the programme, to determine allocation of resources to the blocks, Panchayats and official agencies executing works departmentally in the district. It has to ensure that there is an equitable distribution of resources to all the areas under its charge and that there is no misuse of any type. It is at this level, that the greatest vigilance will have to be exercised to ensure meticulous compliance of the guidelines on the subject.

#### Monthly reports and returns:

21. It is necessary that in the beginning of every year, the information regarding existing provision in the State Union Territory Government budget for ongoing plan and non-plan schemes new items of capital works as well as for maintenance of public works in respect of which foodgrains are proposed to be utilised should be furnished in the prescribed Proforma-I. A statement indicating details of the works proposed to be taken up under the programme will also have to be furnished in Profrorma II in the beginning each year. In addition, it will be necessary to furnish a monthly progress report in proforma-III. More detailed quarterly progress report as in annexure-IV will also be necessary.

The progress reports will serve the needs of planning and administration of the scheme. These also will enable authorities both at the Centre and at the State levels to keep a close watch on trends and then apply corrective steps. The progress reports will also form the basis for further release of foodgrains under the scheme. It is, therefore, necessary that the State Governments/ Union Territories furnish the monthly progress report by 20th of following month and the quarterly report within two months progress of the close of the quarter.

Infringement of guideliness

22. Any departure from or non-compliance of these guidelines may lead to discontinuance of further allocation of resources under the programme.

#### ANNEXURE

- A list indicating the items of works to be taken up under the Programme
- (i) Medium and minor irrigation works;
- (ii) Flood protection, drainage and anti-water logging works;
- (iii) Soil and water conservation, land reclamation;

- (iv) Afforestation and social forestry works on Government and community lands including lands belonging to local bodies like Panchayats etc. roads side plantation, plantations along canal banks and on waste lands on sides of railway lines etc. plantation of trees in the denuded forest areas, and other land unfit for cultivation, plantation of fuel, fodder and fruit trees;
- (v) Construction of intermediate and main drains field channels and land levelling etc. in the command areas of irrigation projects; cleaning and desilting of water courses etc.;
- (vi) Rural Roads, widening and strengthening of forest roads and canal service roads thrown open to public use, subject to standard specifications;
- (vii) School buildings, panchayat ghars, community centres, drinking water wells belonging to Government or local bodies including panchayats or the community in rural areas or drinking water sources for the wild animal in the forest cattle ponds, Pinjrapoles, gaushalas, construction of service complex the VLW's headquarters and truction of residential accommodation for extension officers and works relating to development of house sites and group housing, drinking water wells irrigation wells for benefits of Scheduled Castes Scheduled Tribes; and
- (viii) Any other work not covered under the above items but which will result in creation of durable assets for the benefit of the rural poor, e.g. providing a village pond or repairing deepening and rejuvenating an existing tank for providing water for human use or for cattle, for developing irrigation or fisheries etc. thereby augmenting the income of the village panchayat which can be used for providing better sanitation or street lighting etc. in the villages; location specific works such as cleaning of irriginal contents.

252

gation reservoirs and channels, fishery tanks of water hycinth and turning it into organic manures or construction of storage lines.

Written Answers

#### Increase in Price of Bread

136. SHRI M. RAM GOPAL RED-DY: Will the Minister of AGRICUL-TURE be pleased to state:

- (a) whether Government have recently increased the price of Britania and Modern Bread; and
  - (b) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) The Central Government had concurred in a proposal from Delhi Administration to revise the statutorily fixed prices of Bread in Delhi, in September, 1980. The revised prices are, however, applicable to all Brands of bread.

(b) The increase ranging between 5 and 15 paise was necessitated because of increase in the cost of maida, sugar, oil, yeast, wrappers and other ingredients used in the production of bread as also distribution costs.

#### Sugar Policy

#### 137. SHRI M. RAM GOPAL REDDY:

#### SHRI JAGPAL SINGH:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether Government has been urged to fully decontrol the sugar and give up the present sugar policy; and
- (b) if so, the reaction of the Government on it?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) Yes, Sir. A proposal to this effect has been made by the Indian Sugar Mills Association.

(b) After careful consideration. Government of India have decided to continue the present policy of partial control with dual pricing system.

#### High Prices and Non-availability of Sugar

138. SHRI B. V. DESAI: Will the Minister of AGRICULTURE pleased to state:

- (a) whether on the eve of Janamashtmi and Dussehra and Id. sugar crisis reached a record high:
- (b) if so, whether apart from high prices sugar was not available in many parts of the country:
- (c) if so, how many persons were arrested and action taken
- (d) whether Government fixed price of sugar at open market at Rs. 6.20 Kg. but the traders also did not respond to this fixed price and continued to charge Rs. 15 or even more from the people;
- (e) whether large scale smuggling was also indulged by the traders and a large quantity of sugar was captured by the Government agencies;
- (f) whether, inspite of the import of sugar this year, the position of sugar is also very acute?

THE MINISTER OF STATE THE MINISIRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V SWAMINATHAN): (a) and (b). For the festival months of September and October, 1980, Government had made special arrangements for distribution of freesale sugar at fixed prices through State Government agencies under voluntary offer of the industry to deliver sugar at a fixed ex-factory price of Rs. 450 per quintal exclusive of excise duty to the State Governments for distribution to various categories of consumers at prices fixed around Rs. 6 per Kg. In the absence of this scheme, the price of 253

sugar in the open market were expected to be much higher and scheme helped in making sugar available at reasonable prices.

- (c) According to the reports so far received from the State Governments 25 persons were arrested Haryana: 6 in Orissa and 3 in the Union Territory of Chandigarh.
- (d) During the months of September and October, 1980, free-sale sugar was distributed either through fair price shops/ration shops or through cooperative agencies, at prices fixed by the State Governments around Since Rs. 6 per kg. the private traders were practically excluded from the distribution arrangements under this scheme, the question of traders not responding or continuing to charge Rs. 15 or more from the people and any large-scale gling being indulged into bv the traders does not arise.
- (e) The possibility of stray cases of sale of sugar by traders at higher prices in respect of their old stocks cannot be ruled out. Adequate steps were however taken by the Governments to deal sternly with such anti-social elements. According the reports received from State Governments, there were very few cases of substantial seizure of sugar stocks by State Governments.
- (f) Only a limited quantity of 1.80 lakh tonnes of sugar was imported to tide over the shortage of sugar Since the production 1979-80 season. of sugar for the new season 1980-81 has already commenced with a sugar-

cane crop better than last year the availability of sugar position is likely to ease considerably during the coming months.

#### Procurement Price of Foodgrains

139. SHRI B. V. DESAI:

SHRI AMAR SINH V. RATHAWA:

#### SHRI MADHAV RAO SCINDIA:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether Government have announced procurement price of foodgrains:
- (b) if so, the prices recommended and to what extent the recommendations of the Agricultural Price Commission were accepted:
- (c) how much foodgrains have so far been procured; and
- (d) whether proper arrangements have been made for their storage?

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) Yes. Sir.

for (b) The proceurment prices different foodgrains recommended by the Agricultural Prices Commission for the marketing season 1980-81 and those fixed by the Government India are indicated below:-

(Price per quinta')

Fixed by Govt. Grain Recommended by A.P.C

Rs. 117.00 Rs. 117.00 (For the year 1981-82, price recommended by A.P.C. is Rs. 127,00 per quintal and that is under consideration of the Govt.)

Paddy (Common Rs.100.00 varieties) Rs. 105- 2 Coarse grains Rs.97.50 (Jowar, Bajra,

Maize & Ragi)

(c) The total quantities of different foodgrains procured in different States during the current marketing season (1980-81) are as follows:

#### Quantity in thousand tonnes.

| Wheat (upto 6.11-1980) Paddy and rice in                  | 5,852        |
|---|--------------|
| terms of rice (upto 12-11-80)<br>Kharif Coarsegrams (upto | 1,601<br>7.8 |
| 12-11-1980)   |              |

(d) For the stocks procured by/delivered to the Food Corporation of India for the Central Pool the Food Corporation have made suitable storage arrangements. The State Governments and their procuring agencies have made proper arrangements for storage of the foodgrains procured by them,

# Distribution of Free Sale Sugar by States

- 140. SHRI B. V. DESAI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether distribution of free sale sugar being entrusted to the State Governments by the Centre has flopped;
- (b) if so, whether it has led to country wide blackmarketing:
- (c) whether a sizeable quantity of free sale sugar offered by the sugar industry to the Centre at the fixed rates of Rs. 450 per quintal from the 1st September, 1980 is being leaked out to the black market;
- (d) if so, what steps Government have taken in this regard;
- (e) whether Government's firm policy and its implementation is defective which has created this confusion; and
- (f) what steps are being taken to put the sugar policy in order?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) No, Sir. The reports received from State Governments indicate that, by and large, the scheme for distribution of freesale sugar has been successful.

- (b) to (d) While the possibilities of small quantities of free sale sugar having leaked to the black market through unscrupulous elements cannot be ruled out, the reports from the State Governments do not country-wide suggest anv marketing or leakage of sizeable stocks to the black market. Utmost vigilance is, however, being exercised by the State Governments to deal sternly and effectively with antisocial elements.
- (e) and (f). The new scheme for supply of free sale sugar at fixed prices was adopted in pursuance of the voluntary offer made by the industry to deliver sugar at a fixed rate of Rs. 450 per quintal ex-factory exclusive of excise duty to the nominees of State Governments for distribution to various categories consumers at reasonable prices during the festival months of September and October, 1980. The scheme has, by and large, served its purpose. It was operative only upto 15th November, 1980. From 16-11-1980, the policy of monthly releases of levy and free sale sugar quotas, hitherto being followed, has been resumed. The prices free sale sugar will now be governed by the market forces of demand and supply.

#### Urban Land Ceiling Act

141. SHRI B. V. DESAI:
SHRI LAKSHMAN MALLICK:
SHRI A. NEELALOHITHADASAN NADAR:

Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) whether Government have taken any final decision to amend the Urban Ceiling Act;

- (b) if so, whether the views of all State Governments have been obtained:
- (c) how many States have so far forwarded their recommendations to the Centre:
- (d) the changes which are likely to be made and whether these changes have been approved by the State Govrnments:
- (e) whether many States have opposed this move of the Central Government:
- (f) whether in view of the opposition, the Central Government are not likely to introduce the legislation during the current year; and
- (g) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF PARLIA-MENTARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISMA NARAIN SINGH): (a) No final decision has been taken so far.

(b) to (g) Do not arise.

#### Nationalisation of Aided and Public Schools

142. SHRI CHITTA MAHATA: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that Government have under consideration nationalisation of the Government aided and the public schools in the country:
- (b) if so, the decision taken in the matter; and
  - (c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) No, Sir.

- (b) Does not arise.
- (c) School Education is primarily the responsibility of various State Governments. As such, it is for the individual State Governments to examine the matter.

#### Rice to West Bengal

- 148. SHRI CHITTA MAHATA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether West Bengal Government have recently asked from the Central Government to supply rice as demanded earlier by that State;
- (b) if so, the quantity of rise so far supplied to that State against the demand; and
- (c) what further steps have been taken to meet the requirement of the people?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) and (b). The Government of West Bengal have been allotted more rice than demanded by them during 1980. Lifting of rice by the State Government is, however, lower than allotment.

(c) To ensure sufficient supplies, movement of foodgrains to West Bengal has been geared up. As compared to 1979, the average monthly movement of foodgrains during the current year has been higher by about 42 thousand tonnes per month.

# Expenditure on Education in Sixth Plan

- 144. SHRI CHITTA MAHATA: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that a Working Group on Education has suggested to the Central Government to invest more national income on education in the Sixth Plan than the amount invested in the previous plans; and

2287 LS-10

(b) if so, the action so far taken by Government in the matter?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) The Working Group on Education and Culture has suggested a higher level of investment for Education in the plan sector so as to reach the goal of 6 per cent investment of National Income Education by the end of the Seventh Plan.

(b) The Sixth Plan outlay for education has not been determined. Central and State Plans are under discussion with the Planning Commission.

#### Construction of the Stadium at Indraprastha Estate Complex, New Delhi

145. SHRI CHITTA MAHATA: SHRI ATAL BEHARI VAJ-PAYEE:

Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that the Urban Transport Authority has opposed the construction of the stadium at the Indraprastha Estate Complex, New Delhi; and
- (b) if so, the action taken so far in the matter by Government?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-TARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH); (a) No, Sir. In fact, there is no organisation called "Urban Transport Authority".

(b) Does not arise.

#### Addresses of Sugar Mills

- 146. SHRI CHANDRA PAL SHAI-LANI: Will the Minister of AGRICUL\_ TURE be pleased to state:
- (a) the names and addresses Sugar mills in each State and Union Territory as on 31st March, 1980.

- (b) the break-up of the above mills factories in the following form (i) working, (ii) sick, (iii) under construction alongwith names of location of such mills factories; and
- (c) whether Government intend to take over the managements of sick mills factories which are lying closed since 31st March, 1979?

MINISTER OF STATE THE THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) Statement\_I indicating the names and addresses of sugar mills in each State and Union Territory, as on March, 1980 is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-1321/80]

- (b) (i) All sugar mills indicated in Statement-I excepting the eight sugar factories mentioned in Statement-II worked during 1979-80 season. The statement is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-1321].
- (ii) The Central Government have not prepared any list of sick sugar mills in the country.
- (iii) Statement-III showing licences issued for the establishment of new sugar factories which under construction/yet to go into production as on 31-3-80 with their locations is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT—1321 80].
- (c) No decision has been taken by the Central Government to take over the management of sugar factories lying closed since 31-3-1980.

#### National Adult Education Programme

- 147. SHRI G. M. BANATWALLA: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:
- (a) whether any grants under the National Adult Education Programme have been made to voluntary agencies since April, 1980 and if so, the total amount of grants issued:

- (b) whether funds have since been issued to State Governments at the 1979-80 level instead of higher levels as per National Adult Education Programme: and
- (c) Government's policy the National Adult Education gramme and the proposal with respect to adult education in the International literacy year?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN); (a) Yes, Sir. Since April, 1980, Rs. 6348 lakhs have been sanctioned to voluntary agen-

- (b) Pending Government's decision on the recommendations of the NAEP Review Committee, funds are being sanctioned during 1980-81 to the State Governments at the 1979-80 level.
- (c) The National Adult Education Pregramme has been comprehensively reviewed by a Committee appointed in October, 1879 under the chairmanship of Dr. D. S. Kothari. The Committee submitted its Report on April 13, 1980. The recommendations of the Committee are under consideration of the Government. Government is not aware of any declaration regarding celebration of Inter-national Literacy Year.

#### Switching over of Thrurangadi Telephone Exchange from dial to C. B. System

148. SHRI G. M. BANATWALLA: Will the Minister of COMMUNICA-TIONS be pleased to state:

- (a) whether the Tirurangadi Telephone Exchange (Kerala State, District Malappuram), working under dial system, has been recently converted into cross bar system;
- (b) if so, since when and the reasons therefor;
- (c) whether Government are aware that after the introduction of Cross-Bar system, it has become in-

creasingly difficult to get telephone and trunk calls:

- (d) whether complaints have been received from telephone subscribers;
- (e) if so, steps taken to remove the aforesaid difficulties of the subscribere; and
- (f) whether the dial system would be restored?

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF COMMUNICA-TIONS (SHRI KARTIK ORAON): (a) and (b). No Sir. Tirurangadi Exchange which was a small autoexchange of 90 lines capacity converted into a manual exchange of 150 lines capacity on 27-8-80 to meet the ending demands for new connections.

- (c) Does not arise.
- (d) to (f). Demands for conversion to auto-exchange have received. Due to acute shortage of MAX\_II type strowger equipments it is not possible for early conversion of this exchange into an automatic

#### Hardship faced by Thrurangadi Telephone Exchange

- 149. SHRI G. M. BANATWALLA: Will the Minister of COMMUNICA-TIONS be pleased to state:
- (a) whether Government are aware of the great difficulties in getting a trunk call to Calicut booked at Tirurangadi Exchange (Kerala State. Calicut Division):
- (b) whether it takes considerable and inordinate delay to get the said trunk calls and whether the trunk lines are mostly out of order:
- (c) the number of trunk lines to Calicut available at Tirurangadi Exchange:
- (d) the steps taken to remove the said trunk difficulties; and
- (e) whether the number of trunk lines to Calicut will be increased?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON): (a) Not aware of.

- (b) Calls are not delayed inordinately. It takes on an average about 20 minutes for a trunk call to mature. The trunk lines are mostly in order and their efficiency on the average is 75 per cent.
- (c) There are two open wire trunk lines between Calicut and Tirurangadi.
- (d) Better maintenance of trunk lines has been ordered.
- (e) Additional trunk circuits to Calicut are not justified.

#### Installation of Trunk Exchange facilities in Tirurangadi, Vengara, Prappanangadi and Malappuram District of Kerala

· 150. SHRI G. M. BANATWALLA: Will the Minister of COMMUNICA-TIONS be pleased to state:

- (a) whether Government are aware of the pressing need for a Trunk Exchange comprising Tirurangadi, Vengara, Prappanangadi and Malappuram Exchanges in Kerala State:
- (b) whether representations have been received to setting up the said Trunk Exchange; and
- (c) if so, the decision taken in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON):

(a) There is no justification for opening trunk exchanges at Tirunangadi, Vengara, Prappanangadi and Malappuram.

- (b) No representation received in this office in the recent past.
  - (c) Does not arise.

### Incidence of Violence in Delhi University and Colleges Campuses

- 151. SHRI RASHEED MASOOD: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:
- (a) whether Government are aware of the frequent incidents of violence in the Delhi colleges and university campus for the past some time;
- (b) if so, whether Government have made any inquiry into the reasons for the growing incidents of violence in the educational institutions; and
- (c) if so, the result thereof and the steps taken by Government to improve the situation?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) According to the information received from the University of Delhi and Delhi Administration, there were some incidents of hooliganism and indiscipline in the University Campus and Colleges in the recent months, particularly during the elections to the Delhi University Student's Union and the College Unions.

(b) and (c). No, Sir. However, the Vice-Chancellor has appointed Justice G. D. Khosla, retired Chief Justice, Punjab High Court to conduct internal enquiry into the alleged events of indiscipline and hooliganism starting from the election of Members on the Executive Committee of the DUSU held on 6th September, 1980 in order to ascertain the facts and to suggest measures that would prevent recurrence of such incidents in future and to submit a report for consideration by the Vice-Chancellor. The enquiry is in progress,

All possible precautionary measures are taken and adequate Police arrangements are made by the Delhi Administration to prevent incidents of violence. Cases involving cognizable offences are registered promptly and investigated.

प्राम पंचायतों के चुनावों के लिए प्रनु-सूचित जातियों प्रौर प्रनुसूचित जन-जातियों की सीटों का प्रारक्षण

- 152. श्री राम विलास पासवान: क्या शामी श्रुप्तिमीं मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
- (क) क्या यह सच है कि विभिन्न राज्यों में ग्राम पंचायतों के चुनावों में ग्रनुसूचित जातियों ग्रौर ग्रनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए सीटें ग्रारक्षित नहीं की गई;
- (ख) क्या सरकार का विचार ग्राम पंचायत चुनावों में ग्रनुसूचित जातियों ग्रौर ग्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीद-वारों के लिए सीटें ग्रारक्षित करने का है; ग्रौर
- (ग) यदि नही, तो उसके क्या कारण है ?
- कृषि भौर ग्रामीण पुनर्निमाण मंत्री (भी बीरेन्द्र सिंह राव): (क) जी नहीं। वस्तुत: राज्य सरकारों द्वारा बनाये गए पंचायती राज श्रिधिनियमों में ग्राम पंचायतो के चुनाव में श्रनुसूचित जातियों तथा श्रनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के श्रारक्षण की व्यवस्था पहले से ही है।
  - (ख) प्रश्न नही उठता ।
  - (ग) प्रश्न नहीं उठता ।

### Demands of Villagers around Forest of Project Tiger

153. SHRI RAM VILAS PASWAN: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether since June, 1980, the villagers living in and around the

forest of Project Tiger (a Central Government Project) and the National Park (Wild Life Sanctuary) of Belta (Palamau) have been agitating against the project authorities and the Forest Department for their high-handedness, oppressive measures and for the non-acceptance of their demands;

- (b) whether a large number of villagers mostly Harijans and Adivasis are alleged to have been falsely implicated in a number of cases and that their case are under review;
- (c) if so, the salient features of the demands of the villagers and the reasons for their non-acceptance; and
- (d) if so, the number of cases in which the villagers have been found to be falsely implicated and the measures taken by the Government to safeguard their interests and to ensure that they are not harassed by the Project and the Forest authorities?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) to (d). The information is being collected from the Government of Bihar and would be placed on the table of the Sabha as soon as it is received.

#### Agricultural Extension Service

154. SHRI RAM VILAS PASWAN: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether the agricultural extension service has failed to reach the majority of the farmers and to achieve the desired results;
- (b) if so, whether Government have made any exercise to identify the causes for the failure of the farm extension service; and
- (c) the result thereof and the measures proposed to be taken by Government in this regards

MINISTER OF STATE THE THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) No. Sir.

(b) and (c). The questions do not arise. It may be stated however that constant efforts are being made to improve the farm extension service. Steps are being taken in particular for reorganisation and strengthening of extension service in various States with World Bank assistance.

#### Non-utilization of Foodgrains under Food for Work Programme

155. SHRI NIREN GHOSH: Will the Minister of RURAL RECONSTRUC-TION be pleased to state:

- (a) names of the States which had not utilised their allotted quota foodgrains under Food for Work Programme: and
- (b) what are the reasons for not implementing this programme those State Governments who could not utilise their quota?
- . THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND RURAL RECONSTRUC-TION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) During the current year, none of the States except Maharashtra have reported utilisation of quantity of foodgrains given to them under the Programme.
- (b) Some States have mentioned non-availability of foodgrains in the Food Corporations' godowns as a reason for non-utilisation of their full quota.

### Effect of raise in Prices of Levy Sugar

- · 156. SHRI K. M. MADHUKAR: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) 'whether the proposed raise in prices of levy sugar will be reflected in the prices of sugar supplied

through ration shops also; and

(b) if so the details thereof?

MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) and (b). Consequent upon increase in the ex-factory prices of levy sugar recently notified for the production of 1980-81 season, it has been decided to increase the consumer price also from Rs. 2.85 to Rs. 2.50 per kilogram from 1st December, 1980.

#### Irregular alletment of D.D.A. fats

157. SHRI K. M. MADHUKAR: SHRI NAWAL KISHORE SHARMA:

> SHRI P. K. KODIYAN: SHRI N. K. SHEJWALKER: SHRI SATISH AGARWAL:

Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that number of DDA flats have allotted without draw of lots during the last six months;
- (b) whether any enquiry has been ordered by the Ministry in the matter;
- (c) if so, whether the report thereof has been received; and
  - (d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-TARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) DDA has reported that allotments on compassionate grounds have been made during the last six months.

- (b) No. Sir.
- (c) and (d). Does not arise.

# जहरीली शराब के कारण मौतें

158. श्री छीतू भाई गामित: क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) गत छ: महीनों के दौरान जहरीली शराब पीने से मरने वाले व्यक्तियों की राज्य-वार संख्या कितनी **ਭੈ**:
- (ख) क्या सरकार ने राज्य-वार किसी वर्ग विशेष का, जो बहुधा स्थानीय शराब (कच्ची शराब) पीते हैं, पता लगाने के लिए कोई सर्वेक्षण किया है ; भ्रीर
- (ग) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्री (भ्री एस में बी० चव्हाण): (क) से (ग). यह जानकारी राज्य सरकारों से एकत्रित की जा रही है तथा उसे सभा पटल पर रख दिया जायेगा।

#### Housing Loans to Individual by H.U.D.C.O.

159. SHRI ARJUN SETHI: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

- (a) whether Government have decided to give loans to individuals for construction of houses through Housing and Urban Development Corporation;
- (b) whether the Planning Commission has also been asked to increase the allocation for construction of houses; and
- (c) if so, the details regarding the conditions of loan, particularly to the economically weaker sections of the society?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-TARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) Individuals, who form themselves into a cooperative housing society and fulfil other prescribed conditions, can get housing loans from HUDCO through the concerned State Housing Finance Where an Apex Society does not exist HUDCO finances the primary cooperative societies directly.

- (b) The increased amounts been proposed to the Planning Commission for the 6th Five-Year-Plan for the equity capital and loans to HUDCO from Govt./financial institutions.
- (c) Some of the conditions/terms of loan meant for construction/development of tenaments and sites for Economically Weaker Sections are as
  - (i) the all-inclusive cost of the house meant for EWS has been fixed at Rs. 8,000 including the cost land.
  - (ii) Rate of interest for loans is 5 per cent p.a.
  - (iii) Rate of interest for site and services programmes for EWS category is 4 per cent p.a.
  - (iv) The period of repayment of loan is the longest, viz., 20 years.
  - (v) 100 per cent loan is given for a house costing upto Rs. 5,000.

#### Central Housing Funds for West Bengal

160. SHRI BASUDEB ACHARYA: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state number of houses built in rural areas of West Bengal last year and number to be built this year?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-TARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): According the information furnished by the State Government 21,700 houses were constructed during 1979-80 in the rural areas of West Bengal. In their Annual Plan 1980-81, the State Government has proposed a target of construction of 21,700 houses in rural areas.

## मामीण पुनर्निर्माण के ग्रन्सर्गत ग्रामीण गृहों की परियोजना

161. श्री राम लाल राही: क्या निर्माण श्रीर श्रावास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार के पास, ग्रामीण पुर्नानर्माण के सम्बन्ध में गृहविहीन ग्रामीण लोगों को ग्रावासीय सुविधाये उपलब्ध कराने के लिए, कोई परियोजना है ; ग्रीर
- (ख) क्या म्रब तक लोगों को कोई उपयुक्त सुविधा उपलब्ध कराई गई है म्रोर यदि हां, तो उससे उत्तर प्रदेश में कितने लोगों को लाभ मिला?

संसदीय कार्य तथा निर्माण ग्रीर ग्रावास मंत्री (श्री भीष्म नारायण सिंह)ः (क) जी, हां ।

(ख) ग्रावास स्थल ग्रौर झोंपड़ी निर्माण योजना के ग्रन्तर्गत, ग्रामीण भूमि-हीन श्रमिकों के परिवारों को लगभग 100 वर्गगज वाले ग्रावास स्थल दिए जाते हैं ग्रौर मकान बनाने के लिए भिन्न-भिन्न दरों पर सहायता दी जाती है। उत्तर प्रदेश में, 12,40,340 पाल परिवारों में से, ग्रब तक 12,37,096 परिवारों को ग्रावास स्थल दिए गए हैं, 1,026 परिवारों को ग्रावास स्थल दिए गए हैं, 1,026 परिवारों को मकान दे दिए गए हैं ग्रौर 689 मकान निर्माणाधीन हैं।

## राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान में राष्ट्र भाषा का प्रयोग

162. श्री राम लाल राही: क्या श्रामीण पुर्नीनर्माण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान के काम काज में ग्रंग्रेजी का प्रयोग करने श्रीर राष्ट्रभाषा ग्रथवा ग्रन्य भार-तीय भाषाश्रों का प्रयोग न करने के क्या कारण हैं?

कृषि भौर ग्रामीण पूर्नानर्शण भौर सिंबाई मंत्री (राव बं:रे ब सिंह) : राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान को तथा कृषि संगठन, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम, संयुक्त राष्ट्र ग्रन्तरिष्ट्रीय शिश् श्रापातकालीन निधि (यूनिसेफ) एशियाई तथा प्रशान्नीय क्षेत्र हेत् समन्वित ग्राम विकास केन्द्र तथा ग्रन्थ विभिन्न ग्रन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियों से सम्पन्ध करना होता है । इन संगठनों की म्रोर से सामृहिक देशों की ग्रनेक कार्यशालाएं/ विचार गोष्ठियां श्रायोजित की जाती हैं तथा सभी देशों द्वारा स्वीकार्य तथा समझी जाने वाली संचार की भाषा केवल श्रंग्रेजी है। यह संस्थान राष्ट्रीय महत्व-पूर्ण कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम कार्यशालायें भौर गोष्ठियां भ्रायोजित करता है, जिनमें केवल भ्रंग्रेजी ही सम्पर्क की संभव भाषा होती है। इसके भ्रलावा, संस्थान का गैर-हिन्दी भाषी राज्यों से भी सम्पर्क रहता है तथा इस लिए इसे उनके साथ पताचार में ग्रंग्रेजी का प्रयोग करना पड़ता है । अनुसंधान रिपोर्ट भी ग्रंग्रेजी में ही रखनी होती है क्योंकि ये प्रकाशन सम्पूर्ण भारत तथा मन्तर्राष्ट्रीय परिचालन के लिए होते हैं।

तथापि, हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहन देने के लिए संस्थान हिन्दी पत्नों का उत्तर हिन्दी में देता है। वार्षिक रिपोर्टें, कार्य-वाही कार्यक्रम तथा ग्रन्य प्रचार सामग्री

#### Wheat Allotted Under Food for Work **Programme**

हिन्दी में भी प्रकाशित की जाती है।

163. SHRI AMARSINH RATHAWA: SHRI MUKUNDA MONDAL:

Will the Minister of RURAL RE-CONSTRUCTION be pleased to state:

(a) the quantity of wheat supplied during the first six months (i.e. April-October, 1980) to each State under Food for Work Programme;

Maharash tra

11

- (b) whether the Department food is hesitant to supply the allotted quota: and
- (c) if so, the reasons therefor and the steps taken by the Government to supply wheat as per programme?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) A statement indicating the quantities foodgrains allocated/released to of different States/Union Territories from April-October, 1980 is enclosed. There separate allocation of wheat among different States/Union tories: the allocations are always terms of 'foodgrains'.

(b) No, Sir.

40,000

32,000

(c) Question does not arise.

72,000

#### Statement

Quantities of foodgrains allocated under Normal|Special Food for Work Programme upto April 1980 to October 1980.

MTs.) (in Allocations made to different States/U.Ts. SI. States/U.Ts. No. Total April 1980 October 1980 5 3 4 1 2 42,000 Andhra Pradesh 63,000 1,05,000 8,000 Assam 11,000 19,000 2 1,64,060 Bihar 1,10,000 54,000 3 22,500 Gujarat 10,000 12,500 4 20,000 3,500 23,500 5 Haryana Himachal Pradesh 18,000 2,500 20,500 J. & K. 13,500 10,000 3,500 7 18,500 32,000 8 Kamataka 13,500 18,000 31,500 Kerala 13,500 9 1,99,000 2,28,500 Madhya Pradesh 29,500 TO

| 1   | 2                   |      |    |   |   |   |   | 3 '         | 4               | 5        |
|-----|---------------------|------|----|---|---|---|---|-------------|-----------------|----------|
| 12  | Manipur             | •    |    |   |   | • | • | 1,500       | 500             | 2,000    |
| 13  | Mcghalaya           |      | •  | • | • | • | • | 1,500       | 500             | 2,000    |
| 14  | Nagaland            |      | •  | • | • | • | • | 2,000       | 400             | 2,400    |
| 15  | Orissa.             | •    | •  | • |   | • | • | 82,000      | 18,500          | 1,00.500 |
| 16  | Punjab              |      |    | • | • | • | • | 6,000       | 5,500           | 11,590   |
| 17  | Rajasthan           |      | •  | • | • | • | • | 1,30,000    | <b>16,40(</b> * | 1,30,00  |
| 8   | Sikkim              | •    | •  | • | • | • | • | <b>5</b> co | 257             | 750      |
| 19  | Tamil Nadu          |      | •  | • | • | • | • | 27,000      | <b>33,00</b> C  | 60,00    |
| 20  | Tripura             |      |    | • |   | ٠ |   | 3,500       | 1,250           | 4.75     |
| 2 I | Uttar Pradesh       | •    | •  | • |   | • | • | 71,95,000   | 74,500          | 2,69,00  |
| 22  | West Bengal         |      | •  |   |   | • |   | 70,000      | 30,000          | 1,00,00  |
|     | UNION TERRITO       | ORI: | ES |   |   |   |   |             |                 |          |
| 23  | A. & N. Islands     |      | •  | • | • |   | • | 750         | 300             | 1,05     |
| 24  | Arunacial Pradesh   |      |    | • |   | • | • | <b>65</b> c | 300             | 95       |
| 25  | Ch <b>a</b> adigarh |      | •  | • | • | • | • | • •         | ••              |          |
| 26  | D. & N. Haveli      |      |    |   |   |   | • | • •         | ••              |          |
| 27  | Delhi               |      | •  |   | • | • | • | • •         | • •             |          |
| 28  | G.D. & Di 1         |      | •  | • | • | • | • |             | ••              | • •      |
| 29  | Laksha-lweep        |      |    |   | • |   |   | ••          | • •             | • •      |
| 30  | Mizoram             |      | •  | • |   |   | • | 1,250       | 300             | 1,5      |
| 31  | Pondicherry         |      |    |   | • |   | • | 350         | 3 10            | 65       |
|     | TOTAL               |      |    |   | • |   | • | 16,30,000   | 4,00,000        | 14.19,6  |

<sup>\*</sup>Advance release already made and is included in 1,30,000 M.T.

### Educationally Backward States

164. SHRI AMARSINH RATHAWA: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:

- (a) the names of educationally backward States in the country; and
- (b) the steps taken by Government to improve their condition luring the next Five Year Plan?

THF MINISTER OF EDUCATION

AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) The educationally backward States are: Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Jammu & Kashmir, Madhya Pradesh, Orissa, Rajasthan Uttar Pradesh and West Bengal.

(b) It has been agreed in principle to give special Central assistance to these States for non-formal education under the programme of universalisation of elementary education. The Sixth Plan for 1980—85 is under formulation. It is too early to indicate the details of the steps to be taken.

#### Implementation of Immoral Traffic Act

- 165. SHRI HANNAN MOLLAH: Will the Minister of EDUCATION SOCIAL WELFARE be pleased to state:
- Government whether made any country-wide survey on the implementation of suppression of Immoral Traffic in Women and Act:
- (b) if so the result of the survey;
- (c) if not, whether Government propose to make a survey?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) and (b). No national survey has been made by Government. However, according to the information available with Government 89 Rescue/ Protective Homes are being run various States/Union Territories in the country.

(c) Government is considering undertaking a study of the subject.

#### Survey on Prostitution

- 166. SHRI HANNAN MOLLAH: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state.
- whether Government have made any country-wide survey prostitution and what is their total number:
- (b) if so, how many open centres of prostitution are running in country, State-wise; and
- (c) whether Government have any plan, long-term and short-term to rehabilitate the unfortunate victims of prostitution?

EDUCATION THE MINISTER OF AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) No such national survey has been made by Government.

- (b) Keeping of brothels has specifically been made punishable under the Suppression of Immoral Traffic in Women and Girls Act, 1956.
- (c) The Act, which is implemented by State Governments, provides for

the setting up of Protective Homes and Corrective institutions for the victims of prostitution. 89 such Institutions have been established in different parts of the country. Government assists voluntary agencies for setting up institutions to help such women in distress.

## खण्डसारी मिलों का बन्द होना

167. श्री चन्द्रदेव प्रताद बर्मा: क्या कृषि मंत्री वह बताने की कृपा करेगे कि :

- (क) क्या चीनी सम्बन्धी नीति के म्रन्तर्गत सरकार ने पूरे देश में खण्डसारी मिलो को बन्द करने का निर्णय किया है : श्रीर
- (ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा

कृषि मंत्रालय मे राज्य मंत्री (श्री श्चार॰ बी स्वामीनाथन) : (क) श्रीर (ख) जी नहीं । राज्य सरकारों से तो केवल यह कहा गया है कि वे 31 दिसम्बर, 1980 से पूर्व खंडसारी युनिटो को पिराई का कार्य शुरू करने की भ्रनुमति न दें।

#### Difference on Renewal of Licences for Import of Fishing Trawlers

- 168. SHRI P. M. SAYEED: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether the issue of renewing licences for import of fishing trawlers has affected the entire programme of development of marine resources;
- (b) if so, the main reasons therefor; and

280

remaye S

(c) the steps being taken to remove the bottlenecks coming in the way of taking a decision in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) No authorisation for import of fishing vessels has so far lapsed hence the question of renewing it does not arise. The issue has not affected the programme of development of marine fishery resources.

(b) and (c). Do not arise, Sir.

#### Release of Wheat and Rice Under Food for Work Programme

169. SHRI P. M. SAYEED: Will the Minister of RURAL RECONSTRUCTION be pleased to state:

- (a) whether Union Government have decided to release more rice and wheat under Food for Work Programme;
- (b) if so, the total quantity thereof to be supplied during the current financial year under the programme;
- (c) how much has been allotted to each State patil now, both rice and wheat, from August to October, 1980; and
- (d) how much will be allotted to the States during November and December, 1980?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) and (b). Yes, Sir. A quantity of 4 lakh metric tonnes of foodgrains has been allocated to various States/Union Territories recently.

- (c) A statement indicating the allocations made during the period from August to October, 1980 is enclosed.
- (d) There is no system of making month-wise allocations.

#### Statement

Q antities of foodgrains out of 4 lakhs metric tonnes allocated to States/Union Territories. (As on 23-10-1980)

| S. No | o. State/U.T           | •      | (   | Foo | ntity of odgrains ic tonnes) |
|-------|------------------------|--------|-----|-----|------------------------------|
| I     | 2                      |        |     |     | 3                            |
| ı.    | Andhra Prade           | sh     |     |     | 42,000                       |
| 2.    | Assam                  |        |     | •   | 8,000                        |
| 3.    | Bihar                  | •      |     | •   | 54,000                       |
| 4.    | Gujarat                |        |     | •   | 12,500                       |
| 5.    | Haryana                | •      |     |     | 3,500                        |
| 6.    | Himachal Pra           | desh   |     | •   | 2,500                        |
| 7.    | Jammu & Kas            | hmır   |     | •   | 3,500                        |
| 8.    | Kernataka              |        |     | •   | 18,500                       |
| 9.    | Kerala                 | •      |     |     | 18,000                       |
| 10.   | Madhya Prad            | esh    |     |     | 29,500                       |
| 11.   | Maharashtra            |        |     |     | <b>32,</b> 000               |
| 12.   | Manipur                | •      | •   |     | 500                          |
| 13.   | Meghalaya              |        |     |     | 500                          |
| 14.   | Nagaland               | •      |     |     | 400                          |
| 15.   | Orissa                 | •      |     | •   | 18,500                       |
| 16.   | Punjab                 |        |     |     | 5,500                        |
| 17.   | Rajasthan              | •      | •   | •   | 10,400                       |
| 18.   | Sikkım                 |        | •   |     | 250                          |
| 19.   | Tamil Nadu             | •      | •   |     | 33,000                       |
| 20.   | Tripura                |        | •   |     | 1,250                        |
| 21.   | Uttar Prades           | sh     | •   |     | 74,500                       |
| 22.   | West Bengal            | •      | •   |     | 30,000                       |
|       | UNION TE               | RRIT   | ORI | ES  |                              |
| 23.   | Andaman and<br>Islands | i Nico | bar | •   | 300                          |
| 24.   | Arunachal Pr           | adesh  |     | •   | 300                          |
| 25.   | Mizoram                | •      | •   | •   | 300                          |
| 26.   | Pondicherry            | •      | •   | •   | 300                          |
|       | TOTAL                  | •      | •   |     | 4,00,000                     |

#### Food for Work Programme in Lakshadweep

170. SHRI P. M. SAYEED: Will the Minister of RURAL RECONSTRUC-TION be pleased to state:

- (a) whether Food for Work Programme will also be introduced Lakshadweep Island; and
- (b) if so, how much foodgrains are to be allotted to them?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) and (b). Lakshadweep Administration, who were requested to impelement the programme in the Union Territory. have not evinced any interest in implementation of the programme. programme 'can be introduced in the Union Territory if Local Administration is interested.

#### Inclusion of Development Blacks under Integrated Rural Development **Programme**

## 171. SHRI P M. SAYEED: SHRI JITENDRA PRASAD:

Will the Minister of RURAL RE-CONSTRUCTION be pleased to state:

- (a) whether Government have decided to bring all 500 Development Blocks in the country under the Integrated Rural Development Programme from 2nd October, 1980;
- (b) if so, the details of the programme and the extent to which the work has started;
- (c) how many families will be covered under the programme every year; and
- (d) the blocks selected for the first phase?

THE MINISTER OF AGRICULTURE RURAL RECONSTRUCTION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) Yes, Sir.

(b) The programme envisages assistance to about 3,000 families per block during the current Plan period enabling them to raise their incomes above the poverty line. The assistance will be in the form of subsidy @25 per cent to the small farmers and 33-1/3 per cent to marginal farmers. 50 per cent to tribals and the balance amount of the cost of investment will be met through institutional finance. The programme will be implemented by District Rural Development Agencies on the lines of the existing SFDA/ DPAP agencies which will be set up in all the districts in the country. An allocation of Rs. 5 lakhs per block is being made in the current year which will be shared by the Centre and the States on a matching basis. The decision to extend the programme to all the blocks in the country was communicated to the States on 4th October, 1980 The State Governments have also been requested to take certain measures so as to ensure immediate implementation of the programme in all the blocks in the current year. The measures relate to the setting up of a District-level agency in all the districts, appointment of suitable officers at the State and district level, and strengthening of the Block Administration. The guidelines in regard to administrative arrangements, objectives the programme, the programme contents, financial allocations, procedure for release of funds etc. have since been communicated to the States. States have also been permitted to utilise the unspent balances with them as well as the current year's releases for extending this programme to all the blocks.

A meeting of the State Secretaries dealing with IRD programme was held on 31st October, 1980 in which the administrative as well as financial implications of the extension of the programme and the modifications in were discussed and the guidelines State Governments have been requested to take immediate steps to implement the programme in all blocks.

- (c) It is targeted to cover at least 600 families per block per year and during the current Plan period it is targeted to cover 3000 families per block.
- (d) Since the programme has been extended to all the blocks, no phasing of the coverage is envisaged.

#### Central Rice Research Institute to Boost Rice Production in Orissa

- 172. SHRI K. P. SINGH DEO: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that the Central Rice Research Institute had undertaken a Lab to land plan for boosting rice production in the State of Orissa on an experimental basis last year;
- (b) if so, the area covered by this scheme, the types of farmers that were given the benefit of advance farm technology; and
- (c) the results of the experiment done during the last one year?

# THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRIR. V. SWAMINATHAN): (a) Yes, Sir.

(b) The Central Rice Research Institute has taken Lab to Land Programme in a cluster of villages in Pipli Block of Puri district of Orissa covering an area of 90 hectares. 310 families have been taken up under this programme. The distribution of these families is as under:—

| Land ess               | • • | 67 |  |
|------------------------|-----|----|--|
| Less than ha'f hectare |     | 98 |  |
| 0.5 to 1 hectare       |     | 63 |  |
| I to I .5 "            |     | 41 |  |
| 1.5 to 2 ,,            | • • | 17 |  |
| 2 to 3 .,              | • • | 24 |  |

(c) The main programme consisted of demonstrating the new technology for the production of rice. For land-

less families, the programme consisted of demonstrating composite fish culture. In the rice demonstrations during kharif 1979, average paddy yield of 4.7 tons per hectare was obtained when the highest yield was 7.2 tons. During rabi 1979-80 the average yield of paddy was 4.8 tons per hectare. In the kharif 1980 season, the yield of about 5 tons per hectare is expected.

In fish culture, average fish yield of 1554 kg. per Nectare was obtained from an area of 1.5 hectares covered under the Programme.

#### Abolition of Lease in Delhi

173. SHRI K. P. SINGH DEO: Will the Minister of WORKS AND HOUS-ING be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that Government are proposing to convert the lease hold plots in Delhi into free hold plots;
- (b) if so whether any decision has been taken in this regard; and
  - (c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) to (c). The matter is still under consideration of Government and no decision has yet been taken.

#### Revision of Dual Pricing Policy of Sugar

#### 174. SHRI K. P. SINGH DEO: SHRI SUBHASH CHANDRA BOSE ALLURI:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that Government are considering a revision of the dual pricing policy in regard to sugar;
- (b) whether Government's attention has been drawn to the news-item in **Economic Times** dated 18th August, 1980 in this regard; and

(c) if so, what is Government's reaction in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) to (c). Government have seen the news item referred to in the question. After careful consideration, it has been decided to continue the existing policy of partial control on sugar with dual pricing system.

# Offer by Cooperative Sugar Federation to bring down Retail Price of Sugar

175. PROF. MADHU DANDAVATE: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether the Federation of Cooperative Sugar Federation at its meeting held on August 13, 1980 criticised the Government as well as the Indian Sugar Mills Association for failure to bring down sugar prices;
- (b) whether the Cooperative Sugar Federation has offered to deliver their entire quota of free sale sugar for the season at Rs. 450 per quintal so that the retail price could be brought around Rs. 5.50 per kilogram; and
- (c) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) to (c). The National Federation of Cooperative Sugar Factories Ltd. made a voluntary offer to the Government in August, 1980 to deliver their entire free sale quota of sugar at an ex-factory price of Rs. 450 per quintal excluding excise duty. This offer was accepted by the Government and, on persuasion, the Indian Sugar Mills Association also agreed to make a similar offer. Arrangements were accordingly made for allocation of the entire free sale quotas for the months of September, October and 1st fortnight of November, 1980 to different State Governments for lifting the same from the factories through their nominees at the agreed price of Rs. 450 per quintal ex-factory excluding excise duty and for distributing it to all categories of consumers alongwith imported sugar at pooled prices fixed by them around Rs. 6 per kg. through fair price shops/ration shops or cooperative agencies. This scheme has since ended on 15-11-80.

#### Modest Houses for Central Ministers

176. PROF. MADHU DANDAVATE: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

- (a) whether it is true that previous elected Government had taken a decision after prolonged deliberations to build modest houses for the Ministers on the vast unoccupied land of the Rashtrapati Bhawan;
- (b) if so, whether the earlier decision still stands; and
- (c) if so, when the decision will be implemented?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH):(a) and (b). There was a proposal under consideration of the previous Government to construct new smaller houses to provide accommodation to the Union Ministers. The present Government is examining the matter de novo keeping in view the availability of resources & materials.

(c) Government had constituted a Study Group to go into different aspects of the matter. The Study Group had submitted its Report. An Empowered Committee had been constituted to examine the recommendations of the Study Group & make proposals for the consideration/approval of the Government. The views of the Empowered Committee have since been received and Government are seized of the matter.

#### Asian Games Organising Committee

#### 177. SHRI MUKUNDA MANDAL: SHRI P. K. KODIYAN:

Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:

- (a) whether Ninth Asian Games Organising Committee has been recognised and following the derecognition a new committee has been set up;
  - (b) if so, the reasons therefor; and
- (c) the particulars of the Chairman and members of the former and present Ninth Asian Games Organising Committee?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) and (b). The Indian Olympic Association have informed that the earlier Ninth Asian Organising Committee constituted by Indian Olympic Association in Feb-1979 has been superseded on 6th September, 1980 and a new Special Committee of the Indian Olympic Association has been set up. The reasons for setting up of the new Special Committee, as given by Indian Olympic Association, are:-

- (1) The previous Ninth Games Organising Committee have not been able to deliver the goods as per the time of events laid down;
- (2) It was the majority view the Indian Olympic Association's General Assembly that due to changed circumstances in the country, it will not be possible for the earlier Ninth Asian Games Organising Committee to carry on with the difficult task of the various activities connected with the holding of 1982 Asian Games Championship.
- (c) Statement giving the names Chairmen and members of the two Committees are placed on the Table of the Sabha. [Placed in Library. No. LT-13/2/801.

#### Opening of Polytechnic Schools in West Bengal

178. SHRI MUKUNDA MANDAL: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:

- (a) whether the Government of West Bengal has approached the Central Government for opening Polytechnic schools in the State;
  - (b) if so, the facts thereof; and
- (c) what is the attitude of the Government towards the opening of Polytechnic school in West Bengal?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) Yes, Sir. The Government of West Bengal approached the Eastern Regional Office of this Ministry in 1978-79 for opening new polytechnics at Raiganj and Contai.

### (b) (i) Polytechnic at Raiganj:

The proposal has been under consideration. The State Government has been requested to give specific justification for the need for the establishment of the polytechnic based on the Technical Manpower Survey, carried out by the State Government. Reply from the State Government is awaited.

#### (ii) Polytechnic at Contai:

An expert committee has been set up by the Eastern Regional Committee to examine the matter and make recommendations. The State Government has been requested to fix a date for the visit of the Expert Committee. Reply from the State Government is awaited.

(c) As a policy, the Central Government do not normally encourage opening of new institutions as existing annual admission capacity is adequate. Exception considered however, made in case of backward areas on the basis of well defined and well-established manpower needs.

#### Scientists in I.C.A.R.

179. SHRI MUKUNDA MANDAL: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) how many scientists have been working in the ICAR:
- (b) the different streams in which Research work is conducted by Institute:
- (c) how many scientists of the Institute went abroad during the last three years, year-wise and expenditure incurred by the Government under the head; and
- (d) details of the scientists who left the Institute after receiving education abroad during the last three years, vear-wise?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) About 4,100 scientists.

(b) to (d) The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

#### Availability of Nutrient from Organic Waste

180. DR. VASANT KUMAR PAN-DIT: Will the Minister of AGRICUL-TURE be pleased to state:

- (a) the estimated availability of nutrients from organic waste in the country; and
- (b) the plans being made by the Central and State Governments utilise this for productivity and rural needs?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) Exact quantification of nutrient availability through wastes is difficult, as no systematic scientific survey appears to have been carried out.

(b) Apart from the age-old practice of farmers recycling organic wastes through composting etc., both the State and Central Government are paying attention to this important source nutrient through various programmes.

After the transfer in 1979 of the Government of India's scheme of 'Development of Local Manurial Resources', which encompassed schemes like biogas, greenmanuring, sewage and sullage, mechanical compost plants, etc. to the State Sector under the decision of the National Development Council, provisions are being made by several State Governments in their Sixth Plan which are being finalised. The Government of India is planning to embark upon an ambitious programme of biogas development at an estimated cost of Rs. 50 crores during the Sixth Plan.

#### Gift of USSR Machinery for Suratgarh Farm

181. DR. VASANT KUMAR PANDIT: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether U.S.S.R. is gifting farm machinery to India for use Suratgarh State Farm in Rajasthan as reported in the "Hindustan Times" dated 20th April, 1980;
- (b) if so, the value of the machinery together with the details machinery and equipments to gifted; and
- (c) the extent to which this machinery will be useful for boosting production at Suratgarh farm?

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRIR. V. SWAMINATHAN): (a) Yes Sir. State Farms Corporation of India Ltd. (a Government of India Undertaking) has already received the gift machinery from USSR.

- (b) Details of the machinery and equipments alongwith its value given at Annexure.
- (c) With the utilisation of machinery, the cropped area at Suratgarh farm will be increased from 10575 hectares (taken in 1978-79) to 13000 hectares by the end of 1984-85. machinery will also be useful to ensure timely and effective mechanical operations and harvest of crops time.

#### ANNEXURE

### Details of Machinery and equipments alongwith the value received from USSR as Gift

| SI. | Description                   |     | Quantity |         | Rate per<br>Unit<br>(in Rbls.)<br>G.I.F.,<br>Bombay | Total in Rhls.<br>C.I.F.,<br>Bombay | Indian Rupee<br>C.I.F.,<br>Bombay |
|-----|-------------------------------|-----|----------|---------|---|-------------------------------------|-----------------------------------|
| (1  | ) (2)                         | • • |          | (3)     | (4)   | (5)                                 | (6)                               |
| 1.  | Tractor MTZ-80 .              |     | •        | 25 Nos. | 68co  | 1,70,000·00 F                       | Rs. 1700,000 00                   |
| 2,  | Grain Harvestor "NIVA"        |     |          | 15 Nos  | 14000   | 2,10,000 · co R                     | s, 21,00,000·00                   |
| 3.  | Fertilizer Sower .            | •   | •        | 20 Nos. | 2400  | 48,000 oc R                         | s. 4,80,000 00                    |
| 4.  | Trucks                        |     |          | 5 Nos.  | 17700   | 88,500 00 R                         | s. 8,85,000·0 <b>0</b>            |
| 5.  | Seed Separating machine       |     |          | 5 Nos.  | 3 <b>60</b> 0                                       | 18,000 co R                         | Rs. 1,80,000 00                   |
| 6.  | Bulldozei DZ-42               |     |          | 2 Nos.  | 250 00  | 50,000 00 I                         | Rs. 5,000,00 00                   |
| 7.  | Set of Spare Parts to item 1- | -G  | •        | 8 tones | 5000<br>per to 4                                    | 40,000 no R                         | ts. 4,00,000 on                   |
|     | TOTAL                         |     |          |         |   | 6,24,500 00R                        | ls. 62.45,000 00                  |

#### Sugar lying in Southern Ports

#### 182. SHRIMATI PRAMILA DANDAVATE:

### SHRI HARIKESH BAHADUR: SHRI KESHORAO PARDHI:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that over 43,000 tonnes of sugar valued Rs. 20 crores is lying in three Southern Ports for the last two years;
  - (b) if so, the details thereof; and
- (c) what steps have been taken to distribute the sugar to the needy and rural population where there is shortage of sugar?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) and (b). No, Sir. Only 3466 tonnes of sugar of the value of Rs. 86.32 lakhs is lying in the three Southern Ports since April, 1980, as detailed below:-

TortQuantity (Tonnes) Values (Rs Lakhs Madras 2331 58.27 16.85 Vizag 674 New Tut corin 461 11,20

(c) These stocks left-over were after completing shipments of sugar during January-March, 1980 against the committed export deals. In a normal year 'levy free' sugar stocks at the ports are disposed of in the internal market by inviting tenders and 'levy' sugar is allocated at controlled prices. The position had undergone a change in April, 1980, when a tie-up contract was concluded for import of 2 lakh tonnes of sugar.

May, 1980, the Government agreed to supply 1150 tonnes sugar to Maldives as a special case. The stocks lying at Madras port were earmarked for shipments to Maldives, but that deal did not materialise subsequently on price considerations.

In June 1980, it was decided to utilise these shipable stocks in meeting the shortages, if any, in the imported sugar.

Actually, the Foreign Supplier delivered a quantity of 1.80 lakh tonnes against the contracted quantity of 2 lakh tonnes by exercising his option of shipping 10 per cent less. The quantities of imported sugar were further expected to be reduced envoyage due to damages etc. These sugar stocks at the ports were kept handy to meet such type of marginal short-falls in the actual imports.

In September, 1980, the Government considered expedient to hold on these stocks for some time more in view of the new scheme for pooling the imported and 'Levy-free' indigenous sugar for internal distribution for the months of September-October, 1980.

Out of 2331 tonnes of sugar stocks at Madras Port, 1800 tonnes of sugar Tamil Nadu have been released to State. The balance stocks of about 1666 tonnes at these ports have been kept for tiding over any unexpected internal requirement till the new production of sugar during the crop year 1980-81 (October-September) reaches a sufficient level for meeting the domestic demands during the months of November and December, 1980.

#### Central Assistance to the Hutment Dwellers at Bombay

183. SHRIMATI PRAMILA DANDA-VATE: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

- (a) whether it is true that due to torrential rain in August, 1980 in Bombay city, heavy damage was done to the hutment dwellers in the city and suburbs of Bombay leading many casualties; and
- (b) if so, whether the assistance will be given by the Central Government to prevent such a situation in future?

THE MINISTER OF PARLIAMEN-TARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) Information is being collected from the Government of Maharashtra.

(b) The Slum Clearance/Improvement Scheme is in the State sector and is operated by the State Governments as a part of the State Plan. Central financial assistance for State Plan schemes is given in the shape of block loan and block grant. Inter-sectoral allocation of funds within the State Plan are made by the State Governments according to priorities adopted by them, keeping in view the guidelines laid down by the Government of India and the Planning Commission. There is no allotment of funds by Government of India specifically for slum clearance/improvement.

#### Wheat and Rice Allotted under Food for Work Programme during 1980

184. SHRI TRIDIB CHAUDHRI. Will the Minister of RURAL RECONSTRUC-TION be pleased to lay a statement on the Table of the House showing:

- (a) the amount of wheat and rice despatched to various States during 1980 under the Food for Work Programme: and
- (b) whether there is any proposal to reduce the scale of foodgrains assistance in the remaining months of the year or to suspend it altogether?

THE MINISTER OF AGRICULTURE RECONSTRUCTION RURAL (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) and (b). A statement indicating the quantities of foodgrains allocated/released to different States/Union Territories during 1980 is enclosed. is no proposal to either to reduce the allocation or to suspend it altogether.

#### Statement

Quantities of foodgrains allocated/released to States/U.Ts. under Normal/Special Food For work Programme current financial year (in Mts.)

| Sl.<br>No. | Sta              | ite/T | J.T. |   |   | Allocation me    | Quantities<br>resleased<br>upto 31st<br>October, |          |          |
|------------|------------------|-------|------|---|---|------------------|--|----------|----------|
|            |                  |       |      |   |   | 2 April,<br>1980 | 4 Oct. 1980                                      | Total    | 1980     |
|            | 1                |       |      | 2 |   | 3                | 4  | 5        | 6        |
| 1          | Andhra Pradesh   |       |      |   | • | 63,000           | 42,000   | 1,05,000 | 63,000   |
| 2          | Assam            |       |      | • |   | 11,000           | 8,000  | 19,000   | 5,500    |
| 3          | Bihar            |       | •    | • | • | 1,10,000         | 54,000   | 1,64,000 | 1.10,000 |
| 4          | Gujarat          |       |      | • |   | 10,000           | 12,500   | 22,500   | 10,000   |
| 5          | Haryana          |       |      |   |   | 20,000           | 3,500  | 23,500   | 20,000   |
| 6.         | Himachal Prade   | sh    |      | • | • | 18,000           | 2,500  | 20,500   | 18,000   |
| 7          | J & K            |       |      |   |   | 10,000           | 3,500  | 13,500   | 10,000   |
| 8          | Karnataka        |       |      | • |   | 13,500           | 18,500   | 32,000   | 13,500   |
| 9          | Kerala           |       | •    |   |   | 13,500           | 18 000   | 31,500   | 13,500   |
| 10         | Madhya Pradesh   |       |      |   |   | 1,99,000         | 29,500   | 2,28,500 | 1,99,000 |
| 11         | Maharashtra      |       |      |   |   | 40,000           | 32,000   | 72,000   | 40,000   |
| 12         | Manipur          |       |      |   |   | 1,500            | 500  | 2,000    | • •      |
| 13         | Meghalaya        |       |      | • |   | 1,500            | 500  | 2,000    | 750      |
| 14         | Nagaland         |       |      | • |   | 2,000            | 400  | 2,400    | • •      |
| 15         | Orissa           |       | •    |   |   | 82,000           | 18,500   | 100,500  | 82,000   |
| 16         | Punjab 🤄         |       | •    | • |   | 6,000            | 5,500  | 11,500   | 6,000    |
| 17         | Rajasthan        |       |      | • | • | 1,30,000         | 10,400   | 1,30,000 | 1,30,000 |
| 18         | Sikkim           | •     |      |   |   | 500              | 250  | 750      | 500      |
| 19         | Tamil Nadu       |       |      | • |   | 27,000           | 33,000   | 60,000   | 27,000   |
| 20         | Tripura          |       |      |   |   | 3,500            | 1,250  | 4,750    | 3,500    |
| 21         | Uttar Pradesh    |       |      |   |   | 1,95000          | 74,500   | 2,69,500 | 1,95,000 |
| 22         | West Bengal      |       |      | • |   | 70,000           | 30,000   | 1,00,000 | 20,000   |
| U          | NION TERRITO     | RI    | ES   |   |   |                  |  |          |          |
| 23         | A. a. N. Islands |       |      |   |   | 750              | 300  | 1,050    | 750      |
| 24         | Armachal Prad    | csh   |      |   |   | 650              | 300  | 950      | ••       |

| I  | 2              |     |   |   |   | 3         | 4        | 5         | 6        |
|----|----------------|-----|---|---|---|-----------|----------|-----------|----------|
| 25 | Chandigarh     |     | • | • | • | • •       | • •      | ••        |          |
| 26 | D. & N. Haveli |     |   |   | • | • •       | ••       | ••        |          |
| 27 | Delhi          |     |   |   | • | • •       | ••       | ••        | 7.       |
| 28 | Goa, Daman &   | Diu |   |   | • | ••        |          | • •       | • •      |
| 29 | Lakshadweep    |     | • |   | • | ••        | ••       | ••        | • •      |
| 30 | Mizoram        |     | • |   |   | 1,250     | 300      | 1,550     |          |
| 31 | Pondicherry    |     |   | • | • | 350       | 300      | 650       | 350      |
|    | Total          |     |   |   | • | 10,30,000 | 4,00,000 | 14,19,000 | 9,68,350 |

<sup>\*</sup>Advance release already made and is Cincluded in 1,30,000 M.T.

#### New Farm Pricing Policy

185. SHRI AMAR ROYPRADHAN: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state what steps government have taken to formulate a new farm pricing policy for agricultural produce in the country during the sixth plan-period?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): The Sixth Five Year Plan is still in the formula\_ tion stage. The New farm pricing policy for agricultural produce during the 6th Plan period would be significantly influenced the revised terms of reference for the Agricultural Prices Commission which have been adopted by government in March, 1980. new salient features arising from this revision are that: (a) increase in the number of commodities for which procurement/minimum support could be recommended by the A.P.C. and (b) consideration by the A.P.C. of the changes in terms of trade between agricultural and non-agricultural sec-The earlier objectives of price policy for providing incentive to the producers for adopting improved technology of production, ensuring rational utilisation of production resources, safe-

guarding the interests of producers consumers and evolution of balanced and integrated price structure in the perspective of overall needs of the economy, would also continue to be foollwed.

#### Sugar for West Bengal

186. SHRI AMAR ROYPRADHAN: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) the quantity of free sale P.D.S. sugar released to West Bengal State for the period June to December, 1980 by the Central Government against the State Government's mand;
- (b) whether it is a fact that the released sugar would meet the mand of West Bengal people; and
- (c) if not, whether Government propose to supply more sugar to that State immediately?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI V. SWAMINATHAN):

(a) and (b). A monthly levy sugar quota of 21994 tonnes has been allotted to West Bengal Government for the period June to November 1980. The release to levy quota for December 1980 will be made in due course. West Bengar Government had asked for a monthly levy sugar quota of 40,000 tonnes but in view of decline in sugar production in 1979-80 season, it has not been possible to increase the quota of any State beyond the level of their quota obtaining during partial control period immediately prior to decontrol of sugar on 16.8.1980.

As regards freesale sugar, under the voluntary price regulation scheme operative from 1st September to 15th November, 1980, West Bengal Government was allotted freesale quota 10,219 tonnes for September. tonnes for October and 5,600 tonnes for first fortnight of November, 1980. All the State Governments including West Bengal were allotted these quotas on the basis of pattern of freesale sugar consumption in the past with some adjustment for population. West Bengal Government had asked for a freesale quota of 15,000 tonnes per month, but in view of limited availability of sugar it was not possible to accede to its request.

(c) The requests of State Governments including West Bengal for increase in their monthly levy sugar quotas will be considered in the light of sugar production trends in 1980-81 season.

## चीनी के मूल्य में वृद्धि के लिए राज्ये सरकारों को निर्देश

187. श्री रामवतार शास्त्री : क्या कृष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या यह सच है कि सरकार ने राज्य सरकारों को गन्ने के मल्य में वृद्धि के लिए निदश दिए हैं;
- (ख) यदि हां, तो तत्सम्बग्धी व्योरा क्या है ; श्रीर

(ग) उस पर राज्य सरकारों की क्या प्रतिक्रिया है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ग्रार. वी. स्वामीनाथन) : (क) राज्यों को सरकार द्वारा निर्धा-रित न्यूनतम मूल्य के ग्रलावा गन्ने का ऊंचा मूल्य देने के बारे में ऐसे कोई सरकारी निर्देश जारी नहीं किए गए हैं तथापि, फैक्ट्रियों द्वारा गुड़ ग्रीर खण्डसारी निर्माताग्रों के साथ होड में गन्ने की पर्याप्त सप्लाई प्राप्त करने के लिए ऊंचे मूल्य दिए जाने की संभावना है।

(ख) तथा (ग). प्रश्न ही नहीं उठते ।

### National Adult Education Programme

188. SHRIMATI GEETA MUKHER-JEE: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that the National Adult Education Programme has not made much headway as expected when it was launched;
- (b) if so, what is the present position of the programme; and
- (c) what measures are proposed to be taken to improve the situation in future?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN):

(a) to (c). The National Adult Education Programme was launched in October 1978. Certain aspects of the programme came up for widespread criticism. Accordingly, the programme was subjected to a comprehensive review by a Review Committee set up in October 1979. Measures to make the programme more effective are being examined.

#### Visit of J.C.M. to Govt. of India Presses

189. SHRI CHANDRADEO PRASAD VERMA: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that some representatives of J.C.M. visited various Government presses on Government's expenses under Directorate of Printing;
- (b) if so, the details thereof since 1st January, 1978 date-wise, unit-wise and Government's advances involved and rules under which such concession were extended;
- (c) whether the advance were timely and duly adjusted and if not the reasons thereof;
- (d) whether any useful purpose was served with these visits; and
  - (e) if so, the reasons thereof?

THE MINISTER OF PARLIA-MENTARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) The visits of the representatives of the P.C.M at Government's expenses were of two types. One was visit of the J.C.M. members as Members of a Committee formed by the Departmental Council (JCM) to examine and give its report on a particular issue raised in the Council. The other was visit by leader of the Staff Side of the Printing, Stationery and Publications Wing in the Departmental Council (JCM) to the Government of India Presses for specific purposes under the direction of the Director of Printing. Since 1st January, 1978, members of the Departmental Council (JCM) visited Nasik, Calcutta and Simla on 13th September, 1979, 25th October, 1979 and 4th March, 1980 respectively as members of a Committee formed by the Departmental Council (JCM) to examine and give recommendations on certain matters referred to the Committee. These were official visits and the members were entitled to normal Travelling Allowance Daily Allowance as admissible under the Rules. As per Rules they were also entitled to T. A. advance for their journey. The T. A. advance is invariably adjusted against the T.A. bill of the individual. Since members belonged to Government of India Presses at Simla, Delhi, Nasik and Calcutta, the details of the advances paid and the adjustments made are not readily available.

In addition, the leader of the Staff Side representing Printing, Stationery and Publications Wing in the Departmental Council (JCM) was required by the Director of Printing to visit Simla on 18th May 1980 and Calcutta on 7th September, 1980 in public interest. Therefore, these two journeys were treated as official journeys and as per the Rules he was paid T.A. advance of Rs 300.00 for journey to Simla and Rs. 600.00 for his visit to Calcutta

(c) The factual position, as already stated in part (b) is not readily available. The advances paid to the members of the JCM Committee which relate to their journeys in September, 79, October, 79 March, 80 being quite old would have adjusted been against their T.A. claims as per normal practice.

The Leader of the Staff side who visited Simla and Calcutta in May, 80 and September, 80 respectively has already submitted his T.A. (adjustment) bills on 22nd July, 1980 (in respect of journey to Simla in May, 80) and on 4th October, 1980 (in respect of journey to Calcutta in September, 80). These bills are under scrutiny.

(d) Yes, Sir. The visit of the JCM members was useful as they functioned as a liasion between the management Government and the Staff. Similarly the visit of the Leader of the Staff Side representing the Printing Stationery and Publications Wing in the Departmental Council (JCM) to the Government of India Press at Simla and Calcutta

were helpful as he functioned as a liasion between the management and the staff at the required occasions by virtue of his being a member of the Joint Consultative Machinery.

(e) Does not arise.

## भारत सरकार के मुद्रणालयों के कर्म-चारियों के लिए बोनस

190. श्री रीत लाल प्रसाद वर्मा: क्या निर्माण ग्रीर ग्रावास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या केन्द्रीय सरकार ने रेल, रक्षा तथा कुछ ग्रन्य विभागों से जुड़ा रक्षा तथा कुछ ग्रन्य विभागों में काम करने वाले कर्मचारियों को उत्पादिता में जुड़ा हुग्ना बोनस देने का निर्णय किया है परन्तु भारत सरकार के मुद्रणालयों में काम करने वाले कर्मचारियों पर इस सम्बन्ध में विचार नहीं किया है;
- (ख) क्या यह सच है कि भारत सरकार मुद्रणालय ग्रलीगढ़ को मुख्यतया डाक-घर विभाग की ग्रावश्यकताएं पूरी करनी होती है;
- (ग) क्या भारत सरकार मुद्रणालय ग्रलीगढ़ के सभी कर्मचारियों ने एक मांगपत्र पर हस्ताक्षर करके उसे बोनस दिये जाने हेतु मंत्रालय को भेजा है , ग्रौर
- (घ) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार ग्रलीगढ़, पटना तथा ग्रन्य मुद्रणालयों के कर्मचारियो को प्रोत्साहन के रूप में उत्पादिता से जुडा हुग्रा बोनस देने का है ?

संसदीय कार्य तथा निर्माण ग्रौर ग्रावास मंत्री (श्री भीष्म नारायण सिंह): (क) जी, हां ।

- (ख) जी, हां।
- (ग) जी, हां।

(घ) यह प्रस्ताव इस मंत्रालय में विचाराधीन है। यह निर्णय जब कभी भी यदि किया गया तो यह इस मंत्रालय के प्रधीन भारत सरकार के सभी मद्रणालयों पर लागू होगा। फिर भी यह कहा जाता है कि पटना में इस समय भारत सरकार का कोई मुद्रणालय नहीं है।

#### Food for Work Programme in Andaman and Nicobar Islands

191. SHRI MANORANJAN BHAKTA: Will the Minister of RURAL RECONSTRUCTION be pleased to state;

- (a) when the Food for Work scheme was introduced in Andaman and Nicobar Islands and how much rice/wheat has been sanctioned by the Government of India;
- (b) whether Andaman and Nicobar Administration has asked for material cost under the said scheme;
- (c) if so, when and what action has been taken;
- (d) the quantity of rice supplied to the workers under the Food for Work scheme at Port Blair, Tehsil Rangat, Tehsil Fararganj, Tehsil Diglipur, Tehsil Mayabunder and Little Andaman Tehsil, respectively; and
- (e) if there is any discrepancy, the reasons thereof from Tehsil to Tehsil?

THE MINISTER OF AGRICUL-TURE AND RURAL RECONSTRUC-TION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) The implementation of Food for work Programme in Andaman and Nicobar Islands started in the year 1979-80. The allocation| releases made to the Union Territory Administration during the years 1979-80 and 1980 are as under:—

1979-80 1980-81
Quantity allocated
(M.Ts.) 550 1050
Quantity released .
(M.Ts.) 175 750

- (b) Yes, Sir.
- (c) Cash amount of Rs. 5 lakhs has been allocated to the Union Territory.
- (d) and (e) The information is being collected from the Union Territory Administration and will be laid on the table of the House.

## प्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में प्राथमिक पाठशालायें

- 192. भी रीत लाल प्रसाद वर्मा : क्या शिक्षा भौर समाज कल्याण मंत्री निम्नलिखित जानकारी देने वाला विवरण सभा-पटल पर रखने की कृपा करेंगे :
- (क) देश में राज्यवार ग्रामीण ग्रौर नगरीय क्षेत्रों में प्राथमिक पाठशालाभ्रों की भ्रलग-ग्रलग संख्या कितनी है ;
- (ख) क्या इन पाठशालाग्रों ग्रपनी/सरकारी पक्की इमारतें इसमें भ्रावश्यक सामान भ्रौर ग्रध्यापन सुविवाएं है तथा इस संबंध में पूर्ण ब्यौरा क्या है ;
- (ग) क्या सरकार का विचार कि ग्रामीण क्षेत्र की इन सभी पाठशालाम्रों के लिये इमारतों के निर्माण की योजना बनाने का है ग्रौर इस प्रकार शिक्षा उद्देश्यपूर्ण तथा सुबोध बनाया ग्रीर
- (घ) यदि हां, तो कब तक ग्रौर यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

शिक्षा ग्रौर समाज कल्याण मंत्री (भी एस० बी० चव्हाण): (क) विवरण सभा पटल पर रखा गया है प्रन्थालय में रखा गया । देखिये संख्या एल टी-1323/80]

- (ख) जी नहीं। सभी प्राथमिक स्कूलों के पास पक्के भवन, न्यूनतम उपस्कर, पाठ्य पुस्तकों भ्रादि उपलब्ध नहीं हैं । दो विवरण सभा पटल पर रखे गरे है प्रन्थालय में रखा गया। देखिये संख्या एल टी-1323/80 ] इनमें से एक विवरण (ii) छ: मुख्य वर्गी, ग्रर्थात खुले स्थान, तम्बु, झोपडियों, कच्चा ग्रांशिक रूप से पक्का, ग्रौर पक्का, के ग्रनुसार प्राथमिक स्कूल भवन ढांचों की राज्यवार संख्या दर्शायी गई है ग्रौर दूसरे (विवरण-iii) में ग्रामीण ग्रौर शहरी दोनों क्षत्रों में प्रबंध के अनुसार छात्रों के लिए श्याम-पट्ट पाठ्यपुस्तक बैंक पुस्तकालय तथा पर्याप्त फर्नीचर की सूविधाय्रों वाले प्राथमिक स्कुलों की कुल संख्या दर्शायी गई है।
- (ग) ग्रौर (घ). सरकार को विभिन्त राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में प्राथमिक स्कुलों की कमियों का पता है । राज्य सरकारों को 1980-85 के लिए ग्रपनी छठी योजना के प्रस्ताव तैयार करते समय इन कमियों को ध्यान में रखने की सलाह दी गई है। तथापि स्रार्थिक स्त्रोतों की कमी के कारण उस निश्चित समयावधि को बताना संभव नहीं है, जिसमें इस कमी को पर्याप्त रूप से पूरा किया जा सकता है ।

#### Distress sale of Paddy

193. SHRI R. Y. GHORPADE: Will the Minister of AGRICULTURE pleased to state:

- (a) whether Government have received reports of distress sale of paddy from various parts of the country; if so, facts thereof;
- (b) whether the new policy bars the procurement of paddy with a moisture content of above 18 per cent;

- (c) how it is ensured that officials strictly follow this direction and prescribed quality of paddy only is procured:
- (d) whether it is a fact that of the paddy stock has been mopped up by rice millers and paddy higher moisture content only is left for Government agency; and
- (e) if so, whether there is proper check on Procurement Officers Commission Agents against their collusion to deprive the farmers of proper price by arbitrarily declaring quality and moisture content of paddy?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) No. Sir. There have been no official reports of distress sales from any State Government. A few representations received regarding non-purchase of paddy by State agencies in Punjab and Haryana in the beginning of the season were forwarded to the State Governments for suitable action.

- (b) No, Sir. The limit for moisture content has recently been enhanced from 18 per cent to 20 per cent subject to cuts as last year.
- (c) Technically qualified and trained staff who are equipped with moisture metres are deployed on procurement work.
- (d) No, Sir. In fact, in Punjab and Haryana major portion of the paddy stock has been purchased by Government agencies. Of the total market arrivals of 37.02 lakh tonnes as on 12th November, 1980 in Punjab and Haryana, the public agencies purchased 21.58 lakh tonnes which works out to more than 58 per cent. For stocks purchased with higher moisture content, proportionate cuts are being made as usual.
- (e) Special squads are deputed during the procurement season make on the spot surprise inspections

and sort out the grievances of farmers in the mandies.

#### Protection for Teachers working Educational Institutions run by Minority Communities

- C. CHINNASWAMY: 194. SHRT of EDUCATION Will the Minister AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:
- (a) whether there is any proposal to amend the Constitution to protect the interest of the teachers working in the Educational institutions run by the minority communities; and
  - (b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF EDUCATION SOCIAL WELFARE (SHRI AND S. B. CHAVAN): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

#### Visit of Central Team to Gunupur due to flood in Vansadhara River in Orissa

195. SHRI GIRIDHAR GOMANGO: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether the Central team cently visited flood affected Gunupur sub-division of Koraput District, Orissa to assess the loss and damages due to Vansadhara river;
- (b) if so, the findings made by that team in Gunupur sub-division;
- (c) the suggestion made by to his Ministry and also to the Government of Orissa to meet the problems of flood affected people; and also the sub-division; and
- (d) the measures taken by his Minis try and Government of Orissa in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE OF MINISTRY AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) A Central Team visited the floo'l affected areas in Orissa between the 3th and 10th October, 1980.

- (b) The Vanasadhara river caused unprecedented havoc on the 17th and 18th September, 1980. At Gunupur in Koraput, it crossed the Danger Level of 82.20 metres at about 11 A.M. on the 17th September and, at about 5 P.M. the town protection embankment (84.50 mts.) was overtopped. The river started rising steadily thereafter till late evening of the next day. In the meantime, Gunupur and the down stream township of Kashinagar (in Ganjam) had been extensively devasted. Apart from numerous huts, a large number of pucca buildings in these two towns and in some villages on the Vanasadhara banks had been swept away. The Team found clear evidence of the flood level from the floating matter deposited in treetops and from water works on walls on surviving massonary structures. huge bridge and massive transmission towers had fallen to the floods which have also annexed large areas of cropped lands to the river's beds causing heavy sand-casting on extensive agricultural lands.
- (c) and (d). The Team recommended Central assistance for the relief and rescue operations, repair and restoration of public properties and for taking up labour intensive works and restoration of community assets. Besides it also recommended advance Plan assistance to the Government of Orissa. The report of the Central Team has been considered by the High Level Committee on Relief and a proposal to sanction a ceiling of expenditure of about Rs. 43 crores is under consideration of the Government of India.

The Central Team has recommended that the State Government should endeavour to organise housing loans from the HUDCO, the LIC and the State Housing Board to assist the people for reconstruction of the houses damaged.

No specific recommendation of assistance has been made in respect of Gunupur sub-division.

The State Government have taken the following measures:—

- (1) Rescue and relief operations.
- (2) Rehabilitation of the people whose houses have been washed away or wholly and partly damaged.
- (3) Extending assistance to artisans and fishermen.
- (4) Organising labour intensive works for providing employment.
- (5) Repair and restoration of damage to public properties.
- (6) Intensification of agricultural production in the affected areas.

# Govt. accommodation for employees owning Houses

196. SHRI R. L. BHATIA: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state.

- (a) whether Government are contemplating to reverse the decision to allot houses to Government servants who own their houses and arc getting rent at the rate of Rs. 1000/- p.m. and above with a view to accommodate such of the Government servants as have not been allotted accommodation for the last more than 2 decades or so and are still on the Waiting List; and
- (b) if so, at what stage the matter stands at present?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND WORKS AND

311

HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) No, Sir.

(b) Question does not arise.

# Observance of reservation orders in I.I.T., Madras

197. SHRI K. B. S. MANI: Will the Minister of EDUCATION AND SO-CIAL WELFARE be pleased to state:

- (a) whether a spot study has been conducted in I.I.T., Madras regarding observance of reservation orders for Scheduled Castes and Scheduled Tribes; and
- (b) if not, when the spot study will be conducted by Government?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) and (b). Yes Sir, on 28-1-1978 a study team from the office of Commissioner for Scheluled Castes and Scheduled Tribes conducted the study regarding observance of reservation orders for SC/ST at I.I.T., Madras.

#### U.G.C. grants to J.V.M.G.R. College Charki Dadri, Haryana

198. SHRI CHIRANJI LAL SHAR-MA: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 1637 on 23rd June, 1980 regarding U.G.C. grants to JVMGR College and state:

- (a) whether the investigation into certain irregularities in the construction of staff quarters of J.V.M.G.R. College built with U.G.C.'s assistance during Fourth Plan period has since been completed;
- (b) if so, the decision so far thereon; and
- (c) whether the grant has been released?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). On receipt of the report of investigation, the University Grants Commission asked the College to provide adequate electric facilities in the staff quarters and send a certificate to that effect. Subject to this, the Commission decided to lift the ban imposed on the release of development grants to the College in general.

The College has since furnished the required certificate. While the grants for the construction of staff quarters have already been paid to the College, grants for the construcion of library building have yet to be released.

#### Industrial Wood and Social Forestry

199. SHRI HARINATH MISHRA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether there is acute shortage of industrial wood in the country:
- (b) whether Government propose to introduce high-yielding varieties of timber, particularly Central American species in the forests;
- (c) whether Government propose to reclaim wastelands, ravines for promotion of social forestry in and near the villages to meet the shortage of fuel wood; and
- (d) whether Government would earmark special funds to launch a crash programme to give impetus to industrial wood and social forestry?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) Yes, Sir. There is shortage of industrial wood.

- (b) Yes. Sir.
- (c) Yes, Sir.
- (d) For growing industrial wood, no funds are specially earmarked. There is a proposal under consideration for giving assistance to the States for growing fuelwood for supply to rural population, under a Centrally sponsored (Social Forestry) Scheme.

# Dependence on Imports of weed killers for paddy

200. SHRI JYOTIRMOY BOSU: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that the country is totally dependent for weed-killers for paddy (Butachlor-Monsonto Chemicals, USA) on imports;
  - (b) if so, the reasons therefor; and
- (c) what steps have been taken to prevent this for future?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) and (b). Weedicides for paddy are used to a limited extent in certain parts of the country. Both indigenously produced weedicides like 2, 4-D, Propanil, Nitrofen and imported weedicides viz: Butachlor are used by the farmers. Butachlor has been found by the farmers to be more effective; hence this is the preferred weedicide.

(c) Firstly, another weedicide (Benthiocarb of Japan) claimed to be equally effective has been provisionally registered to enable an Indian Pesticide manufacturing Company to develop manufacturing/formulation capacity. Secondly, letters of intent have been issued to three Indian firms for manufacture of technical grade Butachlor and the case of another Company is under consideration of Government of India.

12 hrs

(Interruptions)

#### RE. MOTIONS FOR ADJOURNMENT

SHRI CHANDRAJIT YADAV (Azamgarh): I rise on a point of order . . .

PROF. MADHU DANDAVATE (Rajapur): We have given you notice for adjournment motion on rising prices.

(Interuptions)

MR. SPEAKER: All of you may please sit down.

(Interruptions)

MR SPEAKER: Hon. Members, I have to inform the House that I have received several notices of Adjournment Motions, regarding Railway Accidents.

The Notice has come from Shri Basudev Acharya, Shri A. K. Balan, Shri Rupchand Pal and Shri Harikesh Bahadur. The notice from Shri Basudev Acharya has secured the first place in the ballot It reads as under:

"The reported accidents of Sangam Express, Saurashtra Mail and Punjab Mail in just ten days resulting in the death of hundreds of passengers and injuries to many hundreds."

I have given my consent to the moving of this Adjournment Motion under Rule 56. Shri Basudev Acharya may now ask for the leave of the House to move his Adjournment Motion.

DR SUBRAMANIAM SWAMY (Bambay North East): What about the others?

(Interruptions)

MR. SPEAKER: One by one, let me first hear him.

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : दूसरी भी पढ़िये । कम्युनल रायट्स वाली भी पट्ये । यह बहुत गम्भीर मामला है । और कौन-कौन से एडजर्नमेंट मोजन है उनका भी पढ़िये ।

अध्यक्ष अहांबय: मेरी बात सुनिये। Have you read the rule?

(Interruptions) \*\*

MR. SPEAKER: Nothing to be recorded.

(Interruptions) \*\*

MR. SPEAKER: I request all of you to please take your seats.

prof. Madhu dandavate: I just want to know only this: I want to know how many Adjournment Motions notices have come? Railway Accidents is just one of them. Many changes have taken place in the Railway Ministry. So probable you have taken that. But what about the others? What about the Notices on Rising Prices? I have given notice. We are very much worried about it.

MR. SPEAKER: I cannot allow all of them.

FROF. MADHU DANDAVATE: Will the Minister make a statement specifically on this? I want to know this. We are very much exercised about the rising prices. Sir, what about rising prices? Is it not very important?

श्री रामावतार ज्ञास्त्री (पटना) : प्राइज राइज वाला सब से ज्यादा महत्वपूर्ण मामला है।

(Interruptions)

MR. SPEAKER: All of you may please sit down.

(Interruptions)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record without my permission.

(Interruptions) \*\*

PROF. MADHU DANDAVATE: Why have you given permission for an adjournment motion on this subject (Interruptions).\*\*

MR. SPEAKER: It is my judgement. Now please sit down. One thing at a time I know there are important questions, I know there are many burning questions, If we have to take them all at once, you are free to do it.

(Interruptions)

MR. SPEAKER: Please sit down.

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): Prime Minister's Secretariat's clearance is necessary.

MR. SPEAKER: There is no question. No. I don't consult anybody about my judgement, This is an insinuation. It should be recorded, I will have to take it up.

(Interruptions)

MR. SPEAKER: Please sit down. When I am on my legs, you are not supposed to speak. All things cannot be taken up at once. Please listen to me. If you interrupt all the time, how can I speak?

(Interruptions)

MR. SPEAKER: There is no question. There are certain things.
(Interruptions)

MR. SPEAKER: But you have to taken into account all the things, all the rules and regulations that have been given in the book. Please sit down now. Why are you interrupting me? I can take into consideration every aspect, every question, and I will allow in this House discussion on every subject which is brought up. But it shall be one subject at a time. We are having a meeting of the Business Advisory Committee this evening. . We can discuss it. This adjournment motion has also been given by an hon Member. I have not given the adjournment motions. These are from the hon. Members. There are certain things If I had taken yours and not somebody else's, he will take objection. That is not the thing.

(Interruptions)

MR. SPEAKER: Don't interrupt me in any case. Please listen to me. I have given you one thing. Please sit down. Let me finish first. What I want to say is: I can give you one assurance that you will have the time to discuss each subject which has been referred.

(Interruptions)

<sup>\*\*</sup>Not recorded..

MR. SPEAKER: Look here. There is no question. You cannot dictate terms to me. Mr. Ram Vilas. You cannot dictate terms to me. I have to decide. Price rise is there, communal disturbances are there. Assam problem is also there. There are so many things. They are all important. How can you minimize their importance? That is my duty. I have to discharge it.

(Interruptions)

MR SPEAKER: No. When I am standing, you should sit. Please sit. Don't shout, sit down. You can discuss everything, but not like this.

THE DEPUTY MINISTER IN THE "MINISTRY OF FINANCE (SHRI MAGANBHAI BAROT): Sir, I am on a point of order. (Interruptions),

MR. SPEAKER: He is on a point of order.

(Interruptions)

BAROT: SHRI MAGANBHAI Please see chapter IX. (Interruptions)

MR SPEAKER: I will give time to you also. I have given time to Mr Basudev Acharia, and said that he should seek the leave of the House. First he should speak.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I on a point of order under rule 56. Sir, would you kindly indicate the House as to the date on which, ie. the opening date of receiving adjournment motions, and at point of time which adjournment motion was received by you? You kindly indicate it to the House. First come, first served.

MR. SPEAKER: Look here, I am not supposed to divulge anything or to explain anything.

(Interruptions)

भी ग्रटल बिहारी वाजपेयी : (नई दिल्ली): माफ कीजिए अध्यक्ष महोदय। श्राप मनमानी नहीं कर सकते (व्यवधान)

SHRI CHANDRAJIT YADAV: My point of order is under rule 60. (Interruptions)

SHRI CHANDRAJIT YADAV: am on a point of order under Rule (Interruptions)

MR. SPEAKER: I will come to you? after his point of order is over; I will listen to you.

(Interruptions)

SHRI MAGANBHAI BAROT: You kindly see Chapter IX dealing with Adjournment Motions. Your honour may kindly see it (Interruptions). You had your time. Let me speak. Please sit down. (Interruptions).

MR SPEAKER: Let him finish.

SHRI MAGANBHAI BAROT: has already finished.

(Interruptions)

SHRI JYOTIRMOY BOSU: What I read out was a narrative part. The operative part is that if you reveal, if you take the House into confidence, then we shall perhaps think that you are not being guided by political considerations in matters of .... (Interruptions).

MR SPEAKER: What are political considerations? (Interruptions). Absolutely irrelevant. (Interruptions). No, no, you cannot.

AN HON. MEMBER: Why cannot? (Interruptions).

THE MINISTER OF INFORMA-TION AND BROADCASTING (SHRI VASANT SATHE); Such a remark can never be allowed. (Interruptions). I am against imputation of motive to the Speaker. (Interruptions). No imputation of motive. (Interruptions)

MR. SPEAKER: Yes, you right. Your point of order is upheld.

SHRI MAGANBHAI BAROT: Chapter IX regarding Adjournment Motions, you kindly see Rule 56 and line 1. It says, "subject to the provisions of these rules, a motion for an adjournment..." The word is 'a motion' and as you have exercised your right, out of the several motions, you have selected 'a motion'. The moment you select it up....

(Interruptions). Please listen to me. Let me make my point. You have a right, it is your privilege to select 'a motion' and not many motions. You, having done one.... (Interruptions).

SHRI VASANT SATHE: He has done it by a lottery.

SHRI MAGANBHAI BAROT: Then you kindly see Rules 57 and 58. Rule 58 says that you will ask the concerned person. It is for those who are for it may support it and those who are against it may oppose it. But the whole subject matter of the discussion for the grant of permission can be 'a motion'. (Interruptions). No, no. Mr. Jyotirmoy Bosu. Do not teach us. We know something. (Interruptions).

MR. SPEAKER: Only 'a motion' is there

SHRI CHANDRAJIT YADAV. My point of order is under Rule 60. You have the right under Rule 60 either to accept an adjournment motion or to reject it on the basis of the Adjournment Motions given under Rule 56. The main thing is that the matter should be of urgent public importance. That is the main criterion. I agree with you that there are many adjournment motions before this House, before you. Now one being as you have accepted a motion regarding train accident where hundred people were killed. Another is regarding communal riots hundred of people have been killed. The minds of the people all over the country are being agitated on that communal situation. The entire country is losing faith in the Government. The third is the rising prices where the entire Indian society today suffering because of unprecedented rise in prices. As you know, the sugar price is from Rs. 8 to Rs. 15 per kg. The kerosene price is Rs. 4 per litre. The price of every item is going high. (Interruptions). Now, you have rejected it and you have taken your decision under Ruie 60,

second paragraph which says, "Provided that where the Speaker refused his consent under rule 56 or is of opinion that the matter proposed to be discussed is not in order."

"..., he may, if he thinks it necessary, read the notice of the motion and state the reasons refusing consent or holding the motion as being not in order."

I am saying that the issues, namely, rise in prices and communal riots are of such great urgent public importance; therefore I am saying, that even though in your wisdom you have not thought fit to give the reasons for not allowing these two important national issues, we have written to you that you should listen to the Opposition leaders why they are pressing their adjournment motions on rise in prices and communal riots... (Interruptions).

MR. SPEAKER: I have received from the Opposition group; there is an extract. I am giving you a precedent on 20-3-1972.

SHRI JYOTIROMY BOSU: Very recent indeed!

MR. SPEAKER: I am giving it

SHRI CHANDRAJIT YADAV: Do not refuse to allow that. We have been informed by your office that you have refused them before listening to us.

MR. SPEAKER: We shall discuss in the Business Advisory Committee how to discuss, what to discuss.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: This 18 not discussed in the Business Advisory Committee.

MR. SPEAKER: Motions can be discussed

DR. SUBRAMANIAM SWAMY (Bombay North East): On a point of order. I also want to draw your

attention to rule 60; a breach of rule 60 has taken place. I also gave an adjournment motion on the question of price rise. Now it has come here. Your pleasure is involved in what you accept and what you do not accept. We do not question that. But you are a knowledgeable person and you are aware of the treatises written on parliamentary procedures. The pleasure that is given to you here is not like the other pleasures; it cannot be exercised arbitrarily. Therefore, in this important situation, you are obligated to give your reasons. The whole House wants it and therefore you will have to tell us why you gave preference to this among others.

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI VIKRAM MAHAJAN): The question whether a particular adjournment motion should be admitted or not, on what item it should be admitted is purely your discretion. It is clear from rule 59, which "Provided that the Speater may in his discretion allow such matter being raised in the House" The discretion is yours as to which matter should be raised.

MR. SPEAKER: I know it

SHRI VIKRAM MAHAJAM condly, when you have rejected a particular motion, whether you have to give reason or not it clear from rule 60 which says: "....Provided that where the Speaker has refused his consent under rule 56 or 19 of opinion that the matter proposed to be discussed is not in order, he may, if he thinks it necessary....". This is in answer to the two hon. Members who raised the point. Whether to give reason or not is thoroughly your discretion. So that question does not arise.

भी घटल बिहारी वाजरेयी : घध्यक्ष जी, भापने रेल दुर्घटना के बारे में काम रोको प्रस्ताव पेश करने की ग्रनुमित दी दै। मैं भ्रापको बधाइ देना चाहता 2287 LS-12

हुं क्योंकि भ्राप काम रोको प्रस्ताव पेश करने की भ्रनुमति दें रहे हैं। भ्रभी तक हमारा ख्याल था कि भ्रापने फैसला कर रखा है लेकिन मेरा निवेदन यह है कि काम रोको प्रस्ताव भ्रपोजीशन की तरफ से म्राता है ....

ग्रध्यक्ष महोदय : मेरी तरफ से नहीं भ्राया है।

श्री ग्रटल बिहारी वाजपेयी : यही मैं कहने जा रहा हूं कि ग्रपोजीशन इसके लिए तैयार है कि रेल दुर्घटना से सम्बन्धित काम रोको प्रस्ताव को वापिस लेले भौर प्राइज राइज से सम्बन्धित काम रोको प्रस्ताव पेश करने की अनुमति आप प्रदान करें। (व्यवधार)।

ग्रध्यक्ष महोदय: मैंने फैसला कर लिया है। ... (व्यवधान) ...

श्री ग्रटल बिहारी वाजपेयी: ग्रपोजीशन से ग्राप को ग्रापरेशन चाहते है या नहीं... (ब्यवधान) ... यह प्रस्ताव हम वापस ले रहे हैं स्रौर प्राइस राइज के प्रस्ताव को भ्राप लें।....

ग्रध्यक्ष महोदय : एक दफा मैंने फैसला कर लिया है, वह वापिप नही होगा... मैंने फैसला कर रखा है ....

PROF. MADHU DANDAVATE: When the leaders of the opposition met you in your chamber, you asked us, "which are the issues on which you would like to focus attention?". We said that the issue that confronts the people and the Government is the rising prices and we have told you that already.

SPEAKER: I have already allowed questions on that. I am going to have a discussion also. We can discuss it. I am ready to discuss it. I am not going to bar this discussion; not at all.

SHRI YESHWANTRAO CHAVAN (Satara): This question about price rise and adjournment motion was discussed with you when you were pleased to invite us for a discussion and I remember specifically that I raised this question with you and said, "It seems that you have made up your mind not to allow adjournment motions. Please reconsider your decision this session. The price rise is a major and priority problem before the country." When today we are about to discuss an adjournment motion, one member may have given that suggestion. But you cannot go technically in that matter if you want to take the response of the whole opposition and the united view of the opposition. We are offering cooperotion and you are refusing.

MR. SPEAKER: No. no. (Interruptions)

SHRI INDRAJIT GUPTA (Basirhat): In today's revised list of business, item 8 says:

"Shri C. K. Jaffar Sharief to lay on the Table a statement regarding three serious train collisions which occurred on 20th, 27th and 30th October, 1980".

In other words, according to the revised list of business already circulated, the Government is coming here suo motu to make a statement regarding those three train accidents, on which somebody else here given an adjournment motion also. I would respectfully submit to you that we cannot anticipate matters like this. After hearing the statement of the Minister regarding these three train accidents, it may be that the necessity or desire for an adjournment motion may not persist any more if he makes a satisfactory explanation. You want to have a discussion for 3 or 4 hours regarding that? (Interruptions) Surely, when the majority of the opposition has given adjournment motion on the question of price rise, will you not inform us why you are rejecting it? You have

not even informed the House as to what are the subjects on which you have received adjournment motions, which you generally do. You have not stated the reasons as to why you are nor accepting the adjournment motion on a subject on which the entire opposition is united.

SHRI SAMAR MUKHERJEE (Howrah): This adjournment motion has been given by a Member of our Party. We have also given an adjournment motion on price rise. Today, the role of the opposition is under discussion throughout the country. The entire opposition is offering full cooperation on this issue. On behalf of my Party. I am prepared to withdraw this journment motion provided you allow adjournment motion on price The entire opposition will give full cooperation.

(Interruptions)

MR SPEAKER: I have listened to Mr. Chavan. हम सब जो मिलते है इस लिये मिलते हैं कि बैठ कर वात करें ग्रीर जो समस्यायें हैं उन का समाधान हो । उस मे हम ब्राप की राय लेते हैं ब्रौर उस दिन भी सारी बातें स्राई थीं , क्या-क्या डिस्क्स करना चाहते हैं। मैंने भी उस दिन यह निवेदन किया था कि मैं किसी डिस्कणन को दबाना नही चाहता हूं।

I have an open mind. But when I have decided one thing why do you want me to change that? I want to give you an assurance that all these subjects will have full discussion and I will give full opportunity for that. (Interruptions) मंहगाई की बात भी करेंगे, मुरादाबाद की बात भी करेंगे। भुखमरी की बात करेंगे, सभी बातें करगे।

I am open to suggestions. I have given an assurance that I will not throttle any discussion in this House. I am going to provide full apportunity to every Member of this House to have discussion on each subject which is of importance, one by one.

(Interruptions)

PROF. MADHU DANDAVATE: Allow me to correct an impression that you have given. You have just now made certain comments that when you had invited the leaders of the opposition, you gave us an assurance that you will give an opportunity to discuss all the issues. But let it be clear that when the leaders of the entire opposition met you in chamber, we told you that our priority number one was the "rise in prices" and therefore, the priority for adjournment motion should be given. There is an element of censure involved in the adjournment motion. We are not interested only in discussion but we want to censure this Government. That is why, we want this adjournment motion.

(Interruptions)

MR. SPEAKER: I want to cooperate and I gave you an assurance that I would cooperate in discussing every subject.

SHRI CHANDRAJIT YADAV: But what is wrong if he is withdrawing? Has the Member not the right to withdraw it?

MR. SPEAKER: I will not change my decision and I will stick to my word that I will give full time for discussion on every subject.

(Interruptions)

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Sir, you were good enough to observe that only one motion could be taken up. Rule 58 reads:

"not more than one such motion shall be made at the same sitting" (Interruptions) Since hon. Members are anxious to move a motion on price rise, the Member who has given notice of an adjornment motion on

Railways is willing not to move his motion....(Interruptions)

MR. SPEAKER: There is no precedent for changing the decision.....
(Interruptions) I will allow a discussion.

SHRI CHANDRAJIT YADAV: Let it be withdrawn... (Interruptions) Since the hon. Member is willing to withdraw his motion, if you want the co-operation of the opposition members, you should accept the change.... (Interruptions).

SHRI VASANT SATHE: Sir, I rise on a point of order. Rule 60 says:

"The Speaker, if he gives consent under rule 56 and holds that the matter proposed to be discussed is in order, shall call the member concerned who shall rise in his place and ask for leave to move the adjournment of the House:"

In both places the word used is "shall". If he wants, he can move the motion. If he does not want it, he can say "I do not ask for leave". But there is no choice for the Speaker; he cannot say "I will allow the withdrawal of the motion"... (Interruptions)

PROF. MADHU DANDAVATE: After the withdrawal of the adjournment motion on the railway accident, are you going to change your decision?

(Interruptions)

SHRI VASANT SATHE: Members can withdraw themselves from the House, but the motion cannot be withdrawn.

(Interruptions)

MR. SPEAKER: Please sit down. There is no option. (Interruptions). You don't try to accommodate.

What I have already told you is, there is no option for me but to go ahead with this. If Mr. Basudeb does not come up and ask for the permis-

[Mr. Speaker] sion, then it is his choice. But I shall (Interruptions). not ask him. There is no such precedent...

श्री ग्रटल बिहारी वाजपेयी : श्री बसुदेव ने ग्रब क्या लिखा है यह तो ठीक है कि उन्होंने दिया था। (व्यवधान)

श्रध्यक्ष महोदय श्राप मेरी बात क्यों नहीं सुनते । श्रगर हाउस ऐसे चलाने से चल सकता है तो चला लीजिए । (व्यवधान) मैं हरेक की बात सुन रहा हूं। मैं बार-बार यह बता रहा हं कि मैने कोई तहैया नही किया हम्रा है कि इस पर डिस्कशन नहीं होना है। (व्यवधान) इस तरह से स्रापके कहने से तो हाउस नही चलेगा। (व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : हम लोगों ने भी एडजोर्नमेंट मोशन दिया है।

MR. SPEAKER: But today it cannot. मैं एक ही स्वीकार कर सकता हं।

CHANDRAJIT SHRI YADAV: You are refusing to accept the united request of the Opposition...

MR. SPEAKER: You are also not accepting my request.

SHRI CHANDRAJIT YADAV: ...to discuss the most burning topic, that is, the price rise. Or entire people are suffering. You are not prepare to allow discussion. Therefore, we walk out.

At this stage, Shri Chandrajit Yadav and some other hon. Members left the House.

(Interruptions)

SHRI BAPUSAHEB PARULEKAR: (Ratnagiri) Mr. Speaker, I am making a submission. You said that you

may throw it for discussion. But your officers have informed us that all our adjournment motions have been rejected. We have not been informed that they are under the consideration of the Chair. Have you rejected our adjournment motions? That is the only question which we have been asking and no answer has been given to us. We have given four adjournment motions and we have been told that the motions have been rejected. And you say you will now throw it for discussion

MR SPEAKER: The motions are there. We have got other motions under Rules 184 and 193. There are so many motions like this.

SHRI BAPUSAHEB PARULEKAR: What about the adjournment motions?

MR. SPEAKER: I have allowed one adjournment motion

SHRI BAPUSAHEB PARULEKAR: What about the others? Have rejected them? What are the reasons for that?

MR. SPEAKER: I don't need give them. I am not supposed to give

SHRI BAPUSAHEB PARULEKAR: That is true, but you are accepting the adjournment motion on railways. I would like to know when did you receive the adjournment motion regard to railways.

(Interruptions)

SHRI BAPUSAHEB PARULEKAR: Why not?

MR. SPEAKER: I do not know from where others came. In fact they came from the Members.

SHRI BAPUSAHEB PARULEKAR: Would it be of any harm if that is disclosed?

MR. SPEAKER: I did not give. I need not give. (Interruptions)

SHRI BAPUSAHEB PARULEKAR: There is no ber

MR. SPEAKER: Shri Rup Chand Pal

(Interruptions)

MR. SPEAKER: Nothing should be recorded.

(Interruptions) \*\*

MR. SPEAKER: This is absolutely incorrect, false and baseless.

SHRI G. M. BANATWALLA (Ponnani): There is a point of order.

There is a peculiar situation under this Rule 60. You have given your consent to one adjournment motion which was not moved or anything like that. We have given several adjournment motions. There is my adjournment motion on communal violence. At least let us know the reason why you are not taking it up so that we may not go on repeating it every day.

MR. SPEAKER: You can come to me I am not supposed to give....

SHRI G. M. BANATWALLA: I may repeat my adjournment motion on communal violence for tomorrow.

MR SPEAKER: It is your discretion

SHR! G. M. BANATWALLA: Please let us know the reason why you are disallowing

12.48 hrs

PAPERS LAID ON THE TABLE Indian Telegraphs (Fourth and Fifth Amdt ) Rules, 1980

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON): I beg to lay on the Table a copy each of the following Notifications (Hindi and English versions) under sub-section (5) of section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885:—

(1) The Indian Telegraphs (Fourth Amendment) Rules, 1980, pub-

lished in Notification No. GSR 492(E) in Gazette of India dated the 27th August, 1980.

(2) The Indian Telegraph (Fifth Amendment) Rules, 1980, published in Notification No. GSR 549(E) in Gazette of India dated the 25th September, 1980.

[Placed in Library. See. No. LT-1293/80.]

ANNUAL REPORT AND REVIEW OF INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY, BOMBAY FOR 1979-80

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): I beg to lay on the Table:

- (1) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Technology, Bombay, for the year 1979-80.
- (2) A copy of the Review (Hindi and English versions) by Government on the working of the Indian Institute of Technology, Bombay, for the year 1979-80.

[Placed in Library. See No. LT-1294/80.]

SHRI RAM JETHMALANI (Bombay North West): I am entitled to make my comments on the Papers to be laid on the Table.

(Interruptions)

द्याच याँ भगवान देव (ग्रजमेर) : मैं जानना चाहता हूं कि माननीय जेठमलानी जी ने वान ग्राउट किया है या नहीं ?

ग्रध्यक्ष महोदय: वह बैठे हुए है। कैसे वाक ग्राउट हुग्रा?

SHRI RAM JETHMALANI: I had walked out and I have come back.
(Interruptions)

<sup>\*\*</sup>Not recorded.

SHRI RAM JETHMALANI: I want to make a comment on the first set of papers which are being laid on the Table.

(Interruptions)

SHRI RAM JETHMALANI: I will take care of my party. These gentlemen need not advise me.

(Interruptions)

MR. SPEAKER: Please sit down.

SHRI RAM JETHMALANI: I take advice from the people who know better than me and not from these gentlemen.

(Interruptions)

MR. SPEAKER: He is within his bounds.

SHRI RAM JETHMALANI: I have two comments to make on the Papers which have been laid—comments which are not covered by Rule 305B.

In the first place, the papers that have been laid include 10 important Ordinances which have been promulgated during the last few days when the Parliament session was absolutely imminent...

MR. SPEAKER: They have not been laid yet. That is item No. 5. You have to wait.

SHRI RAM JETHMALANI: I will wait much to the annoyance of these gentlemen.

PAYMENT OF BONUS (AMDT. ORDINANCE, 1980, NATIONAL SECURITY ORDINANCE, 1980, CODE OF CRIMINAL PROCEDURE (AMENDMENT) ORDINANCE, 1980 ETC., ETC., AND D.D.A, (FACTORS FOR DETERMINING RATE OF BETTERMENT CHARGES) RULES, 1980.

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): I beg to lay on the Table:

(1) A copy each of the following Ordinances (Hindi and English

versions) under article 123(2)(a) of the Constitution:

- (i) The payment of Bonus (Amendment) Ordinance, 1980 (No. 10 of 1980) promulgated by the President on the 21st August, 1980.
- (ii) The National Security Ordinance, 1980 (No. 11 of 1980) promulgated by the President on the 22nd September, 1980.
- (iii) The Code of Criminal Procedure (Amendment) Ordinance, 1980 (No. 12 of 1980) promulgated by the President on the 23rd September, 1980.
- (iv) The Maruti Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Ordinance, 1980 (No. 13 of 1980) promulgated by the President on the 13th October, 1980.
- (v) The Monopolies and Restrictive Trade Practices (Amendment (Ordinance, 1980 (No. 14 of 1980) promulgated by the President on the 13th October, 1980.
- (vi) The Tea (Amendment) Ordinance, 1980 (No. 15 of 1980) promulgated by the President on the 13th October, 1980.
- (vii) The Hind Cycles Limited and Sen-Releigh Limited (Nationalisation) Ordinance, 1980 promulgated by the President on the 15th October, 1980.
- (viii) The Forest (Conservation) Ordinance, 1980 (No. 17 of 1980) promulgated by the President on the 25th October, 1980.
- (ix) The Bird and Company Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings and Other Properties) Ordinance, 1980 (No. 18 of 1980) promulgated by the President on the 25th October, 1980.
- (x) The Auroville (Emergency Provisions) Ordinance, 1980 (No.

19 of 1980) promulgated by the President on the 10th November. 1980.

[Placed in Library. See No. LT-1295/80.1

(2) A copy of the Delhi Development Authority (Factors for Determining Rate of Betterment Charges) Rules, 1980 (Hindi and versions) published in Notification No. G.S.R. 1007 in Gazette of India dated the 27th September, 1980, under section 58 of the Delhi Development Act, 1957. [Placed in Library. See No. LT-1296 80].

MR. SPEAKER: Shri Ram Jethmalani.

SHRI RAM JETHMALANI: The two comments which I am making are these.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY  $\mathbf{OF}$ SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI BUTA SINGH): Under what rule?

MR. SPEAKER: I have gone through the rules. I have allowed him.

SHRI RAM JETHMALANI: you are the protector of the dignity and the authority of this House. first comment is that you have protested and you have not prevented the diminuation of the duration this session. It was your duty to see that this House gets adequate for the discussion of these vital matters. I regret that the duration of this session instead of being expanded has been curtailed. This is intended to steamroller the Parliament; this is intended to curtail legitimate dissent.

My second comment is that Ordinances which have been promulgated are a threat to the parliamentary form of Government which it is your duty to protect...

SHRI BUTA SINGH: He is discussing the merits.

SHRI RAM JETHMALANI: Government by habitual Ordinances is the greatest menace to parliamenand parliamentary tary democracy decency. The promulgation of these Ordinances, I say with great confidence, is a fraud on article 123 of the constitution I want that the Speaker of the House should express his displeasure to the Government that this is not the way to govern. This is not Government This is gross-mis-Government. I expect you, as the protector of the dignity of the House, to make your displeasure known to the Government.

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE MAGANBHAI BAROT): I know Mr. Ram Jethmalani is ignorant of the rules. But I did not know he was so ignorant of the rules. It is the right of the Government to promulgate ordinances The House has not yet taken a decision on them. They will be discussed. It is for the House to decide. He is making allegations and imputing motives. Let them have the courage and strength to defeat them, if they want.

SHRI RAM JETHMALANI: I have to request Mr. Maganbhai Barot read Kaul and Shakdher Book which he has not done. Let him at least read that book and do some home work

SHRI MAGANBHAI BAROT: never knew that he was so ignorant of the rules.

SHRI H. K. L. BHAGAT: (East Delhi): I rise on a point of order, Sir.

SHRI BAPUSAHEB PARULEKAR: (Ratnagiri): Under what rule? You ask him. There should be no discrimination.

SHRI H. K. L. BHAGAT: Sir, you gave permission to Mr. Ram Jethmalani to speak about the which was going on. Under the garb of speaking, did you give him per[Shri H. K. L. Bhagat]

mission to make aspersions on you? He said, you have failed to protect the dignity of the House. This is a serious aspersion on the Speaker which under no rule can be allowed. We will not tolerate it. You may tolerate it. But we will not tolerate it. He has no business to do that. He must apologise to you first. (Interruption) Speak with sense....

MR. SPEAKER: He cannot cast aspertions.

SHRI H. K. L. BHAGAT: You cannot talk to the speaker like that. We will not tolerate it.

MR. SPEAKER: No aspersions.

SHRI H. K. L. BHAGAT: We will never tolerate it: let him understand it. That is not the way to talk.

MR. SPEAKER: No aspersions. Please sit down.

SHRI RAM JETHMALANI: No aspersion was meant and no aspersion was found by you. Aspersions may be found by him.

SHRI H. K. L. BHAGAT: It is a matter of fact which you cannot change....

(Interruptions)

SHRI EBRAHIM SULAIMAN SAIT (Manjeri): I have a point of order. I would say that now that the National Security Ordinance has been placed on the Table of the House, I want to make certain observations about that.

MR. SPEAKER: No, no: whatever names I have got before the prescribed time, I will allow only those and not others. (*Interruptions*)

SHRI BUTA SINGH: I have a point of order.

MR. SPEAKER: Yes, what is your point of order?

SHRI BUTA SINGH: My point of order is that the Hon. Member has got your permission....

MR. SPEAKER: He asked my prior permission and I have given it.

SHRI BUTA SINGH: I am saying on that only. He has got your permission to say something on the introduction of some subjects in the List of Business. He can object to those subjects purely on technical and constitutional points. He is entering into the merits of the Ordinances which he has no business to do and he has said so many\*\* things about the Ordinances, about which he does not know anything.

MR. SPEAKER: No unparliamentary aspersions will be allowed. Yes, Mr. Jethmalani, you can continue.

SHRI RAM JETHMALANI: friend is right. Except that he is impolite and obscene, he is right. I am supposed to comment on the constitutionality of the papers. My constitutional comment on the papers is that the Ordinances are a fraud on Art. 123 of the Constitution. The subject matter of most of the Ordinances, including the Maruti Ordinance which is intended merely to deprive the public of its good money and pay it to some business investors and some kind of business speculators, is such that the Ordinances are plainly ultra vires of the Constitution; they are ultra vires of the power of Parliament itself. I hope that, in view of the constitutional questions involved, you will provide adequate time for a discussion about the Ordinances.

MR SPEAKER: Mr. Chitta Bosu.

SHRI RAM JETHMALANI: Having said this, I will walk out again.

<sup>\*\*</sup>Expunged as ordered by the Chair.

Shri Ram Jethmalani then left the House

EBRAHIM SULAIMAN SHRI SAIT: I am on a point of order.

MR SPEAKER: What is your point of order?

SHRI EBRAHIM SULAIMAN SAIT: I just want to point out that under Art. 123(a) of the Constitution, this National Security Ordinance cannot be placed on the Table of the House because there are certain...

MR SFEAKER: You should have given your name first and asked my permission: I would have allowed you, but not now. You did not give me prior intimation. (Interruptions).

No (Interruptions) \*\*

MR. SPEAKER: I have already looked into the matter. My distinmade predecessors have guished observations in regard to these matters from time to time in the past. did not approve of the issue of Ordinances on the eve of Parliament session. I agree with them.

Government has already indicated its intention to bring forward Bills for replacing the Ordinances. Members can very well raise the points when the relevant Bills are taken up for consideration in the House.

There is, however, no objection to the laying of these Ordinances on the Table of the House today.

ANNUAL REPORT OF INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH. DELHI FOR 1978-79 PART II WITH A STATEMENT FOR DELAY AND REVIEW AND ANNUAL REPORT OF ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS FOREST AND

PLANTATION DEVELOPMENT CORPORA-TION LTD., PORT BLAIR FOR 1977-78 WITH STATEMENT FOR DELAY

THE MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): On behalf of Shri Rao Birendra Singh, I beg to lay on the Table:

- (1) (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Council of Agricultural Research, New Delhi, for the year 1978-79 Part II (Administration and Finance);
- (ii) A statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the above Report.

[Placed in Library, See No. LT-1297/801.

- (2) A copy each of the Following papers (Hindi and English versions) under sub-section (1)section 619A of the Companies Act, 1956:---
  - (i) Review by the Government on the working of the Andaman and Nicobar Islands Forest and Plantation Development Corporation Limited, Port Blair, for the year 1977-78
  - Annual Report of the (ii) Andaman and Nicobar Islands Forest and Plantation Development Corporation Limited, Port Blair, for the year 1977-78 along with the Audited Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General thereon.
- (3) A statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (2) above.

[Placed in Library. See No. LT-1298/801.

"SIXTH FIVE YEAR PLAN, 1980-85-A FRAMEWORK".

THE MINISTER OF **PLANNING** AND LABOUR (SHRI NARAYAN DATT TIWARI): I beg to lay on the Table a copy of "Sixth Five Year Plan 1980-85-A Framework" (Hindi and English versions) [Placed in Library. See No. LT-1299/80].

STATEMENT RE THREE RAILWAY ACCI-DENTS OCCURRED IN OCTOBER, 1980

THE MINISTER. OF RAILWAYS (SHRI KEDAR PANDEY): I beg lay on the Table a statement and English versions) regarding three serious train collisions which occurred on 20th, 27th and 30th October, 1980 [Placed in Library, See No. LT-1300/ 801

REVIEW AND ANNUAL REPORT OF INDIAN DAIRY CORPORATION, BARODA FOR 1978-79 WITH STATEMENT FOR DELAY.

SHRI R. V. SWAMINATHAN: beg to lay on the Table:

- (1) A copy each of the following papers (Hindi and English versions) under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956:---
  - (i) Review by the Government on the working of the Indian Dairy Corporation, Baroda, for the year 1978-79.
  - (ii) Annual Report of the Indian Dairy Corporation, Baroda, the year 1978-79 along with Audited Accounts and the comments of the Comptroller Auditor General thereon.
- (2) A statement (Hindi and English versions) showing reasons delay in laying the papers mentioned at (1) above,

[Placed in Library. See No. LT-1301/80].

INQUIRY REPORT ABOUT THE DEATH OF A STUDENT, SHRI ASHUTOSH KAUSHIK WITH MEMO RE ACTION TAKEN THERE-ON AND NOTIFICATION SUSPENDING CERTAIN PROVISIONS OF DELHI ADMI-NISTRATION ACT, 1966.

MINISTER OF STATE THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND DEPARTMENT OF PARLIA- MENTARY AFFAIRS (SHRI P. VEN-KATASUBBAIAH): I beg to lay on the Table:

- (1) A copy each of the following papers (Hindi and English versions) under sub-section (4) of section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952: —
  - (i) Report of the Commission of Inquiry set up to enquire into the circumstances leading to the death of Shri Ashutosh Kaushik, a student of Kashmere Gate Polytechnic.
  - (ii) Memorandum of taken on the findings the above report

[Placed in Library. See No. LT-1302/80].

(2) A copy of Notification S.O. 804(E) (Hindi and English versions) published in Gazette India dated the 20th September, 1980 containing President's Order dated the 20th September, 1980 issued under section 31 of the Delhi Administration Act. 1966 suspending certain provisions of the said Act for a further period of six months with effect from the 21st September, 1980. [Placed in Library See No. LT-1303/80].

REPORT OF THE NATIONALISED BANKS FOR THE PERIOD ENDED 31-12-1979 AND A STATEMENT RE. RESULT OF MAR-KET LOANS FLOATED BY CENTRAL GOV-ERNMENT IN OCTOBER, 1980.

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (L.IRI MAGANBHAI BAROT): I beg to lay\* on the Table a copy each of the following Reports (Hindi and English versions) under sub-section (8) of section 10 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970:-

(i) Report on the working and activities of the Central Bank of

<sup>\*</sup>The reports were earlier laid on the table on the 8th August, 1980.

India for the year ended the 31st December, 1979 along with Accounts and the Auditor's Report thereon

- (ii) Report on the working and activities of the Bank of India for the year ended the 31st December, 1979 along with the Accounts and the Auditor's Report thereon.
- (iii) Report on the working and activities of the Punjab National Bank for the year ended the 31st December, 1979 along with the Accounts and the Auditor's Report thereon.
- (iv) Report on the working and activities of the Bank of Baroda for the year ended the 31st December, 1979 along with the Accounts and the Auditor's Report thereon.
- (v) Report on the working activities of the United Commercial Bank for the year ended the 31st December, 1979 along with Accounts and the Auditor's Report thereon
- (vi) Report on the working activities of the Canara Bank the year ended the 31st December, 1979 along with the Accounts the Auditor's Report thereon.
- (vii) Report on the working and activities of the United Bank of India for the year ended the 31st December, 1979 along with the Accounts and the Auditor's Report thereon
- (viii) Report on the working and activities of the Dena Bank for the year ended the 31st December, 1979 along with the Accounts and the Auditor's Report thereon.
- (vii) Report on the working and activities of the Syndicate Bank for the year ended the 31st December, 1979 along with the Accounts the Auditor's Report thereon.
- (x) Report on the working activities of the Union Bank of India for the year ended the 31st Decem-

ber, 1979 along with the Accounts and the Auditor's Report thereon.

Papers Laid 342

- (xi) Report on the working and activities of the Allahabad. Bank for the year ended the 31st December, 1979 along with the Accounts and the Auditor's Report thereon.
- (xii) Report on the working and activities of the Indian Bank for the year ended the 31st December, 1979 along with the Accounts and Auditor's Report thereon
- (xiii) Report on the working and activities of the Bank of Maharashtra for the year ended the 31st December, 1979 along with the Accounts and the Auditor's Report thereon.
- (xiv) Report on the working and activities of the Indian Overseas Bank for the year ended the 31st December, 1979 along with the Accounts and the Auditor's Report thereon.

[Placed in Library See No. LT-1244/80].

(2) to lay on the Table a statement (Hindi and English versions) indicating the result of market loans floated by the Central Government in October, 1980. [Placed in Library. No. LT-1304/80].

#### 13 hrs.

The Lok Sabha adjourned for Lunch till Fourteen of the Clock.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at Five Minutes Past Fourteen of the Clock

[Mr. Deputy-Speaker in the Chair].

#### ARREST OF MEMBER

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have to inform the House that I have received the following telegram dated the 15th November, 1980, from the Police Inspector, Police Station, Nasik: -

"To-day, on 15-11-80 at hours. Shri George Fernandes, M.P.

is arrested U|S 143|147 IPC and 135 Bombay Police Act for defying prohibitory orders and forming unlawful assembly etc. at Nasik SHO, Sarkarwada Police Station. Police Inspector Deshipande effected arrest. Shri George Fernandes remanded to two days' Magisterial custody till 17th November, 1980,"

#### 14.6 hrs.

## RELEASE OF MEMBER

MR DEPUTY-SPEAKER: I have to inform the House that I have received the following telegram dated 13th November, 1980 from the jail, Dhanbad: ---

"Shri A. K. Roy, Member, Sabha was released from the jail at 09.05 A.M. on 1st November, 1980."

MR. DEPUTY-SPEAKER: Call Attention by Shri Mandal.

SHRI KRISHNA CHANDRA HAL-DER (Durgapur): On the 13th, telegram was received. Why was this not announced before Lunch?

MR. DEPUTY-SPEAKER: It is all right Shri Mandal.

#### 14.07 hrs.

CALLING ATTENTION TO A MAT-TER OF URGENT **PUBLIC IMPORTANCE** 

CONTINUED STATEMENT IN ASSAM ON THE ISSUE OF FORFIGNERS.

श्री धनिक लाल मंडल (राजरपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं भ्रविलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की श्रोर गृह मंत्री का ध्यान दिलाता हं ग्रौर प्रार्थना करता हूं कि वे इस बारे में एक वक्तव्य दें:

"ग्रसम में विदेशियों के मामले पर लगातार गतिरोध बने रहने, जिससे लोगों कठिनाइयां हो रही हैं तथा राज्य

भौर समुचे देश की भर्थ-व्यवस्था बिगड़ रही है, के समाचार ।"

गृह मंत्री भी जैल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय यह बड़े भ्रफसोस की बात है कि सरकार द्वारा बड़े सहनशील तथा उचित रवैया ग्रपनाने के बावजूद मसम में 27 ग्रक्तुबर 1980 से फिर से श्रान्दो-लन तेज किया गया है।....

भी सतीश प्रप्रवाल (जयपुर) : डिप्टी स्पीकर साहब हम को जो कापी दी गई है स्टेटमेन्ट की, जिन्होंने कि मोशन मृव किया है, उसमे कुछ ग्रलग है ग्रौर मंत्री जी पढ़ कुछ म्रलग रहे है। या तो यह इससे अलग है या अगर पढ़ने में कठिनाई हो रही है तो बात दूसरी है।

MR DEPUTY-SPEAKER: It is left to the Home Minister.

SHRI SATISH AGRAWAL: He can read something else? (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: It is left to him. Do you mean to say that it is not pertaining to the Calling Attention?

SHRI SATISH AGRAWAL: Sir. You give your ruling. You said just now that he is free to read anything.

DEPUTY-SPEAKER: Agrawal, you never said that it was not pertaining to the Calling Attention

SHRI INDRAJIT GUPTA (Basirhat): Mr. Deputy-Speaker, Sir, heading here is this. In the paper which is being supplied to us the heading reads 'the statement to be made by Giani Zail Singh, Minister Home Affairs'. I do not deny that he can make supplementary remarks also, no doubt. But the heading reads the statement to be made by Home Minister'.

MR. DEPUTY SPEAKER: When it is printed by the Office, this is only a statement to be made by the Home Minister\_

SHRI INDRAJIT GUPTA: He need not make this statement? know this because this is a new precedent which is set up. Then, we shall have to take this up in some other place.

MR DEPUTY SPEAKER: I have called the Minister and he is now replying.

(Interruptions)

भी जैल सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे ख्याल में इंग्लिश स्रोर हिन्दी, दोनों में स्टेटमेन्ट की कापियां तकसीम की गई थी। हो सकता है उसमें कुछ ग्रन्तर हो लेकिन वैसे मेरा हक बनता है कि मैं क्या गब्द काट दं श्रीर क्या बढ़ा दूं। फिर भी मैं ग्रानरेबल मेम्बर, साहबान को कोई शिकायन मौका नही देना चाहता, जो तकसीम किया गया है उसी को पढ़ कर सुना देता हं।

Sir, it is a matter of regret that despite consistently patient and reasonable attitude shown by Government, the agitation in Assam has been resumed from 27th October 1980. MLA's have been put under gherao in the MLA's hostel and elsewhere in the Districts. This is undemocratic way of conducting an agitation. Frequent calls for Bandhs and non-cooperation have disrupted normal activities in Assam apart from increasing tension, bitterness, suspicion and disamongst communities groups. Since the resumption of agitation, seven more lives have been lost making a total of 224 as dead due to violence from August, 1979 onwards. Besides, over 240 persons are still missing.

The agitation spread over a year now has caused incalculable harm to the economy of the country. and other States/Union Territories in

the North Eastern Region have suffered serious set back in developmental activities. Disruption of transport has resulted in great hardship to the common people in obtaining their daily necessities. The agitation has seriously jeopardised the economic and financial well-being of Assam. account of blockade of crude and due to intermittent functioning of Gauhati and Digboi refinery, the country lost about 3.5 million metric tonnes of crude throughout between January and September, 1980, Approximate value of product losses, come nearly Rs. 626 crores. On account of difficulties in providing feed stocks, for the fertilizer plants at one stage, as many as six fertilizer plants had to be closed down. Due to curtailment, in the production and disruption in the movement of fuel oil, power generation has suffered leading to shortages of production of several critical items such as steel, cement etc.

Government have been fully alive to the genuine apprehensions of people in Assam and have all along been anxious to find an early solution to the problem of foreigners in Assam. They have been assured that the social, cultural and linguistic identify of Assam will be preserved. Almost all demands of the agitators have been accepted. On principle the following measures have also been initiated:-

- (i) Security arrangements have been further strengthened to prevent effectively illegal entry;
- (ii) Speed boats with out-board motors have been provided to patrol riverine sector of the border;
- (iii) Arrangements will be made to issue identity cards with photographs affixed to voters in Assam on the revision of electoral rolls;
- (iv) Names of persons who are foreigners, finally determined as will be deleted from electoral rolls.
- (v) In future, citizenship certificates would be granted by authorities of the Central Government and modalities are being worked out;

(vi) Restrictions have been placed on foreigners in regard to acuisition of immovable property in Assam.

Taking all aspects into consideration and the imperative need to restore normalcy in Assam, Government have made earnest efforts to convince the leaders of the agitation of the need to find a solution satisfactory to all concerned. By continuing the agitation, even the normal work of detection and deportation of foreigners, which is the stated objective of the agitators, has been brought to standstill. Government have therefore, decided that the work of detection of foreigners who came to Assam after March 1971, will be taken up vigorously and on a priority basis. For this purpose, a machinery which commands the confidence of all concerned will be set up. The modalities are being worked out.

The Government have always believed in resolving the problem through discussions and have kept its doors open. It is hoped that saner counsel will eventually amongst the agitators and they will give up the path of agitation.

भी धनिक लाल मंडल : (व्यवधान)

MR. DEPUTY SPEAKER: Only what Shri Mandal says will go on record.

श्री धनिक लाल मंडल : श्रीमन, श्रसम की समस्या बहुत ही गम्भीर है, भावना से जुड़ी हुई है श्रीर संवेदनशील है। साल से ऊपर हो गया है कि यह समस्या ऐसी ही लटक रही है श्रौर श्राज तक उस का हल नहीं हो पाया है । हम बिना किसी अत्युक्ति और अतिशयोक्ति के कह सकते हैं कि भ्रासाम जल रहा है भौर इस से न केवल आसाम का बल्कि पूरे देश का नुकसान हो रहा है। कसी कभी हम लोग ग्रापस में बातचीत करते हुये घबड़ा से जाते हैं क्योंकि ऐसा लगने लगता है कि कहीं झासाम भारत से मलग न हो जाए। इस्रलिए देश की एकता श्रीर श्रखण्डता का प्रश्न भी हमारे सामने म्रा जाता है । समस्या का यह डाइमेंशन है । इसलिए इस समस्या पर बड़ी संजीदगी से सरकार को भौर पूरे सदन को विचार करना चाहिए। मैं कुछ सवाल माननीय मंत्री जी से पूछना चाहंगा ।

भ्रव्वल तो यह है कि इस बात को सरकार भी मानती है <mark>ग्रौर</mark> हम लोग भी जब श्रापस मे बात करते है, तो कहते है कि ग्रासाम का जो ग्रान्दोलन है, वह ठीक है, उचित है बल्कि यहां तक कहते है कि ग्रासाम देर से जागा श्रीर वह बहुत देर तक सोता रहा है। ...(व्यवधान)\*\*... भ्राप भी कहतेहैय जब हम भ्रापस में बात करते है . . . (व्यवधान) \*\* . . . ये माननीय सदस्स जो उधर बैठे हुए है, वे भी श्रापस में बातचीत में, इस बात को कबूल करते है, तसलीम करते हैं। ... (व्यवधान) \*\*

MR. DEPUTY SPEAKER: wants certain clarifications from Minister. Other Members should not intervene. You cannot take the place of the Minister. We cannot conduct the proceedings like this. I am not allowing anybody.

थी धनिक साल मंडल : सरकार का बयान है। सरकार का बयान मैं पढ़ रहा हूं।

> "सरकार ग्रसम में लोगों की वास्त-विक शंकाग्रों के प्रति पूरी तरह जागरूक है।"

यह सरकार का बयान है। . (क्यबश्चान)\*\*

<sup>\*\*</sup>Not recorded.

MR DEPUTY SPEAKER: It is for the Minister to reply. You are not here to do that. Please understand the procedure. You must help in the proper conduct of proceedings.

थी धनिक लाल मंडल: श्रीमन, यह सब कोई मानते हैं कि वे देर से जागे । क्या कोई ग्रासामवासी या दूसरे प्रदेश के लोग इस बात को स्वीकार कर सकते है कि वह प्रदेश किसी देश की कालोनी बन जाए ? ग्रसम की जो समस्या है, उसकी गहराई में भ्राप जाएं। श्रसम की यही समस्या है कि ग्रसम धीरे-धीरे दूसरे की कालोनी, उपनिवेश बनता चला **प्रा** रहा है । इसे कोई बर्दाश्त नही करेगा । जब में यहां गृह मंत्रालय की मांगो पर कटौती मोशन पर बोल रहा था तो उस समय मैंने यह बात भांकडों से सरकार को दर्शायी थी। 75 हजार से लेकर एक लाख लोग असम में हर साल बंगला देश से चले श्रा रहे है। श्रसम की ग्राबादी दो करोड़ है। प्रत्येक वर्ष बाहर से एक लाख लोग वहां चले श्राते है । क्या यह ग्रसम की समस्या नहीं है ? क्या इससे ग्रसम के एक कालोनी बनने की संभावना उत्पन्न नही होती है ? क्या इसे कोई ग्रस्वीकार कर सकता है?

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please address me; don't see towards them.

SHRI DHANIK LAL MANDAL: In Parliamentary practice, every member has a right to intervene either from this side or from that side. I do not deny that.

MR. DEPUTY SPEAKER: Not in the calling attention motion, for your information.

भी धनिक लाल मंडल: यह ग्रसम की वास्तविक समस्या है, कल्पित समस्या नहीं है । इससे हर मानव की सहानुभूति

है । खुद सरकार ही भ्रपने क्यान मे कह रही है कि उसको भी उनसे सहानु-भूति है। इस सम्बन्ध में बार-बार सरकार के बयान श्राये हैं कि उनकी मांगों .से सरकार को सहानुभृति है घौर उनकी बहुत सारी मांगें उचित हैं। यह सरकार ने माना है भ्रौर इसमें खुद लिखा भी है। यह मैं नहीं कह रहा हं।

महोदय, ग्रसम की जो समस्या है इसका समाधान दोनों पक्षों की सहमति से होना चाहिए । ग्रसमवासियों के मन में जो भय है, जो डर है, उनकी जो माशाएं श्रीर ग्रपेक्षाएं है उनको ग्रीर राष्ट्र के हित तथा ग्रसम के हित को भी थ्यान में रख कर ग्रसम की समस्या का हल निकालना होगा । इस से यह स्पष्ट हो जाता है कि इस समस्या का समाधान दोनों पक्षों को मिल-बैठ कर. बातचीत से करना है । ग्रसम के हित ग्रौर राष्ट्र के हित दोनों को ही ध्यान में रख कर ग्रसम समस्या का समाधान हो सकता है, मिलट्टी से यह समाधान नही हो सकता है।

MR. DEPUTY SPEAKER: What is your question?

SHRI DHANIK LAL MANDAL. I am coming to that.

MR. DEPUTY SPEAKER: You come to that quickly.

SHRI DHANÎK LAL MANDAL: I am coming to that quickly if you do not interrupt me.

महोदय, दोनों हितों को ध्यान में रख कर भौर मिल-बैठ कर इस प्रश्न को तय किया जाना चाहिए । लेकिन सरकार क्या कर रही है ? सेना की मदद से, भ्रांतक से भौर दवाक्वाजी के तरीके ग्रपना कर सरकार इस भान्दोलन को दबाना चाहती है। ग्राप सेना पर

## श्री धानिक लाल मंडल]

निर्भर कर रहे हैं । ग्रापने होली में, दिसपूर में, नारंगी में सेना को तैनात कर रखा है। पूरे ग्रसम में सेना तैनात की हई है। सेना का काम बिल्कुल भिन्न है। सेना का काम यह नहीं है। लेकिन भ्राप सेना के बल पर उन पर कोई समाधान लादना चाहते है । मैं सरकार को चेतावनी देना चाहता हं कि यह ठीक काम नहीं है। दोनों की तरफ के माननीय सदस्य यह नहीं चाहेंगे कि ग्रसम भारत से ग्रलग हो जाए। इसलिए ऐसा कोई काम हम को वहां नहीं करना चाहिए । (व्यवधान)

महोदय, दूसरा सवाल उठता है कि क्या सरकार इस समस्या का समावान बातचीत के द्वारा करना चाहती है या ताकत के बल पर करना चाहती है ? श्राज सरकार यह कर रही है । ग्रसम का प्रश्न केवल ग्रसम का ही नही है, यह एक राष्ट्रीय महत्व का सवाल है। जब यह राष्ट्रीय प्रश्न है तो इसके लिए राष्ट्रीय द्ष्टिकोण से विचार करना चाहिए । स्राज सरकार को इस ममस्या का समाधान करने की उतनी चिता नही है जितनी चिता सरकार को वहां कांग्रेस सरकार बनाने की है। इसी से यह स्पप्ट होता है कि सरकार का दुष्टिकोण राष्ट्रीय नहीं है, पार्टी का दृष्टिकोण है । मैं सरकार को चेतावनी देना चाहता हं कि सरकार ने यदि पार्टी दृष्टिकोण से काम लिया तो इस समस्या का हल नहीं निकलेगा।

DEPUTY SPEAKER: Put your question please.

SHRI DHANIK LAL MANDAL: That is the question.

को सरकार समस्या हल के बजाम कांग्रेस सरकार को थोपने

का प्रयास कर रही है। वह ऐसा क्यों कर रही है ? इस से समस्या का समाधान नहीं होने वाला यही बात मैं कह रहा हूं।

भ्रब प्रश्न यह है कि बातचीत में गतिरोध उत्पन्न हो गया वह किस बात को लेकर हुन्ना ? गृह मंत्री महोदय का जो पूरा बयान है उसमें कहीं भी इस बात की चर्चा नहीं है। कहीं भी इसका उल्लेख नहीं है । सिर्फ एक जगह बयान में कहा है कि ग्रान्दोलनकारियों की लगभग सभी मांगों को स्वीकार कर लिया गया है । बिना किसी संदर्भ के यह उचित है । केवल एक वाक्य जोड दिया है लेकिन उसके पहले इन्होने यह बताने की चेष्टा नहीं की है कि इन लोगों के दरमियान जो बातचीत हुई उसमें गतिरोध कहां उत्पन्न हुम्रा ? उसमे किस तरह से व्यवधान उत्पन्न हुन्ना, बताने की चेष्टा नहीं की है।

महोदय, सरकार ने यह कहा है कि श्रासाम की जो समाजिक, सास्कृतिक भाषाई, जो भी उनकी इंटेग्रिटी है, उसको मेंटेन किया जाए। सामाजिक, सांस्कृतिक, भाषाई, जो उनका भय है, खत्म किया जाएगर ग्रौर उनकी <del>ग्रखण्डता को रखा जाएगा,</del> सुरक्षा की जाएगी । यह कैसे होगा? यह केवल बयान देने से नहीं होगा, प्रयास करने से होगा । इन्होंने प्रयास करने के जो एक, दो, तीन, चार, पांच छ:, स्टैप्स गिनाए हैं, ये ग्रच्छे हैं। इनको मैंने देखा है श्रीर इन्होंने घुसपैठ को रोकने के लिए कदम उठाए हैं जो नदियां हैं उनमें पैट्रोलियम के लिए जो मोटर-बोट की व्यवस्था की गई है या मतदाताम्रों को पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ देने की बात

है, वह मही है, सही दिशा में कदम है, ऐसा मैं मानता हूं, लेकिन यह समस्या है इतनी कठिन है, सवाल तो आगे-पीछे बयान का है। आगे आप कह रहे हैं कि हम यह सारे काम करेंगे और इस ढंग से सील कर दगे बंगनादेंग में या दूसरे देंगों से सील कर दगे वंगनादेंग में या दूसरे देंगों से सील का आने नहीं देंगे, लेकिन पीछे वालों की बात का इन्होंने कहीं जिक नहीं किया है कि क्या करना है। एक बात कह दी है कि 1971 के बाद जो आने वाले विदेशी हैं, उनकी पहचान की जाएगी, उनको निकाल दिया जाएगा, लेकिन उनको पहचाना कैसे जाएगा, उसके बारे में कहीं चर्चा नहीं की है, सवाल यही है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से बह पूछना चाहता हूं कि जो ग्रासाम के म्रांदोलनकारी हैं, उनका क्या करना है ? उनकी मांग यही है कि संविधान के <mark>म्रनु</mark>सार, कानून के भ्रनुसार भौर जो 1951 का नेशनल रजिस्टर है ग्रीर 1952 की वोटर लिस्ट है उसके ग्राधार पर कौन विदेशी है, उसकी पहचान होनी बाहिए घौर उन्हें निकाल दिया जाना बाहिए । लेकिन इस बात का कहीं बुलासा नहीं किया गया है । हम लोग तो भखबार से जानते हैं भौर बह यही जानते हैं कि 1951 के नेशनल रजिस्टर को घौर 1952 की बाटर लिस्ट का ये स्त्री ार नहीं करते सिटिजनशिप का जो कानुन है उसको स्वीकार नहीं करते। जो बयान दिया है उसमें ह्यमन कंसीडरेशन क्या हैं, नेशनल **क**ियटमेंट्स<sup>े</sup>क्या है, इट**्ने**शनल कमिटमट्स क्या हैं इनका खुलासा नहीं किया गया है। मैं सरकार से पूछना चाहता हं कि इसको मानने में क्या कठिनाई है ? 1951 के रजिस्टर को मानने में क्या कठिनाई है, वोटर लिस्ट को ग्राधार मानने में क्या कठिनाई है ? हिन्दुस्तान के कानून के श्रनुसार जो नागरिकता का श्रधिकार है, उसको मानने क्या कठिनाई हो रही है ? इसमें **2287—13**.

इंटरने शनल कंसी डरेशंस क्या है, यह हम लोग जानना चाहते हैं। क्या मंत्री महोदय उन सारे दस्तावेजों को सदन के पटल पर रखगे ताकि यह पता चल सके कि इंटरनेशनल किमटमेंट्स क्या हैं श्रीर इस मामले में क्या वह सदन को शीर देश को विश्वास में लेगें?

क्या वह फर्म किमटमेंट भी देने कि इस समस्या का समाधान ताकत के बल पर नहीं बल्कि बातचीत के द्वारा शिया जायेगा श्रीर दरवाजा खुला रखा जाएगा ? के म्रान्दोलनकारियों ने उनको बुलाया बातचीत करने के लिए लेकिन इन्होंने ग्रभी तक यह स्पष्ट नहीं किया कि वहां जाएंगे या नहीं । मैं चाहता हूं कि इसको ग्राप इज्जत का प्रक्त न बनाएं । अपने देश के इज्जत का प्रश्न नहीं है । यदि ग्रसम के भ्रान्दोलनकारी श्राप को बुला रहे हैं, बातचीत के लिए द्याप को वहां जाना चाहिये । मैं जानना चाहता हूं कि इस पर सरकार को क्या कहना है।

श्री जैल सिंह: भानरेबल मम्बर ने
रैपीटीशन बड़ा किया है। जिन बातों का मैंने
जवाब दे दिया उन बातों को ले कर भी सवाल
कर दिए हैं। उन्होंने गृष्ठा है कि गवनमेंट
बातचीत करना चाहती है या ताकत से दबाना
चाहती है। मने भ्रपनी स्टेटमेंट में कहा है
Government have always believed in
reso'ving the problems through discussion and have kept this in mind.

श्री धनिक लाल मंडल: क्यों ग्रसम नही गए ?

श्री जैल सिंहः सारी बातें बताऊंगा । यह ग्रान्दोलन ग्रगस्त 1979 में शुरू हुग्रा था ग्रौर ग्रक्तूबर 1979 में इसको कुछ ग्रागे बढ़ाया गया ग्रौर दिसम्बर में

यह ग्रान्दोलन पूरे जोबन पर आ गया। 12 जनवरी 1980 तक मंडल जी गृह मंत्रालय में स्टेट मिनिस्टर के तौर पर रहे। धव हमें वह यह बताना चाहते हैं कि उनकी बात क्यों नही मान ली जाती । मैं कहना चाहता हूं कि आप ही श्रक्तुबर में मान जाते, अगस्त में मान जाते, दिसम्बर में मान जाते जब ग्राप शासन मे थे । उस वक्त तो ब्राप को सूझी नहीं, उस वक्त श्राप को पता नहीं चला कि क्या करना चाहिये, जैसे स्रान्दोलन रहा था, चलता छोड कर उधर चले गए ग्रौर ग्रब तम से पूछते है कि क्या मामला नेगोशिएशंज से सुलझाएंगे या ता<sup>म्</sup>त से <sup>२</sup> दुनियां कौन सी सरकार है जो अगर नैगोशिएशंज से, बातचीत से कोई मामला न सके तो श्रपने कर्त्तव्य को ट्वाड़े करवा देगी देश के लेगी. मरवा लोगों को देगी वह कहते हैं कि सेना को क्यों भेजा? ग्राप शायद भूल गए है ति गूरा में क्या हुन्ना ? छ: सौ से ज्यादा लोगो जानें चली गईं। ग्रगर वहां पर पहले से ज्यादा मजबत प्रबन्ध कर लिए जाते श्रौर सरकार हम को कहती कि वहा कुछ करो तो हम वहां भी सेना को भेज देते । ग्राखिर मे सेना को भेजना पड़ा। सेना की मांग की गई श्रीर सेना को भेज दिया गया । इस तरह से वहां सेना को भेजना पडा । सेना लोगो की रक्षा के लिए जाती है, ग्रमन ग्रीर णान्ती के लिए जाती है, लोगो को मारने ते लिए नही जाती है। श्रपनी स्टेटमेन्ट मे मॅने बताया कि 224 लोग इस ग्रान्दोलन के कारण मारे गए है। स्राप चाहते कि लोगो को मरने दिया जाये ग्रौर साध बन जाग्रो । सरकार का कर्त्तव्य है कि वह लोगों पर जुल्म न करे, लोगों को संग न करे। लेकिन बेसहारा, कमजोर लोगों

की रक्षा करना भी सरकार का कर्लब्य है श्रौर इसको देखने के लिए उसका यह भी कर्त्तव्य है कि वह वहां अपनी फोर्स को रखे।

मैं उन को वोष नहीं देता । वह बेचारे नही कर सके ग्रीर टैम्पोरेरी थे मीर चले गए ----

श्री धनिक लाल मंडलः ग्रापको भी पता लग जायेगा ।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Zail Singh, you have stepped in his shoes. Don't expose him,

अ, जैर: सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, यह जो गाव की खबर है, वह खुदा के सिवाय किसी को नहीं मालूम, लेकिन मुझे इतनी खबर जरूर है, मै भरोसे से कहता हं कि कुछ भी हो जाये, मंडल जी ग्रब दोबारा मिनिस्टर नही बन सकते, ग्रौर न ही उन की पार्टी कभी सत्ता मे आ सकती है। यह दो बातें मेरी लिख लीजिए

एक माननीय सदस्य: क्या ग्राप ज्योतिषी हैं ?

श्री जल सिंह: मैं ज्योतिषी नही हूं। ्क माननीय सदस्य : ग्रापके यहां भी बहुत सारे मिनिस्टर नही रहे । (व्यवधान)

श्री जैल मिह ' यह चलेगी, इसको विशक्त विकिग खनरा नही । यह श्रापकी रही दै, श्राप को मबारिक हो, लेकिन यह चलेगी।

जिस रोज मंडल साहब केयर टैकर गवर्नमेट में होप मिनिस्टर थे, पहले भी रे, वह एडजस्ट कर लेते है, जनता में भी थे, चरण सिंह की सरकार में भी थे, लेकिन मुझे वहुत ज्यादा खुशी हुई शी कि होम डिपार्टमेंट में बैकवर्ड क्लास का एक मिनिस्टर ग्राफ स्टेट तो है। ग्रब भी मुझे बहुत हुमदर्दी है उनके साथ। (व्यवधान)

tion (CA) 358

ब्रहत शक्छा रहेगा, श्रगर कोई शंका उठती है। (व्यवधान) में मंडल साहब का जवाब दे रहां हूं। मंडल साहब को ग्राप दोबारा टाइम दे सकते हैं, लेकिन यह तरीका ठीक नहीं है कि हर एक दोस्त बोले । इससे लुत्फ ही नहीं द्याता बोलने का । ग्रापकी बात कोई स्नता भी नहीं है। इस लिये ग्राप भी डिग्नीफाइड परसन हैं, खामोशी से बैठें, मैं गलती करूं तब समझा दीजिए, मेरी मदद कीजिए, मुझे ग्राशा है ग्रापकी मदद की ।

एक वात पर मुझे बड़ा अफसोस हुआ जो कि मैं मंडल जी के मुंह से नहीं सुनना चाहता था । वह कहते हैं कि भ्रगर ऐसी भावना रही तो वह देश से भी ग्रलग होने का फैसला कर सकते हैं। यह बात उनको बिलकुल नहीं कहनी चाहिए थी हम उन पर एतबार करते हैं। वह एजीटेशन करते हैं, हमारा कहना नहीं मानते, लेकिन हम यकीन रखते हैं कि वे हिन्दुस्तान से अलग नही होंगें। हमने जब बातचीत मुरू की तो एक बात उन्होंने कही कि भ्राप इसको मानते है कि यह नेशनल प्राबलम है , मैंने कहा कि बिलकुल नेशनल प्राबलम है । मैंने कहा कि श्राप एक बात मानते है कि इंडियन सिटीजन किसी भी सूबे का हो, वह किसी भी सूबे में रह सकता है, किसी स्टेट के सिटीजन को बाहर निकालने की बात नही है। उन्होने यह मान लिया। श्रब दिल में उनके क्या है, लेकिन उनके मानने के बाद में समझता हूं कि मैंने एतबार किया क्योंकि कोई भी देशभक्त कही भी यह नहीं कह सकता कि एक सिटीजन एक सूबे में है तो दूसरे में नहीं रह सकता । खैर, यह बात ग्राप भी महसूस करते हैं, हम भी महसूस करते हैं कि यह मामला बातचीत से निबट जाये लेकिन कोई हद होती है। बहुत मुद्दत

हो गयी, हमने कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी है, सब के साथ बातचीत की है, सलाह मश्विरा किया है।

ग्रब भी मंडल जी ने कहा कि सन् 51 के नेशनल रजिस्टर को मानने से क्या ग्रापत्ति हो सकती है। जब हमारी बातचीत हुई तो दोनों तरफ से यह हुआ। कि हम जो बातचीत कर रहे हैं, य<mark>ह</mark> पैकेज-डील है, पीसगील नहीं है कि हम कुछ बातें करने के बाद समझाता करने के बाद वह कह दें कि हमारे साथ ग्रापने कर लिया, हमने नहीं किया । मैं नैगो-सियेशन की बात ग्राप को कहता हूं, उन्होंने कहा कि नेशनल रजिस्टर को रखा जाये । हमने कहा कि नेशनल रजिस्टर की कापियां ग्रब प्राप्त नहीं हैं। ग्रगर हैं भी तो सारी की सारी नहीं हैं। एक तो नुक्स यह है । दूसरे गोहाटी हाईकोर्ट ने जो ग्रपना डिसीजन दिया तो उसने कहा कि नेशनल रजिस्टर सब्त देने के काबिल नहीं है । हमने कहा कि इन दोनों बातों का ध्यान कीजिए । क्षेकिन ग्रगर रिलेबेन्ट रिकार्ड , गवर्नमेंट वा प्राइवेट सिटीजन होने का था, या किसी को विदेशी करार देने के लिए दिया जायेगा तो उसमें नेशनल रजिस्टर का भी इस्तेमाल किया जा सकता है, उस पर हमने कोई पाबन्दी नहीं लगाई। उन्होंने कहा कि सन् 52 की वोटर लिस्टों को श्राधार माना जाये । वहां दूसरे लोग ऐसे भी हैं जो इस एजीटेशन के साथ नहीं है । उन लोगों ने कहा कि ग्रगर 1952 को ग्राधार मानना है, तो 1952 के बाद 1957, 1962, 1967 1972, 1977 भ्रौर 1978 तक वोट्जं लिस्ट्स तैयार होती रही म्रोर बोट पड़ते रहे। एक भी सबूत नहीं है कि 1977 के इलेक्शन में किसी ने चैलेंज किया कि फलां विदेशी है, उसे बोट नहीं डालने देंगें। इस इलेक्शन में तमाम पार्टियों

श्रिं। जैल सिंही

ने हिस्सा लिया था, इंडिपेंडेट भी ख**ड़े** थे, लेकिन किसी ने चैलेंज नहीं किया। वोट पड़े ग्रोर उन वोटों की वजह से लोग चुने गये । 1972 के बाद पांच साल तो पूरे नहीं हुए बेचारों के, लेकिन मेम्बर्ज ग्राफ पालियामेंन्ट बने । 1978 में, एसेम्बली का इलेक्शन हुआ स्रोर लोगों ने वोट दिये।

दूसरा ख्याल यह है कि ग्रगर 1952 की वोटर्ज लिस्ट लेनी है, तो उस की शायद प्राप्ति न हो, वह शायद न मिल सके, तो जो लिस्ट प्राप्त है, जो मिल सकती है, वह 1978 की वोटर्ज लिस्ट लो ग्रौंर फिर देखो कि कितने विदेशी निकलते हैं । इस श्रार्ग्यमेंट पर हम तो गौर करने के लिए तैयार है । हमने कहा था कि हम इस पर गोर करने के लिए तैयार है, लेकिन उन्होंने इस बात का नहीं सुना भौर वापस जाते ही उन्होंने स्टेटमेंट दे दिया कि हम इस बात के लिए तैयार नहीं हैं।

माननीय सदस्य ने कहा है कि हम **ग्रा**साम जाने से इंकार करते हैं । ग्रासाम जाने से इंकार करने की कोई बात नहीं है। वह हमारे देश का हिस्सा है। जिस तरह हम दिल्ली में बैठ सकते हैं, जिस तरह हम जयपुर या बम्बई जा सकते हैं, उसी तरह हम गोहाटी भी जा सकते हैं। यह हमारे लिए कोई प्रैस्टीज का "सवाल नहीं है । सवाल सिर्फ यह है कि अगर हम ने बातचीत से, नेगोशिएशन्ज से इस मामले को निपटाना है, तो जब हमने सब बातों को रिलेक्स कर दिया तो ऐजी-टेटेर्ज का भी फर्ज हैं कि स्रगर वे एजीटेशन को विदड़ा नहीं करते हैं, तो ससपेंड ही कर दें, ताकि तरक्की के काम ग्रौर दूसरे काम चल सकें।

श्री मंडल ने पूछा है कि उनकी तमाम डिमांड्ज को कसे मान लिया। जब वे श्राये, तो उनकी 8 प्यंट डिमांड्ज थीं। उनकी व्याख्या करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि प्रानरेबल मेम्बर्ज इन बातों को <del>ग्रच्</del>छी तरह जानते हैं । वे मेमोरेंडम को देख लें ये बातें ग्रखबारों में भी ग्रा चुकी है। मैं इशारतन बताना चाहता हूं कि मांग यह है कि विदेशियों को डिटेक्ट किया जाये, उनको छांटा जाए भौर उनके नाम वोट्जं लिस्ट में डिलीट किये जायें उसके बाद उन्हें देश से निकाल देने का यत्न किया जाये भ्रौर जहां जहां से वे म्राये हैं, उन्हें वहां वहां भेज दिया जाये। हमने इस बात को इन प्रिंसिपल मान लिया । सवाल यह रह गया कि हम कहते हैं कि स्टार्टीना पायंट मार्च 1971 होना चाहिए ।

श्राप एग्री करेंगे कि हिन्द्स्तान की पार्टीशन की जो ग्राबलिगेशन है, वह हिन्दुस-तान को मंजूर करनी पड़ेगी हर स्टेट को मंजूर करनी पड़ेगी । ग्रगर कोई कहे कि ग्रासाम वाले क्यों करें, तो दिल्ली की श्राबादी 1947 में छ: ग्रीर सात लाख के बीच थी, जबकि भ्राज वह 60 लाख के करीब हो गई है। ग्रगर कल दिल्ली वाले कहें कि इन लोगों को बाहर निकाल दिया जाये, तो उन्हें कैसे निकाला जा सकता है ? म्रापको यह मानना पड़ेगा कि दूसरे मुल्कों को लोग गये भी हैं, उन ल गों का शरण दी गई ग्रीर इस बारे में गवर्नमेंन्ट की तरफ से ऐलान किये गये। बंगला देश के बनने से पहले भी लंग आये थे और व पिस भी बहुत से लोग रह गये । सरकार की कमिटमेंट्स 1971 तक चली स्राती है।

जो लोग साधारण किस्म के थे, वे इस ख्याल से यहां रह गये कि हमें हिन्दुस्तान में शरण मिल गई है। या वे पहले हिन्द्स्तान में रहते थे ग्रीर उन्हें म्राभा थः कि हमें यहां का सिटी जेन तनाया जायेगा । ह्युमैनिटेरियन ग्राउंड्ज, इन्टर-नैशनल कमिटमेट्स, नेशनल कमिटमें ट्स

भीर इन्टरनैशनल भ्राबलिगेशन्ज से कोई कौम बरी नहीं हो सकती है। इस मुहज्जब जमाने में, इस लाइटनिंग स्वीड से, तेज रफतार से चलने वाली दुनिया में जब संसार को हम नजदीक कर रहे हैं तो संसार के ग्रंदर कुछ रवायतें बनती हे, वह भी माननी होंगी । भारत की परम्परा यह नहीं रही है कि किसी को मार दिया जायें । भ्रगर कोई देश कबूल नहीं करता, न करने की वजह से हम ने कहा कि हम कोशिश करेंगे कि स्रासाम के ऊपर बोझा न पड़े, 'म दूसरे प्रान्तों के लोगों से बात करेंगे, सरकारो से बात करेंगे, उन को वहां भेज देंगे । लेकिन ग्राप ग्रन्दाजा लगाइए, 51 से लेकर 81 हने वाला है, तीस साल के अन्दर जो लोग इस आशा से वसते रहे, टेनर्ग: हली उन की कोई गलती ह, लेकिन इन्फिल्ट्रेटर नहो साजिश से न ग्राए हों, कोई बहाना बनाकर न ग्राए हा, विदेशी होते हुए यहां न बैठे हों, ऐसे लोगों को ग्राप एक पिस्टर लेकर निकालना शुरू कर दें यह कहां तक मुनासिब है? एक मेम्बर ने बातचीत करते हुए कहा, मै उन का नाम नहीं लेता गुस्से में थे, कहने लगे कि बैग्राफ बंगाल में डाल दें उन को ..(व्यवधान) ...

प्रो॰ मधु दन्डवते (राजापुर) : यह तो गनी खां चौधरी ने वेस्ट बंगाल सरकार के बारे मे कहा था।

श्री जैल सिंह: मैं यह बात ग्राप से कहना चाहता इं कि कुछ कि नाइयां जो हमारे सामने श्राती है उन को देखें। हां, 71 के वाद भारत सरकार की कोई कमिटमेंट नहीं है कि लोग मुसीबत के मारे भ्रारहे हैं हम उन को सहारा देंगे यह हमारा कमिटमेंट नहीं है। इस के लिए वचनब्रद्ध हैं, ग्रौर पोतिटिकत पार्टीज से जितनी बार भी बात हुई तो उस में सिवाय

एक पार्टी के, म्राज दूसरी पार्टी के एक म्रादमी मंडल निकले हैं, बाकी सब यही कहते रह हैं कि इस का समाधान निकालने की कोशिश करें बातचीत से लेकिन 71 से पीछे नहीं जाना चाहिए। इस से बहुत तकलीफें पैदा हो सकती है ग्रौर इम्प्रैक्टिकेबल भी है। ग्राप जानते हैं क्षि इंडियन सिटिजेनिशिप ऐक्ट जो 1955 में बना उस के ग्रनुसार कोई विदेशी जोड़ा हिन्दुस्तान में रहता है, उस के बच्चे हो जाते हैं ग्रौर वह यह कहता नहीं कि इन बच्चों को इस देश का सिटीजन न बनाम्रो तो वह श्राटोमेटिकली हिन्द्स्तानी बन जाते हैं। सिटीजनिषप उन को मिल जाती हैं। 51 से लेकर 81 तक जो पैदा हए उन को ग्राप किसी कानुन के ग्राधार पर नि ाल नही सकते, कोई रास्ता नहीं कि उन को निकाल सकें ग्रौर उन की कोई जगह नही कि निकाले जा सकें।

ऐसी बातों को देखकर हम ने उन से यह भी कता कि एन आर सी भी हो, बैक का सर्टिफिकेट भी हो, स्कूल-कालेज ग्रौर युनिवर्मिटियों के सर्टिफिकेट हो, कोग्रापरेटिव के हों, लेंड रिकार्ड्स हों, विलेज रजिस्टर हों, जो भी चीजें इस में रेलिवेट हों ले ग्राएं, वह लेकर हम उन लोगों को निकालने की काणिश करेंगे यह भी हम ने करा कि एन आरसी जिस को हाई कोर्ट रह कर चुका है, पर तुम्हारी जिद की वजह से उस के पेपर भी कोई दाखिल करना चाहे तो कर दे, हमें उस पर भी कोई एतराज नहीं है। यह बात चलती रही। बातचीत लम्बी थी। . . . (व्यवधान) . . . मेरे दोस्त गौर से सुनेंगे, यह तो नेशनल सवाल है, कोई पार्टी का सवाल नहीं है। मंडल सा विका में क्या कहं, उन की दाद दूया उन के ऊपर रहम करूं?...

एक माननीय सदस्य: एक शर सुना दीजिए।

श्री श्रेल सिंह : नहीं, मैं शेर नहीं कहंगा । जब शेर वाला कोई मेम्बर ग्रायगा तो कह दुंगा । मंडल साहब कहते हैं कि कांग्रेस को भ्रपनी सरकार बनाने की जरूरत पड़ी है। मुझे बहुत दुंख है कि उन को सरकार याद ग्रा रही है। लेकिन उन को तो वह समय मिलेगा नहीं श्रौर यह मेरे बस की बात नहीं है । इस वक्त जो भ्रसेम्बली है उस में मैंने कोई उपाय नहीं किया और न मेरे बस की बात है।

12 दिसम्बर, से पहले सरकार बनानी पड़ेगी। मैंने सभी पार्टियों ग्रौर ग्रुप लीडर्स को बुलाया ग्रौर उनस डिस्कशन की। सभी का एक मत था कि भ्रसेम्बली को रिवाइव किया जाए । फिर हमने कहा कि जो भी स्रपनी सरकार बनाना चाहते हैं वे तैयार होकर ग्रा जायें। इसमें मेरे बस की क्या बात है ? ग्राप जाइये ग्रासाम में श्रीर श्रपनी पार्टी के लोगों को समझाइये कि सरकार किसकी बननी है। लेकिन मेजारिटी कांग्रेस भ्राई के पास है श्रौर वह सरकार बनायगी तो इसमें मेरे बस की क्या बात है ? लेकिन ग्रापका यह ख्याल बिल्कुल गलत है कि हमको सरकार बनाने की जल्दी है। हम तो मजबूरन सरकार बनाने की इजाजत दे रहे हैं। हमने सरकार बनाने की कोई जल्दी नहीं की । श्रापको याद होगा कि दो बार प्रधान मंत्री ने मीटिंग बुलाकर सभी पार्टियों के नेताग्रों से बातचीत की । एक बार म्रलाहदा-श्रलाहदा बात की । जब मने बातचीत शुरू की तो जो दिल्ली में लीडर्म थे उनसे मैं मिला उनसे मिवरा ग्रौर, राय ली। मै तो यह भी नहीं कहता कि हमारी बातचीत टूट गई लेकिन बातचीत में कुछ विद्न पड़ गया ग्रौर उस वक्त भी मैंने कहा था कि ग्राप भी ग्रौर सोचिए हम भी ग्रीर सोवेंगे। मैं तो ग्रब भी कहता हूं कि 1971 कट आफ नहीं है बल्कि स्टार्टिंग प्वाइन्ट है ताकि काम भागे चल सके। हमने यह कहा कि भ्राप हमकी कन्विन्स करो भीर दूसरी पार्टीज के लीडर्स को कन्विन्स करों तो एजिटेशन लीडर्स ने कहा कि हिन्दुस्तान की पोलिटिकल पार्टीज ग्रासाम में इरिलिवेन्ट है, उनसे हम बात चीत नहीं करेंगे। मैंने जनता पार्टी के नेता श्री चन्द्रशेखर से मिलकर बात की श्रौर कहा कि श्राप एजिटेटर्स से बात करें तो उन्होंने कहा कि मैं क्या बात करूं, वे तो कहते हैं कि हम रेलिवेन्ट ही नहीं है ।

ऐसी हालत में आप सोचें कि इस मुवमेंन्ट में सिवाय इसके कि मुवमेंट चलाने के लिए ही मुवमेंट चलाया जाए, श्रौर क्या बात रह जाती है ? वह कौन सी बात है जो सरकार नहीं मानती ? उनका यह कहना कि 1951 से सभी को निकाली चाहे कोई माईग्रेटेड हो, डिसप्लेस्ड पर्सन हो, रेफयुजी हो-क्या ग्राप ऐसा कर सकते हैं? मेरे ख्याल से यह हाउस हम को ऐसा करने की इजाजत नहीं देगा । हम न तो कोई डिक्टेटर हैं न कोई बादशाः हैं, हम जो भी फैसला करेंगें वह भ्रापके सामने श्रायेगा । मैं मंडल साहब से कहना चाहता हूं कि भ्राप वाकिफ हैं, माप बिचोलिया बन जाइये ग्रीर जाकर बातचीत कर लीजिए।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. B. V. Desai. Please pin-point the issues Your questions must be like bullets.

SHRI B. V. DESAI (Raichur): Mr. Deputy-Speaker, Sir, in this Calling Attention I have been sandwitched between four Opposition Members. In fact, what the Home Minister just now told is more than enough for the Opposition Members to understand that this problem is not only a Party problem but it is an important problem of national magnitude. In fact, whatever step the Government has taken till today, in that some basic principles have been enunciated and they have been adhered to.

I suppose, the statement of Shri Zail Singh contains such basic postulates. If the opposition parties also co-operate there would not be much difficulty in arriving at a solution. But he was telling that the agitators are feeling that the Indian political parties—Opposition or the Congress (I) have no relevance. I do not know how they have come to that conclusion. Probably they have been frustrated due to long standing negotiations with no result. I would like to impress upon the Government to take effective steps as early as possible to see that this problem is solved across the table. As suggested, force cannot be counted upon in such problems. In fact he has already mentioned that detection of foreigners who came from March, 1971 onward will be taken up 'vigorously. clarification is that it is not a cut off date but it is a starting point has given much latitude to all the parties and the agitators to see that they come across the table to find a political solution for this problem.

Other States of this country are not averse towards the international and national obligations of the Union Government and so far as the responsibilities arising therefrom are concerned. Probably, other States also may be prepared to participate and take the responsibility of getting whatever excess population is there. I want the Government to state that no citizen of any other State of this country should be allowed to suffer on this ground. You can have the electoral register checked up revised and names deleted but it should pertain only to those citizens or so-called citizens who entered our border without valid permission. In that also, if possible, humanitarian consideration has to be taken into account.

I would like to know from the Government whether they can give an assurance that geo-political condition of the State of Assam will be preserved because with all said and

done we being a secular State have to take into account the surrounding circumstantial conditions of different States. They are theocratic and they do enter with some ulterior motive which is a historical fact. No responsible parliamentarian august House can ignore it. That has to be taken into account while taking decisions of this big magnitude that later on the posterity should not point out that these people have taken a wrong decision and, therefore, we are suffering like this. On this count I would like to have an assurance from the Home Minister that geo-political condition of the State of Assam will be preserved.

I would like to have an answer from the hon. Home Minister—is there any foreign hand in this agitation? If so, why effective steps are not being taken to curb and punch it.

These are the major points which I would like to ask the hon. Minister.

श्री जैस सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो तकरीर की है, वे तकरीबन वहीं बातें हैं जो ग्रसलियत में हैं भौर मेरा ख्याल है कि वे भी उन का जवाब नहीं चाहते हैं भौर यह हाउस भी नहीं चाहता है, इसलिए इस की जरूरत नहीं है।

एक बात उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण कही और वह है फारेन हैण्ड की । इस के प्रति हमारे बहुत से पार्लियामेंट के मैम्बरों ने भी कहा और कुछ मुप लीडरों ने भी कहा तथा मैं ने पहले भी हाउस में कहा था कि भ्राज कल दुनिया में विदेशी दखल जब देते है, तो बड़ी होशियारी से देते हैं। वह होशयारी ऐसी होती है कि पैसा विदेशी होता है, लेकिन इस्तेमाल करने वाले, लाने वाले सब देसी होते हैं भौर उस देसी को हम ऐसा नहीं कहते कि तुम कहां जाते हो, क्यों धूमते हों। जो मुल्क दुनिया में भ्रपनी सी॰

# [श्री जैल सिंह]

आइ० डी० का भ्रच्छा जाल बिछा सकते हैं ग्रीर जिन के मन में यह लालसा है कि दुनिया में जिन मुल्कों की ताकत बढ़ रही है, उन के रास्ते में कोई न कोई इकावट रहे ग्रीर वे उस में जाहिर भी न हों -- वे ऐसा करते हैं-- ऐसा लोग कहते हैं लेकिन इसमें शुब्हा भी हो सकता है । शुक्र के ब्राधार पर, सरकार की यह जिम्मे-दारी है कि वह किसी का नाम न ले ग्रौर इस के विना पर मैं नाम नहीं लेता हं। लेकिन इस में महत्व-पूर्ण पर्सनेलिटीज स्रीर जिम्मेदार लोगों की तरफ से यह बात कई बार कही गई कि वहां पर विदेशी हाथ है साथ ही कुछ रियासतों में, खास कर छोटो ार-यासतों में तो जाहिर था कि विरेशियों ने दंगे खडे किये इन्सजेन्ट कराये, लडाई करवाई, झगडे करवाये, खास तौर से विपुरा में उन्होंने दखल किया ग्रीर दगे करने वाले विदेशों में जा कर ट्रेनिंग लेते रहे, दौलत मिलती रही, सब कुछ होता रहा । हम इस को रूल ग्राउट नही कर सकते कि ग्रासाम में भी वे किसी तरीक से घुस गये हों श्रौर शरारत की हो । लेकिन मैं यह बात नहीं कह सकता कि किस देण का ग्रीर किस तरीके से उन का हाथ है ।

SHRI SATISH AGARWAL (Jaipur): Mr. Deputy-Speaker, have carefully heard the statement read by the hon. Home Minister and also heard with rapt attention replies which he gave to the various questions put both by Mr. Dhanik Lal Mandal and Mr. B. V. Desai.

I do not want to go deep into the history, the reasons and the persons responsible for this deadlock or statemate of the problem. This has been debated in this House on number of occasions and the hon.

Members of the House are now very well aware of the various issues involved in it. I would like to request the hon. Home Minister so far as this issue and other issues are concerned and I wou'd like to remind him with all the humi ity at my command that he is not the Chief Minister of Punjab and that he is occupying the chair which once upon a time was occupied by Sardar Vallabhabhai Patel and, therefore, the hon. Home Minister or the person occupying this chair has to keep some control and restraint over the language, shair and shairi and other words used here and there. Sometimes, he gets provoked in answering Mr. Mandal or somebody else. He should not get diverted from the main issue.

With this humble request to the hon. Home Minister, I would like to ask one question in separate parts. Is it not a fact that a memorandum was submitted to the hon. Prime Minister on 2nd February, 1980 and, if so, what are the demands contained therein and what action did Government take on these demands during the last nine months?

Then, part (b) of the question is, is it not a fact that you have stated on various occasions that almost all the demands have been accepted? Not only that Sir, even today it has been stated that almost all demands of the agitators have been accepted. I would like to know from the Hon. Home Minister as to how many demands were there and, out of those demands, how many and which of the demands have been accepted. Please, for God's sake, don't carry on this confusion. Make the position clear wheyou have accepted one, two, three or four demands, whether you are going to accept X, Y, or Z. If you are not going to accept some, I am not going to persuade you to accept this or that. It is not within my competence and it is not within your competence also; this problem will be solved at the Prime Minister's level and she has made her position clear

while addressing the Congress Party

Yesterday, as to what she is going to do. On that score I am not going to ask what he is going to do. I am only seeking certain clarifications on his statement. He has categorically stated that almost all demands have been accepted. So, firstly, please what were the demands of the dents that were contained in memorandum submitted to the Prime Minister on 2nd February 1980. How many of them and which of them have Government accepted, which of them have Government rejected and which of them are under active consideration of the Government? This is part (b) of the question.

Secondly, so far as the question of negotiations is concerned, Government had certain negotiations. Then there was a deadlock and the negotiations broke down. I would like to know from the Hon. Home Minister what was the main bone of contention on which the negotiations completely broke down and it became a deadlock. Is it insurmountable? Is the Government now in a mood to carry on the negotiations without its being made a matter of prestige? As the Hon. Minister has justly stated that he is prepared to negotiate and discuss across the table, I would like to know from him how is it that, a day earlier, the Hon. Home Minister of State for Home Affairs who not very frequentlyonce in three months-speaks on this subject,-unlike Shri Yogendra Makwana who speaks every week—stated that the Government is not averse. Have you seen the Press Statement of Mr. Venkatasubbaiah? Shri Venkatasubbaiah stated on 11th November that the Government is not averse to going to Gauhati, but the next day the Hon. Home Minister said 'No, we are not going to Gauhati'. How is it that, both of them being part of the Home Ministry, one Government with such close cooperation, they speak in two languages? One day before, the Minister of State for Home says 'Government is not averse, we are going

to Gauhati to find a solution. the next day they say 'We are not going to Gauhati; we are busy with the Parliament session'. I think you can find a solution within a week or ten days. Parliament can condone your absence for ten days if you go to Gauhati and find a solution. Everybody wants a solution—whatever you deem proper. I am not going to suggest a solution. You have to find a solution this way or that waywhatever you can. But please, God's sake, do not try to confuse the issue. You created the problem after 1950 by not having a surveillance at the borders. You created it, you complicated it, you confused it you compounded it and now you are making the problem more complex. I am not going to go into the history of it. You and your Government and the Prime Minister have recognised problem. Even yesterday, in her statement, she accepted that the problem of foreign nationals is there. Whether it is 1951, 1961 or 1971 or whatever it is, the problem of foreign nationals is there. Foreign tionals are there in Assam. When did they come? Why did they come? Who brought them and who protected them? Who created this problem? It is you and your Party which created this problem. You complicated that problem; you compounded that problem....(Interruptions).

MR. DEPUTY-SPEAKER: The Minister will reply to it. He will reply to it.

MOHAMMAD KHAN SHRI ARIF (Kanpur): But he is only making allegations and allegations do not come in a Calling Attention. You must tell him to abide by the rules and regulations.

MR. DEPUTY-SPEAKER: If there are allegations, the Minister will reply to him.

SHRI ARIF MOHAMMAD KHAN: But why, in the first place, allow him to make them?

SHRI SATISH AGARWAL: Sir I am in possession of the Floor. I have not Tevelled any allegation. I have asked questions for clarification—one, two, three, four, etc. I have said, "You solve the problem. The House will condone your absence; go to Assam and find out any solution which you deem proper. I am not going to suggest a solution. This is your problem'. This is your baby which you created since long. You have to solve the problem; and you cannot escape from this responsibility by shifting the blame on to Mr. Dhanik Lal Mandal or Lok Dal or Congress-the temporary Government which came to power last year. Do not try to find an alibi. You have to solve the problem; and you solve the problem. If they had failed, they may have failed...

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please be brief.

SHRI SATISH AGARWAL: The last part of my question is whether the Government has any idea or intention, or is contemplating, to impose a partial Emergency in Assam so as to repress the whole agitation the whole movement, in Assam.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS OF PARLIA-AND DEPARTMENT MENTARY AFFAIRS (SHRI P. VENKATASUBBAIAH): Mr. Deputy-Speaker, Sir, I want to correct the impression that my friend, Mr. Satish Agarwal, has got with regard to the statement which I had issued. What I said is, perhaps, being torn out context. What I have said is that Government does not stand on question of prestige, is not averse to going to Assam or any other place, provided the atmosphere is congenial, provided the agitators, the people who are leading the agitation, are in mood to listen to the problems put forward by the Government and also

agree to come to a settlement; if a proper and congenial atmosphere is not provided or created, it is not possible. That is what I have said.

श्री जैस सिंह: भूतर्ग वित्त राज्य मंत्री का श्रीर दूसरे मेम्बरों का मैं बड़ा मशक्र हूं कि वे मुझे भी कभी कभी अच्छी बातें कह कर प्रेस कर देने ह । श्रानरेबल मेम्बर ने जहां श्रीर बातें कहीं वहां हमें एक श्रच्छा मशिवरा भी दिया मैं सरदार पटेल के स्थान पर बैठा हं इसिलए मुझे छोटी-छोटी बात पर उत्तेजित नहीं होना चाहिए, मुझे गंभीरता से काम करना चाहिए, श्रपनी जिम्मेदारी को निभाना चाहिए यह शिक्षा उन्होंने दी इसिलए मैं उनका बहुन मशक्रर हूं।

मैं सरेशर पटेल की बरावरी तो नहीं करता ग्रीर न करना चाहता हूं। में बड़े बलवान एडमिनिस्ट्रेटर थे, देश के लिए उन्होंने बहुत कुछ किया, देश को बचाया। लेकिन मुझे इस बात का एहसास जरूर है कि जिस स्थान पर मैं बैठा हूं उस स्थान से, जो देश की परि-स्थितियां हैं उनको पूरी जिम्मेवारी से निभाने की कोशिश करूंगा। मैं ग्रपने दोस्तों को यह भी कहना चाहता हूं कि बिला शुबहा ग्रगर जरूरत पड़ेगी तो सरदार पटेल की तरह भी एक्शन लिया जाएगा।

उनका कहना यह ठीक है कि बात-चीत जो टूट रही है उसका ब्यौरा मेम्बरों के सामने ग्राना चाहिए । यह ठीक बात उन्होंने कही । इसके बारे में मैंने ग्रपनी स्टेटमेंट में इसका थोड़ा सा इशारा किया, ज्यादा नहीं किया । मैं ग्रब ग्रापकी इजाजत ले कर कुछ बातों को बीफली कहूंगा । खुलासा नेक से मुझे डर है कि जो मेरी ग्राशरा वह न टूट जाए । खुलासा करने से यह भी होंगा कि प्रश्न यह उठ कि हमने यह कहा भीर उन्होंने यह कहा।

जब बातचीत चल रही थी तो उसके दौरान में मैंने दोनों पार्टियों के नेताओं से, जो कि तकरीबन 24 ग्रीर 22 हैं, यह कहा था कि यह भ्रच्छा होगा कि ग्रगर हम ग्राफिसरों के बगैर भौर भ्राप भ्रपन फोलोग्नर्स के बगैर बैठे जो ग्रापके नेता हैं वे ग्रौर हम बातचीत करें ग्रीर कोई कमिटमेंट न हमारी हो श्रौर कोई कमिटमेंट न श्राप की हो. इससे हम कोई रास्ता निकालें या किसी रास्ते के नजदीक पहुंच जाएं । यह वह नही कर पाये । तीन-तीन म्रलहिदा म्रलहिदा पार्टियों के म्राने से तीन-तीन में फिर झगड़ा हुम्रा है, के फिर चार ग्रा गए । हमने बैठ कर बातचीत की । बातचीत यहां तक हुई कि 1951 से लेकर 1961 तक छोड़ दिया जाए ग्रीर 1961 से लेकर 1971 के लोगों को डिटेक्ट किया जाए लेंकिन डिटेक्शन के बाद जो विदेशी साबित हो जाएं उनको सिटिजनिशप बेशक दे दी जाए, मगर श्रासाम में नहीं रखा जाए । हमने कहा यह बात दूरस्त नही है । इसमें एग्रीमेंट नहीं हो सकता 1971 के बाद डिटेक्ट करना, वोटर-लिस्ट से डिलीट करना, डिपाटशन करना, मेरी राय एक थी हमने समझा कि हम बहुत नजदीक भ्रा गए हैं, कोई रास्ता निकाल लेंगे। उन्होंने कहा कि एक दिन हमको दीजिए हम रिकार्ड देखेंगे कि इंटरनेशनल कमिटमेंट्स क्या है, नेशनल कमिटमेंट्स क्या है, ह्यूमन कंसीडरेशन्स क्या हैं इनकी सब बातों की हमको व्याख्या कर के दीजिए। बीच में हमने एक दिन की तारीख मागे डाल दी। फिर तीसरे दिन उनको रिकार्ड दिखा दिया गया जो भी हमारे पास एवलेबल था । हमने उनको यह भी कहा कि गौहाटी हाई कोर्ट का नेशनल रजिस्टर के संबंध में जो फैसला है उसको भी भ्राप देखिए । यहां जो हमार पास रिपोर्ट है तकरीबन भाधा रजिस्टर एवलेबल नहीं है। कहां चला गया, कहीं पुराना हो गया, उसके बाद रिजस्टर बना नहीं ? यह भी हमने कहा कि भ्रगर भ्राप रजि-स्टर को बेस मानना चाहेंगे तो हमारे पास यह मी मेमोरेंडम आया है कि 51 को बेस मान लीजिए ग्रीर रजिस्टर रखने के बजाय सेंसस जो कि हर 10 साल बाद होती है उसको मानना पड़ेगा । ससस म्राखिरी बार 71 में हुई 71, <del>6</del>1.51 इन सेंसस को भी सामने रखीं जाए तो उन्होंने कहा कि यह भी हम नहीं मानते वोटर लिस्टों का भी वैसा ही हाल है। हर दो साल बाद पुरानी लिस्ट खत्म हो जाती है । ग्राखिर हमने सोचा कि रास्ता निकले। ग्राखिरी दिन सब के सब ग्रा गए श्रीर जब सब के सब श्रा गए तो फिर म्राप जानते हैं कि उनकी कुछ मजबूरी होती है। इस तरह से दुनियां में कोई भी काम नहीं होता है। जब तक किसी का एक नेता न हो उस नेता की बात कोई मानता न हो, मुझे उनसे हमदर्दी है, लेकिन मेरे ख्याल में उन्हें एजीटेशन के लिए ही नेता बनाया गया है, फैसला करने के लिए नहीं । फैसला शक्ति कर नहीं सकती । दुनियां में बहादुर **घा**वमी ही लड़ सकते हैं भौर बहादुर भादमी ही सुलह कर सकते हैं कमजोर दिल के लिए यह बड़ा मुश्किल होता है मेरी बहुत बार बात हुई ग्रौर मेरे तो वे बहत प्रेमी हो गए हैं। मै उनके खिलाफ बात कहता नहीं । ग्रब हम ग्राशा रखते हैं कि वेदूर ग्रंदेशी से काम लेने के लिए तैयार हो जाएंगे और हम भी तैयार हो जाएंगे । उन्होंने कहा कि हम कोई बात नहीं मानते । 1951 से लेकर डिटेक्शन, डिलीशन, डिपोर्टेशन हो। अगर आप इनको रखना ही चाहते हैं तो ग्रासाम से बाहर

# [र्श्वाजैल सि

निकाल दीजिए । स्रासाम में नहीं रखे जाएंगे। इस बात पर हमने कहा कि यह प्रेक्टिकेबल नहीं है भ्राप रीजनेवल बात करके इस बात को निपटाइए । हमारा यह फर्ज बनता है कि ग्रासाम के लोगों की शंकाए जो हैं न रहें। उनको माइनारिटी में नहीं होने दिया । उनके रस्मो-रिवाज, उनकी भाषा, उनका कल्चर वहां के रहने वाले जो ट्रा.ब्स है उनके रस्सो-रिवाज, उनका कल्चर इत्यादि सब बरकरार रखे जाए यह हमारा फर्ज बनता है। उसमें जो भी तय करना चाहिए वह हम करने के लिए तैयार है। मैने कहा कि हम बात कर लेते हे ग्रौर ग्राज भी वक्त ले लें, 2,1,4 दिन वा तो उन्होंने सवने मिलकर कोई फैसला नही दिया ।

15.25 hrs.

[SHRI HARINATH MISRA in the Chair.]

किसी ने कहा कि हम रुकेंगे, परसों बात करेंगे, किसी ने कहा कि बातचीत करने का सवाल ही पैदा नहा होता किसी ने कागजों को छाती से लगा कर कहा कि ग्राना हो तो गोहाटी ग्राना हमें कुछ सोचना नहीं है, हम नहीं मोचेगे, आप सोंचे, मैंने कहा कि ग्राप गुस्मे न हों, नाराज न हो, कोई बात एसी नहीं हम यह विचार करके उठे कि हमारी बातचीत मे विघन पड गया है, वह ट्टी नहीं है, प्रैम को न कहें कि टूट गई है। कोई भी ऐसा दुनिया में मसला नहीं है जो टेबल पर बातचीत के जरिये मुलझाया न जा सकता हो । एत्रीटेण : करोगे तो हम उसको रोकने की कोशिश करेंगे । इससे नकसान होगा यह अच्छी वात नह है। दोनो का नुकयान एक जसा नुकसान है । यह नहीं होना चाहिए। मैंने यह भी कहा कि में ग्राप से ग्रपील

नहीं करता । मैं ग्रापको मयविटा देता हू । भ्राप एजीटेशन को विदड़ा नहीं कर सकते हैं तो न करें लेकिन इसको ससपेंड कर दें । काम एटमसफीयर में हम बैठेंगें, जो हमारी मदद करना चाहते हैं उन से हम मदद लेंगे और कोई हल निकालने कोशिश करेंगे। बार यह कहा है। पहले रोज भी कहा था । ग्राज भी करता ह कि सेट्ल गवर्नमेंट किसी पार्टी की भावना से, मजहवी भावना से, कम्मुनल नुक्तेनजर से, जातापात के नुक्तेनजर से वित्कृल नहीं सोचती है ग्रीर न ही फैसला करना चाहती है । वह समझती है कि यह एक कौमी फैसला है श्रीर की म के लिए करना है।

माननीय सदस्य ने पृष्ठा है कि फर्स्ट मैमोरेडम में क्या कहा था। उनकी जो डिमांड्ज हैं उनको मैं पहले सुना चुका हूं अगर चाहें तो इसको मैं तकसीम भी करवा दूगा। मेरे ख्याल में गुनाने की जरूरत नही है। आप चाहें तो मैमोरेडम में आपका भिजवा दुंगा।

श्री त**तीस श्रग्रवाल** : ग्रालमोस्ट श्राल ग्रापने कहा है कि मान ली है । वे कौ कौन सी है ?

श्री जैस सिंह: डिटेक्शन की बात मान ली है। डिफेस रह गण है तारीख के बारे में कि कौन से तारीख से हों। डिलीशन भी मान ली है। बोटर लिस्ट में ग्राइडैटिटी कार्ड वाली वात ग्रीर फोटो फिक्स करने वाली उनकी बात मान ली है बोर्डर को स्ट्रंग्थन किया जाए, इसको भी मान जिल्ला गया है। सिटिजनिणप के सर्टिफिकेट देने का जहां तक सबंध है हमने हर स्टेट को ग्रखत्यार दे रखा है। उनका कहना था कि तिपुरा ग्रीर ेस्ट बंगाल को हकन दिया जाए। इन्होंने जो सटिफिकेट

दिए है उनको हम केंसल कर सकें। हम एग्री हो गए कि केंसल भी न करे लेकिन श्राइंदा के लिए सिटिजनशिप सर्टिफिकेट किसी स्टेट को नहीं बल्कि सैंड्रल गवर्नमेंट अपनी श्राथोरिटी से दे। ये सब बातें उनकी मान लीं। कोई इस में रोक नहीं । मैने यह भी कहा कि पुलिस को तो भ्रलग नहीं किया जा सकता है लेकिन डिटैक्शन का काम ऐसी मशीनरी के माध्यम से करें जिसको ग्रापक। सलाह मश्विरा मिलता रहे, दूसरे लोगों का भी लें। इसका कारण यह था कि किसी सिटिजन को गैर सिटिजन बना कर निकाल दिया जाए तो यह भी बुरा लगेगा ग्रीर कोई विदेशी धोखे से हिन्दुस्तानी बन कर हमारे मुल्क के साथ धोखा करे यह भी ठीक नही है। हम सब मिलजुल कर कोई एंसा निकालेंगे, ऐसी मशीनरी बनाएगे जो तकरीवन सब को काबिले कबूल हो । यह सब बात हो गई। सरकार ग्रब भी कायम है। ऐसी बात नहीं है कि इनको सरकार को नहीं करना है। जो देश हित की बात है वह सरकार करेगी । बोर्डर को स्ट्रेग्थन करना है केवल ग्रसम के बोर्डर को ही नहो, नार्थ ईस्टनं इंडिया के बोर्डर को भी तो वह भी करेंगे। माननीय सदस्य जानते होगे लेकिन बहुत से जानते नहीं भी होंगे ग्रौर उनको मैं बताना चाहता ह कि इस पर प्ररबों हपया खर्च ग्रगर करना पडे तो नेशन को करना चाहिये। यह ने गन का धर्म है। भ्रीर काम वेशक पीछे कर लें लेकिन बोर्डर को स्ट्रेन्थन करना हमारा धर्म है, उनकी भी धर्म है। मैने उनको कहा कि ये सब काम वहीं है जो सरकार को करने हैं भौर उसको करने ही चाहिए, <del>ग्राप क</del>्रेडिट क्यों नहीं लेते कि हमारे कहने से सरकार ने इन कामों करना मान लिया है तो वे नहीं लेते मैं क्या कर सकता हू। इस बात की घोषणा भी कर दी है। घोषणा भी ग्रापके सामने है ग्रौर स्टेटमेंट भी है। पहले भी जो होम डिपार्टमेंट की तरफ से कम्युनिक गया था उस में भी ये सब चीजें है। ग्राप हिन्दुस्तान की जनता के नुमाईदें हैं ग्रब मुझे श्राशा है रीजनेबल बात को मानेंगे श्रीर कोशिश करेंगे कि उन से भी मनवाएं। वे गलत काम न करें, देश को बरबादी के रास्ते पर न ले जाएं, ऋप यह भी उनको समझायें । तीन करोड़ का नुकसान श्रायल वूल। केड से हो गया है । टी, वुड, बैम्बू, प्लाईवुड वगैरह के कई कारखाने भी है।

यह भी मैं ग्रापको बताऊ कि जो साथ की रियासते है, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम श्रादि उनको भी बहुत तकलीफ हो रही है, वह भी बेचारे पीछे जा रहे हैं। बेकारी बढ़ रही है, वहां एक साल बच्चों का बरबाद हो गया । हमने बार बार कहा लेकिन उन्होंने नहीं माना । बाद में ग्रसम के लोगों को ख्याल ग्राया, 1500 के करीब विद्यार्थी हिन्दुस्तान में स्रौर जनहो पर दिल्ली, चण्डीगढ़, मद्रास भ्रौर लीगढ़ में श्राये ग्रीर वह एजूकेशन लेरहे हैं। जब गरीब लोगों को ख्याल भ्राया कि हम पीछे रह गये, हमारे बच्चों की एजूकेशन बरबाद हो गई, अमीरों ने अपने बच्चों को बाहर भेज दिया । ग्रब स्कूल, कालेज ग्रौर यूनि-वरिसटी खुली है। भ्रब फिर यह किया जाये कि उन्हें बन्द कर दें, सड़क, रेल, हवाई यातायात बन्द कर दे तो इसमे किस का भला है। यह सब तब करते है जब सरकार बात न करने को तैयार हो ।

मेरे एक दोस्त ने यह भी पूछा, मिनिस्टर श्राफ स्टेट ने तो श्रपना जबाब दे दिया, मुझ से भी पूछा कि एक बार ग्रापने कहा

# [श्री: जैल सिंह ]

कि नहीं जाऊंगा, दूसरी बार कह दिया कि जा सकता हूं। मैंने दो स्टेटमेंट नहीं विये । प्रेस वालों ने पूछा कि गोहाटी जा रहे हैं, मैंने कहा कि नहीं, दिल्ली जा रहा ह । गिङ्घाटी नही जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि इतनी जल्दीं क्यों, मैंने कहा कि पालियामेंट का सेंसन ग्रा रहा है, दिल्ली जा रहा हूं। फिर जब स्टेटमेंट छप गया तो मैने समझा कि अच्छा नहीं िय। है कि इन्कार किया । उन्होंने कहा कि गोहाटी नहीं जाना चाहते मैंने कहा कि प्रैस्टिज का सवाल नहीं है । मगर जो उन्होंने लैटर लिखा उसमें जिद की ि एन० आर० सी० को बेस मानों, 52 का बेस मानों भ्रौर 51 से डिटेक्शन शरू करो । जब बातचीत शुरू करें भ्रौर वह कहें कि एजीटेशन हम जारी रखेंगे, फिर भी बात करनी है तो यहां आ जाओ तो क्या ऐसी हालत में ग्राप हमको मश्विरा देगें कि हम वहां चले जायें। क्या बातचीत होगी, श्रीर क्या उसका फायदा होगा ।

मेरा ख्याल है कि ग्रानरेवल भूतपूर्व वित्त मंत्री जी महाराज हमारा साथ देगें, केडिट भी लेंगे । मैं तो सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि मुझे दो तीन बातों में स्राज उनकी सहायता मिली । मैं जव हिन्दी में स्टेटमेंट करने लगा तो उनको कछ णक पड़ा कि मैं दूसरी तरफ जा रहा ह म्रच्छा हुप्रा वह संभल गये, शकोशुबाह पड़ जाये तो उसमे स्रौर पमय खराब होता ।

उन्होंने वार बार मुझे याद दिलाया कि मैं सरदार पटेल की जगह पर बैठा हं, अपनी जिम्मेदारी को समझूं। मेरे एक बोस्त ने कहा कि शेर पढ़कर सुनाम्रो, सुझे याद आ गया, कि ज्यादा शेर नहीं पढ़ने चाहियें। में भपनी सारी जिम्मेदानी को महसूस करते हुए भएनी प्रधान

की रहनुमाई में जो काम करता हूं, उसमें संजीदगी से काम करता हूं लेकिन एक बात जरूर है-

जमाने की अजीयतें मुझे रूला नही सकतीं, मैं क्या करुं मुझे भ्रादत है मुस्कराने की ।

SHRI INDRAJIT GUPTA (Basirhat): Sir, after listening to the hon. Home Minister, who has spoken great length, I am still not clear, and we are also, I think, not clear, as to what exactly they propose to do now. As far as the approach which the Government has taken in the latter part of their talks with the agitators is concerned, I am in broad agreement with that. But I regret to say that though it is becoming a truism now to say that this is a national issue, this should be looked at as a national issue for the whole country, yet, the Government has, for several months now, been treating it as an issue entirely between the Government and the agitators. Last January, on the 20th of January, if I remember right, soon after the Lok Sabha elections were held the Government had convened a meeting in Delhi in Vigian Bhawan in which representatives of the parties which are represented in the Assam Legislative Assembly were, of course, invited and they came. Representatives of the parties in Parliament were also invited and the exchange of views took place. Many of the things which some of us had said in that meeting and which were not apparently either understood or found to be acceptable at that time, I am glad to say, that the Government's latest position more in line with what we had tried to explain at that time and subsequently they never called a meeting of that type. Later on, a Consultative Committee for Assam was set up. One meeting was held and after that the meeting of the Consultative Committee has never been called again.

I am saying these things in order to show that actually the attitude of the Government has also become a sort of closed attitude. Only they will deal with the agitators and though this is referred to as a national issue, they have given up the practice of taking any suggestions or opinions or having any consultations with the national parties which are represented in Parliament. This, I think, is a deplorable thing and I deplore it very much.

Assam Situa-

Secondly, the only thing which I have found out in the statement made here in order to break the stalemate is that they are going to set up a Congress Ministry in Assam. Is that a solution? You can set up a Ministry if you like; I read in the newspapers that a great deal of defections and all that, as usual, are being carried out so that you have a majority there, but is the establishment of a Congress Ministry in Assam going to solve this basic problem on which this agitation has been going on? It is not going to solve it. That is a side issue, if I may say so, dictated by the political interests of your party. I find that AASU and other organisations have statement in the press denouncing this move to set up a Government in Assam and they are saying that this is a conspiracy to suppress their demands and movement. If this is the way they are looking at it, obviously, this is not going to solve the problem and it is not going to restore normalcy, it seems. Whether the compulsions of the Constitution are such that you have no other go, and by 12th December you have to set up some formal Ministry, that is for you to decide. But certainly, I have an apprehension that because you are now more concerned about the forming of that Ministry, you are now going to be less concerned with trying to find a negotiated settlement. Upto 12th December feel that Government has got nothing concrete or positive further to say or to do because they are more engrossed with the question of forming Ministry and of getting more people and MLAs to come over to the side of

Party, and therefore, the Congress attention to the question of solving that type. Later on, a Consultative is likely to take a lower priority and a back seat now. That is not a good thing.

There are lot of things which have been taking place, and which are missing the attention of Government in terms of human sufferings. is no use going on repeating it. There are so many people who have left Assam practically as refugees. know about that. It has been raised several times in this House. are eleven thousand people living in camp in Cooch-Behar, North Bengal, who have been driven out of Assam and are living in miserable conditions. Repeatedly it has been said and the West Bengal Government has appealed to the Government of India that the cost of looking after these refugees, sheltering them and feeding them in the camps should be borne by the Government of India. At that time you forget that it is a national problem. The whole thing has come on the West Bengal Government. Why? Eleven thousand people are there and more may come. I feel that this movement now may go more into the channels of violence. The movement, as we have seen in the last one year, and the reports that we disintegrating. are getting, is same kind of sweep and mass participation that was there in the earlier stages is not there now. They were determined that the educational institutions would not be allowed to open until a settlement was reached. And when some of the schools began to open, there were physical attempts to prevent students from going to schools; there were clashes and there was loss of life. But the whole atmosphere in the State among the common peopleso that the educational career of the Home Minister has referred to ithad become so much in favour of reopening the educational institutions, children should not be spoiled, that

[Shri Indrajit Gupta]

they were forced to agree to open the educational institutions and finally AASU had given a call that from such and such date the educational institutions should be reopened. This is a thing. Similarly, there was a Karamchari federation or union. That union is Karamehari Parishad which is a constituent of the Gana Parished. They had given a call that no employees' organisation, that is the State Government employees, will submit a memorandum to the Assam Pay Commission without the permission of this Gana Sangram Parishao. They should boycott it. They should not submit any memorandum. But 90 per cent of the emplyees' organisations have submitted their memorandum to the Assam Pay Commission the permission of the Parishad. I think that is also a sign that atmosphere is changing and this is a moral defeat for that part of the leadership which wants to carry on the agitation in the old form. in the picketing which is taking place at the MLAs hostels and all that Dispur, trying to prevent these MLAs from coming out and virtually boycotting them the number of people taking part in picketing is going down all the time. So, I am glad and feel that the movement in that sense is not being able to cope up with the kind of earlier tempo. But there is a danger that fresh extremist elements in the movement may try to take it into further channels of violence. You want to sit here and think comfortably that the Congress Ministry will formed on 12th December. Already names are being mooted here as to who will be the Chief Minister and all that. I have nothing against your choice, of your own party people, you do whatever you like and if that lady becomes the Chief Minister, the Muslim lady. I do not think she can solve any problem, I will be quite happy. I do not think she can solve any pro-But at least she belongs to blem. a minority community which is also the victim of these agitations. So. please tell us what you propose to do. You say you are not going to Gauhati until the agitation is called off or suspended. Those people at least many of them who are the hardcore or the movement. thev determined to carry on the movement, if necessary, by resorting to some violence, more violence, and you are sitting here and saying that by 12th, we must have a Ministry there. How is this thing being solved? We are not able to entertain the consultative committee on Assam any more. You are not calling the parties here to consult with them or to listen to their suggestions or opinions and you are now reaching a dead end, where there a stalemate. This is a serious situation because every day this agitation continues. Sir, every day this agitation continues, it has a very bad. negative effect and impact and infection on the whole North-Eastern region not to mention the other parts of the country. It has a disrupting and divisive impact. It is really playing havoc with all the basic values national unity and all that, that all of us I think cherish in this country. So, now, apart from these refugees who are lying in North Bengal on whom you are refusing to spend even a single pie up to now, inside Assam also, I would like to remind you that this oil refinery and all that which has been closed down by the agitation and which has affected even refineries in Bihar, in Barauni, the fertiliser factories in Barauni and all that, these public secter employees who are temporarily unemployed, at least they are being paid their wages. That is why there is no halla gulla from their side. But hundreds of factories in Assam. which are private sector factories, are owned by private employers, private plywood employers-just now, I received a representation from the union of the workers of these plywood factories—they are in a miserable plight. They are absolutely starving. All the factories have been kept closed these people. No plywood is sent out. Those workers are not getting a single pie of their wages; their families are starving.

I should say one thing. You have not spelt out what have you told them about how you propose to remove their legitimate grievances about economic backwardness and economic development and employment opporunities and all that? Not that other states do not have those problems. Many states in our country have; they are relatively under-developed. There is imbalance in our economy. There is no doubt about it. Leaving aside, people in Assam, people in the Northeastern region do feel aggrieved on that account, about lack of opportunities, about economic development and all that. What does the Government propose to do to develop that region? What have you told them about that? You should tell us whether you have given any concrete assurance to them and what is their reaction to that? I believe this is the real grievance; what Mr. Mandal said is not the real grievance, that they are in danger of becoming somebody's colony. They are not in danger of becoming anybody's colony. Some foreign nationals are there, who have come across the border. We are all agreed that they should be detected. The only question is about the procedure detection, how it should be implemented. There must be something practicable, something workable. It can not be the absurd idea of hunting people who have come thirty years ago. They should try to find out some practicable method to identify foreign nationals.

But if some people in Assam want to suggest that they are being made a colony by people who are coming from other states of India who are just as good Indian citizens as they are, they belong to other states and they had been going there and so there is danger of becoming a colony, I do not know what to say about so many other states also. A chain reaction will start and people will start demanding that people from

other states should be driven out everywhere. That is why Amar Bengali and other organisations in Calcutta are now writing on the walls: If Bengalis are not allowed to live in Assam, let us drive out non-Bengalis from Calcutta. Are we going to encourage that kind of thing? So this business would not do. They have to be told firmly that there is no question of laying a single finger on anybody who is an Indian citizen from any other state.

I want to say that millions of more people have come from Bangladesh and East Pakistan to West Bengal than to Assam. But we all understand the problem. People who have come from across the border are ethnically Bengalis because it was all one Bengal before it was partitioned. People have come from the other side into Bengal as refugees and so on over the years. So many have come; we have count of them; they became too many. You shunted some of them to Danda-Karanya. But because they happened to be ethnically Bengali race, origin and language, nobody in Bangal makes a big row about it. But because some people are coming into Assam through the borders of Assam, they have raised this question. I regret to say that in the history of Assam over the years, long before all this happened, from time to time there have been anti-Bengali movements and riots; everybody knows that. I am not going into who is to blame or who is not to blame for this. This is only a continuation of that. If you take the numbers of people who came to Bengal you will know. We should be very careful about this.

I know there are some parties who have been saying that people who have come from the other side should be treated in two categories: those who have come because of persecution on that side or communal riots or something like that should be treated as refugees, but not the others It means they are divided into Hindus

[Shri Indrajit Gupta]

and Muslims. We do not support this kind of attitude at all.

Therefore, I want to say that the disruptionist tendencies, secessionist tendencies and all those things that are being preached there must be fought politically; they should not be fought by the Army. Army is there for a special purpose. I have deplored in this House on many occasions the use of the Army for such a purpose because it is not good for the Army also. But sometimes the situation develops. But I am saying that the disruptive and cesession tendencies have to be combated politically. I can tell you that smaller parties in Assam, six or seven parties, who have suffered at the hands of the agitators, who have been beaten up, whose offices have been ransacked, whose workers have been assaulted and even killed, most of them are leftist parties; they may be small parties. They are also 25 per cent in the House, in the Assembly together in Assam. They have been carrying on to the best of their ability a political campaign. In the beginning they could not hold meetings; their meetings were broken up; but subsequently, they have been holding in the last one or two months series of meetings; and in those meetings. an increasing number of people come to hear them and they appreciated what they are saying. So, the tide has changed, the atmosphere has changed gradually against these extremists among the agitators. And I would say how to step up this political mobilisation is very necessary. But you do not want to have any consultation with us. That is the trouble. You would not call any meeting; you would not call the Consultative Committee; you would not call anybody. So, the things are going on, drifting on in this way.

Lastly, I want to know from you, Sir, these questions. First of all what have you told them in the way of assurances about giving up this neglect of north-eastern region, as far as

economic development, employment opportunities and all that goes, because that is very important; that has nothing to do with the extremists: common people there also feel very aggrieved and sore about these things. Secondly, what do you propose to do now? Thirdly, do you think that the formation of this Ministry is going to solve this problem; if not, then some more positive steps have to be thought of? The matter cannot be left like this. Fourthly, what about the refugees from Assam who are lying in the north Bengal camp? Are you prepared to take the responsibility to them or not; and if not look after why not?

I would say that this national register business and all that must be given up once for all. My friends like Mr. Agarwal and so on here talk about this national register. I would just remind you that the judgment of the High Courts of Assam and Nagaland said this. They delivered judgment in 1974. They said, "No provision of law or rule has been pointed out by which this court is in a position to accept this document" meaning that national register or to rely on it. Nobody knows what is that national register. It was supposed to be a part of the census operation of 1951, the main census operation; and it is also recorded under Section 15 of the Census Act—these records that it was a part of the records, this national register. The records of the census are not open for inspection nor admissible in evidence. I think that the Government should stand firm on the Constitution, on the other relevant laws, on international commitments, on other national commitments and not try to encourage this document about national register because that national register is totally illegal or invalid and undependable document. The court itself has held. So, I not know why he has made a slight concession on that point to them: perhaps to mollify. He has made another concession,, I would say and that is that in future all citizenship certificates will be granted only

by the Centre. Well, I mean that is really a concession, because they were making aboslutely unfounded charges against the Government of West Bengal saying that West Bengal Government is giving citizenship certificates. To whom? To Bengalis, they meant and then pushing them into Assam to make a colony of West Bengal. We know what propaganda has been going on in Assam in order to inflame the passions and the feelings of the people. It is absolutely a bogus charge. Everybody knows it. On that also, you have made some concessions to them Even after that, they do not listen to you; they are not willing to go along with you; they are not willing to accept this as 1971. In the meantime, 4 million tonnes of crude oil which we used to get from Iraq and Iran has been stopped and 31 million tonnes of crude oil coming from Assam has been blocked over the last year. It adds up to 7.5 or 8 million tonnes of crude oil, which I do not think this country's economy is in a position to stand at all. Finally, about this pumping crude through the pipelines so that it does not get frozen or jellied, what is the progress in that? Is it going to continue? The workers are on strike, I am told. The petroleum oil workers are also cooperating with the agitators and they are not working. Perhaps army engineers are doing this pumping. What is the prospects of that? Is it likely to become normal? Is the oil going to go to the refineries or not? What is the position? Above all, you tell us, how do you now propose to tackle this problem?

श्री जैल सिंह : नेग्ररमैन साहब, श्रानरेबिल इन्द्रजीत गुग्ता साहब ने कई बातें ऐगी कही है, जिन को वे तीन-तीन बार कह गये है । मैं कोशिश करूंगा कि उन सब का उत्तर दे दिया जाय । वे कहते है कि हम ग्रण्डरस्टेण्ड नहीं कर सके कि क्या हुन्ना ? मैं यही कह सकता हूं कि या तो वे समझ नहीं सके या मैं बतला नहीं सका, लेकिन किसी दूसरे मैम्बर को इस बारे में कोई शक नहीं है । ग्रब मेरी यह प्रपोजल है कि वह मेरे पास आ जायें या मैं उन के पास चला जाऊं ....

सभापति महोदयः यानी म्राप गुप्ता जी से गुप्त रूप से बातें करना चाहते हैं।

भी जैस सिंह: उन्होंने कहा कि ग्राज सरकार ने कहा है कि यह नैशनल क्वेश्चन है । मैं गुप्ता जी को याद दिलाना चाहता हूं कि पहले ही दिन जब **ग्रासाम पर यहां एक मसला ग्राया--**मुझे याद नहीं है कि वह कालिग-एटेन्शन था या क्वेश्चन था--उसी दिन मैंने यह कह दिया था श्रीर श्राज ी मैंने यह कहा है कि फर्स्ट-मीटिंग में ही हम ने यह फैसला किया था कि य नेशनल क्वेश्चन है श्रीर इस को नेशनल **ब्राधार पर ही निबटाना चाहिये ।** 

उन्होंने यह भी कहा कि हम ने उन से डिस्कशन नही किया । सी० पी० ग्राई० के सैक्टें<mark>ट</mark>री श्री राजेश्वर राव वाहर गये हुए थे, हम ने उन का इन्त-जार किया ग्रौर जब वह बाहर से तश-रीफ ले ग्राये --मैंने उन से बानचीत की । मैंने उन से सारी बात की है, श्राप चाहें तो उन से पूछ लें कि उन्होंने क्या बात की है ग्रीर मैने क्या कहा है .

श्री इंद्रजीत गुप्त : पूछ लिया है।

श्री जैल सिंह: ग्रगर पूछ लिया होता। तो इल्जाम नहीं लगाते कि हम कनसल्ट नही करते। हम तो तर व्वत कन्सत्ट करते है श्रीर हर मामले में कन्सत्ट करते हैं। इस मामले में ग्राप का भ्रम गलत है भौर यह भ्राप के मन में नहीं रहना चाहिये।

सभापति महोदय : जब भ्रम है, तो गलत तो होगा ही ।

श्री जैस सिंह: गलतफहमी है, इस से ज्यादा कुछ जाहिर नहीं होता है।

ग्राप ने यह भी कहा कि हम राजनैतिक हितों के लिये सोचते हैं। ग्रसल बात यह है, ग्रुप्ता जी कहें या न कहें, जितने लोग यहां प्राये हैं सब राजनीतिज्ञ हैं ग्रौर सब ग्रपनी प्रापनी राजनीति के बारे में सोचते हैं। हम भी राजनीतिक हितों को सोचते हैं, लेकिन राजनीतिक हितों को इस बात पर बालातर नहीं रखते, हम राजनीतिक हितों को हर वक्त कुरबान करने को तैयार हैं। हमारी भी पार्टी है, पार्टी का प्रोग्राम है, लेकिन नेशन का हित पार्टी से बहुत ऊंचा है। पार्टी पोलिटिक्स से बहुत ऊंचा है। इसलिए हम इस धारणा से काम करते हैं कि जिस से देश का मुफाद कुरबान न हो, पार्टी का मुफाद बेशक कुरबान हो जाय।

श्राप का यह भी ख्याल है कि हम वहां कांग्रेस की सरकार बनाने जा रहे है श्रौर इस में हम ने कुछ मैम्बरों को साथ लिया है। मैं गुप्ता जी से यही कहूंगा कि इस मे मेरे बस की क्या बात है ?

क्या ग्राप चाहते हैं कि वहां की ऐसेम्बली को डिजोल्व कर दिया जाए ? ग्रब एक माल हो गया है। इस एक साल में ग्राप को खुली छुट्टी थी, गुप्ता जी, कि ग्रगर ग्राप दूसरी ग्रोर पार्टियों को मिला सकते है, तो मिला लो, ग्रौर ग्रपनी सरकार बना लो। जिस पार्टी के लार्जेस्ट मैम्बर होंगे सरकार वही बनाएगी। उन्हों ने तो मुख्य मंत्री का नाम भी बता दिया। पता नहीं कहां से उन को पता चला है। कहते हैं कि एम बेगम साहिबा है।

श्री इन्द्रजीत गुप्त( यही सुना है ग्राप के लोगों से ।

श्री जैस सिंह: सुनी सुनाई बातों पर एतवार न किया करो । ग्राप ने पार्टी के हित की बात कही है, मैं बताना चाहता हं कि यह पार्टी के हिंत की बात नहीं है। यह तो डेमोकेसी को बचाने की बात है। वहां भी डेमोकेसी है भौर जमूहरियत के महान उसूलों को बनाए रखने भीर उन की रखवाली करने की बात है। हम उन को मौका देंगे कि वे ग्रपनी किस्मत के खुद मालिक बनें। इस में हम उन के सहायक होंगे। मैं फिर कहाता हूं गुप्त जी से ग्रौर मंडल साहब से कि वे इस बारे में चिन्ता न करें। जो भी पार्टी वहां सरकार बनाने की स्थिति में ग्रा जाती है तो गवर्नर साहब के बस की बात नही कि वे उस को सरकार बनाने के लिए न बुलाएं । वे उसी पार्टी को सरकार बनाने के लिए बुलाएंगे जिस के ज्यादा मैम्बर होंगे।

श्री धनिक लाल मंडल : वह डिफेंक्शन से होगा ।

श्री जैल सिंह: यह ठीक है कि डिफेक्शन बुरी बात है। ये नहीं होने चाहिएं। मगर कहां से ये शुरू हुए है, कैसे चल रहे है श्रीर कीन ले रहा है. इस बात का फैसला श्राप ही कर लें।

गुप्त जी का यह कहना ठीक है कि
वैस्ट बंगाल में रिप्यूजीज के ग्राने से वहां
पर उन का बोझा ज्यादा बढ़ जाता है ग्रौर
वैस्ट बंगाल के ऊपर इतना बोझा नही रहना
चाहिए। इस बारे में मैं गुप्त जी से कहूंगा कि
इस के लिए चिन्ता करने की कोई बात नहीं
है। सी० पी० एम० के मुख्य मंत्री श्री
ज्योति बसु हैं। उन की बातचीत हमारे
साथ हो सकती है। ग्रौर हम उन से बात कर
भी चुके हैं। उस का समाधान निकल ग्राएगा।
ग्राप बेफिक रहिये। उन पर कोई बहुत बोझा
नहीं डाला जाएगा।

श्राप ने सलाहकार समिति की बात भी कही । कनसलटेटिव कमेटी होनी चाहिए, ऐसा श्राप ने कहा है । मैं श्राप को बता दू कि एक तो होम डिपार्टमेंट की कन्सलटेटिव कमेटी जो कि हुआ करती है, वह है और उस की एक मीटिंग ग्रभी हुई है ग्रौर एक मीटिंग सेशन के दिनों में होगी। इस के ग्रलावा एक कन्सलटेटिव कमेटी भीर है जो केवल ग्रासाम के लेजिसलेशन के लिए है। उस की एक मीटिंग हो चुकी है श्रीर जरूरत पड़ने पर भौर भी उस की मीटिंग कर ली जाएगी भौर इस बारे में कोई चिन्ता करने की जरूरत नहीं है।

एक बात ग्रीर कहना चाहता हूं। ग्राधिक तौर पर ग्रासाम का बहुत बड़ा नुकसान हुआ है आसाम के एजीटेशन से, जिस के बारे में मैंने पहले बताया है। वैसे तो सारे भारत कः नुकसान हुन्ना है स्रौर नार्थ ईस्टर्न रीजन के जितने प्रान्त हैं। उनहां प्रादा नुस्सान हुन्ना है लेकिन ब्रासाम का खाम तोर पर बहुत नुकसान हुम्रा है । उसकी म्रायिक व्यवस्था को बरकरार रखने के लिए सेन्ट्रन गवर्नमेंट ने एक कमेटी बनाई है। मिनिस्टर्स की एक कमेटी है ग्रौर बाकी प्रान्तों को जो सहायता हम देते है, उन से ज्यादा सहायता हम म्रासाम को दे रहे है। म्रार्थिक सहायता, टेक्निकल सहायता भ्रौर हर तरह की सहायता जो सेन्ट्रल गवर्नमेंट बाकी प्रान्तों को देती है, म्रासाम को उस से कुछ ज्यादा सहायता दे रहे हैं । ग्राप इस समय ग्रगर ग्रांकड़े चाहेंग, तो वह तो मैं ग्रभी नहीं दे पाऊंगा ग्रौर बाद में बता सकूंगा जब ग्राप पूछेंगे कि कितनी सैंक्शन हम ने वहां के लिए की है।

ग्राप ने फरमाया कि एन० ग्रार० सी० को नहीं रखना चाहिए । ग्रौर उन को खुश रखने के लिए ग्राप इमे रब रहे हैं। गुप्ता जी मैंने म्राप से यह म्राशा की थी कि म्राप जिम्मेदारी के साथ इस बात को महसूम हरेंगे। एक तरफ ग्राप कहते हैं कि इस का जन्दी निपटारा करना चाहिए , उन से बातचीत हरनी चाहिए, इस में देर हो गई है इस में मल्दी की जाए। अगर उन से वात वीत करनी हैतो उन्हें नाराज कर के तो नहीं करनी है। भगर उन्हें नाराज कर के बात नहीं करनी है तो फिर एन० ग्रार० सी० की बात का कोई महत्व नहीं रह जाता ।

श्रभी एक ग्रानरेबल मैम्बर ने कहा कि म्राप गोहाटी क्यों नहीं जाते हैं ? इस में यही दिक्कत है कि कुछ बातों पर उन्हें जिद्द है, वह जिद्द न रहे भ्रौर टेबल पर भ्रा कर बातचीत हो । मैं गुप्ता जी से कहना चाहता हूं कि श्राप की पार्टी का जो प्वाइंट ग्राफ व्यू है ग्रौर ग्रहम पार्टियों के नेताग्रों का जो व्यु है वह यही है जो भ्राप का है। लेकिन हम इसको इसलिए मानते है कि निबटारे में केवल यह बात ही न रह जाए क्योंकि इस का कांस्टी-ट्युशनली कोई महत्व नहीं है। इसे हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया है। उस का पूरा रिकार्ड भी नहीं मिल रहा है।

म्रापकी जानकारी के लिए मैं एक बात बताता हूं जो मैंने एजीटेटर्स से भी कही थी कि जब पिछली बार डिटेक्शन हुम्रा था उस वक्त तीन लाख दस हजार विदेशियों को ग्रसम से निकाला गया था। वक्त एन० श्रार० सी० की भ्रवेलेब्लिटी थी ग्रौर पोलिटिकल पार्टियों ने भी माना था, उस में, एन० ग्रार० सी० में 14 परसन्स के नाम थे जिन के बारे में मैं बता सकता हं श्रौर उन को विदेशी समझ कर वहां से निकाला गया था । जब एन० भ्रार० सी० की कोई महत्ता नहीं है तो श्रापके तो वे पड़ौसी हैं, म्राप उन को समझाइये कि भई ऐसा क्यों करते हो । यह ग्राप का फर्ज है । हम उन्ह खुण रखना चाहते है, बिगाड़ना नहीं चाहते । न कोई बेउसुल बात उन पर लादेंगे श्रौर न उन को बिगाड़ेंगे। इस बात की श्राप को बिल्कुल चिन्ता नहीं करनी चाहिए ।

मेरे ख्याल में मैं शायद यह पहले कह चुका हूं कि कई माननीय सदस्यों ने कहा कि वां कांग्रेस भ्राई की सरकार बन रही है। यह तो ग्रपने ख्याल से मैं भी नही रोक सकता हूं (ब्यवंधान ) फिर भी

## [श्री जैल सिंह]

मैं भापको कहना चाहता हुं कि इस बात का इस बात से कोई ताल्लुक नहीं है। यह तो समय की बात है। कांस्टीट्युशनल पोजिशन ऐसी है कि 44वीं तरमीम के मुताबिक किसी भी सूबे में एक साल के बाद प्रेंजीडेंट रूल नहीं रखा जा सकता है ग्रगर वहां विधान सभा है । भ्रगर वहां कोई सरकार बना कर चला सकता है तो चलाये । मगर नही चला सकता दें तो उसकी मर्जी है। यह जो एजीटेशन है या भ्रौर कोई एजीटेशन है, उसके बाद हम यह कहेंगे कि यह बेकार है, गलत है।

हमारे पास इन ग्रुपों के ग्रलावा चार भौर भ्रार्गेनाइजेंस के भी मेमोरेण्डम श्राये हैं । उनमें एक भ्राल श्रसम माइनोरिटी यूनियन का है, एक ट्राइबल एसोसियेशन का है, एक टी गार्डन एसोसियेशन का है, एक ग्रोर है । उनके मेमोरेण्डम हमारे पास हैं स्रौर उनको टाइम दिया था लेकिन वे मिले नहीं । उनके ख्यालात यहां भी श्रा रहे हैं पालियामेंट में दोनों तीनों ख्यालातों के विचार भ्रा रहे दै उन्होंने हम से यह नहा था कि यह जो एजीटेशन है, इस ऐजीटेशन के साथ हमारा कोई ताल्लुक नहीं है, हमारे मसले अलहिदा हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हम इन बातों को नहीं मानते। कुछ ने यह भी कहा कि एन० ग्रार० सी० वगैरह को मानना एक बदिकस्मती होगी। इस से वहां रहने वाले भारतीयों को बैचेन किया जाएगा, उनको इधर उधर किया जाएगा । इन सारी बातों को उन्होने कहा भ्रौर हमें भी इन सारी बातों को ध्यान में रखना होगा।

मैं समझता हूं कि इन लोगों के मेमो-रेण्डम गुप्ता जी के पास होंगे। भ्रगर नहीं हैं तो हम से वे उनकी कापी ले सकते हैं भ्रौर फिर हम से पूछें कि भई बताग्रो कि ग्रापने श्रासू की बात तो सुनी, गण परिषद की बात तो सूनी, इनकी बात क्यों नहीं सुनी।

माखिर में मैं भ्रापकी जानकारी के लिये कहता हूं कि हमने उन बातों को भी सुना है भीर ध्यान में रखा है। इसलिए भ्राप किसी बात की चिन्ता न करें।

श्री हरिकेश बहादुर (गोरखपुर) : माननीय सभापति जी, यह सरकार की श्रयोग्यता श्रोर श्रकमंण्यता का परिणाम है ग्रभी तक ग्रासाम की समस्या का समाधान नहीं हो पाया है । जब इस समस्या का जनम हुम्रा है तभी से इसके निराकरण के लिए जितनी भी कीशिशें हुई, वास्तव में वे सभी कोशिशें सलाही तरीके से की गई सरकार की नीयत इस में साफ नहीं रही, क्योंकि अगर इस प्रकार के झगड़े देश के विभिन्न भागों में होंगे स्रौर स्थिति पैदा होगी तभी सरकार के लिए यह म्रासान होगा कि वह कह सके कि विरोधी दल के लोगों द्वारा यह काम कराया जा रहा है जैसा कि लगातार आज कल कहा जा रहा है श्रौर सरकार की नेता प्रधानमंत्री जी भी कई बार इस बान को दोहरा च्की हैं कि विरोधी पक्ष के लोग तरह तरह से इस प्रकार की स्थिति पैदा कर रहे हैं कि समस्यात्रों का समाधान न हो सके या विरोधी दलों की दिलचस्पी इसमें नहीं है। श्रपोजिशन के ऊपर जो प्रहार किया जा रहा, उसका मकसद यह है कि देश से वर्तमान लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समाप्त किया जाए ग्रीर किसी प्रकार से एकाधिकार-वादी एवं समान्तवादी पद्धति यहां लाग् हो सके । जिस तरह की कांफ्रेसेंस ग्रभी हुई हैं, उन्हें पूरा देश जानता है।

मान्यवर मैं कहना चाहता हूं कि ग्रासाम की स्थिति से जैसा कि गृह मंत्री महोदय ने कहा है, देश की ग्रर्थ व्यवस्था विकृत होती जा रही है। त्रिपुरा के भ्रन्दर भ्राव-श्यक वस्तुग्रों का गहरा ग्रभाव पैदा होता जा रहा है। केवल वहीं पर ही नहीं देश के विभिन्न भागों में डीजल के न पहुंचने से सर्थव्यवस्था को भारी चोट पहुंच रही है, हानि हो रही है इसके बावजूद भी सरकार का जो काम करने का तरीका है, वह ऐसा है कि समस्या का समाधान न होने पाए इसी वक्तव्य में मंत्री जी कहते हैं कि सरकार ने निर्णय किया कि मार्च 1971 के बाद ग्रसम में ग्राए विदेशियों का पता लगाने के कार्य को भरसक रूप से ग्रौर प्राथमिकता के ग्राधार पर किया जाएगा । इस उद्देश्य के लिए ऐसी मशीनरी स्थापित की जाएगी, जिस पर सभी का विश्वास हो । एक तरफ तो यह बात कही जाती है, लेकिन जब कभी भी पूछा जाता है कि ग्राप इसमें क्या कर रहे है, तो यही उत्तर ग्राता है कि किया जाएगा ।

श्रभी एक महीने पहले सरकार की तरफ से इस तरह का बयान ग्राया है। इसके पहले ऐसी भी बातें कही जाती रही है ग्रीर ग्राज भी कही जा रही है। यह पता नही है कि यह काम कब से शुरू किया जाएगा ? इस मशीनरी को कैसे बनाया जाएगा। जब वहां के नेता ग्राए हुए थे, बात करने के लिए भीर वार्ता भ्रसफल रही तथा सरकार ने जो कुछ भी रुख ग्रपनाया उसका स्पष्टीकरण जब किया तो सरकार को कम से कम चाहिए था कि उस हख के ग्राधार पर कोई कदम उठाती । लेकिन कोई कदम नही उठाया गया । श्रगर सरकार यह मानती है कि भ्राज तक जो भ्रान्दोलन चला है म्रगर कुछ नही किया जाएगा तो वे लोग विदड़ा करके चुपचाप बैठ जायेंगे तो भ्रब बात इतनी भ्रागे बढ़ चुकी है कि सरकार को इस दिशा में कुछ करना ही पड़ेगा । लेकिन यही कहा जा रहा है कि विरोधी दल के लोग उसको उकसा रहे हैं भ्रौर उसका हल नहीं होने दे रहे हैं।

मान्यवर कभी कभी इन्दिरा-मुजीब पैक्ट की बात कही जाती है कि यह सब उसके भाधार पर हो रहा है। पूरे देश की जनता भौर पूरा देश जानना चाहेगा कि 'इन्दिरा-मुजीब पैक्ट' क्या है। क्या माननीय कृष्ट मंत्री जी सदन को भौर सदन के माध्यम से दश को विश्वास में लेंगे कि "इन्दिरा मुजीब-पैक्ट" क्या है? वह प्रश्न है जिस का जवाब मैं जरूर चाहता हूं।

नैपाली ट्राइवल श्रौर माइनौरिटी स्टुडेंट यूनियन वहां बनी हुई हैं। उन्होंने भी कुछ मांगें रखी हैं। वे क्या हैं? उन से भी सरकार ने कोई बात की है या नहीं? ग्रगर की है तो उसका क्या परिणाम निकला है?

राज्यपाल इस समय जो वहां पर हैं उनकी भूमिका क्या रही है इस पर भी ग्राप प्रकाश डानें। ग्रसम की स्थिति को ठीक करने के लिए उनकी जो भूमिका रही है वह भी ग्राप बताएं। बहुत पहले ग्रखबारों में ग्राया था कि शायद सरकार उन्हें हटाना चाहती है। किस वजह से हटाना चाहती है ग्राज तक क्यों नही हटाया यह भी ग्राप बताएं। ग्राज भी वह वही पर हैं ग्रीर ग्रपना काम कर रहे है—

सभापति महोदय : सरकार उनको हटाना चाहती है या वह खुद हटना चाहते है ?

श्री हरिकेश बहादुर : सरकार हटाना भी चाहती है ग्रीर वह स्वयं भी हटना चाहते हैं, दोनों तरह के समा-चार निकले थे। ग्रव सत्यता क्या है वह तो सरकार ही बता सकती है। किन कारणों से यह स्थिति पैदा हुई कि वे हटना चाहते थे या सरकार उनको हटाना चाहती थी, क्या सरकार समझती है कि वह ठीक काम नहीं कर रहे है,

[श्री हरिकेश बहादुर ]
सरकार के कार्यों में सहयोग नहीं कर
रहे हैं, क्या वस्तु स्थिति है इसका पता
हम को चलना चाहिए।

हिषयारों की तस्करी भी उत्तर पूर्वी क्षेत्रों में दूसरे देशों से हाती है। इस सम्बन्ध में सरकार ने सम्भवतः कुछ कार्रवाई भी की है ताकि यह तस्करी न होने पाए। कुछ देशों से हिषयारों की तस्करी जो होती है इसको रोकने के लिए सरकार ने कौन से कदम उठाए हैं इसको भी वह स्पष्ट करें।

सरकार ग्रंपनी नीयत को भी स्पष्ट करे कि क्या सचमच में वह इस ग्रान्दोलन को खत्म करना चाहती है या वह इस ग्रान्दोलन की ग्राड़ में तथा देश में हो रहे दूसरे ग्रान्दोलनों की ग्राड़ में भी सी० ग्रार० पी० तथा दूसरी पैरा-मिलिटरी फोसिंस को इधर उघर मेजते रहना चाहती है ग्रीर इसका बहाना बना कर किसी न किसी दिन एमरजेंसी जैसी कोई चीज लागू करना चाहती है ताकि देश को जिन कठिनाइयो का सामना करना पड़ रहा है, उनकी ग्रावाज उठाने वाले ग्रंपीजीशन के लोगों को जेलों में बन्द किया जा सके? यह भी एक प्रश्न है जिस का उत्तर मंत्री महोदय दें।

श्री जैल सिंह: माननीय सदस्य ने इंदिरा-मुजीब पैक्ट का हवाला दिया है। वह पैक्ट नहीं था, एक कम्युनिक था। वह श्रखबारों में छप चुका है। जब भी चाहें श्राप इसको ले सकते हैं। पैक्ट के वगैर डिप्लोमैटिक कनवर्सेशन भी होती है, बातचीत भी होती है, खत पत्तर भी श्राते जाते रहते हैं, श्रौर भी कई चीजें होती हैं जो किसी भी नेशन को पूरी करनी पड़ती हैं, श्रानर करनी पड़ती हैं श्रौर की जाती है। मैं माननीय सदस्य को राय दंगा कि वह उसका ग्रध्ययन करें, पूरी तरह से करें।

दूसरा सवाल उनका रेल बेंट सवाल नहीं था। गवर्नर को रखना है, नहीं रखना है यह रेलेबेंट सवाल नहीं है। ऐसी बात नजर नहीं ग्राती है कि ग्रापको गवर्नर बनन की कोई ग्राशा हो ग्रौर न ग्राप कैडीडेट हैं ग्रौर न ही किसी ने ग्रापको बनाना है। ग्रानरेवल मैम्बर से मैं प्रार्थना करता हूं कि ग्राइंदा के लिए इस तरह की कुछ बातों का वह ध्यान रखें। सरकार ने कोई एलान नहीं किया है कि उनको हटाना है या नहीं—

एक माननीय सदस्य : ग्राप गवर्नर बन पर जा रहे है, हमने सुना है।

श्री जैल सिंह : श्राप मेरी चिन्ता न करें। बने वगैर भी मैं बना हुग्रा हूं। मेरी श्रोर से उनको विफ्क रहना चाहिए। यह चीज ग्रखबार में छपी होगी लेकिन सरकार ने कोई एलान नहीं किया है ग्रौर न ही सरकार के पाम ऐसा कोई प्रस्ताव है कि हटाएंगे या नहीं हटाएंगे। यह बिल्कुल इरेलेवेंट है। इसकी जहरत नहीं है।

हथियारों की तस्करी के बारे में उन्होंने कहा है। वह रोकी जाएगी। यह तो सरकार का काम है, धर्म है। हथियार हो, सोना हो, चांदी हो, कुछ भी हो उसको पकडना है ग्रौर ग्राप चाहें कि छुट्टी मिल जाए तो नहीं मिलेगी, किसी को नहीं मिलेगी।

मैं फिर कहता हूं कि सरकार ग्रान्दोलन बन्द करना चाहती है रोकना चाहती है। मैं फिर खुलासा करता हूं। ग्रान्दोलनों के बहाने से हम बिरोधियों को जेलों में नही डालना चाहते। हम कोई भी ग्रान्दोलन नही चाहते। उनको बन्द करना चाहते हैं। हमारी ज्यादा से ज्यादा कोशिश है कि यह इंसानी खन नहीं गिरना चाहिए, ग्राग्ति-

मय ठंग से, बातचीत से मसले हल होने चाहिए। लेकिन फिर भी कोई म्रान्दोलन चलता है या गड़बड़ी चलती है तो उसको ठीक करने के लिए, दृहस्त करने के लिए सरकार भ्रपने कर्नव्य का पालन करेगी। पिछली बार एमर-जैन्सी के जमाने में शायद वह जैल में रहे हों, यह उनकी चिन्ता हो तो मैं कहंगा कि ग्राप इस बात की चिन्ता न करें।

सभापति जी, मैं ग्रापकी मार्फत कहना चाहता हूं कि हमारा बिल्कुल कोई इरादा नही है, उनको जेलो में रखने का. क्योंकि जेल में रखकर खर्चा बढायें, खिदमत करें, डाक्टर लगाय ग्रीर संभाल करें। हमारा इसके लिए कोई इरादा नही है, ग्राप ग्राजादी से चाहे जहां रहें।

श्री हरिकेश बहादुर : नेपाली, ट्राइबल्स भ्रौर माइनोरिटी युनियन्ज की क्या मांगें है ग्रीर सरकार ने इस बारे मे कोई बात की है या नही ? ग्रगर की है तो क्या की है?

श्री जैल सिंह: सरकार ने उन से बात की है, उनकी मागें श्रामु वालों से विपरीत है। म्राप जहां भी चाहें, उनका मैमोरेडम पढ़ सकते है, देख सकते है, वह प्रखबारों में श्रा गया है।

16.20 hrs.

VICTORIA MEMORIAL (AMEND-MENT) BILL\*

MINISTER OF STATE IN MINISTRY OF EDUCATION (SHRIMATI SHEILA KAUL): Sir,

on behalf of Shri S B. Chavan, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Victoria Memorial Act, 1903.

MR. CHAIRMAN: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Victoria Memorial Act, 1903."

The motion was adopted.

SHRIMATI SHEILA KAUL: I introduce the Bill.

16.21 hrs.

### MATTERS UNDER RULE 377

(1) NOTED FOR INVESTIGATION INTO THE DEATH OF CTO TELEGRAPHIST LEADING 10 STRIKE BY EMPLOYEES

SHRI R. L. BHATIA (Amritsar): Mr Chairman, Sir, I raise the following matter under rule 377.

Overseas and domestic communication services were seriously disdupted on Tucsday, the 11th November, 1980 as about 3000 employees of the Central Telegraph Office in the capital are reported to have gone on a lightning strike following the death of one of their colleagues.

It is a matter of deep concern that the officer concerned aid not grant leave to the telegraphist when he complained of chestpain while on duty in the morning which resulted in his death while on way to the hospital. The whole matter needs to be investigated. It is suggested that some sort of First Aid Posts may be set up by the P&T Department in CTO and Telephone Exchanges where there is a large concentration of staff and First Aid immediately rendered and in such contingencies the employees removed to the nearest Government hospital without observing any formalities about the assignment of his duties to some one e'se.

<sup>\*</sup>Published in Gazette of India Extraordinary—Part II. section dated 17-11-1980.

### (ii) INADEQUATE OFF-TAKE OF PADDY AT SUPFORT PRICES

SHRI P. RAJAGOPAL (Chittoor): Mr. Chairman, Sir, though the Government fixed a price of Rs. 105 a quintal of paddy, in many parts of the country it is not sold at that rate. For example, there are no buyers in Muzaffarnagar and Sultanpur in U.P. to buy paddy even at a price of Rs. 92 a quintal. This is quite unfortunate and distressing.

The Government and the FCI are not able to cope up with the everincreasing production of paddy. It will even increase with the increase of irrigation and better research results.

It is not that there is no demand for rice. There is an ever-increasing demand for it in foreign countries. We are not planning properly for the utilisation of surplus foodgrains, especially rice. We are not making proper arrangements for storing, milling and procuring them. We are not providing enough money to purchase them.

Unless there is a legislation for compulsory purchase of surplus agricultural commodities for which support prices are published, there will be no use of publishing them. They will be only on paper without any use for the farmers.

(iii) STEPS TO PROVIDE ELECTRICTY TO FARMERS IN UTTAR PRADESH

श्री जैनुल बशर (गाजीपूर) : सभापति महोदय, उत्तर प्रदेश इस समय बिजली के गम्भीर संकट मे गुजर रहा है। बिजली न मिलने के कारण प्रदेश में रबी के बुवाई-ग्रभियान को गहरा धक्का लगा है। वैसे तो उत्तर प्रदेश की सरकार छः घंटे किसानों को बिजली देने की बात कहती है, परन्तु वास्तव में उन्हें दो-तीन घन्टे से श्रधिक बिजली नहीं मिलती। पिछले वर्ष के

भयंकर सुखे भीर इस वर्ष के के प्रकोप के कारण किसानों की कमर ट्ट चुकी है। यदि इस वर्ष भी बुमाई भ्रौर सिचाई के लिए भ्रावश्यक में बिजली उपलब्ध नहीं करायी तो वहां के किसानों की भ्राधिक समाप्त-प्रायः हो जायेगी।

केन्द्रीय सरकार श्रौर विशेषकर ऊर्जा मंत्री से मेरा निवेदन है कि इस संकट के समय वे उत्तर प्रदेश की तरफ सहायता का हाथ बढ़ायें। केन्द्रीय तथा ग्रन्य स्रोतों से उत्तर प्रदेश को उसकी म्रावश्यकतानुसार तत्काल बिजली उप-लब्ध कराई जाये तथा वहां बिजली का संकट समाप्त कराने के लिए कदम उठाये जायें।

(iv) NEED TO ALLOT RAILWAY WAGONS IMMEDIATELY TO CARRY FERTILIZERS TO BIHAR FROM PORTS

श्री रामवतार शास्त्री (पटना) : सभापति महोदय, इस वर्ष बिहार में धान की फसल गत वर्ष की तुलना में ग्रच्छी है। फिर भी हथिया नक्षत्र वर्षा न होने के कारण धान की फसल को क्षति उठानी पडी है। जगह जगह पानी के श्रभाव मे धान का मारा पडा है। साथ ही जमीन में नमी के ग्रभाव मे रबी की फसल की बुग्राई में भी कठिनाई हुई है। बिजली के प्रभाव में किसान नलकूपो का भी इस्तेमाल नही कर सके।

रबी की फसल भ्रच्छी हो, लिए पानी भ्रौर खाद दोनों म्रावश्यकता है। इस लिए बिहार सरकार ने भारत सरकार से एक ग्रत्यावश्यक पत्न (एस० ग्रो० एस०) के द्वारा ग्रन-रोध किया है कि हिल्दिया, पारादीप, मद्रास ग्रौर बम्बई की बंदरगाहों से 60 हजार मीट्रिक टन खाद की ढुलाई के लिए रेल डिब्बों का विशष प्रबन्ध करे। राज्य सरकार का कहना है कि अगर अगले तीन सप्ताह के भीतर राज्य के विभिन्न जिलों में खाद नहीं पहुंचाई गई, तो फिर बाद में भेजने से कोई लाभ नहीं होगा और रबी की फसल मारी जायेगी।

रेल मंत्री से मेरा ग्रनुरोध है कि वह इस ग्रोर शी व्रध्यान दे कर खाद की ढुलाई के लिए बिहार को ग्रावश्यक रेल डिब्बों का ग्रावंदन करने की व्यवस्था कर।

(V) MEASURES TO CONTAIN OUT-BREAK OF "ENCEPHALLITIS" IN CERTAIN TOWNS OF U.P. AND RELIEF TO THE VICTIMS

श्री राज नाथ सोनकर शास्त्री (सैदपुर) : सभापति महोदय, सूचना मिली है कि उत्तर प्रदेश के गाजीपुर, वाराणसी, गोरखपूर, देवरिया, ग्राजमगढ़ **ग्रा**दि जिलों में मस्तिष्क ज्वर का व्यापक प्रकोप हो गया है। लगभग दो हजार से म्रधिक व्यक्ति इस भयंकर बीमारी में काल-कवलित हो गये। सब से म्राश्चर्य की बात है कि गत वर्ष भी यह बीमारी फैली थी और लगभग 800 स्रादिमयों की मृत्यु हो गई थी । इस वर्ष सरकार ने समाचार-पत्नों के माध्यम से बडा **ब्राक्ष्क बयान दिया, किन्त् मौके पर** कोई कार्रवाई नहीं हुई। केन्द्र तथा राज्य के उच्च स्वास्थ्य ग्रधिकारियों ने मस्तिष्क ज्वर से प्रभावित स्थानों का कोई दौरा नहीं किया। यहां भ्रादमी परेशान हैं, भयभीत हैं। किसी की समझ में नहीं ग्रा रहा है कि वह इस बीमारी से कैसे बचेगा या श्रभी तो वह जिन्दा है, भ्रगले घंटे वह जिन्दा रहेगा या नहीं।

मैं सरकार का ध्यान इस ग्रीर ले जाते हुए जोरदार शब्दों में यह मांग करता हूं कि सरकार ग्रविलम्ब मस्तिष्क ज्वर से मरे हुए प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का 50,000 रुपये मुग्नावजा दे एवं मस्तिष्क ज्वर रोकने की दिशाँ में ग्रविलम्ब महत्वपूर्ण कार्रवाई करे।

(vi) NEED FOR SETTING UP OF A PAPER MANUFACTURING FACTORY IN PILIBHIT DISTRICT OF U.P.

भी हरीश कुमार गंगवार (पीली भीत) : सभापति महोदय, उत्तर प्रदेश का पीलीभीत जिला उद्योगों की दृष्टि से शुन्य है । प्रदेश सरकार ने इसे नोटीफाइड बैंकवर्ड एरिया घोषित किया हुमा है। बनों की म्रधिकता होने के कारण तथा धान का सर्वाधिक उत्पादक क्षेत्र होने के कारण यह जिला कागज उद्योग के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है। जिला उद्योग प्रबन्धक तथा भ्रन्य म्रधि-कारियों ने इस सम्बन्ध में कुछ प्रयतन भी किया है तथा स्थान के निमित्त सर्वेक्षण की कार्यवाही भी की गई है। प्रदेश के सर्वाधिक पिछडे जिले प्रोत्साहन देने के लिए कच्चे माल बहुत बड़ा भंडार होते हुए यहां सार्व-जनिक क्षेत्र में एक कागज की फैक्टरी की स्थापना के लिए मैं माननीय जी का ध्यान ग्राकृष्ट करता हं जिससे कुछ लोगों की बेरोजगारी भी हो सके।

16.30 hrs.

SREE CHITRA TIRUNAL INSTI-TUTE FOR MEDICAL SCIENCES AND TECHNOLOGY, TRIVANDRUM, BILL

MR. CHAIRMAN: I have received this letter from Shri Shivraj V. Patil: "Sir....

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): That is not required. It is enough you give the permission.

MR CHAIRMAN: I have given the permission, Shri Shivrai V. Patil

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI SHIVRAJ V PATIL): Sir, I beg to move\*:

"That the Bill to declare the Sree Chitra Tirunal Medical Centre Society for Advanced Studies Specialities, Trivandrum in State of Kerala, to be an institution of national importance and to provide for its incorporation and matters connected therewith, be taken into consideration."

This Bill seeks to declare the Sree Chilra Tirunal Institute for Medical Sciences and Technology at Trivandrum as an institute of national importance for development of biomedical engineering and technology, under article 246 of the Constitution

This Institute was established in the year 1973 as an autonomous registered society under the relevant Societies Registration Act. It carries on studies, and is engaged in research, in medical subjects; it lays special focus on biomedical engineering and technology

This Institute is having good assets. The value of the assets, created out of the Kerala Government's grant, including the value of the building donated by the royal family of Trivandrum, is about Rs. 425 lakhs, excluding the cost of land Since April, 1980, the Central Government is providing funds for the functioning of this Medical Centre.

A Bill for declaring this institution as an institute of national importance was introduced in Rajya Sabha, and the Bill was passed on 15th May, 1979. But it could not be brought to the Lok Sabha as the Lok Sabha was dissolved. So, the Bill lapsed the Bill has been introduced in this

House I would request that the Bill . be considered and passed.

MR. CHAIRMAN: Motion moved:

"That the Bill to declare the Sree Chitra Tirunal Medical Centre Society for Advanced Studies in Specialities, Trivandrum, in the State of Kerala, to be an institution national importance and to provide for its incorporation and matters connected therewith, be taken into consideration."

MR. Lawrence.

SHRI M. M. LAWRENCE (Idukki): Mr. Chairman. Sir, I welcome and support this Bill—this step of the Central Government. This Institute has been in existence for the last seven years and has a great reputation in our country. My only appeal to Central Government which is taking over this Institute is that this reputation should be continued and the work which is being done there should be augmented further I know very well that the intention of taking this step is only that. I would have preferred if this Institute was under the Sate Government. But the resources the State Government are scarce; because of that, the State Government cannot take it over. I know that very well. My only appeal to the Central Government is that the service conditions of the employees there should be safeguarded after this Institute is taken over by them.

I again welcome and support this Bill.

SHRI XAVIER ARAKAL (Ernakulam): I take this opportunity. behalf of the people of Kerala, to congratulate our beloved Prime Minister, Shrimati Indira Gandhi, for taking over this Medical Institute which has a great reputation.

Sir, this Institute had the reputation of being one of the best medical institutions in Asia. The idea of research

<sup>\*</sup>Moved with the recommendation the President.

and development in the field of Science and Technology and implementation of the researches was first mooted by our late, Jawaharlal Nehru and, step by step, it is followed by our Prime Minister, Shrimati Indira Gandhi.

It is also gratifying to note that a separate department is created in charge of a Minister to look into the research and development of science and technology. In our election Manifesto, the Presidential Address and the budget speech the Congress Party has given due importance and has laid its emphasis on research and development of science and technology. This is a step in ensuring that object, if I may say so. If you look at the title of the Bill, it reads:

'The Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences and Technology'.

In that context may I refer you to the statement of objects and reasons wherein it is stated that this autonomous body which was set up in 1974 has become an institution of national importance? In order to enhance its Importance in the field of research and development, this institution is taken over as a statutory body-corporate by the Central Government which means that more aid will be to this institution and more research and development will be undertaken by this institution If you refer to the Financial Memorandum, it has been clearly stated that grants-in-aid as well as plan resources will be mobilised to develop this institution as one of the best institutions in the world. That credit ought to go to our Prime Minister certainly I am taking the bon. Minister to clause 1(2) which says:

'It shall come into force on such date as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint.'

I beg to differ on that. My submission is that this should come into force at once. If you refer to clauses 14 and 28, you will understand why this should come into force at once. Clause 14 refers to the vesting of all properties which had vested in Sree Chitra Tirunal Medical Centre Society for Advanced Studies in Specialities, Trivandrum, immediately before the commencement of this Act in the Institute Clause 28 refers to the service conditions of the employees. Therefore, my submission is that this should not be postponed. Immediately this Bill should come into force once it is passed by this House Clause 2 and clauses 12 and 13 have very clearly and categorically stated the noble objectives of this new institute.

Sir, clause 5 says:

"The institute shall consist of the following members."

What are the functions of those members? What will be the function of the institute in contrast with the governing body? The functions of the governing body are well spelt out but here I see certain ambiguity. That should be removed by a clarification on the part of the hon Minister

Sir, clause 22 says:

"No act done or proceeding taken by the Institute, Governing Body or any standing or ad hoc committee under this Act shall be questioned on the ground merely of the existence of any vacancy in, or defect in the constitution of, the Institute, Governing Body or such standing or ad hoc committee."

My submission is that if an error is committed or a mistake is made it should have a right to question it because the experience of some other institutions compel us to say that it should have the right to question it. That is my submission.

[Shri Xavier Arakal]

Now, I Would like to refer to Clause 25 which says:

"The Institute shall carry out such directions as may be issued to it from time to time by the Central Government for the efficient administration of this Act."

Now, Sir, you will observe that more power is given to the Centre. My submission is that if more power is given to Centre then bureaucracy will get involved and the institute may not be able to carry out its work properly. In this connection I would also like to draw the attention of the House to Clauses 31(1) and 32(1) which read as under:

"31(1) The Central Government, after consultation with the Institute, may, by notification in the official Gazette, make rules to carry out the purposes of this Act:

32(1) The Institute may, with the previous approval of the Central Government, make regulations consistent with this Act and the rules made thereunder to carry out the purposes of this Act, and without prejudice to the generality of this power, such regulations may provide for—"

Sir, if you go through the scheme of these various clauses you will see that more power and more control is sought to be given to the bureaucracy in Delhi. That is where I differ. Though this is a body-corporate yet being a research and development institution it should have the freedom.

In nutshell my submissions are: This Bill once it is passed should come into force at once. Secondly, it should have more freedom to do its research and development in consonance with national policy. Thirdly, this institution should have identical aspects like all-India Medical Institution. If we could bring this institution at par with all-India institutions then definitely this institution will be a great national achievement. With these words I

once again thank you for giving me this opportunity and thank the Government especially Shrimati Indira Gandhi for taking initiative to take over this institution and make it a national institution.

SHRI RAVINDRA VARMA (Bombay North): Mr. Chairman, Sir, I rise to support the Bill that has been moved by my hon. friend Mr. Patil. I would, first of all, like to congratulate him or his well-deserved elevation. However, Sir, he is appearing before the House today more as a care-taker rather than as one moving a Bill relating to his own portfolio. However, Sir, the House is quite familiar with his versatility. I am sure he will be able to deal with the many points that hon. Members may raise in the course of this Debate.

I shall not twit the hon. Member Shri Zavier Arakal on the choice of persons on whom he wanted to shower his love and credit for this Bill. It is entirely a person's own discretion and I will not go into it. However, Sir, as the Minister himself has stated, this Bill is not new to the Parliament. In fact, it has been knocking at the doors of Parliament for quite some time. It is an over-due Bill. This Institution should have been in fact declared an Institution of National Importance long ago. Sir. it was set up in the year 1973. Even since it started functioning, it began drawing national attention. It did so because it set its sights on a specific area of study, service and research—that was the relation between bio-medical service and bio-medical technology and the yoking of the present achievement, all that mankind can lay its claim to, to this particular area, in which the Centre wanted to concentrate its attention. Sir, it is true that soon after it came into being it has set up, a very modern hospital, providing services in Cardiology and Neurology; it provides these services; it makes them available at marginal cost.

Those with income below Rs. 300 per month for instance were almost

treated free in this hospital and are being attended to.

MR. CHAIRMAN: Patients from all parts of the country can come there.

SHRI RAVINDRA VARMA: Yes. Sir. all parts of the country. Perhaps the hon Minister would have referred to that had it not been that he has been holding somebody else's baby: This institution therefore has been not only providing medical services—in fact that is the least part of the work of the institution-but its object has been this. My friend Mr. Xavier read out the objects from the Bill: I will not read out the clause. But I will state this much that its main objects have been to provide and promote advanced medical facilities in bio-medical engineering and related technology Sir, it be noted by the House should that this Bill is being brought before the House by the Minister Technology, and Science and not by the Health Minister. This is because this is one of those very few institutions in this country where Science and Technology are being applied to the field of Medicine.

MR. CHAIRMAN: I think we describe the whole thing as Medical Science.

SHRI RAVINDRA VARMA: Quite true, Sir. When you talk of Science and Technology, the Institutions run by the Department of Science and Technology, one always imagines institutions that are devoted to the conventional fields like physics chemistry and technology, that is related to industry. But Sir, with your wide experience and knowledge you know that there are not many institutions in India where technology is being voked particularly to the field of Medicine. And that is the speciality, the specific area that this Centre has been addressing itself to.

The Centre has also a magnificent team of researchers—bio-chemical engineers, chemical engineers and others. And again Sir, as you asked rightly, competent people from all over

India are working in this magnificent team. No amount of praise will be adequate to compensate them for the magnificent work that they have already done in the field of work. related, for instance, to promoting self-sufficiency in devices, and appliances achieving a comparable degree of excellence in designing and employing devices like catheters, heart valves etc. which we have been importing into this country. It is a matter pride for us that it has been possible for this team of scientists and medical technologists to design, to manufacture and bring into use these things which we had been importing and where we had not applied technological knowledge to achieve self-sufficiency.

#### 16.52 hrs

[MR. DEPUTY-SPEAKER in the Chair.

This institution has been dealing with a particular area of interest. My hon. friend, Shri Xavier Arakal, referred to the other medical institutions and said that he hoped that this would be on the line of the All India Institute of Medical Sciences etc. I am sure that he being a very careful man, who tries to analyse the nature of different institutions-himself a doctor, not a medical doctor, may be a doctor of civil laws-must know that today there are two all-India institutions which have been declared as institutions of national importance. One is the All India Institute of Medical Sciences, to which the hon friend referred to, and the other is the Post Graduate Institute at Chandigarh. Both these institutions deal with medical education and hospital services, public health services and medical research. The area that is expected to be covered and that is being covered, and we hope will be covered, by this centre is slightly different. This institute will, therefore, be devoting itself primarily, solely, to the development of a biomedical technology and medical specialities and integrated programme education covering technology medical sciences. It is true-my friend did not point out-that this Bill also [Shri Ravindra Verma]

confers on this Institute the rights to provide facilities for medical services, run medical centres, conduct research, provide facilities for post-graduate education, confer medical degrees etc., but this did not constitute the main field of operations as has been conceived for this centre which now will become an Institute. My anxiety is, and I would like to avail of this opportunity to urge upon the Government. that every care must be taken to ensure that the attention in this particular Institute is focussed on what it was meant to serve, namely, a field which is not covered by the other existing all-India Institutes of national importance.

This is an institution, this has been an institution of national significance. national importance. As you said, Sir, the services of the Institution are open to all from all over the country, the faculty is recruited from all over the country, the team of researchers who have been functioning in the institution also come from all over the country and the benefits that would accrue from the efforts that have earrrid out in this institution will be of importance for the whole country and will benefit the whole country. The argument for declaring institution as an institution of national importance is unassailable. The Bill seeks to achieve two objectives; one is to invest this Institution with statutory body-corporate and the other declare it as an institution of national importance. I welcome this Bill and I support it.

श्री म ल बन्द डागा: (पाली) : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात की खुशी है कि एक महत्वपूर्ण बिल सदन के सामने रखा है ग्रांर देश को ऊंचा उठाने में वह ए। बर्ड मिमका श्रदा करेगां। लेकिन मैं जानता हूं कि हमारे देश में पार्लियामेंट जो भी लेजिस्लेशन वनाती है वह बहुत समय के वाद लागू होता है।

जब मैंने इस बिल को पढा तो ऐसा माल्म हमा कि इसे ब्योरोकेट्स ने बना दिया है भौर सारी क्लाजिज में रूस्स भीर रेगुलेशंस भी वे ही प्रेसकाइब करगे। जितने इसमें मैंने क्लाजिज पढ़े हैं उन क्लाजिज में रूल भीर रेगुलेशंस ब्योरोक्रेट्स द्वारा बनाये जावेंगे। इस बिल की मनुपालना कब होगी ? इस बिल की धनुपालना तब होगी जब कि सारे रूल्स ग्रीर रेगुलेशंस बन जायेंगे। उन के लिए भ्राप ने एक बहुत बड़ी संस्था बना दी है। ग्राप ने इस बिल की क्लाज 12 में भार्जेक्टिक ले डाउन किया है ग्रौर यह ले डाउन िक्या है कि, यह कैसे लागू किया जाएगा । It will depend upon framing the rules and regulations and that will take years.

जो भी हमारे लेजिसलेशस बनते हैं, कानन वनते हैं उन सभी में पालियामेंट ग्रपनी पावसं ब्योरोकेट्स को दे देती है भीर सारी पावर्स को ब्योरोन्नेट्स किस प्रकार से काम में लाते हैं वह हम सभी जानते हैं। इस के इम्प्लीमेंटेशन का पार्ट भी ब्योरोत्रेट्स के हाथ में है। And it will be frustrated.

मैं भ्राज यह बात चेलेंज से कहता हूं कि इस हाउस से पास होने के बाद भी तीन साल तक आप के नियम नहीं बनेंगे, आप के रूल्स नही बन सकेंगे।

ग्राप ने इस बिल के ग्रन्दर क्या किया है ? मैं ग्राप का ध्यान क्लाज 3 की ग्रोर ले जाना चाहता हूं । ग्राप ने इतनी बड़ी इंस्टीट्यूशन का खर्च बांध दिया है। इस को ऐसी इंस्टीट्यू शन बना दिया है जैसे कि यह कोई त्रिपुरा की श्रसेम्बली हो । इस के इतने मेम्बर बनाने की क्या जरूरत थी ? ग्राप ने एक इंस्टीयुशन चलानी है जिस को हिन्दुस्तान में एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका ग्रदा करनी है। विकास के क्षेत्र में र्ग्रार विज्ञान के क्षेत्र में यह भूमिका भ्रदा करनी है। भ्राप ने इस में लिया है वाइस चांसलर को, डायरेक्टर जनरल हैल्य सर्विसेज गवर्नमेंट भाफ

Four members to be nominated by the Central Government Why four? You must have given 10 members. Already, the Director is there. Then two members from Kerala Government to be nominated. Then three scientists of whom two shall be medical scientists and one shall be a social scientist to be nominated by the Central Government. Then again three scientists representing engineering and technology to be nominated by the Central Government Then three representatives of the medical faculties of Indian Universities to be nominated by the Central Government. Then three members of Parliament will be there When I counted the number I found that there will be 22 or 23 members who will assemble for a meeting. They will have sittings once in Trivandrum and then in Delhi.

25 तजार का उन का टी ० ए० डी ८ ए८ बनेगा ।

So, this will be the composition of the Institute. There will be three members of Parliament of whom two shall be elected from among themselves by the members of the House of the People and one from among themselves by the members of the Council of States.

Why not two scientists of repute? 17 hrs.

AN HON MEMBER: You have given the reply yourself.

SHRI M. C. DAGA: I have given the reply myself.

यह जो संस्था मा इन्स्टीचूट आप कायम कर रहे हैं। अच्छा यह होता कि जो अच्छी नालेज वाल है उनके कुछ मैंस्बरो को इन्स्टीचूशन में रखा जाता 15, 11 या 14 मेंस्बर काफी थे। कहां मीटिंग करेंगे, कैसे करेंगे ?

2287 LS-15.

The rules will be framed by the bureaucrats; they will decide how they will function.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please define 'bureaucrats'.

SHRI M. C. DAGA: Those who used to delay matters so that the achievement of the objective is not there. That is he bureaucracy due to which we are suffering.

अग्रजकल नौकरशाही तथा तिनागाही
प्रवृतिया इतनी बढ़ गई है कि काम करने की
कोई गित नहीं रह गई है और नहीं
कोई काम करना चाहता है। यही कारण
है कि हिन्दुस्तान की पांच योजनाग्रा का
परिणाम सतोषजनक नहीं निकला है।
श्रिटिश सरकार से हमें शासन तो मिल गया,
लेकिन हमने सबसे बडी गलती की
कि ब्योरोक्रेट्स को शासन सौप दिया।
ग्राज ये ब्यूरोक्रेट्स ग्राई० ए० एस० के
रूप में परमात्मा का प्रवतार बन कर बैठ्
गए है, जिससे हमारा देश ग्राज भी पीछ
जा रहा है ग्रीर यही कारण है कि हमारे
देश की कोई योजना सफल नहीं हुई।

ग्रभी मुझे सबोडिनेट लेजि गलेशन कमेटी के चैयरमैन के रूप मे जानने का मीका मिला था। मै मत्नी महोदय से पूछना चाहूगा कि जब कभी ग्राप बिल को लैजिस-लेट करते हैं, तो क्या बिल के साथ उसके रूल्स ग्रौर रैंगुलेशन्स को भी ध्यान में रखते है जब कभी हम बिल को पाउनट करे तो बिल के साथ जो रूल्स ग्रौर रैंगुलेशन बनाने है, वे भी उसके साथ रखे जायें।

This is the purpose of the Bill; it will be implemented in this way. Let us see the rules and regulations.

मेरा पहला सुझाव है कि इसके मैम्बर कम कर दिये जायें। मेरा दूसरा सुझाव है:

A Member may resign from his office by writing under his hand.

[Shri M. C. Daga]

Why should it not be accepted there and then? When a member gives in writing that he wants to resign, you say: no, wait. Will you compel him to serve? They want to accept the resignation at their pleasure. This is the law.

यदि कोई मैंम्बर कमेटी में रहना नहीं चा ता ग्रीर वह लिख कर दे रहा है, ग्राप कहते हैं कि नहीं—ग्राप रहिए। यह क्या लैजि-स्लेशन है ग्रीर ग्राप इसको किस प्रकार से करना चाहतें हैं ? ग्रापने इन्स्टीचूशन की जो मीटिंग होंगी, उस का कोई प्रोसीजर ले डाउन नहीं किया है। प्रोसिजर ले-डाउन गर्वानग बाडी करेगी।

Then there will be a governing body. One is an Institute and there is a Governing Body. Consisting of how many members? Not known. "Provided that the number of persons who are not members of the Institute shall, not exceed one-third of the total membership of the Governing Body."

जो गर्वानग बाडी बनेगी वह बाहर से एक तिहाई मैम्बरों को भी ले लेगी।

They will not be from the Institute.

तो फिर ग्रौर मैम्बर भी बाहर के लिए जायेंगे। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि उस गर्वानग बाड़ी में कौन कौन ग्रौर कितने मैम्बर होंगे।

Who will be the members of that Governing Body? What will be the strength of the Governing Body? What will be the quorum? Nothing is known. I do not know the members. They will not be the staff of the Institute. I do not know the members of the Committee Then again, one of the clauses—there are several clauses—clause 17 says: 'Such number of copies'. If you read the language of that clause it says:

"The Institute shall prepare, in such form and and at such time every year, as may be prescribed'.

These words 'as may be prescribed' are there in every clause, almost in all clauses. 'As may be prescribed means what yo are getting is a skeleton.

ग्राप ने एक ढांचा खड़ा कर दिया है। उनमें खन नहीं है।

It is a pure skeleton which has been given. "The Institute shall prepare in such form and at such time every year as may be prescribed by rules, a budget in respect of the financial year next estimated receipts and expenditure and shall forward to the Central Government such number of copies thereof as may be prescribed." Now, you have to prepare the budget and how many copies will you give to the Government? As may be prescribed. The position I have not understood. "As may be prescribed" you have to give to the Central Government. How many copies? 'As the Central Government will prescribe.' So, what is this legislation? In the year 1980 . this is what they say. One thing more. They say, if you make the rules consult the Central Government. And the Central Government will make after consulting the institution.

उल्टी बात ग्राप कर रहे हैं । इंस्टीटूय्शन ग्रपने ग्राप रूल नहीं बनाएगी, ग्राप से कंसल्ट करके बनाएगी । ग्राप उसको कंसल्ट करेंगे ग्रं.र वह ग्रापको करेगी ।

The Institute will consult the Central Government and the Central Government will consult the Institute. You kindly read this clause 31, which says:

"31(1) The Central Government, after consultation with the Institute, may, by notification in the Official

Gazette, make rules to carry out the purposes of this Act."

Where you say 'Institute', all the scientists, they will frame the rules. Then they say, 'No. The Government will frame the rules and consult the Institute' It is otherwise. You say you are setting up a particular body or constituting a particular body, autonomous body, they must frame the rules and it must be approved by the Government. But you say, 'No. The Government may make the rules It is otherwise. If you read clause 30, it says "the Central Government may, within a period of three years from the commencement of this Act, by order published in the Official Gazette, make such certain provisions..." We are giving them a period of three years! As soon as the Act is passed the Government will take three years.

AN HON. MEMBER: For what?

SHRI MOOL CHAND DAGA: For giving any directions, and for making any suggestions. It is three years!

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND ELECTRONICS (SHRI C. P. N. SINGH): It is within three years.

SHRI MOOL CHAND DAGA: You want three years?

AN HON. MEMBER: Why not three months?

SHRI MOOL CHAND DAGA: It says three months. Now, I say that the consultation with the Institute was not necessary on the first occasion for making the rules. Now the rules are framed under Clause 31 and Clause 32, these clauses are for regulations. These are two clauses for making rules and regulations. You may read it. It is very interesting. That is what I submit. I do not want to quote certain clauses

भाप जो लैजिस्लेशन लाए हैं, इसमें भ्रापने बहुत ज्यादा पावर्ज न्यूरोक्षेट्रस को दे दी हैं । ग्रापनं इसको बहुत लम्बी चौड़ी सस्या बना दिया है। इसको छोटी बनाएं। तीस-तीस मैम्बर रखने से फायदा नही है।

The President should be an independent person who has the capabilities of administration and not one of those members. These are my suggestions. If God helps me, I will move my amendments tomorrow.

MR DEPUTY-SPEAKER: You have already spoken on your amendments also

SHRI MOOL CHAND DAGA: I will highlight each amendment.

श्री रोतलाल ग्साद वर्मा (कोडरा) : उपाघ्यक्ष महोदय, मैं इस बिल का समर्थन करने के लिए खड़ा हुग्रा हूं हालांकि श्री चित्रांति है- नोल ग्रायुं विज्ञान ग्रीर प्रोद्योगिकी संस्थान, तिवेन्द्रम विधेयक बहुत पहले ग्रा जाना चाहिए था क्योंकि इसे राष्ट्रीय महत्व की संस्था बनाने की दृष्टि से यह बिल लाया गया है। चूं कि राष्ट्रीय महत्व का यह संस्थान साउथ में है, दक्षिण में है इसलिये वहां के ग्रिधसंख्यक लोग इससे लाभान्वित हो सकेंगे।

जिस तरह से यहां उत्तर भारत में एक ग्राल इंडिया इंस्टीट्यू: ग्राफ मेंडिकल साइन्सेज है, दूसरी पंजाब में है, उसी प्रकार से यह तीसरा संस्थान जो कि राष्ट्रीय महत्व का है, इसे दक्षिण में होता ही चाहिये। पहले से ही इस दिशा में भारत सरकार का ध्यान जाना चाहिए था, लेकिन जिस प्रकार के प्रावधान इंसमें किये गये हैं, उनके बारे में जिस तरह से डागा साहब ने ग्रीर ग्रन्य सदस्यों ने ग्राशंका व्यक्त की है कि संविधान की धारा 3! ग्रीर 32 के द्वारा सारे नियम, विनियम ग्रीर प्रक्रिया या जो भी प्रशासन की विधि होगी वह सब नौकरशाही पर जो

# [ श्रो रीतलाल प्रसाद वर्मा ]

छोड़ दिये गये हैं, इसंसें गुझें भी भारी आर्थका है कि इस राष्ट्रीय महत्व की संस्था का कार्य प्रगर ब्यूरीफेसी के द्वारा किया जायेगा तो सारे कायदे कानून जो भी नियम वर्गरा बनाये जायेंगे, उनमें भाई-भतीजावाद, क्षेत्री-यता ग्रीर प्रान्तीयता की भावना काम करेगी। इसमें कोई ऐसी चेतावनी नहीं है जिसमें इस तरह की बात न हो । यही कारण है कि देश में पूरी राष्ट्रीयता की भावना नहीं भ्रा पाती है भ्रौर जिन राष्ट्रीय महत्व की संस्थान की घोषणा की जाती है वह। पर निश्चित रूप से जातीयता या किसी न किसी तरह की संकीर्णता की भावना पैदा हो जाती है। इसलिये मेरा कहना यह है कि यह विधेयक अपने आप में सम्पूर्ण नहीं है । हालांकि एक करोड़ रुपये प्रतिवर्ष खर्च यहां होगा, 75 लाख का खर्चा हो सकता है, लेकिन इस पर एक करोड से **ग्रधिक खर्च करने का ख्याल है, क्योंकि** राष्ट्रीय महत्व का यह संस्थान होगा । इस पर 4 करोड़ से भी ग्रधिक भवन निर्माण पर खर्च होगा ।

यह बहुत श्रच्छा है, दक्षिण भारत में इस प्रकार की एक संस्था होनी चाहिये जिसमें सारे भारतवर्ष के लोगों को लाभान्वित कराया जा सके। गारन्टी के साथ यह प्राव-धान इसमें रखना चाहिये था, लेकिन इसमें उस तरह की कभी रह गई है श्रौर लगता है कि यह संस्थान भी ऐसे ही लोगों के हाथ में फिर सौप दिया जायेगा जो निश्चित रूप से इसमें किमयां रह जायेंगी श्रौर फिर यह श्रालोचना का विषय बनेगा।

इसमें जिस तरह से ग्रायुविज्ञान ग्रौर प्रौधोगिकी की दिशा में तकनीकी ग्रौर इंजीनिरिंग की तरफ विशेष ध्यान दिया गया है, लेकिन इसमें यह नहीं जोड़ा गया कि यह संस्था हमारे देश में प्रचलित

बायुर्वेदिक प्रणाली के बारे में भी कोई **ब**नुसंधान करती । इसमें श्रायुर्वेद की बिल्कुल उपेक्षा की गई है । इसके अनु-संघान के कई केन्द्र भीर उप केन्द्र बनेंगे, लेकिन कहीं यह नहीं है कि होम्योपैथ या **ग्रायुर्वेंद** के बारे में कोई सरल सुगम पद्धति बन सकेगी जिनका देश में जड़ी-बृटियों के रूप में बहुत खजाना है। इन सब के ग्रन्संधान के लिए इसमें कोई गुजाइश नहीं है । ऐसे बिलों में लिख दिया जाता है कि संस्था में उच्च शिक्षा, ग्रनुसंधान ग्रौर गवेषण की व्यवस्था की जायेगी, लेकिन हम देखते हैं कि पाक्चात्य प्रणालियों की ग्रोर ही सारा ध्यान दिया जाता है श्रौर जिन देशी ग्रं.षिधयों तथा विधियों द्वारा रोगों का स्थायी रूप से उपचार किया जाता उनकी उपेक्षा की जाती है । इस देश में हम लोग नकलची बनते जा रहे हैं श्रौर विदेशी प्रणालियों का अघाधुंध अनुवरण करते चले जा रहे है। हमारे देश में जो जडी-बटियां भ्रौर पद्धतियां हैं, उनका भ्रन्-संधान करने की कोई व्यवस्था नहीं है। डिप्लोमा भौर डिग्रियां बहुत सी दी जाती है. कई कमेटियां बनाने का भी प्रावधान है स्रोर स्रनाप शनाप खर्च की व्यवस्था की गई है। यह सब काम नौकरशाही द्वारा होगा श्रौर उसकी निगरानी की तरफ कोई ध्यान नही दिया गया है । मैं समझता हू कि श्रगर मंत्री महोदय इस दिशा में कुछ सुधार कर सकेंगे, तो यह विधेयक सर्वाग-पर्णं बन सकेगा ।

PROF. P. J. KURIEN (Mavelikara): Mr. Deputy-Speaker, Sir, I congratulate the Government for bringing this Bill. As my learned friend, Mr. Xavier Arakal, has pointed out, the Government deserves thanks from the people of Kerala. At the same time, I do not agree with him when he says that the credit of bringing this Bill goes to this Government. It was

actually introduced in the Rajya Sabha in 1979 itself. I feel that this Bill should have been brought earlier in this House.

Now the Institute under consideration which is going to be elevated to a national institute, is functioning as a first-rate one in the State of Kerala and is doing yeoman service to the people of the country as a whole. But as I see this Bill, I am afraid that its smooth functioning will be, to a certain extent, impeded. The reason why I feel so is that as you go through the Bill, you will see that minor decisions will have to be taken at Delhi by the bureaucrats. Bill, as presented, is taking all the privileges and rights of the scientists in the Institute and is conferring or transferring these rights to the bureau I think, this is a very tendency. I request and suggest the Minister not to stick on the technical reasons but change those clauses where bureaucracy is keeping so much domination over scientists and experts.

I congratulate the Government bringing this Bill under Science and Technology and not under Health because research is more imoprtant. This Institute is mainly meant for research in bio-medical scheme and technology. But what is the plight of science and technology and especially, research? The nation should give utmost portance to that. I would rather point out that in our country everywhere the scientists, experts and research scholars are not getting the proper decision-making rights or they are considered second-rate and always. bureaucracy takes the decision. cannot afford to continue such a situation. We have to change the policy in regard to science and technology as well. Scientists, experts and research scholars should have independence and more freedom in this country. That will do a lot for the progress of our country.

Many of our experts in the field of medicine and other sciences, who are genius in their respective fields, are working abroad. Most of our scien-

tists are working in foreign countries. Since this Bill has been brought forward by the Department of Science and Technology, I would request them to examine why this is happening. We should make an effort to bring back these scientists to our own soil. We should first consider why they have gone out. Obviously, there are two reasons. One may be the economic reason. But the second is the domination of bureaucracy over scientists in India. This should be changed. There should be no politics in matter. We should take very seriously the question of bringing our scientists back to our country and enable them to serve us here. After all, they are also national-minded patriotic people. They should be encouraged to work here.

Then, what about the plight of the scientists working in our own country? Recently, I read in a paper, and I have got the paper clipping, stating that scientists in India are committing suicide. Recently, it happened in Kerala. This is happening only in India. It is high time we examine why it is happening in our country.

My only fear is that when this Bill is passed and the Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences is elevated to the status of a national institute, those research scholars and scientists working there will lose freedom of decision. If their right to take decisions is taken away by the bureaucrats, then this Bill will serve any purpose. There are a number of clauses in this Bill under which more power is given to the bureaucrats and the scientists are tried to brought under the bureaucracy. I would request the hon. Minister to change those clauses.

So far as the number of members is concerned, I would suggest that the number of Government officers or bureaucrats should be reduced and, at the same time, the number of scientists and experts in the research field should be increased. There is no need to reduce the total number, because

[Prof. P., J. Kurian]

there are many matters to be deliberated at length. I do not also agree with the view that the strength of the Members of Parliament should reduced. It is not necessary, because, after all, they represent the 1.20ple. But the strength of the bureaucracy should definitely be reduced.

I would request the Minister examine my suggestions and make necessary changes in the clauses that the autonomous character of the Institute is maintained. If this Bill is passed in its present form, the Institute would be reduced to the standard of a Government hospital or Government institution. I am not blaming Government institutions: they have their own merits, but independent research cannot be done with governmental control. You cannot ask scientist to conduct research in a particular way. That is not possible. So, this Institute should be really autonomous.

So, while congratulating and thanking the Government for their good intention in bringing this Bill, I would all the same request them to modify it so that the Institute will be autonomous in its working. Only financial sarction should be taken from here. The Bill should be modified in that light.

SHRI K. A. RAJAN (Trichur): Mr. Deputy-Speaker, Sir, first of all I would say that I welcome this Bill. The Government of Kerala and the people of Kerala had been waiting for enactment, but unfortunately, even though it was brought in 1979, because of various reasons it could not be enacted. This institution earlier known as 'Sree Chitra Tirunal Medical Centre Society for Advanced Studies in Specialities' was registered under the Charitable Societies Act of 1973. From the Objects and Reasons of this Bill it is clear that this Medical Centre was sponsored by the Department of Science and Technology of Kerala. Among all these institutions, Sree Chitra Tirunal Medical Centre has

established particularly a good record by organising a hospital for advanced specialities and making them readily available for the weaker sections. So, while considering and just sponsoring this enactment, the Government of Kerala was very particular that this institution should not be an institution confined to a small State because of its broad aspects of development because it is not only an ordinary hospital, but it is a research-oriented Center which would serve the common people and it could also impart advanced medical studies. That was why Government of Kerala is clamouring for this enactment.

Sir, I would like to share the anxiety expressed by my colleagues in this debate on the very functioning of this autonomous body. My colleagues have already expressed from their experience that such autonomous bodies could not function properly, they cannot take proper deciand give proper directives sions because of the bureaucratic set up which rules over such autonomous bodies. So, the panacea for all the-e things lies in framing the rules and regulations. Particular attention should be given to see that this is a body of scientists and technologis's. And these scientists and technologists are allergic to such sort of bureaucratic handling of such an institution. So, this body should have enough autonomy in its functioning. That is one point which I would like to stress in regard to this Bill.

Regarding the composition and the number of members represented on this body, as it is, it comes to 23, as I understand. Now, I do not mind having 23 members in that body because it represents a scientific and technological institution which has to do research and which has to use various competent people in the field. But here, the representation given under clause 5(e) is:

"Two members to be nominated by the Government of the State of Kerala".

Sir, this institution has already got, according to the statute, 23 representatives. My humble submission is that more representation should be given from the Kerala Government side for representing on this body.

Regarding the governing body which has been proposed under this statute, a specific number of members is not stipulated. But my humble submission is that unless you just indicate the specific number—as a Governing Body it has to perform its duties in time—it may create more difficulties.

I want to stress one more aspect regarding representation on this body. In the Governing Body of the earlier Institute, Sree Chitra Tirunal Medical Centre Society, which has been registered under the Government of Kerala Societies Act, representation among the staff was given. But I see that there is no staff representation here. In such institutions of science and technology, unless you give enough representation to those who are really running the show. there will be lot of difficulties in carrying on the normal activities of the institution. So, the requisite representation should be there.

So far as the other clause relating to the protection of the rights of those who are already employed in the institution is concerned, I am glad that it protects their rights in regard to transfer of service of the existing employees, etc Section 28 deals with

I would like to emphasise again the functioning of this body. Really this body has to function on an All India basis. It has a vast scope of development. It should function as a body of an All India character. It should cater to the needs of all. Though it is located in Kerala, it should cater to the needs of the whole country. With advance technology in science, it will benefit the whole nation. By bringing this enactment with all good intentions, the purpose will be served.

So far as framing of the rules and regulations is concerned, you have to watch carefully. If enough facilities are not given for doing the activities properly, I aoubt whether the purpose will be served.

With these points I support this Bill and I welcome this Bill

SHRI A. NEELALOHITHADASAN (Trivandrum): I support this Bill because there is a saying-better late than never'. As other hon. Members have pointed out, we have been waiting for it for a long time. Anyway the Government has shown the kindness by introducing this Bill, though late. So, I thank the Government for that.

Shri Arakal has given the whole credit to Mrs. Gandhi in his speech as regard to this Bill. But I am sorry to point out that taking into consideration the importance of the Bill which is going to have its own impact on the science and technology of our nation, Shrimati Gandhi, the Prime Minister, who is also incharge of Science and Technology Ministry is absent herself from this House. may be having her own engagements but even the Minister of State for Science and Technology is absent and he has delegated his powers to somebody else to introduce the Bill. This is the importance this Government is giving to such an important Bill.

Shri Arakal has also pointed out that Shrimati Gandhi is following the foot-steps of Pandit Jawaharlal Nehru as regards to science and technology. But let me ask one question-after Pandit Jawaharlal Nehru what work has been done by the successive Governments in the field of science and technology? It will be a big zero.

XAV!ER ARAKAL: You were elected because of her.

SHRI A NEELALOHITHADASAN: I have been elected because of my own footings in politics. I am not like you. I do not want to give credit to somebody else.

SHRI K. A. RAJAN: He may come over.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please come to the subject proper.

SHRI A NEELALOHITHADASAN: As some of the members have pointed out, this institute started functioning in 1973 as a centre for Advanced Studies in Kerala. At that time, Shrimati Indira Gandhi was in power as the Prime Minister. Even during her days, it had emerged as an institute national importance with the sacrifice and the dedication of the scientists working there. But Shrimati Indira Gandhi or her Government, during that time, did not take any interest in proclaiming it as an institute of national importance.

As you all know, during the years 1975—77, that is, during Emergency, Shrimati Indira Gandhi was having unlimited powers. She did not even use her unlimited powers to proclaim this institute as an institute of national importance. That is the secret of Mr. Arakal's giving credit to Shrimat; Indira Gandhi

As Mr. Patil himself has stated in his introductory remarks, in 1979 the Government was having a proposal to introduce the Bill: the decision to proclaim this institute as an institute of national importance had been taken during the time of the Janata rule The Bill had been prepared and presented to the Rajya Sabha and got passed. As the Lok Sabha had been dissolved, it could not be presented before it. The people of Kerala, the Government of Kerala and we, the Members of Parliament from Kerala, were expecting that in the first session of the newly-formed Lok Sabha itself, the Government would bring forward this Bill. But they have not done it. They have taken eleven months to

prepare the Bill and present it before the House, even with all the shortcomings pointed out by some of the members of the ruling party itself.

I want to point out that this institute is working as an institute of national importance with the sacrifice and the dedication of the scientists working there. The unique nature Institute has given it a national status. But in respect of clause 26 of the Bill itself. I fear that the autonomy of the institute may be affected. Clause 26 reads:

"If in, or in connection with, the exercise of its powers and discharge of its functions by the under this Act, any dispute arises between the Institute and the Central Government, the decision of the Central Government on such dispute shall be final."

I am not against giving the Central Government the final authority. But normally what is happening is that, as some of the members of the ruling party itself pointed out, the decision of the Central Government sometimes depends on the notes prepared some Section Officer or Under Secretary or somebody of that status and, generally, the decisions are delayed in this respect.

Similarly, as the proposal to takeover the institute has been pending for one or two years, and because of the delay the authorities of the institute who are now running it have been facing so many difficulties. So I want to request the Government not to allow further delay in framing rules and procedures and to speed up the matter as far as possible.

The other thing I want to point out is that it has been made clear that this Institute functions in Kerala, particularly in Trivandrum, the capital of Kerala. And Kerala is a State which has been neglected generally and Trivandrum in the district in it which has been neglected particularly

after Independence as regard almost all matters. Even if something owned by the Central Government or something of national importance has been started in Kerala, after in the starting or establishment, Government does not take much interest in their development. For example, there is the Vikram Sarabhai space Centre in Trivandrum which has been started some years ago. But, after the starting or establishment of it no developmental activity is carried on it and the proposed developmental activities of that area have been passed on to some other places in other States. That is the attitude of the Central Government always-whether it is Congress Government, whether it is the Janata Government or whether it is the Lok Dal Government. So I would request the Government not to repeat this in future, particularly at least as regard to this Institute, because this is an Institute which is unique in its nature There are two other institutes concerned with medical sciences and other things, but these Institutes have their own functions and this Institute is intended to have some different unique and important functions. let the Government give up its partisan attitude and give some importance to this institute and its developmental activities

Let me point out another matter also connected with it. There is one Cancer unit connected with the Medical College, Trivandrum which is also functioning in the compound of this Institute, and there is a proposal pending before the Central Government to proclaim it as a Regional Cancer Institute. Under the provisions of the Act itself this Institute is empowered to run hospitals research institutes of various types. So, the conversion of the Cancer unit into a Regional Cancer Institute can also be taken up for consideration and can also be connected or united with this so that its activities also

momentum in that may get some direction also.

Let me point out further that at least in moments like this the whole House, the Government and the nation as a whole should think over the importance of science and technology. I request the Government chalk out a plan for the over-all development of science and technology in our country. Let us have a review regarding the fact what happened during the days of Pt. Jawaharlal Nehru as regard to the development of science and technology and after Pt. Jawaharlal Nehru, what has happened in this field. All these questions should be analysed. Let the Government formulate and chalk out a programme in this field so that the sorrowful situation of our scientists going abroad search of jobs and research avenues may be avoided for ever and, in our nation itself, within the limits of our country itself, they may have an opportunity to utilise their own abilities and capabilities. This has always been happening, particularly after the Chinese Aggression of 1962; the whole of our economy, the whole of our planning, including our annual budget, has been depending on foreign capital and foreign aid. This situation, must be got rid of, and we should become self-reliant in all the fields. including our annual plan, including our Five-Year Plan, and including science and technology. Then only our scientists will get an opportunity to use their services for the betterment of our nations.

SHRI BAPUSAHEB PARULEKAR (Ratnagiri): Mr. Deputy-Speaker, Sir, I thank you very much for giving me this opportunity to express my views on this important Bill. I rise to support this Bill. There cannot be two opinions that institutions of technical and scientific education should be declared as institutions of national importance. The intention of the Government can very well be appreciated. But I am sorry that,

## [Shri Bapusaheb Parulekar]

after going through the Clauses of this Bill, I find that this Bill is clumsily worded, badly drafted, and there are many loopholes in this particular Bill.

To start with, may I invite the attention of the hon. Minister to the fact that Parliament gets the jurisdiction, and we have the competence to legislate on a measure of this type, provided we come within the four corners of item 64 of List I of the Seventh Schedule, read with article 246 of the Constitution. Of course, I am making this submission only from the view point that some persons, interested in seeing that this Bill or Act does not get through well, may seek to stall this particular measure by going to courts. Item 64 of List I of Seventh Schedule mentions:

"Institutions for scientific or technical education".

I may invite the attention of the hon. Minister to the fact that neither in the Statement of Objects and Reasons, nor in the clauses, nor in his speech, has it been stated that this particular Institute regarding which you are legislating is an Institute the objects of which are those mentioned in item 64 of List I of Seventh Schedule For example, if you refer to the Statement of Objects and Reasons, you will find that it is stated that this institution "was set up as an autonomous body in 1974 under the Travancore-Cochin Literary Societies and Charitable Societies Registration Act, 1955". If you see Clause 2 which declares this as an institution of national importance, you have only mentioned:

"Whereas the objects of the Sree Chitra Medical Tirunal Centre Society for Advanced Studies in Specialities, Trivandrum, .....".

So is the wording in Clause 3 as well as in Clause 4. Nowhere have you described it, including even in your speech, that this is an institution for scientific or technical education. I am purposely making a mention of this because there is a ruling of a High Court which says that, if, on the face of a Bill, the ingredients of this particular clause-item 64 of List I of Seventh Schedule-read with article 246 of the Constitution are not to be seen, then the competence of Parliament to legislate on this particular type of measure can be challenged in a court and a stay can be obtained. Thus, our intentions can be frustrated and the measure stalled. I hope you have examined this particular from this angle. If not, I would request you to consider this particular aspect, so that, after the passing of this Bill, this Act is not stalled.

I entirely agree with the views expresed by Mr Daga May I ask the hon. Minister as to why, as is mentioned in Clause 5, out of 22 Members of this Council, 17 Members are to be nominated by the Centre

The second question which I would like to pose is: when the institution is in Kerala, how is that you are giving representation of only three members out of twenty-two? All the others are coming from other parts of the country. I may also invite the attention of the hon. Minister clauses (d) and (e). When you are giving representation to the Ministry of Planning as far as the State Government is concerned, why are representation to giving Planning Ministry as far as the Central Government is concerned? You are giving representation to the Education and Finance Ministries under the Central Government but you are not giving that representation as far as Kerala State is concerned.

If you read clauses (d) and (e) this position is very clear. I therefore request you to give that august House the clarification as to why you have excluded the Planning Ministry from

being represented in this particular Council Explanation is absolutely necessary because Planning is one of the important Ministries in this particular sector. Then I would like to know as to what exactly you mean by scientists. I can understand the word 'scientist'. Is the something like a social worker? You have mentioned in clause 5(f) that of the three scientists, two shall be medical scientists and one shall be a social scientist. So, it is necessary for us to know what exactly you mean by social scientist. Is there any person before your eyes out of 22 members? This is what Mr. Daga says. If you read clause 10 sub-clause (5) there is a very interesting legal position. You say that:

"Subject to such control and restrictions as may be prescribed by rules, the Institute may constitute as many Standing Committees and as many ad hoc Committee . . . '

What is this? You have a Council: you have a Governing Body: you have many Standing Committees and you have many ad hoc Committees. The next clause that follows says that the meetings shall be held Delhi. All those persons coming Delhi will be getting their allowances. Mr. Daga referred to the Governing Body whose members will be getting Rs. 25,000 as allowances. If you consider the allowances of this particular body it will be running to lakhs. You say that you are going to spend Rs. 75 lakhs over the entire institution. I would request the hon. Minister to give us an explanation as to what exactly you mean when you say that there shall be as many committees and as many standing What is the ad hoc committees'. total number of those committees which will be looking after this particular institution. I hope that that will be less than hundred. I expect the hon. Minister to tell us right now as to what is the exact number of the committees. Then, you have also mentioned in clause (7) that there shall be a President in the

Institute who shall be nominated by the Central Government from among the members other than the Director". This is an institution for giving technical and scientific training. you wish that a Member of Parliament should be the Chairman of this institution? There you have only exempted the director. You give under this Act that the Vice-Chancellor who is a non-technical man and who does not know anything of Science and Members of Parliament who may not be knowing anything about Science and Technology can be appointed as the Chairman. I request you to re-consider particular position. As far as such institutions are concerned the technical heads should lead the team scientists, social scientists and other

I may also invite your attention to one more important point. You have that as far as funds are concerned, under clause 13(i), this institution shall have the right to receive grants from Governments, donations etc. from the individuals. Are going to give the permission to institution to accept capitation fees because you are going to give postgraduation training? We are seeing what this is happening in country. Because capitation fee provision has been made, many meritorious students are not getting admissions in the medical colleges. Now we are dealing with post-graduation in science and technology. So under clause 13(1), I respectfully submit that exception may be made that this institute shall not be allowed to collect the capitation fees.

Then, a reference was made by my hon. friend who spoke before me with reference to clause 16. That is, in case of disputes between the Institute and Government, the decision shall be given by the Central Government. And that decision shall be final. Thank God they have not used the word also 'conclusion' I have nothing against the Central Government; I have no grudge against the

## [Shri Bapusaheb Parulekar]

Central Government . But, when the Central Government is one of the parties to the dispute, how is it that by law you are giving the authority to one of the parties to the dispute of giving the decision as final and conclusion. This is all against all canons of fundamental principles. I hope Shri Shivaraj ji will agree with the submissions that I am making. This is against the principles of natural justice.

Sir, the expressions made by Mr. Daga and others that the rule making power has been given to the bureaucracy is not correct. I feel it is not left to the bureaucracy. That right is given to Parliament because the rules and the bye-laws come to Parliament. But my submission is that if this power is given to Parliament of making rules and regulations than power to make amendments to rules and regulations has also to be given to the Parliament otherwise this is meaningless. So, it will be necessary to include the words: "Every rule or every amendment made to the subsequent rules shall be laid before Parliament."

I therefore, request that considering the submissions which I have made and the points that I have made kindly consider whether re-drafting of the Bill is necessary so that no person can get an opportunity to go to the court and get this particular Bill stalled.

MR DEPUTY-SPEAKER. Now, the Minister will reply..

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: there are certain points raised by the hon'ble Member and it would be difficult to reply to all the points separately. So, I am trying to meet the points made here together.

Sir, at the very outset I thank all the members for having participated in this debate. Almost all the members have welcomed the Bill and to that extent my job is lightened.

Sir one of the point made was about composition of the institution.

DEPUTY-SPEAKER: Patil, how much time will you take?

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Five to seven minutes, Sir.

THE MINISTER OF PARLIAMEN-TARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NA-RAIN SINGH): Sir, I suggest that the House may be extended by few minutes so that the Bill is passed.

MR. DEPUTY-SPEAKER: This a non-controversial Bill. I hope the hon'ble Members agree to sit a few minutes more beyond six O'clock so that the Bill is passed.

SOME HON. MEMBERS: Yes (Interruptions).

MR. DEPUTY-SPEAKER: It is a non-controversial Bill. As a matter of fact every member has congratulated the government for this Bill. We can complete it.

#### 18 hrs.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Even the composition is very clear from a reading of the Clause of the Bill. If one reads clause 5 very carefully, one would see this. One can come to the conclusion that among the members who would be constituting this Institute scientists would be more in number Vice-Chancellor is given the representation. The Director General of Health Services is there The representatives of the Ministries in the Central Government are given their representation there. Science, Technology Health, Finance and Laucation are represented there. In Clause 3 you will see that the State Government is also represented Planning, Science. Technology and Health are represented. While answering this point I may bring to the notice of the honourable House that in Kerala, Science Technology comes under Planning. It is not necessary to include Science and Technology here also. The composition is therefore such as to that this Institute carries on the educational activities and research activities and other kinds of activities which will help the country to be self-sufficient and self-reliant. So, I think, Sir, there cannot be any valid objection to the composition which is vital, which has been provided in the Bill

The second objection is one relating to the rules and regulations. With rapt attention I heard the speech delivered by Mr. Daga. I thought he was speaking more about delegated legislation. Many other hon. Members in the House have taken that point and they have said that there are many rules and regulations to be framed by the Central Government, the number of such rules and regulations is quite big and so on. Now, Sir, if one reads Clause 31 and 32 of the Bill, it would become very clear that these rules relate to the day-today activities for this Institute. It would be difficult for us to frame laws relating to all the day-to-day activities and every little thing. In the complicated society in which we are living, all laws are not made in the Legislatures but the rule-making power is delegated to the Government. There is a safeguard which is provided here. As has been pointed out by Mr. Parulekar. Clause 33 is very specific. Clause 33 provides that when any such rule or regulation is made it shall be brought before both Houses of Parliament. It safeguards the power which is available to Parliament in this regard and therefore there is no difficulty in allowing the Central Government to make rules and regulations and there is not going to be any bureaucracy visible in that respect.

And the third point which was made was about the Scientists. It was said that the Central Government should take certain steps to see that scientists do not go out of India but that they remain here and work and help our own country. It gives me great pleasure to announce in this House here that the Director of this Institute has come from the United States of America and he would be working

over there. This Institute provides opportunity for research and education.

SHRI A NEELALOHITHADASAN: He is a citizen of Kerala, in India.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Institute helps in getting scientists from outside this country. And the fourth point raised in the House is about the autonomy of the Institute. We have given this power to the Cen-Government to make rules and regulations. The rules and regulations would be such as will see that this autonomy of the Institution is well-protected. Those rules regulations will come before House as well as the Upper House also and from that it would be clearly visible whether this autonomy is protected or not. It was said that Government would take years to frame the rules and to bring them before the House. That is not the position. The draft rules are already available and immediately this is passed, the draft rules will come before this House as also before the other House. Let us not have any apprehensions on that court also.

Shri Parulekar, the hon. Member, raised so many legal points in this House. I think, he is not very serious on the points which he has made because he knows that all the care and precaution has been taken to see that this Bill does not become ultra vires of the Constitution. If he reads the entire Bill, he will come to the conclusion that the Institute carry on the activities of education and research. That kind of an Institute can always be declared Institute of national importance. That is already there. Let us not have any apprehension on that count.

Then the question was raised as to why the planning was not mentioned and the definition of the social scientists etc. Now, it is not necessary for me to give that. That definition is already known to us . . . (Interruptions). A social scientist is a person who is studying as to how the

[Shri Shivraj V. Patil]

activities are carried on in the society. A person who is dealing with plan...

MR. DEPUTY-SPEAKER: Man himself is a socio-political product.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: We do not have a dichotomy between physical scientists and the scientists.

PROF. P. J. KURIEN: According to you anybody can be sent That is a very broad definition. This should be restrictive.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: order to unite the physical scientists and the social scientists, this precaution is taken. I would say that nobody should have any objection to this kind of provision in the Act. Science by itself has done lot many things for us, but science is creating some difficulties also. In order to see that science does not create difficulties if we take the social system that is available and there are other important aspects also, and combine the two things, science will be more helpful and effective and with that view, the social scientists is included. I think, Shri Parulekar does not require any information or any definition from me as  $t_0$  this term.

Then, the hon. Member asked about the number of committees to be formed. Well, we have the governing body, we have the composition of the Institute and other committees. wants that the number should be given here and now. When the rules come these would come before the House and we can debate that, but it would not be possible to give everything in the Bill. We want to give more autonomy to the Institute. We want to see that it is an institute which works, we want to see that it has more room for activity and if that is our objective, it would be difficult to achieve that objective by providing everything in the law itself. It is

exactly for this reason that the delegated legislation is allowed and it is exactly for this reason that it is not mentioned in the Bill and it would be mentioned in the rules. I hope I have tried to meet all the salient and important points.

AN HON MEMBER: What about the capitation fee?

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Well, do you know what is the policy of the Government? What have expressed vourself in House would certainly be taken into account by the Government. It is not necessary for me to say anything more on this point and it is not necessary for me to speak more on the points which are raised here. policy of the Government is not to support these Institutes which take capitation fees or something of that kind. This is an Institute which is run with the financial assistance of the Central Government and the question of taking capitation fees does not arise and you must not have any apprehensions on that count. Thank you.

MR DEPUTY-SPEAKER: I shall now put the motion for consideration to the vote of the House. The question is:

"That the Bill to declare the Sree Chitra Tirunal Medical Centre Society for Advanced Studies in Specialities, Trivandrum, in the State of Kerala, to be an institution of national importance and to provide for its incorporation and matters connected therewith, be taken into consideration."

The motion was adopted.

MR DEPUTY-SPEAKER: Now, we will take up clause by clause consideration of the Bill. There amendments to clauses 2 to 4. The question is:

"That clauses 2 to 4 stand part of the Bill."

The motion was adopted.

for Medical 446 Services etc. Bill

Clauses 2 to 4 were added to the Bill. Clauses 4 to 33 were added to the Bill. Clause 1, the Enacting Formula and the Title were added to the Bill.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: I beg to move:

"That the Bill be passed"

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That the Bill be passed."

The motion was adopted.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE EIGHTH REPORT

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND DEPARTMENT OF PARLIAMEN-TARY AFFAIRS (SHRI P. VENKA-TASUBBAIAH): Sir, I beg to present the Eighth Report of the Business Advisory Committee..

DEPUTY-SPEAKER: House stands adjourned to meet tomorrow at 11 A.M.

18.17 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Tuesday, November 18, 1980/Kartika 27, 1902 (Saka).